इतिहास, कला एवं संस्कृति & भूगोल

दादासाहब फाल्के पुरस्कार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र ने हाल में रजनीकांत को एक अभिनेता, निर्माता और स्क्रीन लेखक के रूप में उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादासाहब फाल्के पुरस्कार देने की घोषणा की।
- 1969 में स्थापित किया गया यह पुरस्कार, भारतीय सिनेमा में एक कलाकार के लिए सबसे ऊंचा सम्मान है।

About Dadasaheb Phalke Award

- दादासाहब फाल्के पुरस्कार सिनेमा में भारत का सबसे ऊंचा पुरस्कार है।
- इसे वार्षिक रूप से फिल्म समारोह निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में प्रदान किया जाता है। यह एक संगठन है जिसकी स्थापना सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा की गई थी।
- पुरस्कार हासिल करने वाले को भारतीय सिनेमा की वृद्धि और विकास के लिए उनके असाधारण योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है।

प्रधानमंत्री के योग पुरस्कार

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- इस वर्ष के प्रधानमंत्री योग पुरस्कारों (PMYA) के लिए नामांकन प्रक्रिया हाल में शुरू हो गई।

प्रधानमंत्री के योग पुरस्कार के बारे में

- यह आयुष मंत्रालय (MoA) की प्रमुख पहलों में से एक है, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (IDY) ने अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त कर ली है।
- इसे दो श्रेणियों के लिए घोषित किया जाता है
    a. अंतरराष्ट्रीय के लिए
    b. राष्ट्रीय के लिए
- पुरस्कारों का उद्देश्य व्यक्ति (व्यक्तियों)/संगठन (संगठनों) की पहचान और सम्मानित करना जिन्होंने लंबे समय के लिए समाज पर योग के प्रोत्साहन और विकास के द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा।

भारतीय ग्रीष्म मानसून

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- स्रोत- फाइनेंसियल एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में एक नया अध्ययन विवरण दर्शाता है कि कैसे पश्चिम, मध्य और पूर्व एशिया में रेगिस्तानों से आने वाली धूल भारतीय ग्रीष्म मानसून में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

उल्टा प्रभाव

- शोधकर्ता इस बात का वर्णन भी करते हैं कि कैसे भारतीय ग्रीष्म मानसून का उल्टा प्रभाव है और ज्यादा धूल पैदा करने के लिए पश्चिम एशिया में पवनों में वृद्धि कर सकती है।

मध्य-पूर्व से धूल के कण और पवन

- जब वायुमंडल में शक्तिशाली पवनों द्वारा ले जाने जाए जाते हैं, मध्य-पूर्व से आये हुए धूल के कण सौर विकिरण को अवशोषित कर लेते हैं और अत्यन्त गर्म हो जाते हैं।
- इन कणों से पैदा हुई गर्मी अपने चारों ओर के वातावरण की ऊष्मा को बढ़ा देती है जोकि वायु दाब और पवन के चक्रण अनुक्रम को परिवर्तित करने के लिए पर्याप्त होती है।
- इस परिघटना को **"उन्नत ऊष्मा पंप"** कहा जाता है जोकि नमी को भारत उपमहाद्वीप से समुद्र की ओर संचालित करने के लिए जिम्मेदार होती है।
- भारतीय ग्रीष्म मानसून की विशेषता गर्मियों में शक्तिशाली पवनों की होती है। इसलिए जब एक बार पवन परिवर्तित होते हैं, महासागर से भूमि पर परिवहित होने वाली नमी भी परिवर्तित हो जाएगी, और इसके फलस्वरूप वर्षण को वे परिवर्तित कर देंगे।

भारतीय ग्रीष्म मानसून वर्षा के बारे में

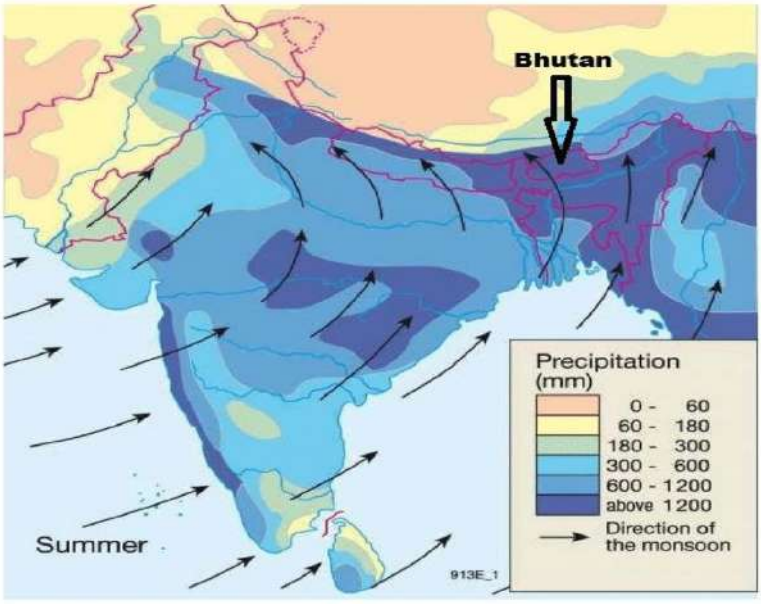

- भारतीय ग्रीष्म मानसून वर्षा (ISMR) सितंबर से जून के दौरान भारत में होने वाली अधिकांश वर्षा में अपना योगदान देती है और भारतीय कृषि में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है और इस तरह से अर्थव्यवस्था में।
- यह आंतरिक और बाह्य दोनों ही कारकों द्वारा बलात की गई उच्च स्थानिक-लौकिक भिन्नताओं को प्रदर्शित करती है, जोकि ISMR द्वारा बेहतर समझ और भविष्यवाणी के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात सेरोजा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I-भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मलाका, इंडोनेशिया (रायटर्स)- उष्णकटिबंधीय चक्रवात सेरोजा द्वारा दक्षिणपूर्व इंडोनेशिया और पूर्वी तिमोर में द्वीपों के एक समूह में उत्पन्न बाढ़ और भूस्खलनों की वजह से 113 लोगों की मौत हो गई।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात सेरोजा के बारे में

- यह वर्तमान में सक्रिय उष्णकटिबंधीय चक्रवात है जोकि पूर्वी तिमोर और दक्षिणी इंडोनेशिया में बड़े और खतरनाक अचानक बाढ़ों और भूस्खलनों के लिए जिम्मेदार है।
- यह 2020-21के ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्र चक्रवात मौसम का 22वां निम्न उष्णकटिबंधीय और सातवां उष्णकटिबंधीय चक्रवात है। यह सेरोजा का पूर्ववर्ती तिमोर द्वीप के दक्षिणी तट पर पैदा हुआ।

संबंधित सूचना

तिमोर द्वीप

- तिमोर, तिमोर समुद्र के उत्तर में समुद्रीय दक्षिणपूर्व एशिया के दक्षिणी छोर पर एक द्वीप है।.
- यह द्वीप पूर्वी हिस्से पर पूर्वी तिमोर के संप्रभु देश और पश्चिमी हिस्से पर इंडोनेशिया के बीच में विभाजित है।
- इंडोनेशियाई हिस्सा, जिसे पश्चिमी तिमोर भी कहा जाता है, पूर्वी नुसा टेन्गारा के प्रांत के हिस्से का निर्माण करता है।

लॉ साफरियर ज्वालामुखी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में पूर्वी कैरेबियाई द्वीप पर स्थित लॉ साफरियर ज्वालामुखी दशकों तक निष्क्रिय रहने के बाद फट गया है।

लॉ साफरियर ज्वालामुखी के बारे में

- लॉ साफरियर अथवा साफरियर सेंट विंसेंट सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में सेंट विंसेंट द्वीप पर एक सक्रिय ज्वालामुखी है।
- यह सेंट विंसेंट पर सबसे ऊंची चोटी है और इसपर 1718 से पांच रिकॉर्ड किए गए धमाकेदार विस्फोट हो चुके हैं।
- साफरियर एक मिश्रित ज्वालामुखी है जिसमें एक क्रेटर झील है। यह द्वीप का सबसे युवा और धुर उत्तर में स्थित ज्वालामुखी है।

डूम्सडे ग्लेशियर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, स्वीडन की गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा है कि डूम्सडे ग्लेशियर की पिघलती हुई बर्फ से संबंधित आशंकाएं पूर्व की आशंकाओं से ज्यादा बुरी हैं।

डूम्सडे ग्लेशियर के बारे में

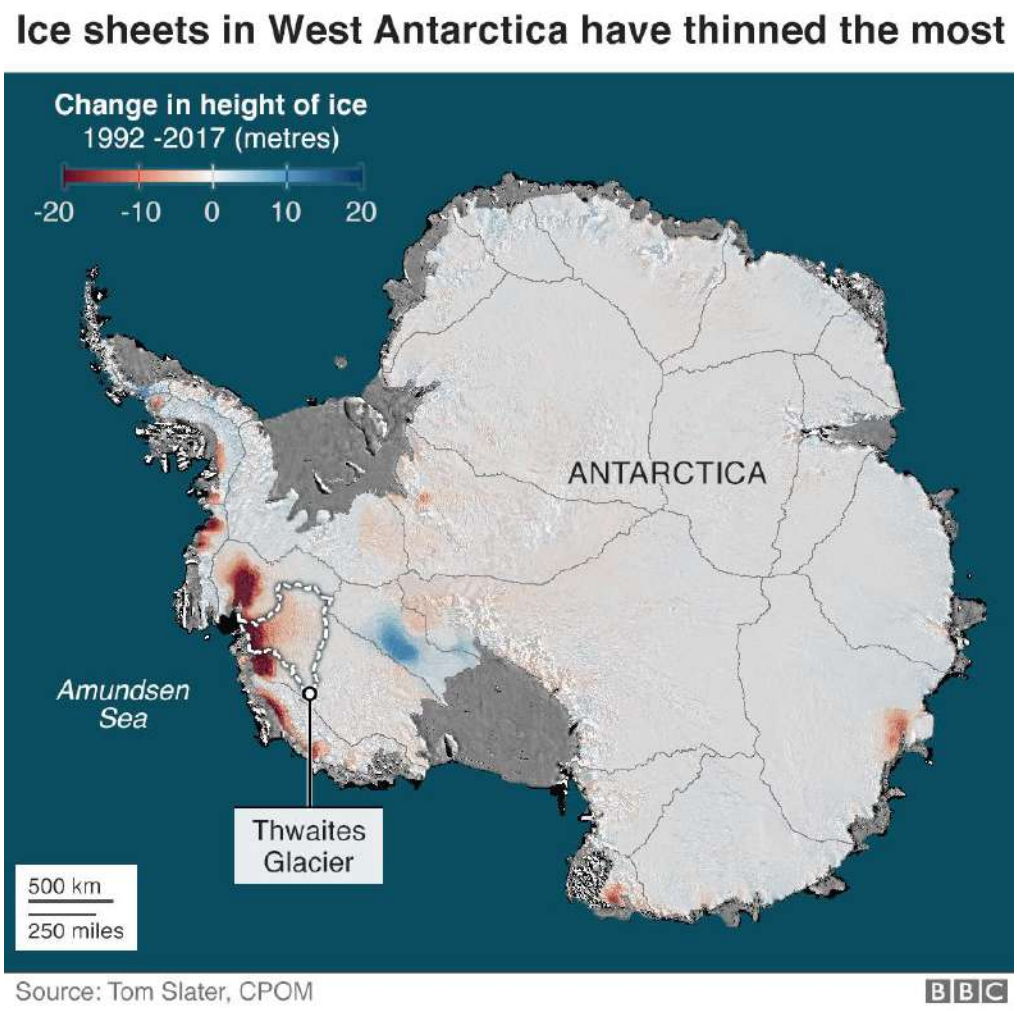

- इसे थ्वेटेज़ ग्लेशियर भी कहा जाता है, जो अंटार्कटिका में स्थित है।
- यह अपने सबसे चौड़े रूप में 120 किमी. है, तेजी से गतिमान और वर्षों के दौरान तेजी से पिघल रहा है।
- इसमें इतना ज्यादा जल है कि इससे पूरे विश्व का समुद्री जल स्तर आधे मीटर से ज्यादा बढ़ सकता है।

नए अध्ययन से क्या ज्ञात हुआ है?

- अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि इससे बहने वाली बर्फ की मात्रा पिछले 30 वर्षों में लगभग दुगुनी हो गई है।
- शोधकर्ताओं ने खोजा है कि इसका पूर्व से गहरा रिश्ता है जिसके द्वारा पाइन द्वीप खाड़ी से गहरा जल प्रवाह होता है, एक ऐसा जुड़ाव जिसके बारे में पूर्व में सोचा जाता था कि यह एक भूमिगत जल कटक से अवरुद्ध है।
- इस अध्ययन ने तीन चैनलों में से एक में ऊष्मा परिवहन को भी देखा है जो उत्तर से ग्लेशियर की ओर गर्म जल को लाता है।

मिस्र का खोया हुआ गोल्डन शहर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- इतिहास, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, तीन हजार वर्ष पुराने 18वें राजवंश के राजा अमेनहॉटेप III जिन्होंने प्राचीन मिस्र पर 1391 से 1353 ई. पू. तक राज्य किया, के युग से खोया हुआ गोल्डेन शहर मिस्र में लक्जर के दक्षिणी प्रांत में खोज गया है।

खोये हुए गोल्डेन शहर के बारे में

- यह लगभग 100 वर्ष पूर्व किंग तूतनखामुन की कब्र की खोज के बाद से सबसे महत्वपूर्ण खोज है।

- इसे प्राचीन मिस्र का पोम्पोई कहा जाता है क्योंकि फारोह के शासनकाल से मिट्टी के ईंट वाले मकान, कलाकृतियां और उपकरणों की खोज की गई है।
- मिस्र की प्राचीन वस्तुओं के मंत्रालय के अनुसार, एक बेकरी, भट्टी और भंडारण पात्र शहर के दक्षिणी हिस्से में पाए गए हैं, जबकि उत्तरी हिस्सा- जिसका पूरी तरह से उत्खनन अभी भी बाकी है- में प्रशासनिक और आवासीय जिले शामिल हैं।

स्थित

- नया खोजा गया शहर नील नदी के पश्चिमी किनारे पर स्थित है।

महत्व

- कहा जाता है कि पुरातत्वविदों ने शहर की दीवारों और यहां तक कि दैनिक जीवन में प्रयोग किये जाने वाले बर्तनों के साथ भरे हुए कमरों की खोज की।
- उन्होंने शराब के बर्तनों की मिट्टी के ढक्कन, छल्लों, ताबीजों, रंगीन मृदभाड़ और तकली और बुनने वाले उपकरणों की भी खोज की
- मिट्टी के ईंट जिनका खोज की गई पर तूतनखामून के दादा राजा अमेनहॉटेप III की मुहर लगी हुई है। इन्हें मिस्र के सबसे शक्तिशाली फारोह में से एक माना जाता था।
- इस स्थल में बड़ी संख्या में भट्टियां और चूल्हें है जिससे ग्लास और फेएंस का निर्माण किया जाता था। साथ ही हजारों मूर्तियों के ढेर भी पाए गए हैं।
- ऐसा विश्वास किया जाता है कि इस शहर का प्रयोग तूतनखामून और उसके उत्तराधिकारियों द्वारा उस काल के दौरान किया जाता था जिसे प्राचीन मिस्र का स्वर्ण युग कहा जाता है।

कोपिली भ्रंश क्षेत्र

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NCS) ने हाल में कहा है कि असम में भूकंप के झटके कोपिली भ्रंश क्षेत्र की वजह से हो सकते हैं जो हिमालियाई अग्र धक्के (HFT) के करीब स्थित है।

खबरों के बारे में और भी

- असम में भूकंप के झटके उत्तरपूर्व में बड़े भूकंप की आशंका को उजागर करते हैं।
- यह भूकंप, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.4 मापी गई, असम के सोनितपुर जिले में धेकियाजुली के पास आया।

कोपिली भ्रंश के बारे में और जानकारी

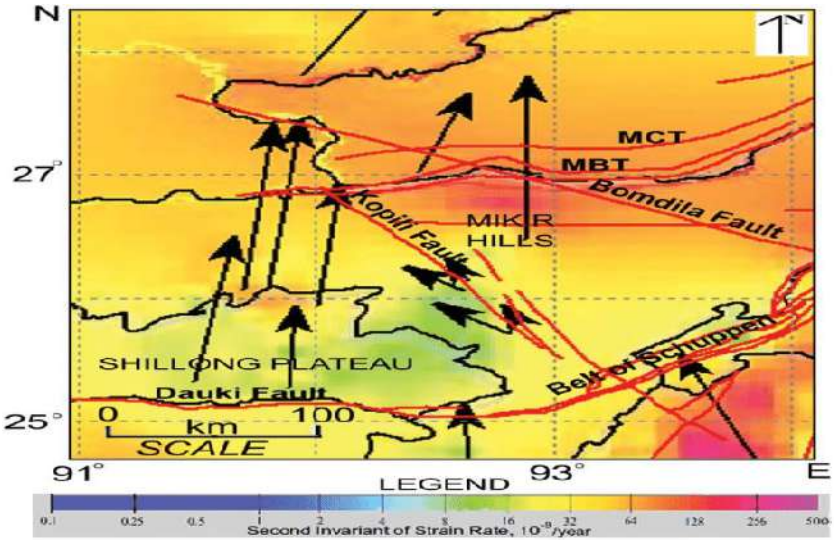

- यह भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है जो सबसे ऊंचे भूकंप जोखिम क्षेत्र V में आता है।
- यह टकराव विवर्तनिक से संबंधित है क्योंकि भारतीय प्लेट यूरेशियाई प्लेट के नीचे घुस रही है।
- कोपिली भ्रंश क्षेत्र 300 किमी. लंबी और 50 किमी. चौड़ी रेखा है (सीधी रेखा में आकृति) जो मणिपुर के पश्चिमी हिस्से से विस्तारित होकर भूटान, अरुणाचल प्रदेश और असम के तिराहे पर जाती है।
- यह भ्रंश अपने आप में विरुपण भंजन है जो निम्न भूपर्पटी सीधे हाथ वाले क्षैतिज भूकंपों को उत्पन्न करता है।

पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां

- कोपिली भ्रंश रेखा ने भूतकाल में कई भूकंपीय गतिविधियां देखी हैं जिसमें 1869 का भूकंप (7.8 रिक्टर पैमाने पर) और 1943 का भूकंप (7.3 रिक्टर पैमाने पर) शामिल हैं।

हिमालियाई अग्र धकेल (Frontal Thrust) के बारे में जानकारी

- इसे मुख्य अग्र धकेल भी कहा जाता है।
- यह एक भूगर्भीय भ्रंश है जो भारतीय और यूरेशियाई विवर्तनिकी प्लेटों की सीमा पर स्थित है।

दक्षिण एशियाई मौसम दृष्टिकोण मंच (SASCOF)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र –I भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, **सहमति रिपोर्ट SASCOF-19** को तैयार किया गया और दक्षिण एशियाई मौसम दृष्टिकोण मंच (SASCOF) द्वारा जारी किया गया।

रिपोर्ट के खास परिणाम

- यह रिपोर्ट कहती है कि हिमालियाई तलहटियों, मध्य और पश्चिमी भारत में सामान्य से ज्यादा वर्षा संभव है जबकि भारत के अधिकांश हिस्सों जिसमें दक्षिणी प्रायद्वीप, उत्तर म्यांमार, श्रीलंका, भूटान और पाकिस्तान शामिल हैं, में सामान्य वर्षा संभव है।
- SASCOF का कथन प्रथम चरण लंबी सीमा भविष्यवाणी (LRF) के अनुरूप ही है जिसे इस महीने के पूर्व में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी किया गया।
- सामान्य से कम वर्षा की संभावना इस वर्ष मानसून के दौरान दक्षिणी तमिलनाडु, जम्मू और कश्मीर, बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तरपूर्व भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से लगे इसके क्षेत्र और दक्षिण म्यांमार में है।

दक्षिण एशियाई मौसम दृष्टिकोण मंच (SASCOF) के बारे में जानकारी

- यह मौसम विशेषज्ञों का एक मंच है जो अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान का प्रतिनिधित्व करता है।
- इसमें विश्व मौसम विज्ञान संगठन, क्षेत्रीय एकीकृत बहु जोखिम पूर्व चेतावनी प्रणाली, जापान मौसम विज्ञान एजेंसी औऱ कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन के सदस्यों की विशेषज्ञता भी शामिल है।
- इसका आयोजन 2010 से दक्षिण एशियाई देशों और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा किया जा रहा है।
- यह क्षेत्रीय पैमाने पर सहमति ऋतु संबंधी मौसम सूचना को तैयार करता है जो राष्ट्रीय स्तर दृष्टिकोणों को तैयार करने के लिए स्थिर आधार उपलब्ध कराते हैं।

राजनीतिशास्त्र, शासन, सामाजिक मुद्दे & अंतरराष्ट्रीय संबंध

वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट सूचकांक 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- विश्व आर्थिक मंच ने हाल में **'वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट सूचकांक 2021'** का प्रकाशन किया है।

वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक के बारे में

- इसका प्रकाशन विश्व आर्थिक मंच ने किया है।
- WEF ने 2006 में पहली लैंगिक अंतराल रिपोर्ट का प्रकाशन किया है।
- वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक चार आयामों में लैंगिक समानता की ओर प्रगति के लिए 153 देशों को बेंचमार्क करती है:
  a. आर्थिक भागीदारी और अवसर
  b. शैक्षिक योग्यता,
  c. स्वास्थ्य एवं बचाव
  d. राजनीतिक सशक्तिकरण
- सूचकांक का लक्ष्य स्वास्थ्य, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और राजनीति पर महिलाओं और पुरुषों के बीच में सापेक्षिक अंतरालों की प्रगति पर नजर रखने के लिए दिकसूचक के रूप में कार्य करना है।

स्कोर

- सूचकांक में सबसे ज्यादा संभव स्कोर 1 है (समानता) और न्यूनतम संभव स्कोर 0 है (असामनता)।

प्रमुख खास बातें

वैश्विक परिदृश्य

- रिपोर्ट दर्शाती है कि सूचकांक में सबसे खराब प्रदर्शन दक्षिण एशिया का है, जिसके बाद मध्य-पूर्व और उत्तरी अफ्रीका, पश्चिमी एशिया का स्थान है
- क्षेत्र के अंतर्गत, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले देशों में एक बड़ा अंतराल है, बांग्लादेश जिसने अपने लैंगिक अंतराल में अभी तक 71.9% तक की तरक्की की है, जबकि दूसरी ओर अफगानिस्तान है जिसने केवल 44.4% अपना लैंगिक अंतराल ही पाटा है।
- **भारत इस क्षेत्र में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बाद तीसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला देश है।**
- वैश्विक रूप से, आइसलैंड, फिनलैंड, नॉर्वे, न्यूजीलैंड और स्वीडन दुनिया के सबसे ज्यादा लैंगिक समानता वाले देश हैं।
- रिपोर्ट दर्शाती है कि दक्षिण एशिया में, केवल भूटान और नेपाल ने 2021 में लैंगिक समानता की ओर प्रगति को दर्शाया है।

भारत और सूचकांक

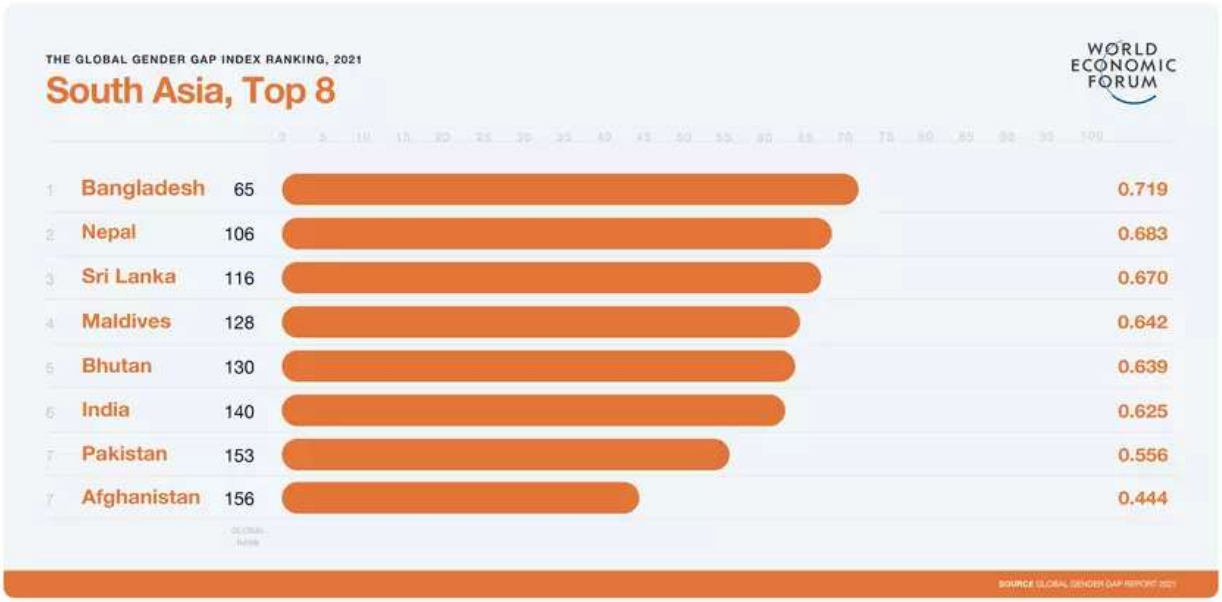

- विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक के 156 देशों में भारत 28 स्थान नीचे फिसल कर 140वें स्थान पर रहा।
- **2020 में, भारत को सूचकांक में 153 देशों के मध्य 112वां स्थान प्राप्त हुआ था।**
- विश्व आर्थिक मंच के वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2021 में भारत 28 स्थान नीचे फिसला है।
- यह दक्षिण एशिया का सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में से एक है, अपने पड़ोसियों बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और म्यांमार से यह पीछे है।
- दो सूचकांकों में जहां भारत ने खराब प्रदर्शन किया है वे हैं "**स्वास्थ्य एवं बचाव**" जिसमें लिंगानुपात शामिल है, और **महिलाओं की आर्थिक भागीदारी**।

आर्थिक भागीदारी और अवसर

- रिपोर्ट नोट करती है कि इस वर्ष भारत में आर्थिक भागीदारी लैंगिक अंतराल वास्तव में 3 प्रतिशत बढ़ा है।
- पेशेवर और तकनीकी भूमिकाओं में महिलाओं की साझेदारी 29.2 प्रतिशत और गिर गई है।
- वरिष्ठ और प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की भागीदारी 14.6 प्रतिशत है और केवल देश में 8.9 प्रतिशत फर्मों में ही महिला प्रबंधक ऊंचे पदों पर हैं।
- भारत में महिलाओं की अनुमानित अर्जित आय पुरुषों की 1/5 भाग है, जो इस संसूचक पर देश को वैश्विक स्तर पर 10 सबसे नीचे वाले देशों की श्रेणी में रखती है।

राजनीतिक शक्ति सूचकांक

- भारत राजनीतिक सशक्तिकरण सूचकांक में 13.5 प्रतिशत बिंदुओं के साथ नीचे आ गया है।
- महिला मंत्रियों के मामले में भी यह नीचे फिसला है, 2019 के 23.1 प्रतिशत से 2021 में 9.1 प्रतिशत तक।

शिक्षा प्राप्ति

- शिक्षा प्राप्ति के मामले में भारत का स्थान 114वां है।

स्वास्थ्य एवं बचाव सूचकांक

- स्वास्थ्य एवं बचाव सूचकांक में भारत ने सबसे खराब प्रदर्शन किया है, इसका स्थान 155वां है- इससे ज्यादा खराब प्रदर्शन करने वाला देश चीन है।
- यह रिपोर्ट असंतुलित लिंगानुपात को प्रमुख कारक के रूप में इंगित करती है।

DSIR-PRISM योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक मंत्री ने हाल में PRISM (व्यक्तियों, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों में नवाचारों का प्रोत्साहन) योजना के प्रचार के लिए आयोजन का उद्घाटन किया।

PRISM योजना के बारे में

- यह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR), विज्ञान एवं तकनीक मंत्रालय की एक पहल है।

लक्ष्य

- एक व्यक्तिगत उद्यमी को एक सफल तकनीकी उद्यमी बनने में मदद देना।
- यह समाज के लिए क्रियान्वयन योग्य और व्यावसायिक रूप से संभव नवाचारों को प्रोत्साहित, समर्थन और वित्त पोषित करता है।

पात्रता

- इस पहल के अंतर्गत, भारतीय राष्ट्रीयता वाला नवाचार करने वाला- छात्र, पेशेवर और सामान्य नागरिक इसके लिए पात्र है।

विशेषताएं

- पात्र अभ्यर्थियों को तकनीकी, रणनीतिक और वित्तीय सहायता DSIR-PRISM द्वारा प्रदान की जाती है। सहायता को विचार विकास, प्रोटोटाइप विकास, पाइलट स्केलिंग और पेटेंट करवाने जैसे चरणों में उपलब्ध कराया जाता है।

कवर किए गए क्षेत्र

योजना के अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए प्रस्तावों को स्वीकार किया जाएगा:

a. हरित तकनीक
b. स्वच्छ ऊर्जा
c. उद्योग के उपयोग वाले स्मार्ट पदार्थ
d. अपशिष्ट से स्वास्थ्य तक
e. वहनयोग्य स्वास्थ्य सेवा
f. जल एवं सीवेज प्रबंधन और
g. कोई अन्य तकनीक अथवा ज्ञान सघन क्षेत्र।

गीगा मेश

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+III- महिला संगठन+ विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में एस्ट्रोम, जो एक महिलाओं द्वारा संचालित स्टार्टअप है, ने एक नवाचार वाला बेतार उत्पाद जिसे गीगा मेश कहा जाता है, विकसित किया है। यह फाइबर की लागत से बहुत कम में फाइबर जैसा बैंडविड्थ प्रदान करता है जिससे दूरसंचार प्रचालकों को अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अल्प कीमत की इंटरनेट सेवा देने में मदद मिलेगी।

गीगा मेश के बारे में

- यह एक नवाचार वाला बेतार उत्पाद है। यह फाइबर की लागत से बहुत कम में फाइबर जैसा बैंडविड्थ प्रदान करता है जिससे दूरसंचार प्रचालकों को अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अल्प कीमत की इंटरनेट सेवा देने में मदद मिलेगी।
- यह एक मल्टी बीम ई-बैंड उत्पाद है जो एक में ही छह बिंदु से बिंदु ई-बैंड के रेडियो को पैक करता है, इस तरह से बहु जुड़ावों में उपकरण की लागत को वितरित कर देता है।

विशेषताएं

- इसका जुड़ाव और दूर के जुड़ाव निर्माण के बीच में स्वचालित जुड़ाव संरेखण, गत्यात्मक ऊर्जा आवंटन होता है जो प्राचलकों को महत्वपूर्ण प्रचालन खर्च लागत कटौती को हासिल करने में मदद देता है।

गीगा मेश के लाभ

- यह भारत जैसे देशों में दूरस्थ स्थानों में इंटरनेट उपलब्ध कराता है जहां फाइबर को डालना काफी ज्यादा खर्चीला है।
- यह नेटवर्क की भीड़भाड़ को भी कम करता है और वर्तमान अवसंरचना 5जी को तैयार भी करता है।
- एक गीगामेश उपकरण प्रत्येक 2+जीबीपीएस क्षमता के साथ 40 लिंक तक उपलब्ध करा सकता है, जिससे 10 किमी. के दायरे में संचार संभव है।

- सीमा का लोच दोनों ही घने शहरी नेटवर्कों की भीड़भाड़ कम करने और साथ ही ग्रामीण कवरेज के विस्तार के लिए भी उपयुक्त है।
- यह दूरसंचार बैकहॉल को सॉफ्टवेयर डिफाइंड नेटवर्क (SDN) क्षमता उपलब्ध कराता है जिससे काफी मात्रा में प्रचालन लागत कम हो जाती है।

संबंधित सूचना
भारत में इंटरनेट भेदन

- नवीनतम भारतीय दूरसंचार विनिमयन प्राधिकरण (TRAI) के आंकड़ों के अनुसार लगभग 54% भारत की जनसंख्या के पास इंटरनेट की पहुँच है।
- राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन सर्वेक्षण का 75वां चक्र दर्शाता है कि केवल 20% जनसंख्या के पास ही इंटरनेट प्रयोग करने की क्षमता है।
- भारत इंटरनेट रिपोर्ट 2019 दर्शाती है कि ग्रामीण भारत में शहरों की तुलना में आधा ही इंटरनेट भेदन है, यहां सप्ताह में एक बार से भी कम इंटरनेट तक पहुँच वाले प्रयोगकर्ताओं की संख्या दुगुनी है।

स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के 2022 में US$ 372 अरब तक पहुँचने की संभावनाः नीति आयोग की रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले, स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक रिपोर्ट जिसका शीर्षक 'भारत के स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में निवेश के अवसर' है, को नीति आयोग ने जारी किया है।

रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम

- स्वास्थ्य देखभाल भारतीय अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक बन चुका है और इसके 2022 तक US$ 372 अरब तक पहुँचने का अनुमान है।
- इस रिपोर्ट ने अस्पतालों, फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में देश के स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में निवे

नई नौकरियों की उत्पत्ति

- भारत के स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के 2017 से 2022 के बीच में भारत में 27 लाख नई नौकरियां सृजित करने की संभावना है- यह प्रतिवर्ष 5 लाख नई नौकरियां हैं।

- भारत का स्वास्थ्य देखभाल उद्योग 2016 से लगभग 22 प्रतिशत के चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से वृद्धि कर रहा है।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में FDI का अंतर्प्रवाह 2011 के अमेरिकी डॉलर 94 मिलियन से बढ़कर 2016 में अमेरिकी डॉलर 1,275 मिलियन हो गया, जोकि लगभग 13.5 गुना की वृद्धि है।
- यह रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि अस्पताल क्षेत्र में, टियर 2 से टियर 3 स्थानों को निजी खिलाड़ियों का विस्तार, मेट्रोपोलिटन शहरों के बाहर, एक आकर्षक निवेश अवसर उपलब्ध कराता है।
- रिपोर्ट के अनुसार, गैर मेट्रो **(टियर 2 और टियर 3 शहर) के मेट्रोपोलिटन शहरों और टियर 1 शहरों की अपेक्षा तेजी से पुनर्वापसी की संभावना है, क्योंकि वे कोविड-19 महामारी से कम प्रभावित हुए हैं।**

अनुच्छेद 244 (A)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यो है?

- हाल में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने असम के आदिवासी बहुसंख्यक जिलों में लोगों के हितों को सुरक्षित करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 244 (A) को लागू करने का वादा किया।

अनुच्छेद 244(A) के बारे में

- इसे 1969 में संविधान में शामिल किया गया।
- अनुच्छेद 244(A) असम के अंदर कुछ आदिवासी क्षेत्रों में 'स्वायत्त राज्य' की स्थापना की अनुमति देता है।
- इसमें एक विधायिका और मंत्रिपरिषद का प्रावधान भी है।
- 22वें संविधान संशोधन ने अनुच्छेद 244(A) के अंतर्गत स्वायत्त राज्य पर और उसकी स्थापना से भुगतान किये जाने वाले धन और अनुदानों के संबंध में अनुच्छेद 275 को संशोधित किया था।

यह कैसे संविधान की छठवीं अनुसूची से अलग है?

- संविधान की छठवीं अनुसूची- अनुच्छेद 244(2) और 275(1)- एक विशेष प्रावधान है जो स्वायत्त परिषदों के द्वारा उत्तर-पर्व के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में ज्यादा राजनीतिक स्वायत्तता और विकेंद्रीकृत शासन के लिए अनुमति प्रदान करती है जिन्हें चुने हुए जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्रशासित किया जाता है।
- असम में, दिमा हसाओ, कार्बी आंगलांग और पश्चिमी कार्बी के पहाड़ी जिले और बोडो क्षेत्रीय क्षेत्र इस प्रावधान के अंतर्गत हैं।
- अनुच्छेद 244(A) आदिवासी क्षेत्रों को ज्यादा स्वायत्त शक्तियां प्रदान करता है।
- स्वायत्त परिषदों में छठवीं अनुसूची के अंतर्गत, उनके पास कानून एवं व्यवस्था का अधिकार क्षेत्र नहीं है।

AIM-PRIME

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- अटल नवाचार मिशन (AIM), नीति आयोग ने हाल में AIM-PRIME (नवाचारों, बाजार तैयारी औऱ उद्यमिता पर अनुसंधानकर्ताओं के लिए कार्यक्रम) की शुरुआत की, यह पहल पूरे भारत में विज्ञान आधारित उच्च तकनीक वाले स्टार्टअप्स और उद्यमों को प्रोत्साहित और समर्थन देने के लिए है।
- इस संबंध में, AIM ने बिल और मिलेंडा गेट्स फाउंडेशन (BMGF) के साथ अपने राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम को लागू करने के लिए हाथ मिला लिया है जिसे वेंचर केंद्र द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा- यह एक गैर लाभकारी तकनीक व्यवसाय इंक्यूबेटर (जहां इनका पोषण किया जाएगा) है।

AIM-PRIME (नवाचारों, बाजार तैयारी औऱ उद्यमिता पर अनुसंधानकर्ताओं के लिए कार्यक्रम) के बारे में

- कार्यक्रम का पहला दस्ता विज्ञान आधारित मजबूत उच्च तकनीक व्यावसायिक विचारों वाले तकनीक विकासकर्ताओं के लिए खुला हुआ है (प्रारंभिक चरण वाले उच्च तकनीक के स्टार्टअप्स और वैज्ञानिक/इंजीनियर/क्लीनिक चलाने वाले)।
- यह कार्यक्रम AIM द्वारा वित्त पोषित अटल इंक्यूबेशन केंद्रों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और वरिष्ठ इंक्यूबेशन प्रबंधकों के लिए भी खुला है जो उच्च तकनीक उद्यमियों का समर्थन कर रहे हैं।
- इस कार्यक्रम के लिए चुने हुए अभ्यर्थी समग्र व्याख्यान ऋंखलाओं, सजीव टीम परियोजनाओं, अभ्यासों, और परियोजना विशिष्ट सलाह के द्वारा गहरे शिक्षण तक पहुँच बना सकेंगे।
- उनकी पहुँच उच्च तकनीक प्लेबुक, बनाई गए वीडियो पुस्तकालय और काफी समकक्ष शिक्षण अवसरों तक भी होगी।

लाभ

- इस कार्यक्रम के लाभों का लक्ष्य 12 महीनों की अवधि के दौरान प्रशिक्षण और निर्देशन के द्वारा विशिष्ट मुद्दों को सुलझाना है।

जल जीवन मिशन ने ग्रामीण पेयजल आपूर्ति प्रणालियों की निगरानी के लिए सेंसर आधारित IoT उपकरणों की तैनाती की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रीय जल जीवन मिशन ने TCIT और टाटा न्यासों के साथ हाल में उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, औऱ हिमाचल प्रदेश के दूरस्थ ग्रामों में पाइलट परियोजनाओं को पूरा किया है।

पृष्ठभूमि

- गांवों में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति प्रणालियों की निगरानी के प्रयास में, जलशक्ति मंत्रालय ने छह लाख से ज्यादा गांवों में जल जीवन मिशन (JJM) के क्रियान्वयन की प्रभावी निगरानी के लिए सेंसर आधारित IoT उपकरणों के प्रयोग के डिजिटल मार्ग को लेने का फैसला किया है।

प्रमुख विशेषताएं

- इन पाइलट परियोजनाओं की प्रमुख विशेषता अभी तक संस्ते लेकिन मजबूत सेंसर रही है, जो हल को मापन योग्य और सतत बना देते हैं।
- यह जल अवसंरचना लागतों को घटाने में मदद देता है (कुल योजना पूंजी व्यय का <10-15%) जबकि गुणवत्ता अथवा कार्यात्मकता से कोई समझौता नहीं होता है।

संबंधित सूचना
इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) के बारे में

- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) आधारित दूरस्थ निगरानी सेंसरों के प्रयोग द्वारा बिना किसी शारीरिक हस्तक्षेप के लगभग वास्तविक समय सूचना उपलब्ध कराती है।
- यह न केवल भूमि पर प्रभावी निगरानी और प्रबंधन की अनुमति देता है बल्कि राज्य जल आपूर्ति/PHED अधिकारियों और नागरिकों को वास्तविक समय दृश्यता में भी सक्षम बनाता है।

जल जीवन मिशन (JJM) के बारे में

- यह सरकार का फ्लैगशिप कार्यक्रम है, जिसे 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के जल का कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों के साथ साझेदारी में क्रियान्वित किया जा रहा है।
- इसका उद्देश्य सभी ग्रामीण ग्रामों में परिवार नल कनेक्शनों के द्वारा प्रत्येक दिन पर्याप्त मात्रा में (55 ली. प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन- LPCD) निर्दिष्ट गुणवत्ता वाले जल की निगरानी और आपूर्ति प्रबंधित करने के लिए एक डिजिटल वाल और दूरस्थ संचालन एवं नियंत्रण केंद्र की स्थापना करना है।

बाइडेन ने HI-B वीज़ा रोक को समाप्त होने की अनुमति दी
(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में व्हाइट हाउस ने HI-B कुशल कामगारो वीज़ा और कुछ अस्थाई वीज़ा पर 2020 में लगाई गई रोक को 31 मार्च को समाप्त होने की इजाजत दे दी।
- अंतः कंपनी हस्तांतरण (L1), आगंतुक विनिमय (J1), अस्थाई गैर-कृषीय कामगार (H-2B) और H1-B धारकों के आश्रित (H4) के लिए वीज़ा भी रोक समाप्त हो जाने से प्रभावित हुए हैं।

संबंधित सूचना
H-1B, H-2B, L और अन्य कार्य वीज़ा क्या हैं?

- IT में अतिकुशल अल्प लागत वाले कर्मचारियों की जगह को भरने के लिए और अन्य संबंधित जगहों में, संयुक्त राज्य प्रशासन प्रत्येक वर्ष कुछ निश्चित संख्या में वीज़ा जारी करता है जिससे अमेरिका के बाहर की कंपनियों को अपने ग्राहकों के स्थल पर कार्य करने के लिए कर्मचारियों को भेजने की अनुमति मिल जाती है।
- इन कार्य वीज़ा में, H-1B भारतीय IT कंपनियों के बीच में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है।

H-1B वीज़ा के बारे में

- इस प्रकार के वीज़ा विशेष व्यवसाय वाले लोगों को दिए जाते हैं जिसमें उच्च शिक्षा डिग्री की जरूरत होती है।
- इसमें प्रतिष्ठित योग्यता और क्षमता के फैशन मॉडल भी शामिल हैं, साथ ही साथ सरकार से सरकार वाले अनुसंधान और विकास, अथवा रक्षा विभाग द्वारा प्रशासित होने वाले सह-उत्पादन परियोजनाएं।

L1 वीज़ा के बारे में

- ये वीज़ा सात वर्ष तक के समय के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को उच्च कौशल वाले कामगारों को हस्तांतरित करने की इजाजत देते हैं।

H-2B वीज़ा के बारे में

- इस प्रकार के वीज़ा संयुक्त राज्य अमेरिका में रोजगार चाहने वाले खाद्य और कृषीय कामगारों को अनुमति प्रदान करते हैं।

स्थगन का कारण

- तकनीक में तेज वृद्धि साथ ही भारत औऱ चीन जैसे विकासशील देशों में इंटरनेट और अल्प लागत वाले कंप्यूटरों के आने से संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़ी संख्या में स्नातक कम वेतन पर काम करने को इच्छुक हैं।
- कम वेतन वाले बाहरी कर्मचारी घरेलू कर्मचारियों को नुकसान करते हैं।

यह भारतीय IT कंपनियों को कैसे प्रभावित करता है?

- भारतीय IT कंपनियां संयुक्त राज्य अमेरिका के H-1B वीज़ा प्रशासन की सबसे बड़ी लाभकर्ता हैं और 1990 के दशक से ही इन्होंने प्रत्येक वर्ष जारी किए जाने वाले कुल वीज़ा में से बड़ा साझा प्राप्त किया हुआ है।
- भारतीय IT कंपनियां वैध H-1B वीज़ा के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में पहले से ही उपस्थित भारतीय नागरिकों को उप-अनुबंध भी देती हैं।
- बंगलौर आधारित विप्रो वैध H-1B वीज़ा के साथ काम करने वाले उप-अनुबंध वाले भारतीय कामगारों पर अपने राजस्व का 20 प्रतिशत तक खर्च करता है।

BIMSTEC बैठक ने म्यांमार से किनारा किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, 17वीं BIMSTEC मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान, जो वर्चुअल रूप से हुई, भारत ने बंगाल की खाड़ी समुदाय को नई ऊंचाईयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

17वीं BIMSTEC मंत्रिस्तरीय बैठक के बारे में

- इस बैठक में सभी सात सदस्य देश ने भागीदारी की, जिसमें म्यांमार भी शामिल था जहां सेना के खिलाफ प्रदर्शनकारियों पर बड़े पैमाने पर दमन चल रहा है।

- सदस्यों के बीच में सहमति हासिल करना मुख्य रूप से इस वजह से मुश्किल है क्योंकि रोहिंग्या शरणार्थी संकट ने म्यांमार और बांग्लादेश के मध्य कटुता पैदा कर दी है।
- इसने कुछ हद तक संगठन के कार्य को प्रभावित किया है क्योंकि यह समान संविधान नहीं विकसित कर पा रहा है।

संबंधित सूचना
BIMSTEC के बारे में

- बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (BIMSTEC) एक क्षेत्रीय संगठन है जो बैंकाक घोषणा के द्वारा 1997 में अस्तित्व में आया।

सदस्य

- **यह सात देशों का एक विशिष्ट उप-क्षेत्रीय समूह है।**
- 7 सदस्यों में से, पांच दक्षिण एशिया से हैं- बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल, श्रीलंका।
- **दो दक्षिण-पूर्व एशिया से हैं** – म्यांमार और थाईलैंड
- BIMSTEC न केवल दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया को जोड़ता है, बल्कि महान हिमालय और बंगाल की खाड़ी की पारिस्थितिकियों को भी जोड़ता है।
- इस मुख्य लक्ष्य तीव्र आर्थिक विकास के लिए सक्षम वातावरण का निर्माण करना, सामाजिक प्रगति को तीव्र करना और क्षेत्र में समान हितों के मामलों पर सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

उद्देश्य

- BIMSTEC का उद्देश्य क्षेत्रीय संसाधनों और भौगोलिक लाभ का उपयोग करते हुए समान हित के विभिन्न क्षेत्रों में आपसी सहयोग के साथ व्यापार और तीव्र वृद्धि का फायदा लेना है।

भारत के लिए महत्व

- यह भारत को तीन केंद्रीय नीतियों के प्रयास की अनुमति देता है:
    a. पहले पड़ोसी – देश के तुरंत परिधि को महत्व देना;
    b. पूर्व की ओर देखो – भारत को दक्षिणपूर्व एशिया से जोड़ना
    c. भारत के उत्तर-पूर्व राज्यों का आर्थिक विकास – बांग्लादेश औऱ म्यांमार के द्वारा उन्हें बंगाल की खाड़ी के क्षेत्र से जोड़कर।
- यह बंगाल की खाड़ी के चारों ओऱ के देशों में बेल्ट और रोड पहल के फैलाव से चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने की अनुमति भी भारत को देता है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- फाइनेंसियल एक्सप्रेस)
खबरों में क्यों है?

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक हिंदू दंपति द्वारा दायर की गई याचिका पर केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA) को एक नोटिस जारी की है, ये दंपति संयुक्त राज्य अमेरिका में रहता है। यह दंपति ईसाई माता-पिता द्वारा जन्म दिये गए एक बच्चे को गोद लेने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र चाहते हैं।

वर्तमान मुद्दा

- वर्तमान याचिका एक जबर्दस्त महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाती है क्योंकि यह ईसाई माता-पिता द्वारा पैदा किये गए एक बच्चे के संदर्भ में किशोर न्याय (बाल देखभाल और संरक्षण) के लागू होने के पूर्व में गोद लिये गए बच्चों के संदर्भ में एक कानूनी शून्य से संबंधित है। यह वर्तमान मामले में भी लागू होता है।
- दंपति के अनुसार, उन्होंने एक नाबालिग बच्चे को गोद लिया था, जिसका जन्म 11 दिसंबर, 2014 को हुआ था- यह फिरोजपुर, पंजाब से है।
- बच्चे के जैविक माता-पिता ने उनके साथ बच्चे के गोद लेने की प्रक्रिया की कानूनी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया था, जिसके लिए उन्होंने गोद लेने वाला दस्तावेज तैयार करवा लिया था जिसपर बच्चे के जैविक और गोद लेने वाले माता-पिता के बीच में हस्ताक्षर हो गए थे।
- इस गोद लेने के दस्तावेज के गवाह गांव के सरपंच साथ ही रिश्तेदार, सामाजिक कार्यकर्ता थे। इसे बाद में हिंदू दत्तक ग्रहण और रखरखाव कानून (HAMA), 1956 के प्रावधानों के तहत 18 दिसंबर, 2014 को पंजीकृत किया गया था।

संबंधित सूचना
केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण के बारे में

- यह भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है और केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय का एक स्वायत्त निकाय है।
- यह देश में दत्तक ग्रहण को प्रोत्साहित करता है और अंतर-देशीय दत्तक ग्रहणों के लिए हेग संधि के अंतर्गत केंद्रीय प्राधिकरण के रूप में अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण को विनियमित करता है।
- इसका शासनादेश किशोर न्याय (बाल देखभाल और संरक्षण) कानून, 2015 के अनुच्छेद 68 के तहत समय समय पर गोद लेने वसे संबंधित मामलों पर विनिमयनों को बनाने का है।

हेग दत्तक ग्रहण संधि के बारे में

- इसे अंतर-देशीय दत्तक ग्रहण के संदर्भ में बाल संरक्षण और सहयोग पर हेग संधि भी कहा जाता है।

उद्देश्य:

- बच्चों और उनके परिवारों को गैरकानूनी अथवा आधे-अधूरे तरीके से तैयार किये गए अंतर-देशीय दत्तक ग्रहणों के खिलाफ संरक्षण देना।
- बच्चों के अपहरण, बिक्री अथवा बेचने को रोकना।
- यह संधि न्यूनतम मानदंडों को तैयार करती है, लेकिन दत्तक ग्रहण के समान कानून के रूप में कार्य करने की प्रवृत्ति नहीं रखती है।

पृष्ठभूमि:

- यह संधि निजी अंतरराष्ट्रीय कानून पर हेग सम्मेलन द्वारा विकसित किया गया था।
- यह संधि बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र संधि के अनुच्छेद 21 को प्रभावी बनाती है।

निरामया योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत के नियंत्रक और लेखा परीक्षक (CAG) ने हाल में निरामया योजना के अंतर्गत आपूर्तिकर्ताओं का गलत पक्ष लेने के साथ औषधियों और चिकित्सा खाने योग्य चीजों की प्राप्ति में ओडिशा राज्य चिकित्सा निगम लि. (OSMCL) द्वारा बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का पर्दाफाश किया है।

निरामया के बारे में (स्वास्थ्य बीमा योजना)

- ओडिशा सरकार ने निरामया योजना को 2016 में लागू किया था जिसके अंतर्गत रोगियों को राज्य में सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में मुफ्त में औषधियां मिलती हैं।
- निरामया योजना का उद्देश्य स्वलीनता, मानसिक मंदता, प्रमस्तिष्काघात और बहु अशक्तताओं वाले लोगों को वहनीय स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराना है।

योजना का विवरण

- इस योजना की संकल्पना समग्र कवर उपलब्ध कराना है जिसमें पूरे आयु के दौरान एकल प्रीमियम होगा।
- यह राष्ट्रीय न्यास कानून के तहत कवर की गई अशक्तताओं के प्रकार के बावजूद समान कवरेज प्रदान करेगी।
- बीमा कवर रु. 1 लाख तक का है।
- राष्ट्रीय न्यास कानून के अंतर्गत अशक्तताओं के साथ सभी व्यक्ति जिनके पास वैध अशक्तता प्रमाणपत्र है इसके पात्र होंगे।

संयुक्त राष्ट्र महिला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत ने लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी को $300,000 का योगदान दिया है, इस योगदान की संयुक्त राष्ट्र संस्था ने सराहना की है।

संयुक्त राष्ट्र महिला के बारे में

- यह संयुक्त राष्ट्र की संस्था है जो लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।
- यह महिलाओं और बालिकाओं का वैश्विक चैम्पियन है; इसकी स्थापना पूरे विश्व में महिलाओं की जरूरतों को पूरा करने पर प्रगति को तीव्र करने की गई थी।

विरल रोगों पर राष्ट्रीय नीति, 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- फाइनेंसियल एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 'विरल रोगों पर राष्ट्रीय नीति 2021' को स्वीकृति दे दी है।

विरल रोग क्या है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विरल रोग वे हैं जोकि अशक्त कर देने वाले जीवनपर्यंत के रोग हैं जो **1,000 जनसंख्या में से एक या कम लोगों को होते हैं।**
- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषध (ICMR) के अनुसार, यह रोग **2,500 व्यक्तियों में से एक या कम लोगों को होता है।**

विरल रोगों पर राष्ट्रीय नीति की खास बातें:

- इस नीति का उद्देश्य विरल रोगों के लिए उपचार के ऊंचे इलाज को नीचे लाना है। साथ ही यह कार्य इस क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ बहु सलाह करने के बाद किया जाएगा।
- वे व्यक्ति जो विरल रोगों से पीड़ित हैं (विरल रोग नीति में समूह 1 के अंतर्गत अधिसूचित रोग) जिन्हें एक बार के उपचार की जरूरत है, को **राष्ट्रीय आरोग्य निधि** की छतरी योजना के अंतर्गत रु. 20 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- यह लगभग 40 प्रतिशत तक जनसंख्या को कवर करेगी जोकि **प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत इस योजना के हकदार हैं।**
- यह नीति दान लेने के तंत्र का प्रयोग करेगी जिससे विरल रोगों के उपचार की लागत को कवर किया जा सके।
- इसके हिस्से के रूप में, कारपोरेटों और व्यक्तियों को एक मजबूत IT प्लेटफॉर्म के द्वारा वित्तीय समर्थन देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विरल रोगों की एक राष्ट्रीय अस्पताल आधारित रजिस्ट्री तैयार की जाएगी जिससे ऐसे रोगों की समग्र परिभाषाओं और पर्याप्त आंकड़ों की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके उन लोगों के लिए जो अनुसंधान और विकास में रुचि रखते हैं।
- स्वास्थ्य और वेलनेस केंद्रों, जिला पूर्व हस्तक्षेप केंद्र और सलाह की मदद से, नीति का लक्ष्य प्रारंभिक चरणों में विरल रोगों की जांच और पहचान करना है, जिससे उनके बचाव में मदद मिलेगी।

"संकल्प से सिद्धि" गांव और डिजिटल को जोड़ने की मुहिम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारतीय आदिवासी सहकारिता विपणन विकास संघ (TRIFED) जो आदिवासी मामले के मंत्रालय के अंतर्गत है, ने अब "संकल्प से सिद्धि"- गांव से डिजिटल को जोड़ने की मुहिम की शुरुआत की है।

संकल्प से सिद्धि के बारे में

- यह 100 दिन की मुहिम है जिसे 1 अप्रैल 2021 से आरंभ किया गया।
- इस मुहिम में 150 टीमें शामिल होंगी जिसमें से प्रत्येक 10 गांवों का दौरा करेंगी। इसमें TRIFED से प्रत्येक क्षेत्र में 10 और राज्य क्रियान्वयन एजेंसियों की टीमें प्रत्येक दस गांवों का दौरा करेंगी।

लक्ष्य

- इस मुहिम का मुख्य लक्ष्य इन गांवों में वन धन केंद्रों को सक्रिय करना है।
- दौरा करने वाली टीमें स्थानों की भी पहचान करेंगी और TRIFOOD के लिए क्लस्टिरिंग करने के लिए संभावित वन धन विकास केंद्रों को छाटेंगी। साथ ही पारंपरिक उद्योगों के पुनर्जीवन के लिए कोष की योजना भी तैयार करेंगी। यह बड़े उद्यमों के लिए SFURTI इकाईयां हैं।
- TRIFOOD का लक्ष्य आदिवासी वन सामग्री इकट्ठा करने वालों द्वारा सामान्य वन उत्पाद को इकट्ठा करके मूल्य वर्धन करने के साथ बेहतर उपयोग करके आदिवासियों की आय को बढ़ाना है।

महत्व

- वे आदिवासी दस्तकारों और अन्य समूहों की पहचान भी करेंगे और उन्हें आपूर्तिकर्ता के रूप में रेखांकित करेंगे जिससे जनजातीय भारत नेटवर्क के द्वारा बड़े बाजार तक उनकी पहुँच हो सके- इसमें दोनो ही भौतिक दुकानें और TribesIndia.com शामिल हैं।
- यह आशा की जाती है कि संकल्प से सिद्धि पूरे देश में आदिवासी पारितंत्र प्रणाली के पूरी तरह से हस्तांतरण को पूरा करने में मदद देगा।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (MMCSBY)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (MMCSBY) के लिए पंजीकरण प्रक्रिया की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के बारे में

- यह राज्य में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज उपलब्ध कराने के लिए प्रमुख योजना है।
- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (MMCBY) सार्वजनिक स्वास्थ्य के राजस्थानी मॉडल (RMPH) का हिस्सा है।
- इस योजना के अंतर्गत, राज्य में प्रत्येक परिवार सभी सरकारी अस्पतालों और चुनी हुई निजी सुविधाओं में प्रत्येक वर्ष रु. 5 लाख के स्वास्थ्य बीमा कवर के लिए पात्र है।
- यह सभी के लिए राशिविहीन उपचार है जिसका लक्ष्य राजस्थान के सभी निवासियों को चिकित्सा राहत उपलब्ध कराना है।
- इस योजना के तहत, राज्य सामान्य रोगों के लिए रु. 50,000 तक का स्वास्थ्य कवरेज उपलब्ध कराएगा और ज्यादा गंभीर रोगों के लिए रु. 5 लाख का कवरेज देगा।

पात्रता

- इस योजना के तहत पात्रता NFSA कार्डधारक, SECC 2011 पंजीकृत परिवार, सभी विभाग संविदा कार्यकर्ता, छोटे किसान और अन्य सभी परिवार है।

एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने हाल में एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म (IHIP) की शुरुआत की है।

एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म (IHIP) के बारे में

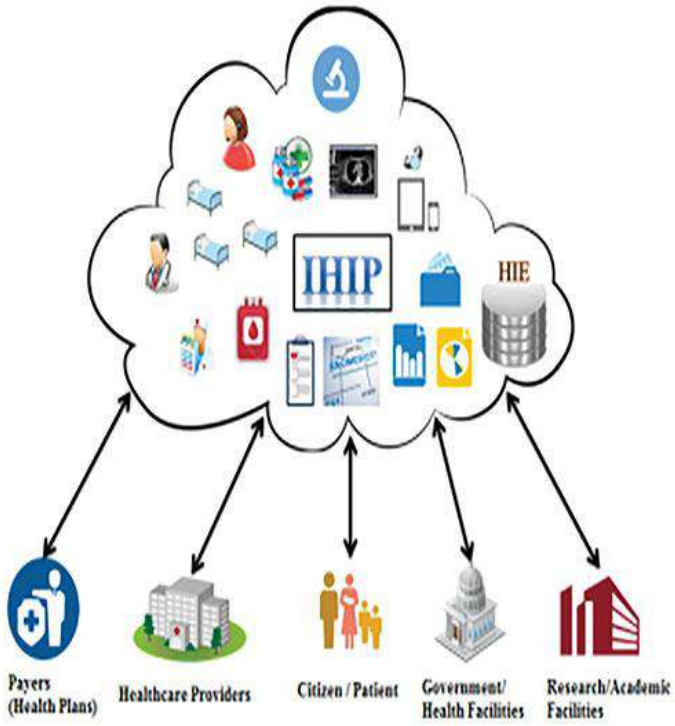

- यह अगली पीढ़ी का वर्तमान में प्रयोग किया जाने वाला एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP) का उच्च परिष्कृत रूप है।
- **यह राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन** के साथ समकालन है।
- IHIP का नया रूप भारत के रोग निगरानी कार्यक्रम के लिए डाटा एंट्री और प्रबंधन का भंडारण करेगा।
- पूर्व के 18 रोगों की तुलना में अब 33 रोगों पर नजर रखने के अतिरिक्त, यह डिजिटल मोड में लगभग वास्तविक समय डाटा को सुनिश्चित करेगा, जिससे कागज पर कार्य करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

नोट:

- भारत दुनिया का पहला देश है जिसने इस तरह की उन्नत रोग निगरानी प्रणाली को अपनाया है।

जॉन कैरी भारत की यात्रा करेंगे

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के मौसम पर विशेष दूत जॉन कैरी 5 से 8 अप्रैल के मध्य भारत की यात्रा कर रहे हैं। तीन देशों की चल रही यात्रा के तहत वे मौसम परिवर्तन पर चर्चा करेंगे।
- बाइडेन के जनवरी में पदभार ग्रहण करने के बाद से भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच में कैरी की यात्रा दूसरा आधिकारिक बातचीत होगी।

यात्रा की प्रमुख खास बातें

- जॉन कैरी संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की होने वाली नेताओं के शिखर सम्मेलन की भी चर्चा करेंगे। यह मौसम पर चालीस देशों की एक बैठक है जो 22 और 23 अप्रैल को होगी। मौसम परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र ढांचा सम्मेलन की पार्टियों का 26वां **सम्मेलन (COP26) ग्लासगो में 1-12 नवंबर** को होना तय हुआ है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के पेरिस समझौते के अंतर्गत 2030 तक नए, महत्वाकांक्षी उत्सर्जन लक्ष्यों की घोषणा करने की संभावना है। साथ ही यह नेताओं को इस शिखर सम्मेलन को एक अवसर के रूप में भी प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे कि उनके देश कैसे ज्यादा मजबूत मौसम महत्वाकांक्षा के लिए योगदान दे सकते हैं।

COP 26 के बारे में

- COP26 को यूनाईटेड किंगडम और इटली द्वारा सह-आयोजित किया जाएगा।

महत्व

- यह काफी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि अपने लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति पर अपनी रिपोर्ट देंगी, और उनके उत्सर्जनों में और भी ज्यादा कटौती करने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करने की संभावना है।

पेरिस समझौता के बारे में

- यह एक कानूनी रूप से बाध्यकारी ढांचा है जिसपर 196 पार्टियों ने हस्ताक्षर किए हैं जो औद्योगिकीकरण पूर्व स्तरों की तुलना में 2 डिग्री सेल्सियस से कम वैश्विक उष्णता को रखना चाहते हैं, प्राथमिक तौर पर 1.5 डिग्री सेल्सियस।
- इसका लक्ष्य इस शताब्दी के मध्य तक एक मौसम निष्पक्ष दुनिया को हासिल करने के लिए जल्द से जल्द ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों को वैश्विक उच्चतम स्तर तक पहुँचाना है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका चीन के बाद दुनिया का सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक है। भारत तीसरे स्थान पर है।

भारत के पेरिस समझौते लक्ष्य और COP26

- पेरिस समझौते के अंतर्गत, सभी हस्ताक्षरकर्ता देशों के पास राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC) लक्ष्य हैं जो मौसम परिवर्तन से निपटने के लिए 2030 तक उठाये जाने वाले कदमों को रेखांकित करते हैं।
- भारत ने 2005 के स्तरों से नीचे अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों की तीव्रता को अपने सकल घरेलू उत्पाद के 33 से 35 प्रतिशत तक घटाने का वादा किया है।
- इसका लक्ष्य भारत के विद्युत उत्पादन के 40 प्रतिशत को नवीकरणीय ऊर्जा के द्वारा उत्पादन करने का भी है, और साथ ही एक कार्बन सिंक बनाने का भी लक्ष्य है जो अतिरिक्त वन और वृक्षों के द्वारा कार्बन डाईऑक्साइड के 2.5 अरब से 3 अरब टन को सोखने की क्षमता रखेगा।

न्यायमूर्ति एन वी रमन भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- न्यायमूर्ति एन वी रमन जो मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस ए बोबड़े के बाद सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश है, को 24 अप्रैल से प्रभावी तौर पर भारत का 48वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त कर दिया गया।
- न्यायमूर्ति रमन का कार्यकाल सोलह महीनों से ज्यादा का होगा- वह 26 अगस्त, 2022 तक रहेगा।

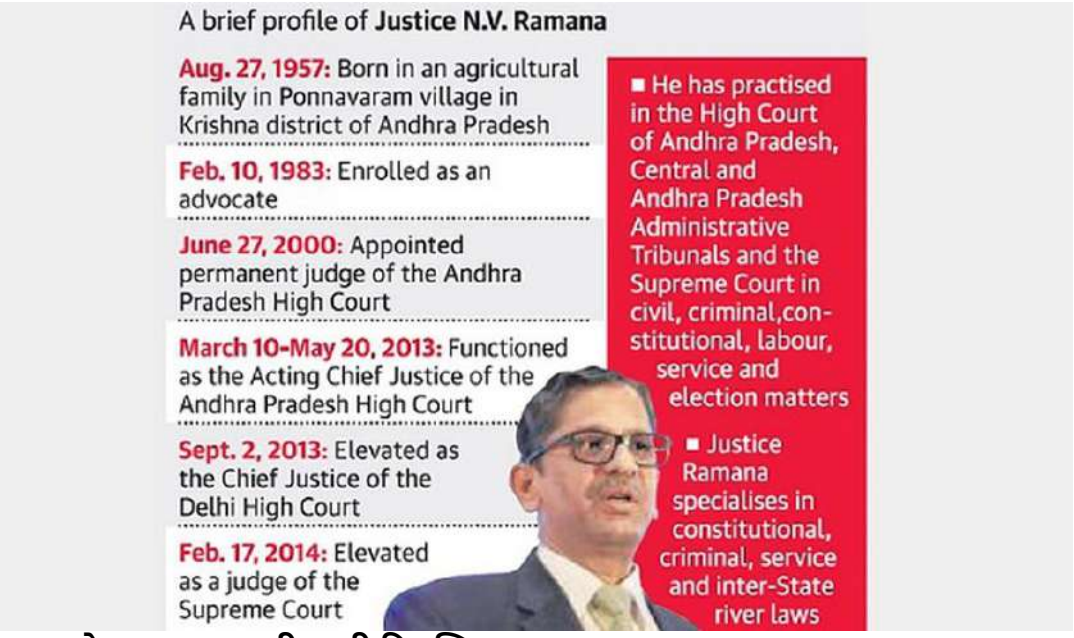

भारत के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति

- भारत के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- जहां तक भारत के मुख्य न्यायाधीश का संबंध है, सेवानिवृत्त हो रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश अपने उत्तराधिकारी की अनुशंसा करते हैं।
- केंद्रीय कानून मंत्री अनुशंसा को प्रधानमंत्री को देते हैं, जो अपनी तरफ से राष्ट्रपति को सलाह देता है।

निर्वाचक मंडल द्वारा चुनाव

- सर्वोच्च न्यायालय ने दूसरे न्यायाधीश मामले (1993) में, निर्णय दिया कि सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को ही केवल भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए।
- सर्वोच्च न्यायालय के निर्वाचक मंडल का मुखिया भारत का मुख्य न्यायाधीश होता है और इसमें न्यायालय के चार अन्य सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होते हैं।
- निर्वाचक मंडल प्रणाली न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण की प्रणाली है जोकि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के द्वारा विकसित हुई है (न्यायाधीशों के मामले), ना कि संविधान के प्रावधान के अनुसार अथवा संसद के एक कानून के द्वारा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश की प्रशासनिक शक्तियां (न्यायाधीशों को मामले आवंटित करने वाला मुखिया- मास्टर ऑफ रोस्टर)

- इनके कार्यालय को प्राइमस इंटर पेर्स के रूप में बुलाना सामान्य है- समकक्षों के बीच में प्रथम।
- अपनी प्रशासनिक क्षमता में, मुख्य न्यायाधीश विशेष खंडपीठों को मामले आवंटित करने के विशेषाधिकार का प्रयोग करता है।
- मुख्य न्यायाधीश इस बात का निर्णय भी करता है कि किसी मामले की सुनवाई के लिए न्यायाधीशों की संख्या क्या होगी।
- इस तरह से, वह सामान्य रूप से न्यायाधीशों को चुनकर निर्णय को प्रभावित कर सकता है। यदि वह सोचता है कि कोई विशेष परिणाम के पक्ष में हो सकता है।
- इस तरह की प्रशासनिक शक्तियों का प्रयोग बिना निर्वाचक मंडल की सहमति के किया जा सकता है, और बिना किसी बताए गए कारण के तहत।

संबंधित सूचना

- 2019 में, सर्वोच्च न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की एक संविधान खंडपीठ ने निर्णय दिया कि भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय (CJI) सूचना के अधिकार (RTI) कानून, 2005 के तहत आता है।
- सर्वोच्च न्यायालय एक 'सार्वजनिक प्राधिकरण' है और भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय संस्थान का अविभाज्य हिस्सा है।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति

- **अनुच्छेद 217**: भारत संविधान का अनुच्छेद कहता है कि उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश, राज्य के राज्यपाल की सलाह के बाद राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। और मुख्य न्यायाधीश के अलावा किसी न्यायाधीश की नियुक्ति के मामले में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सलाह लेना अनिवार्य होगी।

यूक्रेन द्वारा NATO को जल्द सदस्यता देने का आग्रह

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- यूक्रेनी राष्ट्रपति ने हाल में NATO से अनुरोध किया है कि गठबंधन में उसके देश को जल्द सदस्यता दी जाए। उसका कहना है कि यही एकमात्र तरीका है जिससे वह रूसी समर्थक अलगाववादियों से लड़ाई को समाप्त कर सकता है।
- यूक्रेन ने हाल में रूस पर अपने उत्तरी और पूर्वी सीमाओं पर हजारों सैन्य बलों को तैनात करने का आरोप लगाया है, साथ ही 2014 में मास्को द्वारा कब्जाए गए क्रीमियाई प्रायद्वीप पर भी सेना जमा करने का आरोप लगाया है।

यूक्रेनी संकट के बारे में

- यूक्रेनी संकट यूरोपीय संघ में यूक्रेन के एकीकरण के उभरते हुए सामाजिक आंदोलन के साथ जुड़े 2013-14 के यूरोमैदान विरोध प्रदर्शनों का सामूहिक नाम और बाद में फरवरी 2014 के आत्मसम्मान आंदोलन और चल रहे रूसी समर्थक असंतोष का नाम है।

यूक्रेनी संकट की पृष्ठभूमि

- 2013 में, तत्कालीन यूक्रेनी राष्ट्रपति, विक्टर यानुकोविच, ने यूरोपीय संघ के साथ ज्यादा आर्थिक एकीकरण के लिए एक समझौते को ठुकराने का फैसला किया था।
- उनके निर्णय से काफी विरोध प्रदर्शन और संघर्ष हुए जिसका सुरक्षाबलों ने हिंसक दमन किया।
- लेकिन, प्रशासन का प्रदर्शनकारियों को जबर्दस्ती रोकने का फैसला उल्टा साबित हुआ, और सड़कों पर प्रदर्शनकारियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ी।
- इसके फलस्वरूप, राष्ट्रपति यानुकोविच को फरवरी 2014 में देश से भागना पड़ा।

क्रीमियाई क्षेत्र पर रूसी नियंत्रण

- मार्च 2014 में रूसी फौजों ने यूक्रेन में क्रीमियाई क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया।
- क्रीमिया खेरसॉन के यूक्रेनी क्षेत्र के दक्षिण में स्थित है।
- यह खेरसॉन से पेरेकॉप की जलसंधि और कुबान के रूसी क्षेत्र के पश्चिम से जुड़ा है।
- यद्यपि 2014 से क्रीमिया रूसी नियंत्रण में है, अंतरराष्ट्रीय तौर पर इसे अभी भी यूक्रेन का हिस्सा माना जाता है।
- क्रीमियाई क्षेत्र पर रूसी नियंत्रण के बाद, एक स्थानीय जनमत संग्रह हुआ था जिसमें क्रीमियाई लोगों ने रूसी संघ में जुड़ने का फैसला किया।
- जनमत संग्रह के बाद, इसे आधिकारिक तौर पर रूस में शामिल कर लिया गया।
- **2018 में, रूसी नौसेना ने क्रीमिया प्रायद्वीप में यूक्रेनी समुद्री जहाजों को जब्त कर लिया था।**

क्रीमिया के बारे में

- क्रीमिया एक प्रायद्वीप है जो पूर्वी यूरोप में काला सागर के उत्तरी तट पर स्थित है जोकि पूरी तौर पर दोनों ही काला सागर और अजोव के उत्तरपूर्व के छोटे सागर से घिरा हुआ है।
- क्रीमिया खेरसॉन के यूक्रेनी क्षेत्र के दक्षिण में स्थित है, जहां पर वह पेरकॉप की जलडमरूमध्य और कुबान के रूसी क्षेत्र के पश्चिम से जुड़ा हुआ है। यहां यह 2018 से क्रीमियाई सेतु से केर्च की जलसंधि द्वारा अलग होता है।
- अराबात स्पिट उत्तरपूर्व में स्थित है, यह भूमि की एक संकरी पट्टी है जो समुद्रताल की प्रणाली जिसे सिवाश कहते हैं को अजोव सागर से अलग करता है।
- काला सागर के पार इसके पश्चिम में रोमानिया स्थित है, और इसके दक्षिण में तुर्की है।
- यह प्रायद्वीप महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी पहुँच बंदरगार के द्वारा काला सागर तक है।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के बारे में

- यह उत्तरी अमेरिका और यूरोपीय देशों के 29 स्वतंत्र सदस्य देशों के मध्य एक अंतरसरकारी राजनीतिक और सैन्य गठबंधन है।
- इसका मुख्यालय **ब्रुसेल्स, बेल्जियम** में है।
- प्रमुख सदस्य देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और यूरोप में अमेरिकी सहयोगी शामिल हैं।
- NATO इस सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है कि किसी एक अथवा उसके कई सदस्य देशों पर हमला सभी के खिलाफ हमला माना जाएगा।
- यह सामूहिक रक्षा का सिद्धांत है, जोकि वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 में शामिल है।

हाल के विकास

- हाल में NATO के सदस्य लंदन में इस रक्षा गठबंधन की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए इकट्ठा हुए।

सरकार ने न्यायाधिकरण सुधार अध्यादेश जारी किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र ने हाल में एक अध्यादेश के द्वारा कई अपीलीय निकायों को हटाने के लिए 10 कानूनों का संशोधन किया है- न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण एवं सेवा की शर्तें) अध्यादेश, 2021।

अध्यादेश की प्रमुख खास बातें

- इसने सिनेमेटोग्राफ कानून, कॉपीराइट कानून, सीमाशुल्क कानून, पेटेंट कानून, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण कानून, ट्रेडमार्क कानून, वस्तुओं के भौगोलिक संसूचक (पंजीकरण एवं संरक्षण) कानून, पादप किस्मों और किसान अधिकारों का संरक्षण कानून, राष्ट्रीय राजमार्गों का नियंत्रण (भूमि एवं यातायात) कानून, और वित्त कानून में संशोधन किए हैं।
- अब फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण (FCAT) जिसकी स्थापना फिल्म निर्माताओं की अपीलों को सुनने के लिए की गई थी, के कार्यों को न्यायिक निकायों को हस्तांतरित कर दिया गया है।
- सिनेमेटोग्राफ कानून, 1952 में कुछ अनुच्छेदों को हटा कर और **अन्य अनुच्छेदों में** न्यायाधिकरण शब्द को उच्च न्यायालय के साथ विस्थापित कर दिया गया है।
- **सिनेमेटोग्राफ कानून** में अब अपीलीय निकाय उच्च न्यायालय होगा।
- **वित्त कानून, 2017 के द्वारा, सात न्यायाधिकरणों को समाप्त अथवा उनका विलय कर दिया गया है। यह उनके कार्यों की समानता के आधार पर और उनकी कुल संख्या को 26 से घटाकर 19 कर दिया गया है।**

फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण के बारे में

- FCAT एक वैधानिक निकाय था जिसकी स्थापना 1983 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा सिनेमेटोग्राफ कानून, 1952 के अनुच्छेद 5D के अंतर्गत किया गया था।
- इसका मुख्य कार्य सिनेमेटोग्राफ कानून के अनुच्छेद 5C के अंतर्गत दायर की गई अपीलों को सुनना है। यह कार्य केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) के निर्णयों से पीड़ित व्यक्ति द्वारा आवेदन से किया जा सकता था।

सदस्य

- न्यायाधिकरण का मुखिया एक अध्यक्ष होता था और इसके चार सदस्य होते थे, जिसमें भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया गया सचिव भी शामिल होता था।

मुख्यालय

- न्यायाधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में था।

संबंधित सूचना

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के बारे में

- केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत एक वैधानिक फिल्म प्रमाणन निकाय है।

सदस्य

- इसका एक अध्यक्ष और 23 सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है।

कार्य

- इसकी जिम्मेदारी सिनेमेटोग्राफ कानून 1952 के प्रावधानों के अंतर्गत फिल्मों का सार्वजनिक प्रदर्शन का विनिमयन करना है।
- सिनेमा और टेलीविजन पर चलाई जाने वाली फिल्मों को बोर्ड द्वारा प्रमाणन के बाद ही सार्वजनिक तौर पर भारत में प्रदर्शित किया जा सकता है।
- भारत में, सभी फिल्मों को एक CBFC प्रमाणपत्र प्राप्त करना होता है यदि उन्हें थियेटर में जारी किया जाना है, टेलीविजन में प्रसारित किया जाना है, या किसी तरीके से सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित किया जाना है।
- यह श्रेणियों में फिल्मों को प्रमाणीकृत करता है:
    a. U: गैरबाधित सार्वजनिक प्रदर्शन (सभी आयु वर्गों के लिए उपयुक्त)
    b. U/A: 12 वर्ष के कम आयु के बच्चों के लिए माता-पिता का दिशा-निर्देशन
    c. A: केवल वयस्कों के लिए (18 वर्ष या उससे ऊपर आयु वर्ग के लिए उपयुक्त)
    d. S: विशेष समूह के लोगों तक सीमित, जैसे कि इंजीनियर, डॉक्टर अथवा वैज्ञानिक।
- CBFC किसी भी फिल्म को प्रमाणपत्र देने से इंकार कर सकता है।

चीन ने ताइवान को वायु और समुद्र में सैन्य अभ्यास से घेरा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- CNN)

खबरों में क्यो है?

- हाल में चीन के सैन्य बलों ने ताइवान के पश्चिम और पूर्व दोनों ही ओर एक साथ सैन्य अभ्यास किए।

अभ्यास के बारे में

Chinese aircraft carrier Liaoning sails through the Miyako Strait near Okinawa in this photo released by Japan's Defense Ministry on April 4, 2021.

- यह एक नियमित प्रशिक्षण अभ्यास था जिसका आयोजन वार्षिक कार्य योजना के अनुसार सैन्य बलों के प्रशिक्षण प्रभावीपन और राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों को सुरक्षित करने की उनकी क्षमता को मजबूत करने के लिए किया गया।
- ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कम से कम 10 पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) के युद्धक विमान जिसमें चार J-16 और युद्धक जेट, एक Y-8 प्रति पनडुब्बी युद्धक एयरक्राफ्ट औऱ एक KJ-500 चेतावनी एयरक्राफ्ट शामिल थे, ताइवान के **स्वघोषित वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (ADIZ)** में दाखिल हुए।

वायु रक्षा पहचान क्षेत्र की परिभाषा

- संयुक्त राज्य संघीय उड्डयन प्रशासन के ADIZ की परिभाषा है, वह वायुक्षेत्र का नामांकित क्षेत्र जो भूमि अथवा पानी के ऊपर है जिसमें एक देश को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में तुरंत और सकारात्मक पहचान, स्थान औऱ एयरक्राफ्ट के वायु यातायात नियंत्रण की जरूरत होती है।

संबंधित सूचना

मियाको जलसंधि के बारे में

SOURCE: REUTERS STRAITS TIMES GRAPHICS

- इसे केरामा अंतराल भी कहा जाता है जोकि एक जलमार्ग है और जो मियाको द्वीप और ओकीनावा द्वीप के बीच में स्थित है।
- मियाको जलसंधि का वैश्विक भूराजनीतिक महत्व है, क्योंकि यह चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की नौसेना के लिए कुछ अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में से एक है जिससे वह पूर्वी चीन सागर से प्रशांत महासागर तक पहुँच सकती है।
- हाल में यह जापान और चीन के बीच में एक मुद्दा बन चुका है।

केंद्र ने इतालवी नौसैनिकों के मामले को बंद करने की अनुमति मांगी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- दि हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- सरकार ने हाल में सर्वोच्च न्यायालय से 2012 में केरल के तट पर दो मछुआरों को मारने के आरोपी दो इतालवी नौसैनिकों के खिलाफ भारत में लंबित आपराधिक मुकदमे को समाप्त करने के संबंध में तुरंत सुनवाई का समय तय करने के लिए कहा है।
- मृतक परिवारों को क्षतिपूर्ति दे दी गई है और मामले को समाप्त करने की जरूरत है।

इतालवी नौसैनिक मामले के बारे में

- 2020 में, स्थाई मध्यस्थता न्यायालय (PCA) ने तदर्थ न्यायाधिकरण के अंतिम निर्णय के सार को प्रकाशित किया था जिसकी स्थापना समुद्र सबंधी कानून (UNCLOS) के लिए संयुक्त राष्ट्र संधि से संबंधित विवादों को सुलझाने के लिए की गई थी। यह भारत औऱ इटली के बीच में इतालवी नौसैनिकों के मामले के संबंध में है।
- इसने भारत के तर्क को खारिज कर दिया कि सैनिक, जिनपर भारतीय मछुआरों को मारने का आरोप है, पर भारतीय न्यायालयों में मुकदमा चलाया जा सकता है और भारत को सभी आपराधिक प्रक्रियाओं को रोकने का आदेश दिया।

समुद्र के नियम पर संयुक्त राष्ट्र संधि (UNCLOS) के बारे में

- यह एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है जो समुद्र पर नियम पर तीसरी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के फलस्वरूप हुआ।
- यह विश्व के समुद्रों और महासागरों के प्रयोग के लिए एक विनिमयन ढांचा उपलब्ध कराता है, साथ ही संसाधनों के समान प्रयोग और संरक्षण और समुद्रीय वातावरण को सुनिश्चित करता है और समुद्र के जीवित संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा को सुनिश्चित करता है।
- **इस संधि ने अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर 3 नए संस्थानों की स्थापना की है,**

  a. **समुद्र के कानून के लिए** अंतरराष्ट्रीय **न्यायाधिकरण**

  2. International Seabed Authority,

  3. महाद्वीपीय कगारों की सीमाओं पर आयोग

- संधि आंतरिक जल, क्षेत्रीय जल, द्वीपसमूह जल, निकटस्थ क्षेत्र, विशेष आर्थिक क्षेत्र और महाद्वीपीय कगारों पर एक स्पष्ट परिभाषा देता है।

- राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार के बाहर गहरे समुद्री तली क्षेत्रों में खनिज संसाधनों का दोहन का विनिमयन एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री तली प्राधिकरण और मानवता की समान विरासत सिद्धांत के द्वारा होता है।

चारों ओर से घिरे देशों के लिए विशेष प्रावधान

- UNCLOS के अनुसार, चारों ओर से घिरे देशों को समुद्र तक पहुँचने और समुद्र से पहुँचने का अधिकार दिया गया है, यह ट्रांजिट देशों के द्वारा यातायात के बिना करारोपण के है।
- चारों ओर घिरे और भौगोलिक रूप से हानि उठाने वाले देशों को समान क्षेत्र अथवा उप-क्षेत्र के तटीय देशों के EEZ's के जीवित संसाधनों के आधिक्य के एक उपयुक्त भाग के दोहन में समान आधार पर भागीदारी का अधिकार दिया गया है।

दुनिया के शहरों का सांस्कृतिक मंच (WCCF)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली और भारत का विश्व के शहरों का सांस्कृतिक मंच (WCCF) में प्रतिनिधित्व करेंगे।

विश्व शहर सांस्कृतिक मंच के बारे में

- यह 40 विश्व शहरों से स्थानीय सरकारों और सांस्कृतिक क्षेत्र के नेताओं का एक नेटवर्क है।
- विश्व के शहरों के सांस्कृतिक मंच की स्थापना 2021 में लंदन में आठ शहरों के साथ की गई थी (लंदन, न्यूयॉर्क सिटी, टोक्यो, शंघाई, पेरिस, इस्तांबुल, सिडनी और जोहानेसबर्ग)। इसे लंदन के मेयर द्वारा आयोजित किया गया था।
- WCCF सदस्य शहरों के नीति निर्माताओं अनुसंधान और खुफिया साझा करने में सक्षम बनाता है, जबकि समृद्धता में संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका का अन्वेषण भी करता है।
- मंच के सदस्य समारोहों के एक कार्यक्रम के जरिए सहयोग करते हैं जिसमें थीम वाली संगोष्ठियां, क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन और कार्यशालाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट

- विश्व के शहरों की संस्कृति रिपोर्ट प्रत्येक तीन वर्षों में मंच द्वारा प्रकाशित की जाती है, जिसमें पूरे विश्व के शहरों से नवाचार वाली परियोजनाओं पर आंकड़े और विवरण शामिल होते हैं।

PS जोरोस्टर: तीव्र पेट्रोल पोत

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सेशेल्स तट रक्षक बल को तीव्र पेट्रोल पोत **PS जोरोस्टर** प्रदान करेंगे।

PS जोरोस्टर के बारे में

- तीव्र पेट्रोल पोत PS जोरोस्टर सेशेल्स को समुद्री डकैतों के खिलाफ ऑपरेशन करने में मदद देगा।
- यह पोत जिसका निर्माण कोलकाता आधारित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियरिंग लि. ने किया है।

About Seychelles

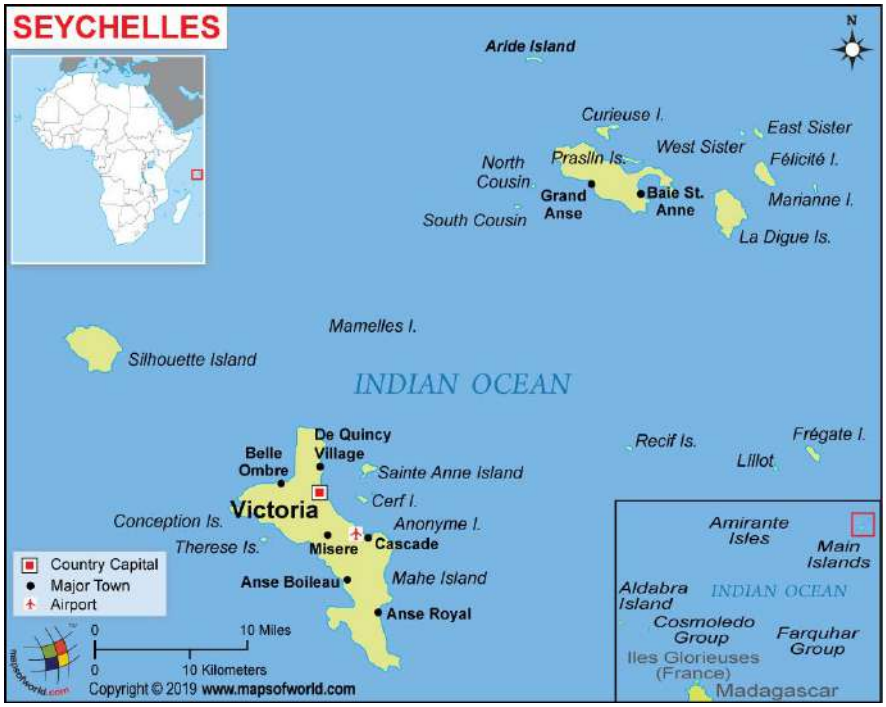

- इसे आधिकारिक तौर पर सेशेल्स गणराज्य कहा जाता है। यह एक द्वीप समूह देश हिंद महासागर में स्थित है। यह सोमाली सागर के पूर्वी किनारे पर है।
- इसमें कुल 115 द्वीप हैं।
- **इसकी राजधानी और सबसे बड़ा शहर विक्टोरिया है।**

अनामाया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय मंत्री ने हाल में एक वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा **आदिवासी स्वास्थ्य सहयोगी 'अनामाया'** की शुरुआत की है।

आदिवासी स्वास्थ्य सहयोगी (Anamaya) के बारे में

- यह एक बहु-हितधारक पहल है जिसे पीरामल फाउंडेशन और बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (BMGF) का समर्थन मिल रहा है।

- इस पहल का लक्ष्य एक सतत, उच्च प्रदर्शन वाली स्वास्थ्य पारितंत्र प्रणाली का निर्माण करना है जिससे देश की आदिवासी जनसंख्या द्वारा झेली जा रही प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों को सुलझाया जा सके।
- इस सहयोग के हिस्से के रूप में, मंत्रालय कई गतिविधियां करेगा जैसे कि
    a. आदिवासी स्वास्थ्य में नीति पहलों को संचालित करने के लिए आदिवासी स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय परिषद का गठन करना,
    b. स्वास्थ्य इकाई की स्थापना करना जिससे आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल डिलीवरी की करीब से निगरानी की जा सके और
    c. आदिवासी स्वास्थ्य कार्ययोजना को क्रियान्वित करने के लिए तंत्रों को बनाना।
- आदिवासी स्वास्थ्य सहयोग अपने प्रचालन को 50 आदिवासी, आकांक्षा वाले जिलों (जहां अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 20 प्रतिशत से अधिक है) में शुरू करेगी जो छह उच्च आदिवासी जनसंख्या वाले राज्यों में फैले हुए हैं।
- अगले 10 वर्षों में इसे 177 आदिवासी जिलों में फैला दिया जाएगा।

महत्व

- यह सहयोग एक अनूठी पहल है जो सरकारों, परोपकारियों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फाउंडेशनों, गैर सरकारी संगठनों/CBOs को साथ में लाकर भारत में आदिवासी समुदायों के मध्य सभी बचावयोग्य मृत्युओं को समाप्त करेगी।
- यह अपने प्रचालन को 50 आदिवासी, आकांक्षी जिलों (जहां अनुसूचित जनजाति जनसंख्या 20% से ज्यादा है) में करेगी जो 6 उच्च आदिवासी जनसंख्या वाले राज्यों में फैले हैं।
- अगले 10 वर्षों के काल के दौरान, THC का कार्य आदिवासी मामले के मंत्रालय द्वारा पहचाने गए 177 आदिवासी जिलों में फैला दिया जाएगा।

न्यायालय के सामर्थ्य में सहायता के लिए सर्वोच्च न्यायालय पोर्टल (SUPACE)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) पोर्टल **न्यायालय के सामर्थ्य में सहायता के लिए सर्वोच्च न्यायालय पोर्टल (SUPACE)** को अनावरण किया है। इसे न्यायाधीशों के लिए शोध को आसान बनाने, इस तरह से उनके कार्यभार को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है।

न्यायालय के सामर्थ्य में सहायता के लिए सर्वोच्च न्यायालय पोर्टल (SUPACE) के बारे में

- यह एक उपकरण है जो प्रासंगिक तथ्यों और कानूनों को एकत्र करता है और उनको न्यायाधीशों को उपलब्ध कराता है।
- इसे निर्णय लेने के लिए डिजाइन नहीं किया गया है, बल्कि केवल तथ्यों को प्रसंस्कृत करने के लिए, जिससे निर्णय के लिए इनपुट को खोज रहे न्यायाधीशों को उन्हें उपलब्ध कराया जा सके।
- यह मानव बुद्धिमत्ता और मशीन शिक्षण का संपूर्ण मिश्रण है और एक संकर प्रणाली है, जो मानव बुद्धिमत्ता के साथ बेहतर कार्य करती है।

महत्व

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण को लागू करना न्याय तक पहुँच को सुनिश्चित करने में एक बड़ा कदम होगा और यह न्यायपालिका को लंबित पड़े मामलों और जरूरतमंद लोगों को न्याय प्रदान करने में मदद देगा।
- पोर्टल ने सुनिश्चित किया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल सभी प्रासंगिक तथ्यों औऱ कानून को एकत्र करके उन्हें न्यायाधीशों को उपलब्ध कराता है।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता की पहुँच भावनाओं और संवेदनाओं तक नहीं है और अनुभूति के क्षेत्र में प्रचालित होता है, जहां समझ केवल भाषा और संकेतों के सहारे होती है।

NITI आयोग ऑनलाइन विवाद निपटान हैंडबुक की शुरुआत करेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है ?

- NITI आयोग ने हाल में भारत में अपने प्रकार की पहली, ऑनलाइन विवाद निपटान (ODR) हैंडबुक की शुरुआत की है।
- इस नई हैंडबुक को आगामी और ओमिदयार नेटवर्क इंडिया के साथ और आईसीआईसीआई बैंक के समर्थन से शुरू किया गया है।

ऑनलाइन विवाद निपटान (ODR) के बारे में

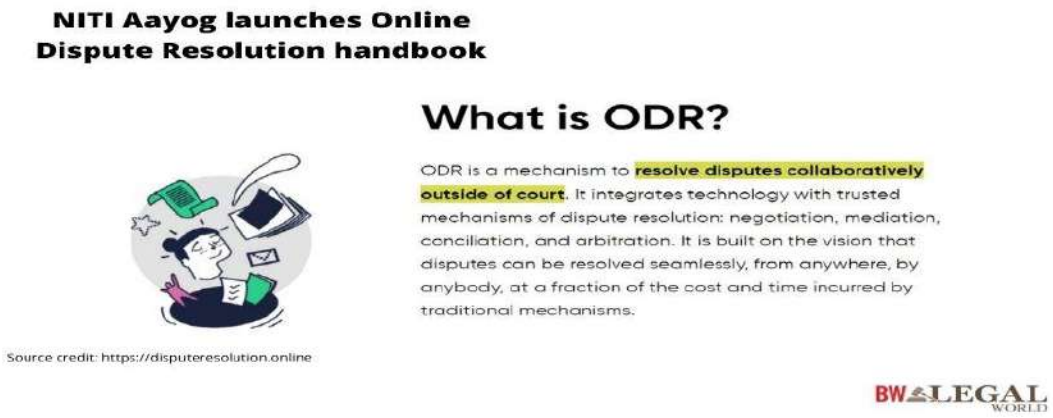

- यह न्यायालयों के बाहर विवादों का निपटारा करना है, विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम मूल्य वाले मामलों का, जिसमें वैकल्पिक विवाद निपटान (ADR) की डिजिटल तकनीक और तकनीकों का प्रयोग किया जाता है, जैसे बातचीत और मध्यस्थता।
- एक ओर जहां न्यायपालिका के प्रयासों के द्वारा न्यायालय का डिजिटलीकरण होता जा रहा है, रोकने और निपटारे के सहयोगात्मक, ज्यादा प्रभावी, मापनीय तंत्रों की तुरंत आवश्यकता है।
- ODR विवादों के सामर्थ्यपूर्ण और वहनीय निपटारे में मदद कर सकते हैं।

ईरान ने उन्नत नाभिकीय अपकेंद्रित (सेंटरफ्यूग्स) का अनावरण किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- ईरान ने हाल में उन्नत आईआर-6 यूरेनियम प्रसंस्करण अपकेंद्रितों की शुरुआत की है।
- IR-6 अर्ध-औद्योगिक अपकेंद्रित गैस के साथ डाल गए और **नातांज में ईरान के यूरेनियम प्रसंस्करण संयंत्र** में पूरी तरह से प्रचालित होने लगे।
- ईरान को **संयुक्त समग्र कार्ययोजना (JCPOA)** के अंतर्गत 2025 तक कुछ पहली पीढ़ी के (IR-1) यूरेनियम प्रसंस्करण अपकेंद्रितों तक की सीमित कर दिया गया है।

खबरों में और भी

- हाल में विएना वार्ता का लक्ष्य ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों को ही 2015 के समझौते के अनुसार अनुपालन पर वापसी करने के लिए एक रोडमैप बनाना है। इस समझौते को संयुक्त समग्र कार्ययोजना अथवा JCPOA कहा जाता है।

संबंधित सूचना

संयुक्त समग्र कार्ययोजना के बारे में

- ईरान नाभिकीय समझौता (अथवा संयुक्त समग्र कार्ययोजना (JCPOA) पर 2015 में ईरान और पी5 प्लस जर्मनी और यूरोपीय संघ के बीच में हस्ताक्षर हुए थे।
- पी5 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांच स्थाई सदस्य हैं (संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और यूनाईटेड किंगडम)।
- इस समझौते का उद्देश्य ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम पर रोक लगाना था।

समझौते के अंतर्गत:

- ईरान का अधिकांश प्रसंस्कृत यूरेनियम देश से बाहर भेज दिया गया।
- एक भारी जल सुविधा को बेकार कर दिया गया।
- प्रचालनीय नाभिकीय सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय निगरानी के अंतर्गत लाया गया।
- इसके बदले में समझौते में ईरान पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को हटाना शामिल था।
- ईरान को 2025 तक कुछ प्रथम पीढ़ी (IR-1) के यूरेनियम प्रसंस्करण अपकेंद्रितों तक ही सीमित कर दिया गया।

संयुक्त राज्य अमेरिका समझौते से बाहर क्यों आया?

- ट्रंप और समझौते के विरोधियों का कहना है कि यह गलत है क्योंकि यह ईरान को अरबों डॉलर तक की पहुँच उपलब्ध कराता है, लेकिन हामास और हिजबुल्लाह जैसे अमेरिका द्वारा आतंकवादी माने जाने वाले समूहों को ईरान द्वारा समर्थन को नहीं सुलझाता है।
- वे इस बात को भी कहते हैं कि यह ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल के विकास को भी नहीं रोकता है और यह समझौता 2030 में समाप्त हो जाएगा।
- उनका कहना है ईरान ने पूर्व में अपने नाभिकीय कार्यक्रम के बारे में झूठ बोला था।

महिला सशक्तिकरण पर लीलावती पुरस्कार 2020

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- महिला सशक्तिकरण, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में महिला सशक्तिकरण पर AICTE लीलावती पुरस्कार 2020 को उनके विजेताओं को प्रदान किया।
- 2020 की थीम : **महिला सशक्तिकरण**

लीलावती पुरस्कार 2020 के बारे में

- इस पुरस्कार का नाम 12वीं शताब्दी की किताब "लीलावती" के नाम पर रखा गया है।
- इस किताब को गणितज्ञ भास्कर II ने लिखा था।
- लीलावती भारतीय गणितज्ञ भास्कर II की पुत्री थी।

उद्देश्य

- महिलाओं के मध्य में स्वच्छता, स्वास्थ्य, पोषण, साक्षरता, रोजगार, तकनीक, ऋण, विपणन, नवाचार, कौशल विकास, प्राकृतिक संसाधन और अधिकारों जैसे मुद्दों के बारे में जागृति पैदा करना। कवर किए जाने वाले क्षेत्र हैं : महिलाओं का स्वास्थ्य, स्वरक्षा, स्वच्छता, साक्षरता, उद्यमिता और कानूनी जागरूकता।

लाभ

- महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करता है और उन्हें शैक्षणिक संस्थानों में उच्च पद पाने में सक्षम बनाता है।

सरकार द्वारा लड़कियों औऱ महिलाओं के संपूर्ण विकास के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शुरू की गई अन्य पहलें,

a. सुकन्य समृद्धि योजना
b. बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना
c. उड़ान योजना जिसका लक्ष्य स्कूल स्तर पर कमजोर सामाजार्थिक दर्जे वाली लड़कियों को उच्च शिक्षा हासिल करने में सक्षम बनाना।
d. प्रगति योजना का लक्ष्य लड़कियों की तकनीकी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लए युवा महिलाओं को अवसर प्रदान करना है।

मुख्य चुनाव आयुक्त

(विषय-सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रपति ने हाल में चुनाव आयुक्त **सुशील चंद्रा** को अगला मुख्य चुनाव आयुक्त नियुक्त किया है।
- पदस्थ मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा का कार्यकाल 12 अप्रैल को समाप्त हो गया।

चुनाव आयोग के बारे में

- चुनाव आयोग एक स्थाई और एक स्वतंत्र निकाय है जिसकी स्थापना भारतीय संविधान द्वारा की गई है। यह प्रत्यक्ष तौर पर देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिए है।
- संविधान का **अनुच्छेद 324** कहता है कि संसद, राज्य विधायिका, भारत के राष्ट्रपति और भारत के उपराष्ट्रपति के चुनावों की निगरानी, निर्देशन और नियंत्रण का कार्य चुनाव आयोग में निहित होगा।

संरचना

- संविधान के अनुच्छेद 324 ने चुनाव आयोग की संरचना के बाबत निम्नलिखित प्रावधान किये हैं:
    - चुनाव आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त और इतनी संख्या में अन्य चुनाव आयुक्त होंगे, यदि कोई, जिसका निर्धारण राष्ट्रपति समय समय पर करेगा।
    - मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।
    - जब कोई अन्य चुनाव आयुक्त इस तरह से नियुक्त किया जाता है, तो मुख्य चुनाव आयुक्त चुनाव आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा।
- राष्ट्रपति चुनाव आयोग के साथ सलाह लेने के बाद ऐसे क्षेत्रीय आयुक्तों की नियुक्ति कर सकता है जो उसके अनुसार चुनाव आयोग की सहायता के लिए जरूरी हैं।

आयुक्तों की नियुक्ति और कार्यकाल

- राष्ट्रपति मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करता है।
- उनका कार्यकाल छह वर्ष का होता है, अथवा 65 वर्ष तक की उम्र होने तक, जो भी पहले हो।
- उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान ही दर्जा और समान वेतनमान और भत्ते प्राप्त होते हैं।
- सभी चुनाव आयुक्त के आयोग के निर्णय लेने की प्रक्रिया में समान अधिकार होते हैं।

आहार क्रांति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री 'आहार क्रांति' नामक मिशन की शुरुआत करेंगे।

आहार क्रांति मिशन के बारे में

- विज्ञान भारती (विभा) और वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक एवं टेक्नोक्रेट मंच (GIST) इस मिशन को शुरू करने के लिए साथ में आए हैं।
- इस मिशन का ध्येय वाक्य **उत्तम आहार-उत्तम विचार** अथवा **'Good Diet-Good Cognition'** है।

लक्ष्य

- इस मिशन का लक्ष्य पोषणीय रूप से संतुलित आहार के लिए जरूरत के संदेश का प्रसार करना होगा।

- आगे, यह सभी स्थानीय फलों और सब्जियों की उपलब्धि के महत्व को उजागर करेगा।
- यह मिशन वर्तमान परिस्थिति में भूख को सुलझाने का प्रयास करेगा।
- यह भारतीय पारंपरिक आहार, स्थानीय फलों और सब्जियों और एक संतुलित आहार के मूल्यों के बारे में लोगों को जगाने का कार्य करेगा।

मिशन की प्रमुख विशेषताएं:

- यह मिशन एक साथ बहु आयामों पर कार्य करेगा। यह निम्न को प्रोत्साहित करने की कोशिश करेगा:
  a. बेहतर जागरूकता
  b. बेहतर पोषण और
  c. बेहतर कृषि
- इन संदेशों को पाठ्यक्रमों के द्वारा पोषण के क्या और कैसे अथवा खेलों के रूपों के द्वारा लोगों तक पहुँचाया जाएगा।
- यह विषयवस्तु दोनों ही ऑनलाइन और ऑफलाइन अंग्रेजी और हिंदी के अतिरिक्त सभी स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराया जाएगा।
- मिशन विशेष रूप से अध्यापकों को प्रशिक्षण देने पर केंद्रित होगा।
- मिशन आयुर्वेद आधारित पोषण के भारत के समृद्ध ज्ञान को भी उपयोग में लाएगा।

नोट:

- **संयुक्त राष्ट्र ने 2021 को फलों और सब्जियों का अंतरराष्ट्रीय वर्ष घोषित किया** है, जो आहार क्रांति की तरह से ही है।

SDG 3

- आगे, संयुक्त राष्ट्र सतत लक्ष्य #3 जो मानव कल्याण पर जोर देता है, कहता है, "सभी आयु में और सभी के लिए स्वास्थ्यपूर्ण जीवन और कल्याण के बढ़ावे को सुनिश्चित करो"।
- **यह लक्ष्य भी आहार क्रांति को ज्यादा अर्थपूर्ण बनाती है।**

'पोषण ज्ञान'

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- नीति आयोग, ने बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन केंद्र, अशोक विश्वविद्यालय के साथ मिलकर पोषण ज्ञान की शुरुआत की है।

पोषण ज्ञान के बारे में

Theme of April: Ante Natal Care

- यह स्वास्थ्य और पोषण पर एक राष्ट्रीय डिजिटल भंडार है।
- पोषण ज्ञान की संकल्पना एक संसाधन के रूप में की गई थी, जो विविध भाषाओं, मीडिया प्रकारों, लक्षित श्रोताओं और स्रोतों में स्वास्थ्य एवं पोषण के 14 थीमेटिक क्षेत्रों पर संचार सामग्री की खोज को संभव बनाता है।
- भंडार के लिए विषयवस्तु को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और महिला एवं बाल विकास मंत्रालयों एवं वैकासिक संगठनों से लिया गया था।
- यह वेबसाइट एक अंतःप्रेरित अंतरफलक उपलब्ध कराता है (बहु प्राचलिक खोज, समय के एक बिंदु पर कई डाउनलोड, सोशल मीडिया के द्वारा सामग्री की आसान साझेदारी और किसी भी प्रकार के स्मार्टफोन पर आसानी से देखना)।

ई-सैंटा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने हाल में ई-सैंटा की शुरुआत की है।

ई-सैंटा के बारे में

- यह जलीय कृषकों और खरीददारों को जोड़ने के लिए एक ई-बाजारस्थल है। यह किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त करने में और निर्यातकों को उनसे सीधे गुणवत्ता वाले उत्पादों को खरीदने में सक्षम बनाएगा।

प्रमुख विशेषताएं

- ई-सैंटा पूरी तरह से कागजविहीन, मत्स्य और जलीय कृषकों और निर्यातकों के बीच में इलेक्ट्रानिक व्यापार प्लेटफॉर्म है।
- किसान अपने उत्पादों की सूची देकर मूल्य बताते हैं, जबकि निर्यातक अन्य चीजों के अतिरिक्त स्थान, फसल तिथियों के आधार पर अपनी जरूरतों को बता सकते हैं।
- यह प्लेटफार्म किसानों और खरीददारों के बीच में एक वैकल्पिक विपणन उपकरण के रूप में कार्य करेगा जिससे बिचौलियों का उन्मूलन हो जाएगा।

- यह प्लेटफार्म मुंह के द्वारा बात करके पारंपरिक तरीके वाले व्यवसाय को परिवर्तित कर देगा और प्रणाली को ज्यादा औपचारिक और कानूनी रूप से बाध्यकारी बना देगा।
- यह किसानों के लिए सही मूल्य सुनिश्चित करेगा और उनका पता भी लगाएगा।

नोट:

- राष्ट्रीय सतत जलीय कृषि केंद्र (NaCSA) वाणिज्य विभाग के अंतर्गत समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (MPEDA) का एक विस्तारित अंग है।

आदिवासी निकाय ने नागालैंड के NRC रूप के प्रति चिंता व्यक्त की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में नागा जनजातियों की सर्वोच्च संस्था ने नागालैंड सरकार से नागालैंड के मूल निवासियों के रजिस्टर (RIIN) को तैयार करने के कार्य में जल्दबाजी न दिखाने के लिए कहा, इसे असम के राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का एक अन्य रूप माना जा रहा है।
- नागालैंड सरकार के बारे में जानकारी है कि वह RIIN कार्य को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है जिसे जुलाई 2019 में लागू किया गया था। इसे बाहरी लोगों द्वारा सरकारी योजनाओं के लाभों और रोजगार हासिल करने के लिए नकली स्थानीय प्रमाणपत्रों को हासिल करने से रोकने के उद्देश्य के रूप में देखा जा रहा है।

तीन सदस्यीय पैनल का निर्माण

- राज्य सरकार ने RIIN के क्रियान्वयन पर जांच औऱ सलाह देने के लिए एक तीन सदस्यीय पैनल का निर्माण किया है।
- नागा होहो जो सर्वोच्च जनजातीय संस्था है जिसने 2019 में RIIN पर आपत्तियां उठाई थीं, ने राज्य सरकार की तथाकथित कोशिश पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। राज्य सरकार अद्यतन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों के लिए एक अनिश्चित समयकाल के साथ RIIN को क्रियान्वित करना चाहती है।
- RIIN के मुद्दे से काफी सावधानी के साथ निपटने की जरूरत है क्योंकि लोगों के रूप में इसके नागाओं के लिए न दिखने वाले और खतरनाक परिणाम हो सकते हैं।

मूल नागा निवासी रजिस्टर (RIIN) के बारे में

- असम द्वारा राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) के संशोधन की शुरुआत के चार वर्षों के बाद, नागालैंड सरकार ने नागरिकता रजिस्टर के अपने प्रारूप पर कार्य की शुरुआत की है, हालांकि यह केवल राज्य के मूल समुदायों के लिए ही है।
- नागालैंड सरकार ने नागालैंड के मूल निवासी रजिस्टर (RIIN) के गठन का निर्णय लिया है जिसका लक्ष्य नकली मूल निवासी प्रमाणपत्रों को रोकना है।
- RIIN राज्य के सभी मूल निवासियों की एक मास्टर सूची होगी।

मूल निवासी प्रमाणपत्र के द्वारा विशिष्ट पहचान के बारे में

- निर्णयों और सत्यापन के आधार पर, मूल निवासियों की एक सूची तैयार की जाएगी और प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट ID दी जाएगी।
- अंतिम सूची अथवा RIIN का निर्माण किया जाएगा और इसकी प्रतिलिपियों को प्रत्येक गांव और वार्ड में रखा जाएगा।
- सूची की इलेक्ट्रानिक प्रतिलिपियों को राज्य डाटा केंद्र में भंडारित किया जाएगा।
- राज्य के सभी मूल निवासियों को एक बारकोड वाला और नंबर वाला मूल निवासी प्रमाणपत्र दिया जाएगा।
- यह प्रक्रिया पूरे नागालैंड में चलाई जाएगी और इनर लाइन परमिट (ILP) के ऑनलाइन प्रणाली के हिस्से के रूप में किया जाएगा, जो कि पहले से ही नागालैंड में लागू है।

इनर लाइन परमिट (ILP) के बारे में

- यह एक आधिकारिक यात्रा दस्तावेज है जिसकी जरूरत भारतीय नागरिकों को जो कुछ संरक्षित राज्यों के बाहर निवास करते हैं, को होती है जब वे वहां प्रवेश करते हैं।
- इसे भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और यह उन सब लोगों के लिए जरूरी है जो संरक्षित राज्यों के बाहर निवास करते हैं।
- ILP के साथ, सरकार का लक्ष्य भारत के अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित कुछ स्थानों में आवागमन को विनियमित करना है।

ILP की पृष्ठभूमि

- ILP का जन्म **1873 में बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशंस** के साथ हुआ था, जिसने चाय, तेल और हाथी के व्यापार में ब्रिटिश साम्राज्य के हितों का संरक्षण किया।
- इसने ब्रिटिश नागरिकों अथवा भारतीयों को इन संरक्षित क्षेत्रों में प्रवेश करने से रोका।
- 1950 में स्वतंत्रता के बाद, शब्द ब्रिटिश नागरिक को भारत के नागरिक से विस्थापित कर दिया गया और मुक्त आवागमन पर रोक की व्याख्या उत्तरपूर्व भारत में जनजातीय संस्कृतियों के संरक्षण के प्रयास के रूप में की गई।

क्वाड नौसेनाओं के पास उच्च स्तर की अंतर्संचालनीयता

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- बिजीनेस स्टैंडर्ड)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की क्वाड नौसेनाओं को अभी से उच्च स्तर की अंतर्संचालनीयता हासिल है और यदि कोई अवसर उत्पन्न होता है तो लगभग प्लग और प्ले तंत्र में आपस में इकट्ठा होने की क्षमता और सामर्थ्य है।

खबरों में और भी

- क्वाड का विकास व्यवस्थित रूप से हो रहा था, अन्य चीजों के अतिरिक्त हाल में घोषित किये गए टीका सहयोग के बारे में।
- जहां तक सैन्य हिस्से का संबंध है ऑस्ट्रेलिया, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत की नौसेनाओं के पास अभी से उच्च स्तर की अंतर्संचालनीयता है।

- यदि कोई अवसर पैदा होता है तो तो उनके पास लगभग प्लग और प्ले तंत्र में आपस में इकट्ठा होने की क्षमता और सामर्थ्य है।
- भारतीय नौसेना ने सामूहिक समुद्री सामर्थ्य के विचार पर जोर दिया जहां प्रत्येक देश कुछ नया लेकर आता है और एक दूसरे से सीख सकता है और व्यक्तिगत क्षमताओं का दोहन कर सकता है।
- नौसेना का लक्ष्य पसंदीदा सुरक्षा साझीदार था, जो विश्वसनीय और बातचीत में आगे बढ़ना वाला और क्षेत्र में पहला जवाब देने वाला हो।
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र बंद और निरंकुश 'बीजिंग विज़न' और एक मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत के विचार के बीच में प्रतियोगिता के मध्य में है।

संबंधित सूचना

चतुर्पक्षीय सुरक्षा संवाद (Quad) के बारे में

- यह **भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया** के बीच में अनौपचारिक रणनीतिक संवाद है जिसका साझा उद्देश्य स्वतंत्र, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित और समर्थन देना है।
- मंत्रियों ने आपस में बैठक करके आतंकवाद निरोधन, सलाह, आपदा राहत में सहायता, वायु सुरक्षा, सहयोग, विकास, वित्त और साइबर सुरक्षा प्रयासों पर साझा प्रतिबद्धताओं और करीबी सहयोग में सामूहिक प्रयासों पर चर्चा की।
- क्वाड के विचार की सर्वप्रथम संकल्पना **जापानी प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने 2007** में की थी।
- लेकिन, यह विचार ऑस्ट्रेलिया के बाहर आ जाने से आगे न बढ़ सका, जिसका प्रत्यक्ष कारण चीनी दवाब था।
- दिसंबर 2012 में, **शिंजो अबे ने एक बार फिर से** ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका को शामिल करने वाले **एशिया के** लोकतांत्रिक सुरक्षा डायमंड की संकल्पना प्रस्तुत की जिससे हिंद महासागर से लेकर पश्चिमी प्रशांत तक समुद्री हितों को सुरक्षित रखा जा सके।
- नवंबर 2017 में, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान लंबे समय से लंबित पड़े क्वाड गठबंधन को आकार दिया जिससे नई रणनीति का विकास किया जा सके जो हिंद-प्रशांत में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी प्रभाव (विशेषरूप से चीनी) से मुक्त रख सके।
- **क्वाड की चीन द्वारा उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) के एशियाई वर्जन के रूप में आलोचना की जाती है।**

शरणार्थियों और अवैध प्रवासियों पर परिस्थितियों के साथ भारत का रुख कैसे बदलता है?

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में सर्वोच्च न्यायालय केंद्र के मत को स्वीकार करता हुआ दिखाई दिया कि भारत में रोहिंग्या लोग अवैध प्रवासी हैं जब उसने इस समुदाय के 300 सदस्यों को छोड़ने का आदेश देने से इंकार कर दिया, जिनमें से अधिकांश जम्मू और अन्य दिल्ली के नजरबंदी कैंप में हैं।
- इसने कहा कि उन्हें विदेशी नागरिक कानून, 1946 के अंतर्गत प्रक्रियाओं के अनुसार वापस भेजना चाहिए।

अवैध प्रवासी बनाम शरणार्थी

- शरणार्थियों के दर्जे पर 1951 के संयुक्त राष्ट्र संधि के अंतर्गत और बाद का 1967 का प्रोटोकॉल।

शरणार्थी की परिभाषा

- शरणार्थी शब्द का अर्थ किसी ऐसे व्यक्ति से है जो अपने मूल देश से बाहर है और वंश, धर्म, राष्ट्रीयता, किसी विशेष सामाजिक समूह की सदस्यता अथवा राजनीतिक विचारधारा के कारण प्रताड़ना के वास्तविक डर की वजह से वापस जाने में अक्षम अथवा अनिच्छुक है।
- राज्यविहीन व्यक्ति भी इसी विचार से शरणार्थी हो सकते हैं, जहां जन्म के देश (नागरिकता) को पूर्व नियमित आवास के रूप में समझा जाता है। (शरणार्थी और जबर्दस्ती प्रवास अध्ययनों पर ऑक्सफोर्ड हैंडबुक)

भारत और संयुक्त राष्ट्र संधि

- भारत 1951 की संयुक्त राष्ट्र संधि अथवा 1967 के प्रोटोकॉल का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है।
- ना ही भारत की अपनी को शरणार्थी नीति अथवा शरणार्थी कानून है।
- इसने भारत शरणार्थियों के सवाल पर अपने विकल्पों को खुला रखने की अनुमति दी है।
- सरकार किसी भी शरणार्थी के समूह को अवैध प्रवासी घोषित कर सकती है- जैसा कि रोहिंग्या के साथ UNHCR सत्यापन के बाद हुआ- और उनके साथ घुसपैठियों की तरह से विदेशी नागरिक कानून अथवा भारतीय पासपोर्ट कानून के अंतर्गत निपटने का निर्णय लिया गया।
- हाल में वर्षों में भारत शरणार्थी नीति को बनाने के सबसे करीब नागरिकता संशोधन कानून, 2019 के दौरान आया, जो भारतीय नागरिकता देने समय धर्म के आधार पर शरणार्थियों के बीच में भेदभाव करता है।

विश्व शरणार्थी दिवस 2020

- विश्व शरणार्थी दिवस प्रत्येक वर्ष 20 जून को मनाया जाता है।
- इस वर्ष की थीम है **"एवरी एक्शन काउंट्स"।**
- इसे उन लोगों को मजबूती और साहस प्रदान करने के लिए मनाया जाता है जिन्हें संघर्षों अथवा प्रताड़ना की वजह से अपने देश और घरों को छोड़ने और भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है।.

मानसिक स्वास्थ्य और सामान्य वृद्धि प्रणाली एप

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत-PIB)

खबरों में क्यों है?

- भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ने सभी आयु वर्गों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए वर्चुअल तरीके से 'MANAS' एप की शुरुआत की है।

MANAS एप के बारे में

- MANAS का अर्थ मानसिक स्वास्थ्य और सामान्य वृद्धि प्रणाली है जिसे प्रधानमंत्री के विज्ञान, तकनीकी और नवाचार परामर्शदात्री परिषद (PM-STIAC) द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में समर्थन दिया गया है।

- यह एक समग्र मापनीय, और राष्ट्रीय डिजिटल कल्याण प्लेटफॉर्म है और यह एक ऐसा एप विकसित किया गया है जो भारतीय नागरिकों के मानसिक कल्याण में वृद्धि करेगा।
- MANAS एप विभिन्न सरकारी मंत्रालयों के स्वास्थ्य और कल्याण प्रयासों का एकीकरण करता है, साथ ही यह वैज्ञानिक रूप से मान्य स्वदेशी उपकरणों को गेमीफाइड अंतर फलकों के साथ भी एकीकृत करता है।
- इस एप को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पोषण अभियान, ई-संजीवनी जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए।

NCSC शिकायत प्रबंधन पोर्टल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत-AIR)

खबरों में क्या है?

- भारत सरकार ने "राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (NCSC) के ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन पोर्टल" की शुरुआत की है।

पोर्टल के बारे में

- इस पोर्टल को भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भूसूचनाविज्ञान संस्थान (BISAG-N) के साथ सहयोग में डिजाइन किया गया है।
- BISAG-N इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत उत्कृष्ट केंद्र है।
- पोर्टल अनुसूचित जाति जनसंख्या के लिए देश के किसी भी हिस्से से उनकी शिकायतों को पंजीकृत करने में आसान बनाता है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के बारे में

- इस भारत के संविधान के अनुच्छेद 338 के अंतर्गत गठित किया गया है जिसका उद्देश्य किसी समय विशेष के लिए लागू कानून के अंतर्गत अथवा भारत सरकार के किसी आदेश के अंतर्गत अनुसूचित जाति को दिये गये सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मुद्दों की जांच और निगरानी करना है।

श्रीलंका में चीनी बंदरगाह

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में श्रीलंका के सर्वोच्च न्यायालय ने विपक्षी पार्टियों, नागरिक समाज समूहों और श्रम संघों द्वारा दर्जनों याचिकाएं दायर की गई हैं जिसमें हाल में राजधानी कोलम्बो में चीनी समर्थन वाले बंदरगाह शहर पर हाल में राजपत्रित विधेयक को चुनौती दी गई है।

हाल के मुद्दे

- शासक राजपक्षे प्रशासन पिछले हफ्ते एक विधेयक संसद में लाया था, जिसका शीर्षक **कोलंबो बंदरगाह शहर आर्थिक आयोग** है, जिसमें प्रस्तावित कानूनों के लिए कोलंबो के सीफ्रंट की भूमि पर बनाए जा रहे $1.4 अरब के बंदरगाह शहर को रेखांकित किया गया था।

संवैधानिक वैधता

- श्रीलंकाई विपक्षी पार्टियां समागी जन बालावेगया (SJB अथवा यूनाईटेड पीपुल्स फ्रंट), जनथा विमुक्थि पेरुमना (JVP), यूनाईटेड नेशनल पार्टी (UNP), कोलंबो आधारित NGO सेंटर फॉर पालिसी आल्टरनेटिव्स, और श्रम संगठनों ने बंदरगाह शहर के लि प्रस्तावित विधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है, जिसे सरकार द्वारा विदेशी पूंजी के लिए एक निवेश केंद्र के रूप में बताया जा रहा है।

विधेयक की खास बातें

- इसके खंड श्रीलंकाई रुपये में बंदरगाह शहर में निवेश का निषेध करते हैं, जिससे श्रीलंका बाहर रहेगा।
- यह कोलंबो के भीतर एक निषिद्ध शहर रहेगा।
- सरकार का दावा है कि वह 'एक देश, एक कानून' का पालन करती है, लेकिन यह विधेयक बंदरगाह शहर को विशेष कानूनों के साथ एक विदेशी देश की तरह से चलाने की अनुमति देती है।

About Port City

- इस बंदरगाह शहर की शुरुआत राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस द्वीपीय देश के अपने सितंबर 2014 के दौरे के दौरान की थी, यह पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे का कार्यालय में दूसरी पारी थी, उनकी चुनाव में हार के कुछ महीनों पूर्व।
- बाद की सरकारों ने, जिनका नेतृत्व राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेना और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने किया, इस स्थल के विकास का वादा 'हिंद महासागर वित्तीय केंद्र' के रूप में किया था।

संयुक्त राज्य अमेरिकी सेनाओं पर ड्रोन हमला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक ड्रोन ने उत्तरी इराक ने इरबिल हवाई अड्डे पर तैनात संयुक्त राज्य अमेरिका की सेनाओं के पास एक विस्फोटक गिराया।
- यह इरबिल में संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन्य बलों के खिलाफ किसी मानवरहित ड्रोन द्वारा किया गया पहला ज्ञात हमला है। यह कार्य संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन्य बलों वाले आधारों पर और बगदाद में दूतावास पर रॉकेट हमलों के दौरान हुआ जिसका इल्जाम अमेरिका ईरान समर्थित लड़ाकों पर लगाता है।

इराक, तुर्की और संयुक्त राज्य अमेरिका

- **तुर्की की सेनाएं भी इराक में हैं।** वे **NATO** दल और एक बल जिसने उत्तर में कुर्दी अलगाववादी उग्रवादियों पर आक्रमण किया, दोनों के ही रूप में हैं।

- ईरान के समर्थन वाले लड़ाके दोनों ही संयुक्त राज्य अमेरिका और तुर्की की उपस्थिति का विरोध करते हैं और सभी विदेशी सैन्य बलों को हटाने की मांग करते हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका ने कभी-कभी ईरान के साथ कार्य करने वाले लड़ाकों के खिलाफ हवाई हमले किये हैं जिसमें ईराकी-सीरियाई सीमा भी शामिल है।

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के बारे में

- यह पूरे उत्तरी अमेरिकी और यूरोपीय देशों के 29 स्वतंत्र सदस्य देशों के मध्य एक अंतरसरकारी राजनीतिक और सैन्य गठबंधन है।
- इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में है।
- प्रमुख सदस्य देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और यूरोप में अमेरिकी सहयोगी शामिल हैं।
- NATO इस सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है कि इसके एक देश अथवा कई देशों पर हमला सभी के खिलाफ हमला माना जाएगा।
- यह सामूहिक रक्षा का सिद्धांत है, जो वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 में शामिल किया गया है।

हाल के विकास

- हाल में NATO के सदस्य लंदन में रक्षा गठबंधन की 70वीं वर्षगांठ मनाने के लिए इकट्ठा हुए।

समावेशी इंटरनेट सूचकांक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में फेसबुक इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट अध्ययन के अनुसार, भारत का स्थान समावेशी इंटरनेट सूचकांक में काफी नीचे है।

समावेशी इंटरनेट सूचकांक के बारे में

- फेसबुक 'समावेशी इंटरनेट सूचकांक' ने 120 देशों का अध्ययन किया, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 98 प्रतिशत और वैश्विक जनसंख्या के 96 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- पूरी दुनिया में लगभग 70 प्रतिशत लोग विश्वास करते हैं कि जीवन के सभी पहलुओं में उनके द्वारा इंटरनेट का प्रयोग एक 'नए सामान्य' को निर्दिष्ट करता है जो भविष्य में अनिश्चित काल तक जारी रहेगा।

प्रमुख खास बातें

- भारत के डाटा प्लान सबसे सस्ते हैं और यहां लगभग 700 मिलियन इंटरनेट प्रयोगकर्ता हैं।
- भारत, थाईलैंड के साथ 49वें स्थान पर है।
- इंटरनेट उपलब्धता (77वां स्थान वैश्विक रूप से), वहनीयता (20वां स्थान), प्रासंगिकता (49वां स्थान) और तैयारी (29वां स्थान) श्रेणियों में स्कोर प्रदान किये गये हैं।
- भारत 2025 तक 1 अरब इंटरनेट प्रयोगकर्ता के लिए तैयार है।
- भारत में 2020 में 687.6 मिलियन इंटरनेट प्रयोगकर्ता थे।

- बहुसंख्यक देश (120 में 77) ने संपूर्ण रूप से इंटरनेट समावेशन में सुधार दर्शाया है, यह बढ़ती हुई उपलब्धता की वजह से आंशिक है।

भारत के लिए महिला भारतीय मुख्य न्यायाधीश का समय

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- महिला सशक्तिकरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारत के मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत में महिला भारतीय मुख्य न्यायाधीश बनने का समय आ गया है।

न्यायाधीश के पद से किनारा

- उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों ने कहा है कि कई महिला एडवोकेटों को जब न्यायाधीश बनने के लिए बुलाया गया तो उन्होंने कक्षा 12 में पढ़ रहे बच्चे इत्यादि के बारे में घरेलू जिम्मेदारियों का वास्ता देकर ऑफर को ठुकरा दिया।
- न्यायालय सर्वोच्च न्यायालय महिला अधिवक्ता संघ की एक याचिका की सुनवाई कर रहा था कि प्रतिभाशाली महिला एडवोकेटों को न्यायाधीशों के पद से किनारे कर दिया जाता है।
- कुल 25 उच्च न्यायालयों में से मात्र एक में ही महिला मुख्य न्यायाधीश है- मुख्य न्यायाधीश हिमा कोहली जो तेलंगाना उच्च न्यायालय का नेतृत्व कर रही हैं।

न्यायपालिका में लैंगिक अंतराल

- महिला न्यायाधीशों के लिए आरक्षित 34 सीटों की तुलना में सर्वोच्च न्यायालय में मात्र 2 महिला न्यायाधीश ही हैं और देश में कभी भी महिला भारतीय मुख्य न्यायाधीश नहीं बनी है।
- सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में कुल मंजूर किये गए 1,113 न्यायाधीशों के पदों में महिला न्यायाधीशों की संख्या मात्र 80 ही है।
- इन 80 महिला न्यायाधीशों में से, केवल 2 सर्वोच्च न्यायालय में हैं, और अन्य 78 विभिन्न उच्च न्यायालयों में हैं, जो कुल न्यायाधीशों की संख्या का 7.2% ही है।
- अधिवक्ताओं के वरिष्ठ पदों में, सर्वोच्च न्यायालय में केवल 17 महिला वरिष्ठ काउंसल डेजिग्नेट ही हैं, जबकि इसकी तुलना में 403 पुरुष हैं।

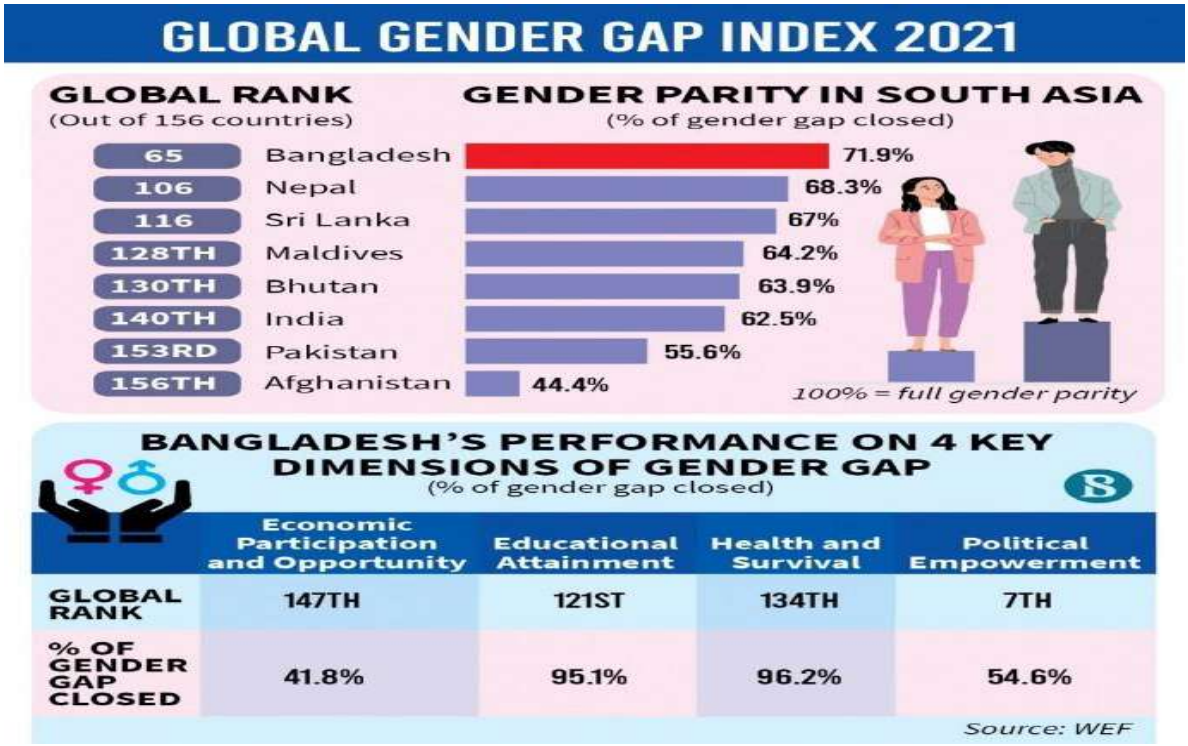

न्यायपालिका में महिलाओं का महत्व

- सतत विकास पर 2030 का एजेंडा, और सततक विकास लक्ष्य (SDG 5 और SDG 16 विशेष रूप से), न्यायपालिका जैसे सार्वजनिक संस्थानों में महिला प्रतिनिधित्व और लैंगिक समानता की वैश्विक जिम्मेदारी की बात करते हैं।

ISRO के गगनयान मिशन पर सहयोग के लिए भारत-फ्रांस के बीच में समझौता

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारत और फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसियों ने देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए सहयोग के वास्ते एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

पृष्ठभूमि

- भारत और फ्रांस के बीच में पहला अंतरिक्ष समझौता 1964 में हुआ था।
- दोनों देशों के बीच में वर्तमान साझेदारी अंतरिक्ष गतिविधि के लगभग क्षेत्रों को कवर करता है।

यह किस तरह से गगनयान मिशन को समर्थन देगा

- फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी CNES गगनयान मिशनों के लिए तैयारी में मदद देगा।
- समझौते की शर्तों के अनुसार, CNES भारत के उड़ान चिकित्सकों और CAPCOM मिशन नियंत्रण टीमों को फ्रांस में प्रशिक्षित करेगा। यह कार्य CADMOS केंद्र में माइक्रोग्रेवेटी

अनुप्रयोगों के लिए, टाउलोज के CNES में अंतरिक्ष प्रचालनों के लिए और कोलोन, जर्मनी में यूरोपीय अंतरिक्षयात्री केंद्र में किया जाएगा।
- यह समझौता CNES को वैलीडेशन मिशन पर एक वैज्ञानिक परीक्षण योजना, खाद्य पैकेजिंग पर सूचना का विनिमय और पोषण कार्यक्रम के क्रियान्वयन को समर्थन देगा।

गगनयान मिशन के बारे में

- गगनयान मिशन कक्षीय अंतरिक्षयान परियोजना को अगस्त 2018 में शुरू किया गया था।
- यह भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है जिसे भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन द्वारा प्रक्षेपित किया जाएगा।
- इसका प्रारंभिक उद्देश्य 2022 में देश के स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय भूमि से एक अंतरिक्षयात्री को अंतरिक्ष में भेजना था।
- परीक्षण उड़ानों में एक उपकरणीय मानवाभ (ह्यूमेनॉयड) रोबोट भेजा जाएगा।
- यह कैप्सूल सात दिनों तक 400 किमी. की ऊंचाई पर परिक्रमा करेगा, इसके बाद यह अहमदाबाद के तट पर अरब सागर में गिर जाएगा।

व्योम मित्रः गगनयान के लिए महिला रोबोट के बारे में

- भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन ने एक मानव रोबोट का अनावरण किया है, जिसका नाम व्योममित्र है, जिसे गगनयान मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

व्योममित्र के बारे में

- व्योममित्र अर्ध मानवाभ है जो मानव कार्यों की नकल कर सकती है और उसका शरीर आधा ही है और उसके पैर नहीं हैं।

गगनयान मिशन में व्योममित्र की भूमिका

- वह पैनल ऑपरेशनों को बदलने, पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणालियों के कार्यों को करने, अंतरिक्षयात्रियों से बातचीत करने, उन्हें पहचानने और उनके सवाल को सुलझाने में सक्षम है।
- केबिन के अंदर यदि पर्यावरण परिवर्तन होते हैं तो यह मानवाभ पहचान करके और चेतावनी दे सकता है।
- अगस्त 2022 में अंतरिक्षयात्रियों के वास्तविक प्रक्षेपण के पूर्व अंतरिक्ष के लिए जरूरी मानव कार्यों की यह मानवाभ जंतु नकल कर सकता है।
- 2020 के अंत में अथवा 2021 की शुरुआत में इसे अंतरिक्ष कैप्सूल में भेजा जाएगा जिससे यह जाना जा सके कि नियंत्रित शून्य गुरुत्वाकर्षण परिस्थितियों में पृथ्वी के बाहर रहने पर अंतरिक्षयात्रियों में क्या प्रतिक्रिया होती है।
- इसका विकास ISRO की जड़ता प्रणाली इकाई, तिरुअनंतपुरम में किया गया है।

अंतरिक्ष में अन्य रोबोट

a. रोबोनॉट 2: NASA, USA
b. फेदोर (अंतिम परीक्षात्मक प्रदर्शन वस्तु शोध): रूस
c. किरोबो: जापान

प्रवेश आयु नियमों में छूट के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक सुरक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) ज्यादा कोष प्रबंधक हासिल करने वाली है और निवेशकों के लिए आयु संबंधित प्रवेश मानदंडों का विस्तार करने वाली है।
- NPS प्रवेश आयु सीमा को 65 वर्ष से बढ़ा कर 70 वर्ष करने वाली है, जिन्होंने 60 वर्ष की उम्र में इसमें प्रवेश किया है वे 75 वर्ष की आयु तक इसमें निवेश कर सकते हैं।

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली और संबंधित मामलों के बारे में

- इसे 1 जनवरी, 2004 से प्रभावी तौर पर लागू कर दिया गया था (सैन्य बलों को छोड़कर)।
- NPS को पेंशन कोष विनियमन और विकास प्राधिकरण द्वारा देश में क्रियान्वित और विनियमित किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास (NPST) जिसकी स्थापना PFRDA द्वारा की गई थी, NPS के अंतर सभी संपत्तियों का मालिक है।

NPS को दो स्तरों पर स्थापित किया गया है:

स्तर-I खाता

- यह न निकाला जाने वाला स्थाई सेवानिवृत्त खाता है जहां पर संचयों को जमा औऱ निवेश किया जाता है जो कि ग्राहक के विकल्प के अनुसार होता है।

स्तर-II खाता

- यह एक वैकल्पिक निकाला जाने वाला खाता है जिसकी अनुमति उसी वक्त दी जाती है जब ग्राहक के नाम पर एक सक्रिय स्तर-I खाता होता है।
- इस खाते से धन निकालने की अनुमति जब भी कहा जाए ग्राहक की जरूरतों के अनुसार होता है।

सभी नागरिकों को उपलब्ध

- इसे सभी भारतीय नागरिकों के लिए 1 मई, 2009 को उपलब्ध करा दिया गया।
- भारत का कोई भी व्यक्तिगत नागरिक (निवासी और गैर निवासी दोनों) जो 18-65 के आयु वर्ग में हैं (NPS आवेदन को देने की तिथि पर) NPS में शामिल हो सकते हैं।
- लेकिन, OCI (भारत के विदेशी नागरिक) औऱ PIO (भारतीय मूल के लोग) कार्डधारक और हिंदू गैर विभाजित परिवार (HUFs) NPS को खोलने के लिए पात्र नहीं हैं।

विश्व जनसंख्या 2021 की स्थिति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (UNFPA) ने **'मेरा शरीर मेरा है'** नामक शीर्षक वाली विश्व जनसंख्या रिपोर्ट 2021 की अपनी फ्लैगशिप स्थिति को जारी किया है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष रिपोर्ट के बारे में

- यह पहली बार है कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने शारीरिक स्वायत्तता के बारे में अपनी रिपोर्ट को केंद्रित किया है। इसे बिना किसी दूसरे द्वारा निर्णय लिये हुए अथवा हिंसा की आशंका के अपने शरीर के बारे में चुनाव करने के लिए शक्ति अथवा एजेंसी के रूप में परिभाषित किया गया है।

प्रमुख परिणाम

- उन देशों में जहां आंकड़े उपलब्ध हैं, केवल 55% महिलाओं को ही स्वास्थ्य देखभाल, गर्भनिरोधक और यौन क्रिया के लिए हां या न कहने की क्षमता पर निर्णय लेने का पूरी तरह से अधिकार है।
- केवल 75% देश ही कानूनी तौर पर गर्भनिरोधकों तक पूर्ण और समान पहुँच सुनिश्चित करते हैं।
- शारीरिक स्वायत्तता के उल्लंघन के कुछ उदाहरणों में शामिल हैं बाल विवाह, महिला खतना, गर्भनिरोधकों के चुनाव की कमी जिससे गैरनियोजित गर्भ होता है, घर अथवा भोजन के बदले में गैर-ऐच्छिक यौन क्रिया अथवा जब अलग लैंगिक रुझान और लैंगिक पहचान वाले एक साथ सड़क पर बिना हमले अथवा बेइज्जती के चल नहीं सकते हैं।
- इसके दायरे में वे लोग भी आते हैं जिन्हें स्वनिर्धारण का अधिकार नहीं है, जो हिंसा से मुक्त नहीं है और जो एक सुरक्षित और संतुष्टिकारी यौन जिंदगी का आनंद नहीं प्राप्त कर सकते हैं।
- पूरी दुनिया में महिलाएं कोविड-19 महामारी के साथ अपने शारीरिक स्वायत्तता के मूलभूत अधिकार से वंचित है जिससे स्थिति और भी खराब हुई है।

संबंधित सूचना

भारत में महिलाओं के प्रजननात्मक और यौन अधिकार

- देश में महिलाओं के यौन और प्रजननात्मक अधिकार को पहचान काफी हद तक कम है।
- भारत में प्रजननात्मक अधिकार केवल चुने हुए मुद्दों जैसे बाल विवाह, महिला भ्रूणहत्या, लिंग निर्धारण औऱ मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मुद्दों के संदर्भ में समझे जाते हैं।
- यह कई पार्टियों के चुनाव घोषणापत्र में भी परिलक्षित होता है जहां राजनीतिक दलों ने विवाहों के पंजीकरण को अनिवार्य करने, बाल विवाह को रोकने के लिए कानून का क्रियान्वयन करने, पूरे भारत में प्रजननात्मक और मासिक धर्म स्वास्थ्य सेवाओं को उपलब्ध कराने, वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने का वायदा किया है।
- वे गर्भधारण के पूर्व और जन्मपूर्व नैदानिक तकनीकों (लिंग चुनाव का निषेध) कानून (PCPNDT) कानून के कड़ाई से क्रियान्वयन को सुनिश्चित करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के बारे में

- यह संयुक्त राष्ट्र आमसभा के संबद्ध अंग हैं और एक लैंगिक और प्रजननात्मक स्वास्थ्य एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- इसकी स्थापना एक न्यास के रूप में 1967 में की गई औऱ इसने अपना कार्य 1969 में शुरू किया।

- 1987 में, इसे आधिकारिक तौर पर नया नाम संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष दिया लेकिन मूल संक्षेपण 'UNFPA' जो कि जनसंख्या गतिविधियों के लिए संयुक्त राष्ट्र कोष के लिए है, को बनाए रखा गया।

बजट

- UNFPA को संयुक्त राष्ट्र बजट से समर्थन नहीं मिलता है, इसकी बजाय यह दानकर्ता सरकारों, अंतरसरकारी संगठनों, निजी क्षेत्र, फाउंडेशनों और व्यक्तियों के स्वैच्छिक योगदानों से समर्थन पाता है।

SDG

- यह सीधे स्वास्थ्य (SDG3), शिक्षा (SDG4) और **लैंगिक समानता (SDG5)** पर सतत विकास लक्ष्यों से सीधे तौर पर निपटने के लिए कार्य करता है।

भारत में सार्वजनिक परिवहन को रुपांतरित करने के लिए सरकार ने सभी के लिए परिवहन चुनौती दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है ?

- केंद्रीय आवास एवं शहरी मामले के मंत्री ने हाल में एक ऑनलाइन समारोह में सभी के **परिवहन चुनौती और ईट स्मार्ट सिटीज़ चुनौती प्रस्तुत की है।**

सभी के लिए परिवहन चुनौती के बारे में

- सभी के परिवहन डिजिटल नवाचार चुनौती का लक्ष्य डिजिटल हलों का विकास करना है जो सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित, वहनीय, आरामदेह औऱ सभी के लिए विश्वसनीय बना देगा।
- यह स्मार्ट सिटीज़ मिशन में किये जा रहे शानदार कार्य के संपूरक के रूप में भी कार्य करेगा।
- यह शहरों को उनके इस गतिमयता संकट से बचने में भी समर्थन देगा।

ईट स्मार्ट सिटीज़ चुनौती के बारे में

- इसका लक्ष्य स्मार्ट सिटी को एक योजना विकसित करने के लिए प्रेरित करना है जिससे वे एक स्वास्थ्यपूर्ण, सुरक्षित और सतत खाद्य वातावरण को समर्थन दे सकें। इसे संस्थागत, भौतिक, सामाजिक औऱ आर्थिक अवसंरचना के द्वारा समर्थन दिया जाएगा जिसमें खाद्य संबंधित मामलों से मुकाबले करने के लिए स्मार्ट हलों का अनुप्रयोग भी होगा।

यह शहरी जनसंख्या को सही खाद्य चुनाव करने में मदद देगा और एक स्वास्थ्यपूर्ण और खुश देश निर्मित करने में मदद देगा।

इटली ने भारत में पहला वृहद् खाद्य पार्क और खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, इटली ने भारत में अपना पहला वृहद् खाद्य पार्क और खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की है।
- इस परियोजना का लक्ष्य दोनों देशों की कृषि और उद्योग के बीच में संमिलन उत्पन्न करना है और यह इस क्षेत्र में नई और ज्यादा सामर्थ्य वाली तकनीकों के विकास और शोध पर केंद्रित होगा।

वृहद् खाद्य पार्क योजना के बारे में

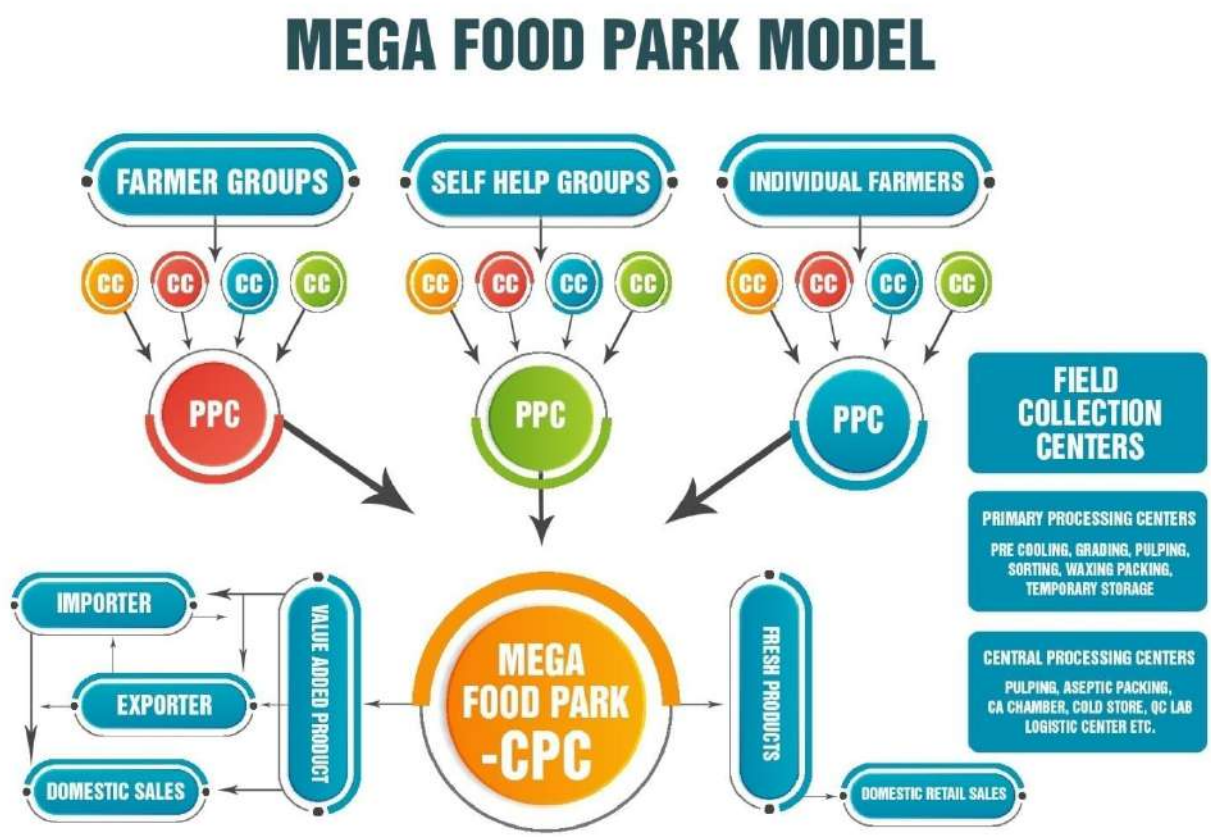

- इस योजना को 2008-09 में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत शुरू किया गया था।

लक्ष्य

- किसानों, प्रसंस्करणों और खुदरा व्यापारियों को साथ में लाकर बाजार के साथ कृषीय उत्पादन को जोड़ने का एक तंत्र उपलब्ध कराना है जिससे मूल्य वर्धन को अधिकतम किया जा सके, बर्बादी को न्यूनतम किया जा सके, किसानों की आय को बढ़ाया जा सके और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाया जा सके।

घटक

- यह योजना क्लस्टर दृष्टिकोण पर आधारित है और यह अच्छी तरह से स्थापित आपूर्ति ऋंखला के साथ पार्क में उपलब्ध औद्योगिक भूखंड में आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना

के लिए सुव्याख्यायित कृषि/साग-सब्जी क्षेत्र में आधुनिकतम अवसंरचना की स्थापना की संकल्पना करती है।

- वृहद् खाद्य पार्क आमतौर पर आपूर्ति ऋंखला अवसंरचना से मिलकर बनता है जिसमें संग्रहण केंद्र (cc), प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र (ppc), केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र (cpc), कोल्ड चेन और लगभग 25-30 पूरी तरह से विकसित भूखंड उद्यमियों के लिए खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को स्थापित करने के लिए होते हैं।

वित्तीय सहायता

- केंद्र सरकार वृहद् खाद्य पार्क परियोजना के लिए रु. 50.00 की वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
- MFP परियोजना एक विशेष उद्देश्य वाहन (SPV) द्वारा क्रियान्वित की जा रही है जो एक कार्पोरेट निकाय है जिसे कंपनी कानून, 2013 के तहत पंजीकृत किया गया है।

लैंगिक संवाद

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने लैंगिक संवाद समारोह का आयोजन किया।

लैंगिक संवाद के बारे में

- यह अनुभवों को साझा करने के लिए एक समान प्लेटफार्म बनाने के लिए DAY-NRLM और इनीशिएटिव फॉर व्हाट वर्क्स टू एडवांस वीमेन एंड गर्ल्स इन द इकोनॉमी (IWWAGE) के बीच में एक संयुक्त प्रयास है।

लैंगिक संवाद राज्यों को निम्न अवसर उपलब्ध कराता है:

- बेहतर प्रथाओं/पहलों की समझ जो अन्य राज्य कर रहे हैं जिससे महिलाओं की एजेंसी में सुधार किया जा सके (उदाहरण महिलाओं की भूमि अधिकारों तक पहुँच, किसान उत्पादन संगठनों में उनकी भागीदारी (FPOs), खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य तथा जल एवं स्वच्छता के लिए बेहतर प्रथाएं (FNHW), सार्वजनिक सेवा डिलीवरी के लिए मजबूत संस्थानों की स्थापना में, और महिलाओं के अंदर कमजोर समूहों की शिकायतों को सुलझाने को प्रोत्साहन देना (उदाहरण डायन प्रथा की शिकार));
- वैश्विक रूप से लैंगिक हस्तक्षेपों की समझ;
- मुद्दों/क्रियान्वयन बाधाओं से कैसे निपटा जाए से संबंधित सुझावों पर विशेषज्ञों और अन्य सहकर्मियों के साथ बातचीत;
- पूरे देश/अन्य देशों में लैंगिक हस्तक्षेप के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं पर संसाधन सामग्री के साथ लैंगिक कोष के सृजन में योगदान देना; और
- पूरे SRLMs और NRLM में लैंगिक विषयों पर ध्यान देने की जरूरत की पैरवी करना।

संबंधित सूचना

दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय जीवनयापन मिशन (DAY-NRLM) के बारे में

- यह केंद्र सरकार का गरीबी राहत कार्यक्रम है।
- इसे वर्ष 2011 में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आजीविका- राष्ट्रीय जीवनयापन मिशन (NRLM) के रूप में शुरू किया गया था।
- **इसका 2015 में नया नाम DAY-NRLM दिया गया।**
- यह योजना पूर्व की स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY) का सुधरा हुआ रूप है।
- **इस योजना की शुरुआत स्व सहायता समूहों (SHGs) और संघीय संस्थानों के द्वारा 7 करोड़ गरीब परिवारों को कवर करने के एजेंडे के साथ की गई थी जिससे 8-10 वर्षों में जीवनयापन सामूहिकता के लिए उनके समर्थन दिया जा सके।**
- इसका लक्ष्य वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुँच और सतत जीवनयापन उन्नति के द्वारा ग्रामीण गरीबों के परिवारों की आय को बढ़ाने के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रभावी और सक्षम संस्थागत प्लेटफार्म का सृजन करना है।

मिशन

- इस मिशन का लक्ष्य गरीबों की छुपी हुई क्षमताओं का उपयोग करना और उन्हें क्षमतावान बनाना है (जैसे कि ज्ञान, सूचना, उपकरण, वित्त, कौशल और अर्थव्यवस्था में भाग लेने के लिए उनके लिए सामूहिकता)।

त्रिपुरा ने ब्रू शरणार्थियों का स्थानांतरण आरंभ किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में 19 अप्रैल को त्रिपुरा के विभिन्न स्थानों में मिजोरम ब्रू शरणार्थियों को स्थाई रूप से बसाने के लिए स्थानांतरण का काम शुरू हो गया।
- 515 शरणार्थियों के पहले जत्थे को उत्तरी त्रिपुरा के शिविरों से निकाल कर धलाई जिले में बसाने के लिए दो स्थानों को भेजा गया।

ब्रू के बारे में

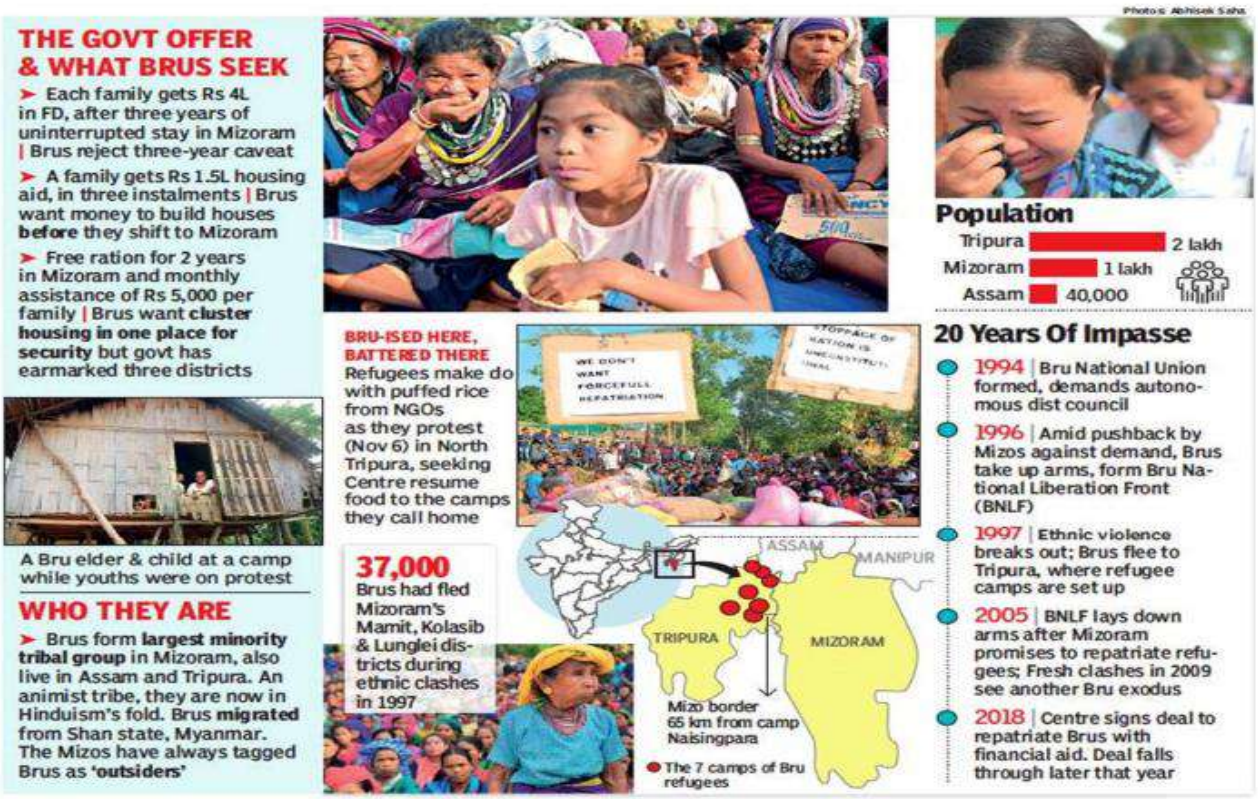

- **ब्रू जिन्हें रियांग भी कहा जाता है,** त्रिपुरा, असम, मणिपुर और मिजोरम के उत्तर-पूर्वी राज्यों में फैले हुए हैं।
- वे त्रिपुरा, मिजोरम और दक्षिणी असम के कुछ हिस्से में फैले हुए हैं और इसे त्रिपुरा की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाली जनजाति कहते हैं।
- त्रिपुरा में उन्हें **विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह** के रूप में मान्यता मिली हुई है।
- ये मूल जातीय तौर पर मिजो लोगों से अलग हैं, और उनकी अलग विशिष्ट भाषा और बोली है और इस तरह से वे **त्रिपुरा की 21 अनुसूचित जनजातियों में से एक हैं।**
- मिजोरम में उन्हें उन समूहों द्वारा लक्षित किया जाता है जो उन्हें राज्य के मूल निवासी नहीं मानते हैं।

ब्रू के साथ जुड़े हुए मामले

- जातीय हिंसा की वजह ने ब्रू जनजाति के हजारों लोगों को मिजोरम में घरों को छोड़ने के लिए मजबूर किया था।
- मिजोरम से विस्थापित ब्रू लोग 1997 से त्रिपुरा में विभिन्न शिविरों में रह रहे हैं।
- 1997 में, मिजोरम के मामित जिले के डाम्पा बाघ रिजर्व के एक मिजो वन रक्षक की हत्या जिसे तथाकथित रूप से ब्रू चरमपंथी ने किया था, की वजह से समुदाय के खिलाफ हिंसक प्रतिक्रिया हुई, जिसकी वजह से हजारों लोगों को पड़ोसी त्रिपुरा में भागना पड़ा।
- ब्रू चरमपंथ मिजो राष्ट्रवादी समूहों के खिलाफ एक प्रतिक्रियावादी आंदोलन था जिन्होंने 1990 के दशक के मध्य में मांग की थी कि ब्रू लोगों को राज्य के चुनाव सूची से बाहर किया जाए।

हाल के विकास

ब्रू समझौता 2020 के बारे में

- कुछ 35,000 ब्रू लोगों को बसाने की प्रक्रिया जनवरी 16, 2020 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित चतुर्थपक्षीय समझौते के पालन के लिए हो रही है।
- इस समझौते पर केंद्रीय गृह मंत्री की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे, जो शरणार्थियों, त्रिपुरा और मिजोरम सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद हुए।
- गृह मंत्रालय ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री और राज्य के शाही वारिस के द्वारा दिये गये प्रस्ताव को स्वीकार किया कि लगभग दो दशक पुराने **गतिरोध** को राज्य में समाप्त करने के लिए उनका पुनर्वास किया जाए।

वंदे भारत सबसे उच्च नागरिक निकासी में से एक बना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सरकारी नीतियां, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, वंदे भारत मिशन (VBM), जिसके द्वारा कोविड-19 और 7 मई से इसके फलस्वरूप लगे लॉकडाउन की वजह से विदेशों में फंसे हुए भारतीयों को वापस स्वदेश लाया गया, किसी देश के नागरिकों की सबसे बड़ी निकासी में से एक साबित हुई है।

वंदे भारत मिशन के बारे में

- यह **प्रथम खाड़ी युद्ध के दौरान इराक और कुवैत के बीच में हिंसा शुरू** होने पर 1990 के प्रारंभ में खाड़ी क्षेत्र से 177,000 भारतीयों की सुरक्षित वापसी के बाद से भारतीय नागरिकों को वापस लाने का सबसे बड़ा अभियान माना जा रहा है।
- इस मिशन ने वापस आने के आवश्यक कारणों के साथ भारतीय नागरिकों को प्राथमिकता दी है- जैसे जिनका रोजगार समाप्त हो गया है, वे जिनका वीजा समाप्त हो गया है और वर्तमान परिस्थितियों में उसकी नवीनीकरण की संभावना नहीं है और हाल के दिनों में जिन्होंने अपने पारिवारिक सदस्यों को खोया है।
- प्रत्यावर्तन योजना के अंतर्गत, सरकार एक चरणबद्ध तरीके से आवश्यकता के आधार पर बाहर फंसे भारतीय नागरिकों की वापसी को बढ़ावा देगी।
- एयर इंडिया और उसकी संबद्ध कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस 12 देशों से फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए 64 उड़ानों का प्रचालन करेगी।
- मिशन के अंतर्गत यात्रा की लागत को यात्रियों द्वारा ही वहन किया जाएगा।

संबंधित सूचना

ऑपरेशन समुद्र सेतु के बारे में

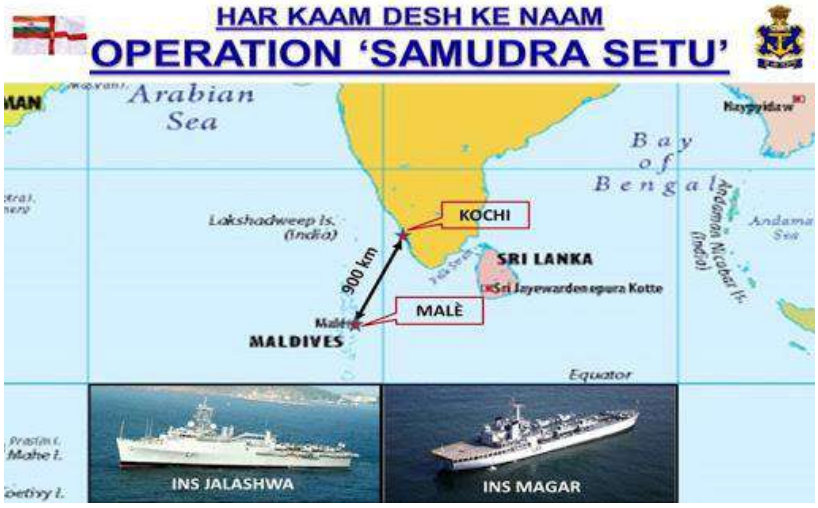

- भारतीय नौसेना द्वारा संचालित कार्यक्रम जिसका नाम समुद्र सेतु है, निकासी के पहले चरण के दौरान दो समुद्री जहाजों में लगभग दो हजार भारतीयों को वापस लाने के लिए है।
- INS जलाश्व INS मगर को विदेशी भूमि से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के प्रयास के हिस्से के तौर पर प्रचालित किया जा रहा है।

2021 नॉर्टन साइबर सुरक्षा अंतर्दृष्टि रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- **हाल में, 2021 नॉर्टन साइबर सुरक्षा अंतर्दृष्टि रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 52% वयस्कों ने यह स्वीकार किया है कि वे नहीं जानते कि वे कैसे साइबर अपराधों को अपने आप को बचाएं।**

2021 नॉर्टन साइबर सुरक्षा अंतर्दृष्टि रिपोर्ट के बारे में

- '**2021 नॉर्टन साइबर सुरक्षा अंतर्दृष्टि रिपोर्ट**' जो कि 10 देशों में 10,030 वयस्कों के मध्य किये गए 'द हर्री पोल' ऑनलाइन शोध पर आधारित है, जिसमें भारत से भी 1000 वयस्क शामिल हैं, ने यह भी पाया है कि सामूहिक रूप से साइबर अपराध के शिकार लोगों ने इन मुद्दों को सुलझाने के लिए 1.3 अरब घंटे खर्च किये हैं।

प्रमुख परिणाम

- रिपोर्ट सुझाव देती है कि कई भारतीय उपभोक्ता (90%) अपने डाटा को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं, 5 में से 2 लोग आज भी महसूस करते हैं कि इस युग में अपनी निजता (42%) की सुरक्षा करना असंभव है और उन्हें नहीं मालूम कि इसे कैसे करें (42%)।
- शोध के अनुसार 10 में से 7 भारतीय वयस्क विश्वास करते हैं (70%) कि दूर स्थान से काम करने ने हैकरों और साइबर अपराधियों के लिए लोगों का फायदा उठाने को आसान कर दिया है।

- लगभग आधे (52%) कहते हैं कि वे नहीं जानते कि साइबर अपराध से बचा जाएं, और उससे भी ज्यादा (68%) का कहना है कि यह निर्धारित करना मुश्किल है कि जो सूचना वे ऑनलाइन देख रहे हैं क्या विश्वसनीय स्रोत से है।

साइबर अपराध से निपटने के लिए हाल की पहलें

अंतरराष्ट्रीय पहलें

a. अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ

- यह संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत विशेषीकृत एजेंसी है जो दूरसंचार के मानकीकरण और विकास एवं साइबर सुरक्षा मामलों में एक प्रमुख भूमिका अदा करती है।

b. साइबर अपराध पर बुडापेस्ट संधि

- यह एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जो राष्ट्रीय कानूनों के सामंजस्य, जांच की तकनीकों में सुधार और राष्ट्रों के मध्य सहयोग बढ़ाकर इंटरनेट और कंप्यूटर अपराध (साइबर अपराध) को सुलझाना चाहती है।
- यह 1 जुलाई, 2004 में लागू की गई।
- **भारत ने इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं।**

c. इंटरनेट शासन मंच (IGF)

- यह सभी हितधारकों को साथ में लाता है, अर्थात इंटरनेट शासन वाद-विवाद पर सरकार, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को।
- इसे सबसे पहली बार अक्टूबर-नवंबर 2006 में बुलाया गया था।

कानून और भारत की साइबर सुरक्षा तैयारी

a. सूचना तकनीक कानून, 2000

- यह कानून कंप्यूटरों, कम्प्यूटर प्रणालियों, कम्प्यूटर नेटवर्कों और इलेक्ट्रानिक प्रारूप में डाटा और सूचना के प्रयोग का विनियमन करता है।
- यह कानून अन्य चीजों के अतिरिक्त निम्नलिखित को अपराध के रूप में अधिसूचित करता है:
  1. कंप्यूटर स्रोत दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़।
  2. कंप्यूटर प्रणाली के साथ हैकिंग करना
  3. साइबर आतंकवाद के कार्य अर्थात किसी देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता अथवा सुरक्षा को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से एक संरक्षित प्रणाली तक पहुँचना।
  4. कंप्यूटर स्रोतों इत्यादि का गलत कार्यों के लिए प्रयोग करना।

b. राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, 2013

- इसका लक्ष्य साइबर क्षेत्र में सूचना और सूचना अवसंरचना की सुरक्षा करना, साइबर धमकियों को रोकने और प्रतियुत्तर देने के लिए क्षमताओं का निर्माण करना, साइबर से कमजोरियों को कम करना और क्षति को न्यूनतम करना।

रणनीति

1. **CERT-IN**-राष्ट्रीय नोडल एजेंसी जिसका कार्य कंप्यूटर सुरक्षा घटनाओं का प्रतियुत्तर देना है जैसे ही और जब भी वे होती हैं।

2. सभी निजी और सार्वजनिक संगठनों में **केंद्रीय सूचना सुरक्षा अधिकारी।**

c. भारतीय साइबर अपराध समन्वयन केंद्र (I4C)

- भारतीय साइबर अपराध समन्वयन केंद्र (14C) का हाल में सरकार द्वारा उद्घाटन किया गया।
- इसका गठन गृह मामलों के मंत्रालय के नवसृजित साइबर औऱ सूचना सुरक्षा (CIS) प्रभाग के अंतर्गत किया गया है।
- यह अन्य देशों के साथ आपसी कानूनी सहायता संधियों (MLAT) के क्रियान्वयन से संबंधित सभी गतिविधियों का समन्वय करता है जो MHA में नोडल प्राधिकरण से संबंधित के साथ सलाह में साइबर अपराधों से संबंधित है।

इस योजना के निम्नलिखित सात घटक हैं:

- राष्ट्रीय साइबर अपराध जोखिम विश्लेषणात्मक इकाई (TAU)
- राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग
- संयुक्त साइबर अपराध जांच टीम के लिए प्लेटफॉर्म
- राष्ट्रीय साइबर अपराध फोरेंसिक प्रयोगशाला (NCFL) पारितंत्र प्रणाली
- राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केंद्र (NCTC)
- साइबर अपराध पारितंत्र प्रणाली प्रबंधन इकाई
- राष्ट्रीय साइबर शोध और नवाचार केंद्र

d. राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल

- यह पोर्टल भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य साइबर अपराध शिकायतों की ऑनलाइन रिपोर्ट करने वाले शिकार लोगों/शिकायतकर्ताओं को सुविधा देना है।
- यह पोर्टल केवल साइबर अपराधों से संबंधित शिकायतों के लिए ही है जिसका विशेष ध्यान महिलाओं और बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों पर है।
- इस पोर्टल पर रिपोर्ट की गई शिकायतों का निस्तारण शिकायतों में उपलब्ध सूचना के आधार पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों/पुलिस द्वारा किया जाता है।

विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता सूचकांक 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, रिपोर्टर्स बिदआउट बॉडर्स (RSF) ने विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता सूचकांक 2021 का प्रकाशन किया है।

प्रमुख खास बातें

2021 World Press Freedom Index

(Selected countries and territories)

Ranking 2020	Ranking 2021	Country/territory
1	1	Norway
2	2	Finland
4	3	Sweden
9	8	New Zealand
26	25	Australia
42	42	South Korea
43	43	Taiwan
45	44	U.S.
66	67	Japan
80	80	Hong Kong
119	113	Indonesia
101	119	Malaysia
140	137	Thailand
136	138	Philippines
139	140	Myanmar
142	142	India
158	160	Singapore
175	175	Vietnam
177	177	China
180	179	North Korea

Source: Reporters Without Borders

विश्व परिदृश्य

- यह 180 देशों को रैंक देता है, जिसमें सबसे ऊपर नार्वे और उसके बाद फिनलैंड और डेनमार्क का स्थान है, जबकि इरीट्रिया का स्थान सबसे नीचे है।
- चीन का स्थान 177वां है, और यह 179वें स्थान वाले उत्तरी कोरिया और 178वें स्थान वाले तुर्कमेनिस्तान के ठीक ऊपर है।
- दक्षिण एशियाई पड़ोस में, नेपाल 106वें स्थान पर, श्रीलंका 127वें स्थान पर, म्यांमार 140वें स्थान पर (तख्ता पलट के पहले), पाकिस्तान 145वें स्थान पर और बांग्लादेश 152वें स्थान पर है।
- इसमें इस बात को भी उजागर किया गया है कि 'तानाशाही वाले लोकतंत्रों' ने इसका प्रयोग प्रचार और असंतोष को दबाने वाले प्रावधानों के साथ विशेष रूप से दमनकारी कानूनों को थोपने के लिए बहाने के रूप में किया है।
- रिपोर्ट कहती है सूचकांक में शामिल कुल 180 देशों में से केवल 12 (7%) देश ही पत्रकारिता के लिए सही वातावरण देने का दावा कर सकते हैं।
- यह दर्शाता है कि पत्रकारिता, जो गलत सूचना के खिलाफ मुख्य दवा है, संगठन द्वारा रैंक किये गए 180 देशों में से 73% देशों में पूर्णतया या आंशिक रूप से ब्लॉक कर दिया गया है।

भारत और विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता सूचकांक 2021 के बारे में

- भारत को 142वां स्थान दिया गया है, पिछले वर्ष की ही भांति, जब वह 2016 से यह 133वें स्थान से लगातार फिसल रहा है।
- इसे आज भी पत्रकारिता के लिए "खराब" देशों के मध्य वर्गीकृत किया गया है।
- भारत, ब्राजील, मैक्सिको और रूस के साथ "खराब" वर्गीकरण को साझा करता है।

निचले स्थान के कारण

- नवीनतम रिपोर्ट ने किसी भी आलोचक पत्रकार के लिए सरकार के समर्थकों द्वारा डराने के वातावरण को पैदा करने का आरोप लगाया है, जिसे "राज्य विरोधी" अथवा "देश विरोधी" के रूप में चिन्हित किया जाता है।
- पत्रकारों पर सभी प्रकार के हमले का खतरा रहता है जिसमें रिपोर्टरों के खिलाफ पुलिस हिंसा का खतरा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा हमले, आपराधिक समूहों अथवा भ्रष्ट स्थानीय अधिकारियों द्वारा बदला लेने के लिए भड़काना शामिल है।

अन्य कारण हैं

- पत्रकारों के खिलाफ पुलिस हिंसा और सरकारी विचारधारा का पालन न करने के लिए पत्रकारों पर हमले और धमकियां।
- कुछ मामलों में मीडिया हाउस के स्वामी की राजनैतिक प्रेरित गिरफ्तारी भी होती है।
- हिंदुत्व समर्थक अनुयायियों द्वारा सोशल मीडिया पर पत्रकारों के खिलाफ समन्वित घृणा अभियान।

विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता सूचकांक के बारे में

- इसे 2002 से रिपोर्टर्स बिदआउट बॉर्डर्स द्वारा वार्षिक रूप से प्रकाशित किया जाता है।
- विश्व पत्रकारिता स्वतंत्रता सूचकांक पूरी दुनिया में पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर आधारित है।
- यह सूचकांक 20 भाषाओं में प्रश्नोत्तरी के आधार पर तैयार किया जाता है जिसे दुनिया भर के विशेषज्ञ तैयार करते हैं।
- इस प्रश्नोत्तरी में मात्रात्मक आंकड़े होते हैं जो मूल्यांकित काल के दौरान पत्रकारों, मीडिया हाउसों के खिलाफ हिंसा के कार्यों और दुरुपयोग से संबंधित होते हैं।
- भागीदारी करने वाले देशों की रैंकिंग कुछ मानदंडों के आधार पर की जाती है।

इसमें शामिल है

a. मीडिया का वातावरण और स्व-सेंशरशिप
b. वैधानिक ढांचा
c. खबरों में पारदर्शिता
d. मीडिया की स्वतंत्रता
e. बहुलतावाद
f. अवसंरचना की गुणवत्ता जो खबरों और सूचना के उत्पादन को समर्थन देते हैं

रिपोर्टर्स बिदआउट बॉर्डर्स के बारे में

- इसे रिपोर्टर्स सैंस फ्रंटियर्स (RSF) भी कहा जाता है, यह एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय गैर लाभकारी और गैर-सरकारी संगठन है जो सूचना की स्वतंत्रता को सुरक्षित करने का कार्य करता है।
- **इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है** जिसे UNESCO, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय परिषद और फ्रैंकोफोनी के अंतरराष्ट्रीय संगठन के साथ परामर्शदात्री दर्जा मिला हुआ है।
- इसका शासनादेश एक स्वतंत्र, मुक्त और बहुलतावादी पत्रकारिता को बढ़ावा देना और मीडिया कर्मचारियों को सुरक्षित रखना है।

ऑस्ट्रेलिया-भारत हिंद-प्रशांत महासागर पहल साझेदारी (AIIPOIP) अनुदान कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त, बैरी ओ फैरेल ने ऑस्ट्रेलिया-भारत हिंद-प्रशांत महासागर पहल साझेदारी (AIIPOIP) अनुदान कार्यक्रम की शुरुआत की है।

ऑस्ट्रेलिया- भारत हिंद-प्रशांत महासागर पहल साझेदारी (AIIPOIP) अनुदान कार्यक्रम के बारे में

- यह 1.4 मिलियन (रु. 8.12 करोड़) का अनुदान कार्यक्रम है जो हिंद-प्रशांत के लिए ऑस्ट्रेलिया और भारत के साझा स्वप्न को बढ़ाने की एक व्यवहारिक पहल है।
- यह एक मुक्त, खुले और समृद्ध हिंद-प्रशांत को समर्थन में मदद देगा जो संप्रभुता के सम्मान और कानून के शासन पर टिका है।
- AIIPOIP अनुदान कार्यक्रम हिंद-प्रशांत महासागर पहल (IPOI) के अंतर्गत व्यवहारिक परिणामों को देने में मदद देगा जिसे **नवंबर 2019 में 14वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था।**

पृष्ठभूमि

- AIIPOIP हिंद-प्रशांत में समुद्रीय सहयोग के लिए एक साझा स्वप्न पर ऑस्ट्रेलिया-भारत संयुक्त घोषणा का परिणाम है जिसपर ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री सेनाटो द होन मैरीजे पायने और भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने जून 2020 में हस्ताक्षर किए थे।
- यह ऑस्ट्रेलिया-भारत समग्र एवं रणनीतिक साझेदारी समझौते का हिस्सा है।

स्टार्टअप भारत बीज कोष योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्या है?

- केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने हाल में स्टार्टअप भारत बीज कोष योजना (SISFS) की शुरुआत की।

स्टार्टअप भारत बीज कोष योजना के बारे में

- इस योजना की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2021 में स्टार्टअप को समर्थन देने और स्टार्टअप भारत पहल के पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर **'प्रारंभः स्टार्ट अप भारत अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन'** के शानदार विस्तृत संबोधन पर उद्यमियों द्वारा लगाये जा रहे नवाचार विचारों को निर्मित करने में मदद के लिए की थी।
- इस योजना को **DPIIT (उद्योग और आंतरिक व्यापार प्रोत्साहन विभाग) द्वारा शुरू किया जा रहा है जिससे प्रारंभिक चरण की स्टार्टअप वित्त पोषण को समर्थन दिया जा सके।**
- इसे 1 अप्रैल, 2021 से क्रियान्वित किया जाएगा।
- रु. 945 करोड़ के कोष को अगले चार वर्षों में विभाजित किया जाएगा जिससे पूरे भारत में पात्र इन्क्यूबेटरों के द्वारा पात्र स्टार्टअप्स को बीज वित्त पोषण उपलब्ध कराया जा सके।
- सरकार ने एक विशेषज्ञ परामर्शदात्री समिति (EAC) का गठन किया है जो योजना के सर्वांगीण क्रियान्वयन और निगरानी के लिए जिम्मेदार होगी।

विशेषता

- DPIIT द्वारा बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल, जो कि योजना के लिए है, इसके अंतर्गत कोषों के लिए आवेदन करने की इन्क्यूबेटरों को अनुमति देगा।
- DPIIT द्वारा एक विशेषज्ञ परामर्शदात्री समिति (EAC) का गठन किया गया है जिससे स्टार्टअप भारत बीज कोष योजना का क्रियान्वयन और निगरानी की जा सके।
- रु. 5 करोड़ तक के अनुदान योग्य इन्क्यूबेटरों को उपलब्ध कराए जाएंगे जिनका चुनाव विशेषज्ञ परामर्शदात्री समिति द्वारा किया जाएगा।
- चुने गए इन्क्यूबेटरों को रु. 20 लाख तक के अनुदान प्रदान किये जाएंगे जिसका उद्देश्य स्टार्टअप के लिए संकल्पना के सबूत की वैधता, अथवा प्रोटोटाइप विकास अथवा उत्पाद का परीक्षण होगा।
- इसके आगे, रु. 50 लाख तक का निवेश स्टार्टअप्स को उपलब्ध कराया जाएगा जिसका उद्देश्य बाजार में प्रवेश, व्यावसायिकीकरण, परिवर्तनीय डिबेंचर के द्वारा बढ़ाना अथवा ऋण से जुड़े उपकरणों से संबंधित होगा।

महत्व

- यह बीज वित्त पोषण को सुनिश्चित करेगा, नवाचार को प्रेरित करेगा, परिवर्तन करने वाले विचारों को समर्थन देगा, क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करेगा और स्टार्टअप क्रांति को शुरू करेगा।
- The scheme aims to support an estimated 3,600 entrepreneurs through 300 incubators.
- यह योजना मजबूत स्टार्टअप पारितंत्र प्रणाली को सृजित करेगी, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 के भारतीय शहरों में, जो कि अक्सर पर्याप्त वित्त पोषण से वंचित रहते हैं।
- यह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से नवाचार को प्रोत्साहित करता है जिससे वे आगे आएं और इस योजना से लाभांवित हों।

वित्त विधेयक, 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में वित्त विधेयक, 2021 (28 मार्च, 2021 को वित्त कानून, 2021 के रूप में बनाया गया) के सरकारी संशोधनों के लिए पूर्वव्यापी स्वीकृति दे दी।

वित्त विधेयक, 2021 (संशोधन) के बारे में

- ये संशोधन वित्त विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों से उठने वाले हितधारकों की चिंताओं को सुलझाने और प्रस्तावों को और तार्किक बनाने और स्पष्टीकरण के लिए जरूरी थे।
- वित्त विधेयक, 2021 में सरकार के संशोधन वे कर प्रस्ताव हैं जो सरकार के लिए समय पर राजस्व उत्पन्न करेंगे और करदाताओं की शिकायतों को निपटा करके वर्तमान प्रावधानों को ठीक करेंगे।
- संशोधनों ने यह भी स्पष्ट किया है कि समकरण करारोपण वस्तुओं अथवा सेवाओं की बिक्री के विचार पर लागू नहीं होगी जिसका स्वामित्व भारत में निवास कर रहे व्यक्ति के पास है अथवा भारत में गैर अनिवासी के स्थाई संस्थान द्वारा है।

- इस विधेयक ने **अवसंरचना और विकास के वित्त पोषण के लिए राष्ट्रीय बैंक को 10 वर्ष की आयकर छूट भी प्रदान की है।**
- **निजी विकास वित्त संस्थानों को 5 वर्ष की कर छूट दी गई थी, जिसे अगले पांच वर्षों तक और भी बढ़ाया जा सकता है।**

ऑक्सीजन एक्सप्रेस

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, पहली '**ऑक्सीजन एक्सप्रेस**' सेंट्रल रेलवे कलामबोली यार्ड से चलकर आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र से महाराष्ट्र के लिए द्रव ऑक्सीजन को लेने पहुँची।

हरित गलियारे का निर्माण

- केंद्र सरकार ने **ऑक्सीजन एक्सप्रेस** ट्रेनों की तेज गति के लिए हरित गलियारे का निर्माण किया है जिससे राज्यों को ऑक्सीजन के निर्बाध परिवहन को सुगम बनाया जा सके।

महत्व

- ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनें अगले कुछ दिनों तक पूरे देश में द्रव चिकित्सा ऑक्सीजन (LMO) और ऑक्सीजन सिलेंडरों का परिवहन करेंगी।
- ऑक्सीजन की उपलब्धता कोविड संक्रमण की वज से कुछ चिकित्सा स्थितियों के उपचार में काफी महत्वपूर्ण हैं।

ब्रिटक्वाइनः UK की नई डिजिटल मुद्रा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने हाल में कहा कि बैंक ऑफ इंग्लैंड एक नये "ब्रिटकाइन" के मामले को देख रहा है, जो केंद्रीय बैंक द्वारा जारी की जाने वाली डिजिटल मुद्रा है।

ब्रिटकाइन के बारे में

- शब्द ब्रिटकाइन का अर्थ एक क्रिप्टोकरेंसी से है जिसकी शुरुआत यूनाईटेड किंगडम ने की थी और यह वहीं पर आधारित है।
- यह यूनाईटेड किंगडम की केंद्रीय बैंक द्वारा समर्थित डिजिटल मुद्रा है।
- BoE द्वारा समर्थित स्टर्लिंग का डिजिटल रूप संभावित रूप से व्यवसायियों और उपभोक्ताओं को बैंक के साथ सीधे खाते रखने की अनुमति देगा।
- यह घरेलू और विदेशी भुगतानों को तेज कर सकता है और वित्तीय स्थिरता जोखिमों को कम कर सकता है।
- अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तरह ही, ब्रिटकाइन व्यापारियों को बिना बैंक खाते का प्रयोग किये हुए निजी और सुरक्षित तरीके से लेनदेन क्रियान्वित करने की अनुमति देता है।
- **ब्रिटकाइन को 2019 में अधिकांश एक्सचेंजों से गैर-अधिसूचित कर दिया गया था।**

संबंधित सूचना

केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (CBDC) के बारे में

- केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा (CBDC) एक इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड अथवा डिजिटल टोकन का प्रयोग किसी विशेष देश (अथवा क्षेत्र) की एक फिएट मुद्रा के वर्चुअल रूप का प्रतिनिधित्व करने के लिए करती है।
- यह केंद्रीकृत है।
- इसे देश के सक्षम मौद्रिक प्राधिकरण द्वारा जारी और विनियमित किया जाता है।
- चीन CBDC को उतारने में सबसे आगे है।

भारत को विशेष चिंता वाला देश होना चाहिएः US पैनल
(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (USCIRF) ने भारत को हाल में 2021 में धार्मिक स्वतंत्रता के सबसे ज्यादा उल्लंघन वाली सूची में डाला (CPCs अथवा विशेष चिंता वाले देश)।

USCISRF की सिफारिशें

- अमेरिकी आयोग ने लगातार दूसरे वर्ष सिफारिश की है कि धार्मिक स्वतंत्रता के लिए भारत को काली सूची में डाला चाहना।
- दूसरी सिफारिश प्रशासन के लिए यह है कि चार देशों के संगठन (क्वाड) की मंत्रिस्तरीय जैसे बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मंचों पर अंतर-धार्मिक बातचीत और सभी समुदायों के अधिकारों को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- अमेरिकी कांग्रेस को अन्य सिफारिश यह है कि अमेरिका-भारत द्विपक्षीय क्षेत्र में मुद्दों को उठाया जाए, जैसे कि मेजबानी को किया जाए, पत्रों को लिखा जाए और कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया जाए।
- USCIRF की सिफारिशें बाध्यकारी नहीं हैं और ट्रंप प्रशासन ने पिछले वर्ष भारत को CPC घोषित करने की USCIRF की सिफारिश को खारिज कर दिया था, जब इसने दिसंबर में अपने निर्णयों को जारी किया था।

प्रमुख चिंताएं

- 2021 की रिपोर्ट की प्रमुख चिंताओं में नागरिकता (संशोधन) कानून शामिल है।
- रिपोर्ट कहती है, "हिंदू राष्ट्रवाद के प्रति सहानुभूति रखने वाली भीड़ ने बेबर्दी से काम लिया," और फरवरी 2020 में दिल्ली के दंगों में मुस्लिमों पर हमले के लिए "क्रूर ताकत" का प्रयोग किया।
- नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर (NRC) पर रिपोर्ट कहती है, "अलग-थलग करने के परिणाम- असम में बनाए गए बड़े बंदी शिविर से इसका उदाहरण दिया जा सकता है- संभावित रूप से खतरनाक है"।
- अंतर-धार्मिक विवाहों का निषेध करना- जैसा उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में किया गया- को भी चिंता के रूप में उजागर किया गया।
- मार्च 2020 में तबलीगी जमात मरकज़ के बारे में सीधे उल्लेख में USCIRF कहता है, "कोविड-19 महामारी की शुरुआत में, गलत सूचना और घृणापूर्ण बातचीत- जिसमें सरकारी अधिकारी शामिल थे- ने अक्सर धार्मिक अल्पसंख्यकों को लक्षित किया, जो जाना-पहचाना तरीका है।"

संबंधित सूचना

- अमेरिका ने हाल में पाकिस्तान और चीन को अन्य आठ देशों के साथ धार्मिक आजादी के उल्लंघन के विशेष चिंता वाले क्षेत्र के रूप में नामांकित किया था।
- म्यांमार, इरीट्रिया, ईरान, नाइजीरिया, उत्तर कोरिया, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ पाकिस्तान और चीन को धार्मिक आजादी के सुव्यवस्थित, चल रहे उल्लंघनों को सहने अथवा करने के लिए सूची में डाला गया था।

संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरराष्ट्रीय धार्मिक आजादी आयोग (USCIRF) के बारे में

- यह एक स्वतंत्र, द्विपक्षीय संयुक्त राज्य अमेरिका संघीय सरकार आयोग है, जो विदेशों में धार्मिक स्वतंत्रता अथवा विश्वास के सार्वभौमिक अधिकार को संरक्षित करने के लिए समर्पित है।
- **इसका मुख्यालय वाशिंगटन डीसी में है।**

कार्य

- यह संयुक्त राज्य कांग्रेस के परामर्शदात्री निकाय के रूप में काम करता है।

- USCIRF धार्मिक आजादी उल्लंघनों के तथ्यों और परिस्थितियों की समीक्षा करता है और राष्ट्रपति, विदेश मंत्री और कांग्रेस को अपनी सिफारिशें देता है।

नोट:

- विदेश मामलों के मंत्रालय ने USCIRF के आकलन को खारिज कर दिया है, जिसके भारत के बारे में प्रस्ताव पर 2020 की वार्षिक रिपोर्ट में तीन आयोगों से असंतोष को उजागर किया गया है।
- उसने इसे पक्षपाती और तोड़-मरोड़ करने वाली बताया है।

चीन जा रहे समुद्री जहाज पर श्रीलंका ने नाभिकीय सामग्री की पहचान की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, श्रीलंका ने दक्षिणी हैमबंटोटा बंदरगाह में खड़े चीन जाने वाले समुद्री जहाज पर यूरेनियम हैक्साफ्लोराइड (रेडियोधर्मी सामग्री) की पहचान की है।
- समुद्री जहाज को बंदरगाह छोड़ने के लिए कहा गया क्योंकि श्रीलंकाई कानून के मुताबिक खतरनाक माल के लिए जहाजरानी कंपनी पहले से स्वीकृति लेने में नाकामयाब रही।

यूरेनियम हैक्साफ्लोराइड के बारे में

- यूरेनियम हैक्साफ्लोराइड को "खतरनाक माल" के अंतर्गत रखा गया है।
- यूरेनियम हैक्साफ्लोराइड नाभिकीय सामग्री है जिसे सामान्य तौर पर एक देश से दूसरे देश को ले जाया जाता है।
- यूरेनियम हैक्साफ्लोराइड (UF6), नाभिकीय उद्योग में सामान्य तौर पर "हेक्स" कहा जाता है।
- यह एक यौगिक है जिसका प्रयोग यूरेनियम के प्रसंस्करण में किया जाता है, जो नाभिकीय संयंत्रों और नाभिकीय हथियारों के लिए ईंधन उत्पादित करता है।
- मानक तापमान और दबाव पर हेक्स ठोस धूसर क्रिस्टल निर्मित करता है, ये काफी विषाक्त होते हैं, जल के साथ प्रतिक्रिया करते हैं और अधिकांश धातुओं के लिए क्षयकारी होते हैं।

हैमबंटोटा बंदरगाह के बारे में

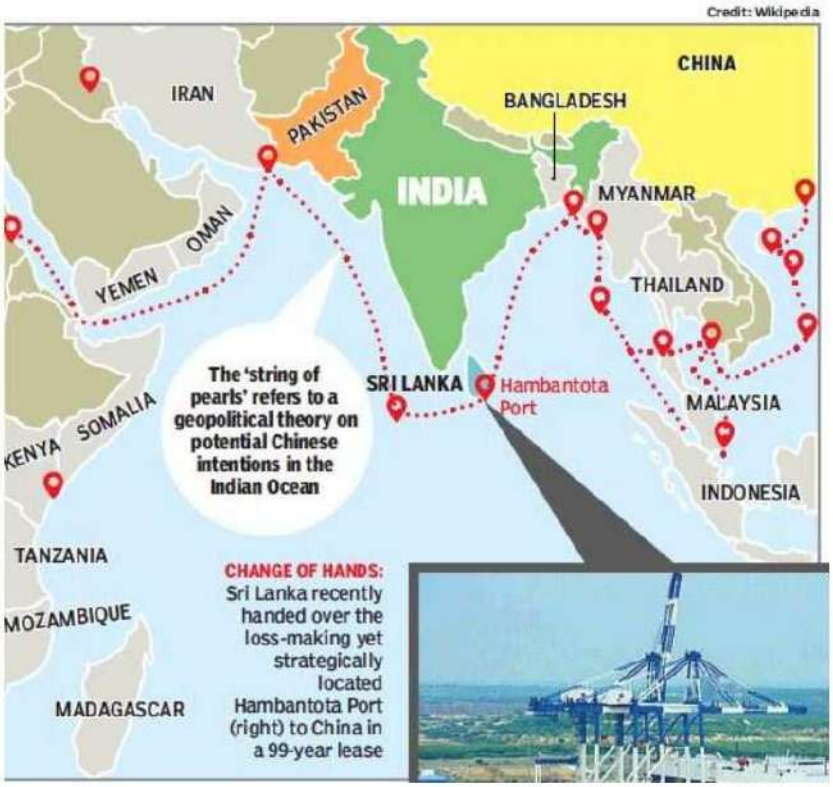

- इसे मागमपुरा महिंदा राजपक्षे बंदरगाह भी कहा जाता है।
- यह हैमबंटोटा, श्रीलंका में समुद्री बंदरगाह है।
- इसे पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के नाम पर नाम दिया गया है।
- हैमबंटोटा बंदरगाह का निर्माण अंतरभूमि पर किया गया है। इसे श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा संचालित किया जाता है।

भारतीय विज्ञापन लैंगिक रूढ़िबद्ध धारणा को बढ़ाते हैं, अध्ययन ने दिखाया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मुद्दे, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में UNICEF और मीडिया में लिंग पर जीन डेविस संस्थान (GDI) ने **"भारत में विज्ञापन में लैंगिर भेदभाव और समावेशन"** नामक शीर्षक के अध्ययन को जारी किया।
- यह शोध 2019 में पूरे भारत में प्रसारित किए गए 1,000 टेलीविज़न और यूट्यूब विज्ञापनों को मापता है।

अध्ययन के प्रमुख परिणाम

- टेलीविज़न और यूट्यूब पर भारतीय विज्ञापनों के विश्लेषण ने दर्शाया है कि जहां तक स्क्रीन के संदर्भ में और बोलने के समय के प्रतिनिधित्व का सवाल है लड़कियों और महिलाओं को वैश्विक

मानकों के हिसाब से उत्कृष्टता हासिल है, लेकिन उनको जिस तरह से दर्शाया जाता है वह काफी गलत है क्योंकि यह लैंगिक रूढ़िबद्धता को आगे बढ़ाता है।

- पुरुष चरित्र की अपेक्षा संभावना है कि वे विवाहित दिखाई जाती हैं, किसी वेतन वाली नौकरी में दिखाये जाने की कम संभावना होती है औऱ ज्यादा संभावना यह है कि वे केयरटेकर और माता के रूप में दर्शाई जाएं।
- महिला चरित्र पर्दे पर समय के मामले में (59.7%) और बोलने के मामले में (56.3%) आगे हैं, लेकिन इस दिखाए जाने का बड़ा कारण महिला उपभोक्ताओं को बेचे जाने वाले स्वच्छता और खाद्य एवं सौंदर्य उत्पाद हैं।
- इसकी तुलना में, वैश्विक मानकों को निर्धारित करने के लिए GDI द्वारा एक अलग अध्ययन में, यह पाया गया कि अमेरिका में विज्ञापन महिलाओं को आधे समय तक पर्दे पर दिखलाते हैं (30.6%) और पर्दे पर उनके बोलने का समय मात्र (33.5%) है।
- महिला चरित्र पुरुष चरित्रों की अपेक्षा ज्यादा विवाहित दिखाई जाती है (11% की तुलना में 8.8%)।
- **महिला चरित्रों के पुरुष चरित्रों की अपेक्षा ज्यादा माता के रूप में दर्शाए जाने की संभावना रहती है (18.7% की तुलना में 5.9%)।**
- जहां पुरुष चरित्रों के भविष्य के बारे में निर्णय लेते हुए दिखाए जाने की संभावना रहती है (4.8% की तुलना में 7.3%), महिला चरित्रों को पुरुष चरित्रों के मुकाबले में ज्यादा घरेलू निर्णय लेते हुए दिखाया जाता है (2% की तुलना में 4.9%)।
- महिला चरित्रों को पुरुष चरित्रों की तुलना में निम्नलिखित गतिविधियों को करते हुए दिखलाए जाने की ज्यादा संभावना होती है –
    - खरीददारी (2.3% की तुलना में 4.1%)
    - सहारा लेना (2.2% की तुलना में 4.8%)
    - खाने की तैयारी अथवा खरीददारी में लगे होना (3.9% की तुलना में 5.4%)
- वे चरित्र जहां विज्ञापनों के चरित्रों में बुद्धिमानी दर्शाई जाती है, पुरुष चरित्र महिला चरित्रों की अपेक्षा ज्यादा स्मार्ट दिखाये जाते हैं (26.2% की तुलना में 32.2%)।
- पुरुष चरित्रों को महिला चरित्रों की अपेक्षा मजाकिया दिखाये जाने की संभावना लगभग दोगुनी रहती है (11.9% की तुलना में 19.1%)।
- भारतीय विज्ञापनों में महिलाओं के दो-तिहाई चरित्रों (66.9%) के रंग गोरे अथवा मध्य गोरे होते हैं- पुरुष चरित्रों से ज्यादा प्रतिशत (52.1%)।
- महिला चरित्रों के पुरुष चरित्रों की तुलना में नौ गुना ज्यादा **चौंकाने वाली/काफी आकर्षक** दिखलाए जाने की संभावना होती है (0.6% की तुलना में 5.9%)।
- महिला चरित्र हमेशा पतली होती हैं, लेकिन भारतीय विज्ञापनों में पुरुष चरित्र कई प्रकार के शारीरिक आकार में दिखाए जाते हैं।

संबंधित सूचना

लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2021

- विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी की गई लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2021 में भारत को 156 देशों में 140 स्थान दिया गया है।
- वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2020 में भारत को 153 देशों में 112वां स्थान दिया गया है।

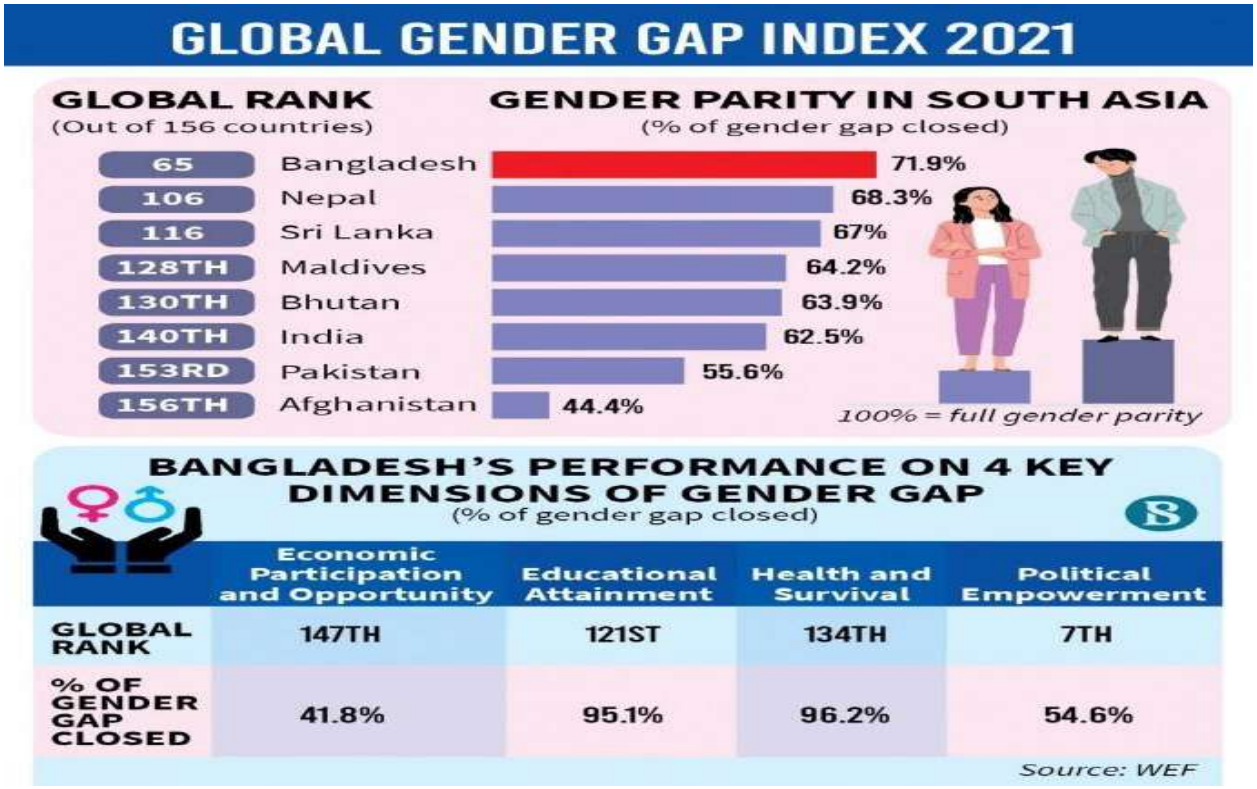

लैंगिक अंतराल को कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

शैक्षिक पहल

- सर्वशिक्षा अभियान, शिक्षा का अधिकार, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कुछ शैक्षिक पहलें हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र की पहलें

- एकीकृत बाल विकास सेवाएं (ICDS), गर्भवती और दूध पिलाने वाली महिलाओं के लिए मातृत्व सहयोग योजना, मातृ वंदना योजना और जननी सुरक्षा योजना महिलाओं के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र की पहलें हैं।

लैंगिक अंतराल में कमी

- STEP योजना, MGNREGA लैंगिक अंतराल को कम करने के लिए कुछ पहलें हैं।

संसद में आरक्षण

- महिला आरक्षण विधेयक (108वां संशोधन) महिलाओं को लोकसभा औऱ विधानसभा में 33% सीटें आरक्षित करने के लिए लाया गया था, लेकिन इस विधेयक को अभी भी लोकसभा द्वारा पारित किया जाना है।

उच्च न्यायालयों में संकट, सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के लिए न्यायाधीशों के नाम स्वीकृत करने की समयसीमा तय की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत के मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबड़े के नेतृत्व वाली खंडपीठ ने कहा कि यदि सर्वोच्च न्यायालय का निर्वाचक मंडल सरकार द्वारा वापस भेजी गई संस्तुति को फिर से भेजती है, तो इस हालत में 3 से 4 सप्ताह के भीतर नियुक्ति हो जानी चाहिए।

खंडपीठ द्वारा निर्धारित समयसीमा

- खुफिया ब्यूरो (IB) केंद्र सरकार को उच्च न्यायालय निर्वाचक मंडल द्वारा संस्तुति की तिथि से 4 से 6 सप्ताह के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंप दे।
- यह वांछनीय होगा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और IB से प्राप्त रिपोर्ट की तिथि से 8 से 12 सप्ताह के अंदर सर्वोच्च न्यायालय को अपनी संस्तुति सौंप दे।
- यह अब सरकार पर होगा कि वह उपयुक्त विचार पर बिना शंका के तुरंत नियुक्ति करने की प्रक्रिया को करे।
- यदि सरकार को उपयुक्तता अथवा सार्वजनिक हित में कोई शंका है, इसी समयकाल के दौरान इसे सर्वोच्च न्यायालय के निर्वाचक मंडल में वापस भेजा जा सकता है जिसमें शंका के लिए विशिष्ट कारणों को देना होगा।
- लेकिन यदि सर्वोच्च न्यायालय निर्वाचक मंडल, उपयुक्त दिये गए इनपुट पर विचार के बाद, आम सहमति से एक बार फिर से समान संस्तुति को भेजती है, इस तरह की नियुक्ति का प्रसंस्करण हो चाहिए और 3 से 4 सप्ताह के मध्य में नियुक्त हो जानी चाहिए।

संबंधित सूचना

प्रक्रिया ज्ञापन के बारे में

- न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया के लिए सरकार के लिए निर्धारित समयसीमा तय करने में **सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में एक न्यायिक आदेश के द्वारा प्रक्रिया ज्ञापन (MoP) को मूलभूत रूप से अपने निर्णय में बदल दिया।**
- MoP केंद्र के लिए समयसीमा को संस्तुतियों को बढ़ाने के लिए निर्दिष्ट नहीं करती है।

प्रक्रिया ज्ञापन के बारे में

- यह न्यायपालिका और सरकार के बीच में एक समझौता है।
- इसमें सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के लिए नियुक्ति के वास्ते एक दिशा-निर्देश का समुच्चय है।

संविधान में उल्लेख नहीं

- यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है क्योंकि न्यायाधीशों की नियुक्ति का निर्वाचर मंडल एक न्यायिक नवाचार है जिसे ना तो विधान के द्वारा जारी किया गया है और ना ही यह संविधान का हिस्सा है।

प्रक्रिया ज्ञापन का विकास

- इसका विकास सर्वोच्च न्यायालय के तीन निर्णयों के आधार पर हुआ है- पहला न्यायाधीश मामला (1981), दूसरा न्यायाधीश मामला (1993) और तीसरा न्यायाधीश मामला (1998)।
- लेकिन, 2016 में, MoP पर फिर से बातचीत हुई, इसका कारण वह संवैधानिक संशोधन था जिसके द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC) को लाया गया और जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने गिरा दिया। इसका उद्देश्य नियुक्ति की प्रणाली में परिवर्तन करना और सरकार का इस मामले में हस्तक्षेप बढ़ाना था।
- इस निर्णय में न्यायालय ने उपयुक्त उपायों की संस्तुति की जिससे निर्वाचक मंडल की कार्यप्रणाली में सुधार किया जा सके- इसमें योग्यता मानदंड, नियुक्त की प्रक्रिया में पारदर्शिता, सचिवालय और शिकायत शामिल थे MoP को तैयार करने में।

प्रस्तावित MoP में निम्नलिखित प्रावधान हैं –

a. **वरिष्ठता और योग्यता** – एक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को अथवा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को पदोन्नति देते समय, वरिष्ठता के मानदंड, योग्यता और निष्ठा का पालन किया जाएगा। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को प्राथमिकता दी जाए जिसमें उनकी अंतर वरिष्ठता का ध्यान रखा जाए।
b. **लिखित में कारण बताए जाएं** – ऐसे मामलों में जब सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नति के लिए वरिष्ठ मुख्य न्यायाधीश को नजरअंदाज किया जाता है, तो लिखित में इसके कारण बताएं जाएंगे।
c. **तीन न्यायाधीशों का कोटा** – सरकार ने प्रस्तावित किया कि तीन न्यायाधीश तक बार से अथवा जाने-माने न्यायविद् में से नियुक्त किए जा सकते हैं जिनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है।
d. **समिति अथवा सचिवालय** – संस्थागत तंत्र के गठन के लिए एक समिति का गठन किया जाए जो संभावित अभ्यर्थियों की उपयुक्तता के मूल्यांकन में निर्वाचक मंडल को सहायता देगी।
e. सरकार ने यह भी प्रस्तावित किया है कि एक सचिवालय होगा जो न्यायाधीशों का डाटाबेस रखता है, निर्वाचक मंडल की बैठकों को निर्धारित करती है, रिकॉर्ड रखती है और न्यायाधीशों की पोस्टिंग से संबंधित अनुशंसाओं और शिकायतों को लेती है।
f. **राष्ट्रीय सुरक्षा** – सरकार निर्वाचर मंडल द्वारा अनुशंसा को खारिज करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और बड़े सार्वजनिक हित के मानदंड को जोड़ने पर भी जोर देती है।

ज्ञापन प्रक्रिया में हाल के विकास

- MoP के अनुसार, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व वाला उच्च न्यायालय निर्वाचक मंडल, अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया की पहल करता है।
- एक बार अनुशंसा हो गई, तो राज्य सरकार के विचार और खुफिया ब्यूरो से इनपुट मांगे जाते हैं।
- फिर सभी तरीकों से अनुशंसाओं का प्रसंस्करण केंद्र सरकार द्वारा किया जाता है, सर्वोच्च न्यायालय निर्वाचक मंडल को भेजने के पहले।

भारतीय सीरम संस्थान

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय सीरम संस्थान 1 मई 2021 से राज्यों को रु. 400 प्रति खुराक और निजी अस्पतालों को रु. 600 खुराक कोविड-19 टीका, कोविशील्ड बेचेगा।
- कोविशील्ड भारत के टीका आपूर्ति के 90% की भरपाई कर रहा है और रु. 150- रु. 200 प्रति खुराक के अनुसार केंद्र को बेच रहा है।

भारतीय सीरम संस्थान के बारे में

- भारतीय सीरम संस्थान एक भारतीय बायोतकनीक और फार्मास्युटिकल्स कंपनी है।
- यह दुनिया का सबसे बड़ा टीका विनिर्माणकर्ता है।
- यह भारत के महाराष्ट्र के पूणे शहर में स्थित है।

सर्वोच्च न्यायालय ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को वापस लाने के लिए अनुच्छेद 224A को पुनर्जीवित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 224A को सक्रिय कर दिया है जो 58 वर्षों से निष्क्रिय था, जिसके द्वारा इसने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों को सेवानिवृत्त उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की दो से पांच वर्षों की अवधि के लिए तदर्थ नियुक्ति की अनुमति प्रदान कर दी है।

अनुच्छेद 224A के बारे में

- संविधान का अनुच्छेद 224A उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को इस बात की अनुमति देता है कि वह एक व्यक्ति जो पूर्व में न्यायाधीश रहा है की राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त कर दे।

अनुच्छेद 224A का इतिहास

- यह अनुच्छेद 1949 में अपनाए गए मूल संविधान में था, लेकिन इसे 1956 में हटा दिया गया। बाद में 1963 में इसे फिर से लागू कर दिया गया।
- इसका इस्तेमाल अतीत में तीन बार किया गया है।
- पिछले 58 वर्षों में केवल तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को प्रत्येक एक वर्ष के लिए उच्च न्यायालय के तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किया गया है- न्यायमूर्ति सूरजभान को 1972 में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में, न्यायमूर्ति पी. वेणुगोपाल को 1982 में मद्रास उच्च न्यायालय में और न्यायमूर्ति ओ. पी. श्रीवास्तव को अयोध्या मामले के लिए 2007 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में।

अनुच्छेद 224A को सक्रिय करने के कारण

(a) यदि स्वीकृत संख्या के 20% से ज्यादा रिक्तियां हैं

(b) पांच वर्षों से ज्यादा लंबित विशेष श्रेणी के मामले

(c) पांच वर्षों से ज्यादा लंबित मामलों के बैगलॉग के 10 प्रतिशत से ज्यादा

(d) चाहे वो विशेष विषय मामला हो अथवा न्यायालय में सामान्य रूप से हो निस्तारण के दर का प्रतिशत नए आए मामलों से कम है, और

(e) यद्यपि काफी पुराने मामले लंबित नहीं हैं, लेकिन अधिकार क्षेत्र पर निर्भर है, बढ़ते हुए गैर निस्तारित मामलों की स्थिति पैदा हो सकती है, यदि निस्तारण की दर एक वर्ष या ज्यादा के काल में दायर मामलों की दर से लगातार कम है।

लंबित मामलों पर आंकड़े

- राष्ट्रीय न्यायिक डाटा ग्रिड (NJDG) के अनुसार पिछले पांच वर्षों में लंबित मामलों में से 56.4% मामले दायर हुए हैं जबकि 40% लंबित मामले पांच और बीस वर्षों के दौरान दायर किये गए हैं।
- इसका कहना है कि तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्राथमिक उद्देश्य बाद के समूह के मामलों का निपटारा करना है जो पांच वर्षों से ज्यादा के समय से लंबित हैं।
- NJDG आंकड़े के अनुसार, पांच उच्च न्यायालय- इलाहाबाद, पंजाब एवं हरियाणा, मद्रास, बांबे और राजस्थान- 57,31,312 मामलों के 54% के लंबन के लिए जिम्मेदार हैं।
- मद्रास उच्च न्यायालय में 5.8 लाख मामलों के साथ सबसे ज्यादा लंबित मामले हैं। जबकि यहां पर अन्य उच्च न्यायालयों की अपेक्षा कम रिक्तियां हैं (7%)।
- कलकत्ता उच्च न्यायालय में नियमित नियुक्तियों की सबसे ज्यादा रिक्त स्थान है (44%) लेकिन मद्रास की तुलना में आधे से भी कम लंबित मामले हैं (2.7 लाख मामले)।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण नियुक्त मुद्दा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र **II+III**- शासन+ पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू एडीटोरियल)

खबरों में क्यों है?

- हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि विशेष क्षेत्रों में न्यायनिर्णयन निकाय के रूप में न्यायाधिकरणों की नियुक्ति इस विचार पर आधारित है कि एक तकनीकी प्रकृति के जटिल मामले पर निर्णय के लिए विशेषज्ञता की जरूरत होती है।
- यह मानदंड उस समय लोगों के ध्यान में हाल में आया जब एक पूर्व IAS अधिकारी की NGT की दक्षिणी खंडपीठ में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्ति को मद्रास उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई।

मुद्दे के बारे में

- केंद्र एक अध्यादेश जारी करने के मामले में काफी तेज था जिसके द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक अलग आयोग का गठन किया जाना था। लेकिन केंद्र अब वर्तमान राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) के **छह विशेषज्ञ सदस्यों और सात न्यायिक सदस्यों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी करने से पीछे हट रहा है।**

NGT की वर्तमान संरचना

- न्यायाधिकरण में वर्तमान में छह सदस्य हैं- तीन न्यायिक सदस्य और तीन विशेषज्ञ सदस्य- अध्यक्ष के अतिरिक्त जो सर्वोच्च न्यायालय का पूर्व न्यायाधीश है।
- उनका पांच वर्षों तक का कार्यकाल रहेगा और उनकी पुनर्नियुक्ति नहीं की जा सकती है।
- अध्यक्ष की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) के साथ सलाह के बाद केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के बारे में

- यह विशेषीकृत निकाय है जिसे राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण कानून (2010) के अंतर्गत गठित किया गया है जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय संरक्षण और वन एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों का प्रभावी औऱ तेजी से निस्तारण करना है।
- यह भारत के अनुच्छेद 21 के संवैधानिक प्रावधान से प्रेरणा ग्रहण करता है, जो भारत के नागरिकों को एक स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार की गारंटी देता है।
- इसका लक्ष्य पर्यावरणीय संरक्षण और वनों एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से संबंधित मामलों का तेजी और प्रभावी तरीके से निस्तारण करना है। इसमें पर्यावरण से संबंधित किसी कानूनी अधिकार का प्रवर्तन और इससे संबंधित किसी मामले के लिए और व्यक्तियों और संपत्ति को क्षति के लिए राहत और क्षतिपूर्ति प्रदान करना शामिल है।

मूल अधिकार क्षेत्र

- **इसके पास पर्यावरण से संबंधित खास प्रश्नों पर और विशेष गतिविधि (जैसे कि प्रदूषण) की वजह से पर्यावरण को हुई क्षति के मामले में मूल अधिकार क्षेत्र है।**
- यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करता है।

NGT पर्यावरण से संबंधित सात कानूनों के अंतर्गत दीवानी मामलों का निपटारा करता है, इनमें निम्न शामिल हैं:

- जल (रोकथाम और प्रदूषण नियंत्रण) कानून, 1974,
- जल (रोकथाम एवं प्रदूषण नियंत्रण) उपकर कानून, 1977,
- वन (संरक्षण) कानून, 1980,
- वायु (रोकथाम एवं प्रदूषण नियंत्रण) कानून, 1981,
- पर्यावरण (संरक्षण) कानून, 1986,
- सार्वजनिक दायित्व बीमा कानून, 1991 and
- जैविक विविधता कानून, 2002.
- इन कानूनों से संबंधित उल्लंघन अथवा इन कानूनों के अतंर्गत सरकार द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय को NGT के सामने चुनौती नहीं दी जा सकती है।

नाभिकीय स्थाल के पास हमले के बाद इजरायल ने सीरिया पर हमला किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, इजरायल द्वारा किये गए हमले में एक सीरियाई अधिकारी और तीन सैनिकों की मौत हो गई। यह हमला उस समय किया गया जब यहूदी देश में एक खुफिया नाभिकीय स्थल की तरफ एक मिसाइल को दागा गया।
- 2011 में सीरिया में गृहयुद्ध की शुरुआत के बाद से, इजरायल ने नियमित तौर पर इस देश पर वायु हमले किये हैं, अधिकांशतः ईरानी और लेबनानी हिजबुल्लाह बलों और साथ में सरकारी फौजों को भी निशाना बनाया गया है।

सीरियाई संकट के बारे में

- इस संकट की जड़ को शताब्दियों से इस क्षेत्र में चल रहे साम्प्रदायिक संघर्षों में खोजा जा सकता है।
- शिया इस्लाम और सुन्नी इस्लाम इस्लाम धर्म के दो प्रमुख पंथ हैं।
- सऊदी अरब अपने को सुन्नी मुस्लिमों का नेता मानता है और ईरान अपने को शिया मुस्लिमों का संरक्षक मानता है, पश्चिमी एशियाई क्षेत्र इन दोनों नेतृत्वों के बीच में विभाजित है।
- सऊदी अरब और ईरान इस क्षेत्र के भूराजनीतिक संघर्षों में प्रमुख भूमिका अदा करते हैं।

सीरिया के बारे में

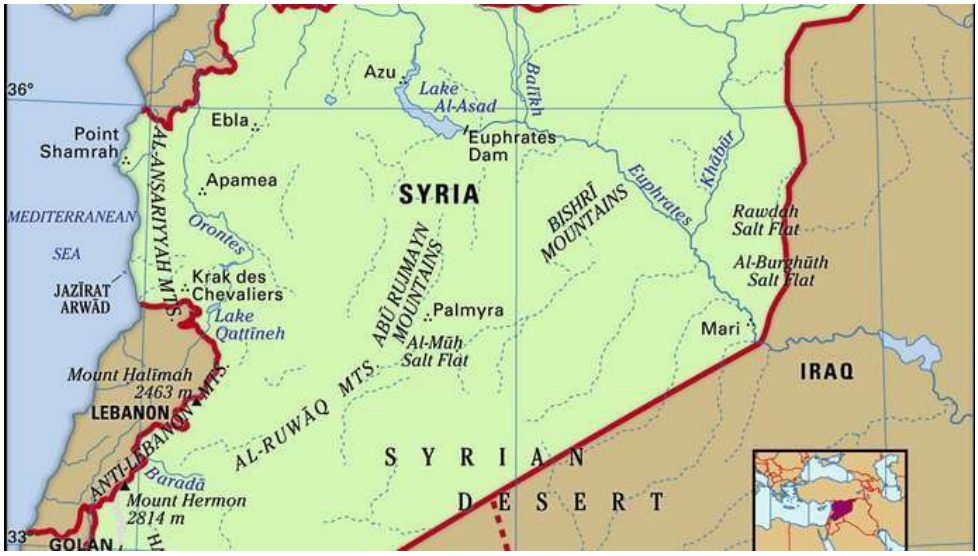

- सीरिया दक्षिणीपश्चिमी एशिया में भूमध्यसागर के पूर्वी तट पर स्थित है।
- इस क्षेत्र में गोलन पहाड़ियों का क्षेत्र शामिल है जिसपर इजरायल ने 1967 से कब्जा कर रखा है।
- वर्तमान क्षेत्र प्राचीन सीरिया के समान नहीं है, जो उर्वरा भूमि का एक टुकड़ा था। यह पूर्वी भूमध्यसागर तट और उत्तरी अरब मरुस्थल के बीच में स्थित है।
- इसकी राजधानी दमिश्क है, जो बारादा नदी पर स्थित है, जो कासीयून पहाड़ी के पैरों के पास एक नखलिस्तान में स्थित है।

सीमावर्ती देश

- तुर्की, इराक, जॉर्डन, लेबनान और इजरायल इसके सीमावर्ती देश हैं।

- इसकी पश्चिमी छोर पर भूमध्यसागर के साथ एक तटरेखा भी है।

स्वामित्व योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में प्रधानमंत्री ने **राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस** के अवसर पर स्वामित्व योजना के अंतर्गत ई-संपदा कार्डों के वितरण की शुरुआत की।
- राष्ट्रीय पंचायती दिवस भारत में पंचायती राज प्रणालियों का राष्ट्रीय दिवस है जिसे **प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को पंचायती राज मंत्रालय** द्वारा मनाया जाता है।

प्रमुख खास बातें

- ई-संपदा कार्डों का वितरण पूरे देश में क्रियान्वयन के लिए स्वामित्व योजना की शुरुआत करेगा।
- लगभग 4.09 लाख संपदा स्वामियों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर उनके ई-संपदा कार्ड दिये जाएंगे।

स्वामित्व योजना के बारे में

- SVAMITVA (गांव के क्षेत्रों में उन्नत तकनीक के साथ गांवों का सर्वेक्षण और नक्शांकन) की शुरुआत 24 अप्रैल 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा की गई थी।
- यह केंद्रीय क्षेत्र की एक योजना है।

नोडल मंत्रालय

- यह पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) का नोडल मंत्रालय है।

लक्ष्य

- इसका लक्ष्य सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत का निर्माण करना है।
- इस योजना में नक्शांकन और सर्वेक्षण के आधुनिक तकनीकी उपकरणों का प्रयोग करके ग्रामीण भारत को हस्तांतरण करने की संभावना है।
- यह ऋणों और अन्य वित्तीय लाभों को लेने के लिए ग्रामीणों द्वारा संपत्ति को वित्तीय पूंजी के रूप में प्रयोग का रास्ता प्रशस्त करता है।
- यह 2021-2025 के दौरान पूरे देश के लगभग 6.62 लाख गांवों को कवर करेगा।
- योजना के पाइलट चरण को महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश में और पंजाब और राजस्थान के कुछ चुने हुए गांवों में 2020-21 के दौरान क्रियान्वित किया जाएगा।

SVAMITVA योजना के उद्देश्य

यह योजना निम्नलिखित उद्देश्यों को हासिल करना चाहती है:-

- ऋणों और अन्य वित्तीय लाभों को लेने के लिए वित्तीय पूंजी के रूप में अपनी संपत्ति का प्रयोग करके ग्रामीण भारत में नागरिकों को वित्तीय स्थिरता लाने में सक्षम बनाना।
- ग्रामीण योजना के लिए सटीक भूमि रिकॉर्डों का सृजन।
- संपत्ति कर का निर्धारण, जो राज्यों में सीधे GPs को मिलेंगे जहां वे हस्तांतरित होंगे या राज्य कोष में जमा होंगे।
- सर्वेक्षण अवसंरचना और GIS नक्शों का सृजन जिसका प्रयोग किसी भी विभाग द्वारा किया जा सकता है।
- GIS नक्शों का प्रयोग करके बेहतर गुणवत्ता वाली ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) की तैयारी में समर्थन देना।
- संपत्ति से संबंधित विवादों और कानूनी मामलों को कम करना।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र सरकार ने हाल में घोषणा की कि मई और जून 2021 के दो महीनों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) के अंतर्गत 80 करोड़ लाभकर्ताओं को 5 किग्रा. अनाज उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के बारे में

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की घोषणा कोविड-19 महामारी के दौरान प्रथम राहत पैकेज के भाग के रूप में की गई थी।
- इस योजना का लक्ष्य कोरोनावायरस संकट के बीच में गरीब और जरूरतमंद लोगों को पर्याप्त खाद्यान्न सुनिश्चित करना है।

योजना की खास विशेषताएं

- यह योजना देश में 80 राशन कार्डधारकों को कवर करती है।
- खाद्यान्नों को सभी लाभकर्ताओं को अंत्योदय अन्न योजना (AAY) और प्राथमिकता परिवार (PHH) राशन कार्डधारकों के लिए लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TDS) के अंतर्गत वितरित किया जाएगा।

निवल शून्य उत्पादक मंच

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्या है?

- हाल में सऊदी अरब तेल और गैस उत्पादकों के लिए 'निवल शून्य उत्पादक मंच' की स्थापना में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, नॉर्वे और कतर के साथ शामिल होगा। इसमें ये देश मौसम परिवर्तन पर पेरिस समझौते के क्रियान्वयन को कैसे समर्थन दिया जाए, इसपर चर्चा करेंगे।

निवल शून्य उत्पादक मंच के बारे में

- यह तेल और गैस उत्पादक देशों के लिए एक प्लेटफॉर्म है जिसमें इस बात की चर्चा की जाती है कि कैसे यह क्षेत्र मौसम परिवर्तन पर पेरिस समझौते के क्रियान्वयन को समर्थन दे सकता है और 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जनों को हासिल कर सकता है।
- मंच निम्न के तरीके पर चर्चा करेगा
    - मीथेन की रोकथाम में सुधार;
    - चक्रीय कार्बन अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना;
    - स्वच्छ ऊर्जा को विकसित करना और कार्बन कैप्चर को तैनात करना ,
    - तकनीकों का प्रयोग और भंडारण;
    - हाइड्रोकार्बन राजस्वों पर निर्भरता से विविधकरण करना;
    - प्रत्येक देश के राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप अन्य उपाय।
- कनाडा की सरकार ने हाल में मंच में घोषणा की है कि 2030 तक 2005 के स्तरों से नीचे 40 से 45 प्रतिशत तक उत्सर्जनों की कटौती करने के लिए पेरिस समझौते के अंतर्गत अपने राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदानों में बढ़ोत्तरी करेंगे। इससे 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जनों तक पहुँचने के मार्ग की ओर बढ़ा जा सकेगा।

संबंधित सूचना

- सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि उनके देश का लक्ष्य 2030 तक नवीकृत तरीकों से देश के ऊर्जा के 50% का उत्पादन करके कार्बन उत्सर्जनों में कटौती करना है।

पेरिस समझौते के बारे में

- इसे पार्टियों का सम्मेलन 21 अथवा COP 21 भी कहा जाता है जोकि एक ऐतिहासिक पर्यावरणीय समझौता है जिसे 2015 में अपनाया गया जिससे मौसम परिवर्तन और उसके नकारात्मक प्रभावों से निपटा जा सके।
- इसने क्योटो प्रोटोकॉल को विस्थापित किया जो मौसम परिवर्तन से निपटने के लिए पूर्व का समझौता था।

लक्ष्य

- औद्योगिकीकरण पूर्व स्तरों से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे इस शताब्दी में वैश्विक तापमान को सीमित करने के प्रयास में वैश्विक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों में कटौती करना, जबकि 2100 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि तक सीमित रखने के माध्यमों की कोशिश करना।

इसमें शामिल हैं:

- वित्तीय हानि कमजोरी वाले देशों की समस्याओं को सुलझाना जिनका वे चरम मौसम जैसे मौसम प्रभाव के रूप में सामना कर रहे हैं।

- विकासशील देशों को धन देने के लिए धन का इंतजाम करना जिससे वे मौसम परिवर्तन से तदात्म्य स्थापित करें और स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण करें।
- समझौते का यह हिस्सा विकसित देशों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं बनाया गया है।
- सम्मेलन की शुरुआत के पूर्व, 180 देशों से ज्यादा ने अपने कार्बन उत्सर्जनों में कटौती के वादे को सौंपा (उद्धिष्ट राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदान अथवा INDCs)।

उद्धिष्ट राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदान

- पेरिस समझौता सभी पक्षों से यह आशा करता है कि वे आने वाले वर्षों में इन प्रयासों को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदानों (NDCs) के द्वारा अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयासों को करेंगे।
- इसमें यह जरूरत शामिल है कि सभी पार्टियां अपने उत्सर्जनों और अपने क्रियान्वयन प्रयासों पर नियमित तौर पर अपनी रिपोर्ट दें।
- **यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है**
- भारत ने फिर से मौसम परिवर्तन से निपटने के लिए समझौते के अंतर्गत लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपने उद्धिष्ट राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदान प्रतिबद्धताओं की पुष्टि की है।

भारत के INDC, को प्राथमिक तौर पर 2030 तक हासिल किया जाएगा

- भारत ने 2005 के स्तर से 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद में 33-35% की उत्सर्जन तीव्रता की कटौती करने का वायदा किया है।
- यह 2030 तक ऊर्जा संसाधन आधारित (मुख्य रूप से पवन और सौर ऊर्जा नवीनीकृत) गैर-जीवाश्म ईंधन से लगभग 40% संचयी विद्युत ऊर्जा संस्थापित क्षमता हासिल करेगा। इसके तकनीक के हस्तांतरण और कम कीमत के अंतरराष्ट्रीय वित्त की मदद ली जाएगी, जिसमें हरित मौसम कोष शामिल है।
- भारत ने अतिरिक्त कार्बन सिंक (वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषित करने का माध्यम) का वायदा भी किया है जिसकी क्षमता 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड समतुल्य की होगी। इसके लिए वर्ष 2030 तक अतिरिक्त वन और पेड़ों का आच्छादन किया जाएगा।

नोट:

- कनाडा, नॉर्वे, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त राज्य अमेरिका- सामूहिक रूप से 40 प्रतिशत तेल और गैस उत्पादन का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चैंडलर उत्तम सरकार सूचकांक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत को चैंडलर उत्तम सरकार सूचकांक (CGGI) में 49वां स्थान दिया गया है, जो सरकारी क्षमताओं और परिणामों के संदर्भ में 104 देशों को वर्गीकृत करता है।

Key highlights

- फिनलैंड चैंडलर उत्तम सरकार सूचकांक सूची में सबसे ऊपर है।

चैंडलर उत्तम सरकार सूचकांक के बारे में

- इस सूचकांक का प्रकाशन चैंडलर शासन संस्थान, सिंगापुर द्वारा किया जाता है।
- चैंडलर उत्तम सरकार सूचकांक जरूरी शासन क्षमताओं के मापन के महत्व और निवेश को दर्शाता है।
- यह सरकार में प्राकाडेमिक्स की विशेष जरूरत को उजागर करता है- वे लोग जिनके पास शोध और आंकड़ों की जबर्दस्त समझ का संयोजन होता है और उन्हें इस बात का भली-भांति ज्ञान होता है कि सरकार को सफल होने के लिए क्या करना चाहिए।
- CGGI शासन क्षमताओं में निवेश के महत्व को दर्शाता है।

यह सूचकांक सात स्तंभों पर ध्यान देता है:

- नेतृत्व और दूरदृष्टि;
- मजबूत कानून और नीतियां;
- मजबूत संस्थान;
- वित्तीय नेतृत्व;
- आकर्षक बाजार स्थल;
- वैश्विक प्रभाव और ख्याति;
- ऊपर उठने में लोगों को मदद करना।

चाड में संकट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चाड के सबसे ज्यादा समय तक राष्ट्रपति रहने वाले इदरीस डेबी का चोट लगने से मृत्यु हो गई। यह चोट उन्हें विद्रोही समूह FACT (चाड में परिवर्तन और एकता के लिए समूह) के साथ सीमाओं पर झड़प के दौरान लगी थी।

संकट की खास बातें

- राष्ट्रपति की मृत्यु के तुरंत बाद, चाड की सरकार और संसद को भंग कर दिया गया जिससे डेवी के पुत्र महामत इदरीस डेबी के नेतृत्व वाली सैन्य परिषद अगले 18 महीनों के लिए शासन कर सके।
- पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश पूरे साहेल में इस्लामवादियों से लड़ाई में पश्चिम की आउटपोस्ट है- यह सहारा और सूडानी सवाना के बीचे में बड़ा क्षेत्र है।
- फ्रांस की आज भी इस क्षेत्र में मजबूत सैन्य उपस्थिति है और उसने राजनीतिक विरोधियों और सहयोगियों से लड़ाई के लिए डेबी को समर्थन उपलब्ध कराया था।
- फ्रांस, लेकिन, 2013 से ही मध्य अफ्रीकी गणराज्य में विद्रोह के बाद से क्षेत्र से निकलने के लिए रास्ता तलाश रहा है। डेबी की मृत्यु के साथ, उसका यहां से निकलना आसान नहीं होगा।

इस क्षेत्र में फ्रांस की सैन्य उपस्थिति क्या है?

- साहेल देशों में सैन्य ऑपरेशनों के पीछे उद्देश्य इस्लामवादी समूहों से लड़ाई करना, राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की निगरानी करना और भविष्य के अफ्रीकी नेतृत्व को प्रशिक्षण देना है।
- चाड फ्रांस का उन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सबसे ज्यादा प्रभावी साहेल सहयोगी है।
- फ्रांस का कहना है कि उसका उद्देश्य साहेल देशों को क्षेत्रीय एकता बनाए रखने में सहयोग देना और फ्रांस और पश्चिम के लिए खतरा बने इस्लामिक गुटों के उदय को रोकना है।
- पिछले वर्षों में फ्रांस ने चाड को जबर्दस्त सैन्य और खुफिया समर्थन प्रदान किया है, जिसमें लीबियाई और सूडानी आक्रमण को पीछे करने के लिए लड़ाकू जेटों की तैनाती शामिल है। फ्रांस ने आज भी चाडा के सीमांत शहरों में सैन्य शिविरों को बनाए रखा है।

फ्रांस बाहर निकलने में क्यों असफल रहा है?

- फ्रांस को यह मालूम है कि यदि वह अपनी सेनाओं को हटाता है, इससे एक सुरक्षा शून्य उत्पन्न होगा और घरेलू सेनाएं और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ऑपरेशनों को करने में सक्षम नहीं होंगे और स्वयं से लड़ नहीं पाएंगे।
- जो भी फ्रांस और उसके सहयोगियों ने हासिल किया है वह खो देंगे।

संबंधित सूचना

चाड के बारे में

- चाड को आधिकारिक तौर पर चाड गणराज्य कहा जाता है। यह चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ देश है जो उत्तर-मध्य अफ्रीका में स्थित है।
- इसके उत्तर में लीबिया, पूर्व में सूडान, दक्षिण में मध्य अफ्रीकी गणराज्य, दक्षिण-पश्चिम में कैमरून, दक्षिण-पश्चिम में नाइजीरिया (चाड झील पर) और पश्चिम में नाइजर है।
- चाड में कई क्षेत्र हैं: उत्तर में एक मरुस्थल क्षेत्र, केंद्र में एक बंजर साहेलियाई पट्टी, और दक्षिण में एक ज्यादा उपजाऊ सूडानी सवाना क्षेत्र है।
- चाड झील, जिसपर देश का नामकरण किया गया है, अफ्रीका में दूसरा सबसे बड़ी नमभूमि है।
- राजधानी **अन जमेना** सबसे बड़ा शहर है।
- **चाड की आधिकारिक भाषाएं अरबी और फ्रांसीसी हैं।**

अफ्रीका के साहेल क्षेत्र के बारे में

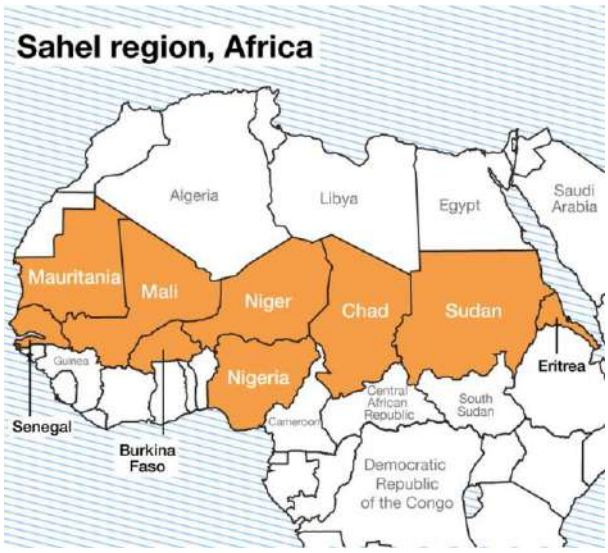

- यह पश्चिमी और उत्तर-मध्य अफ्रीका का अर्ध बंजर क्षेत्र है जो पूर्व में सेनेगल से सूडान तक फैला हुआ है।

- यह उत्तर में बंजर सहारा (मरुस्थल) और दक्षिण में नम सवाना की पट्टी के बीच में संक्रमण क्षेत्र का निर्माण करता है।
- साहेल उत्तरी सेनेगल, दक्षिणी मौरिटानिया, माली में नाइजर नदी का महान मोड़, बुर्किनो फासो (पूर्व में ऊपरी वोल्टा), दक्षिणी नाइजर, उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया, दक्षिण-मध्य चाड और सूडान के द्वारा पूर्व में अटलांटिक महासागर से विस्तारित होता है।

केंद्र ने दिल्ली के उपराज्यपाल को ज्यादा शक्ति देने के कानून को अधिसूचित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- गृह मामले के मंत्रालय ने हाल में एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है जिसमें कहा गया है कि दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार (संशोधन) कानून, 2021 के प्रावधानों को 27 अप्रैल से लागू मान लिए जाएंगे।

कानून की प्रमुख विशेषताएं

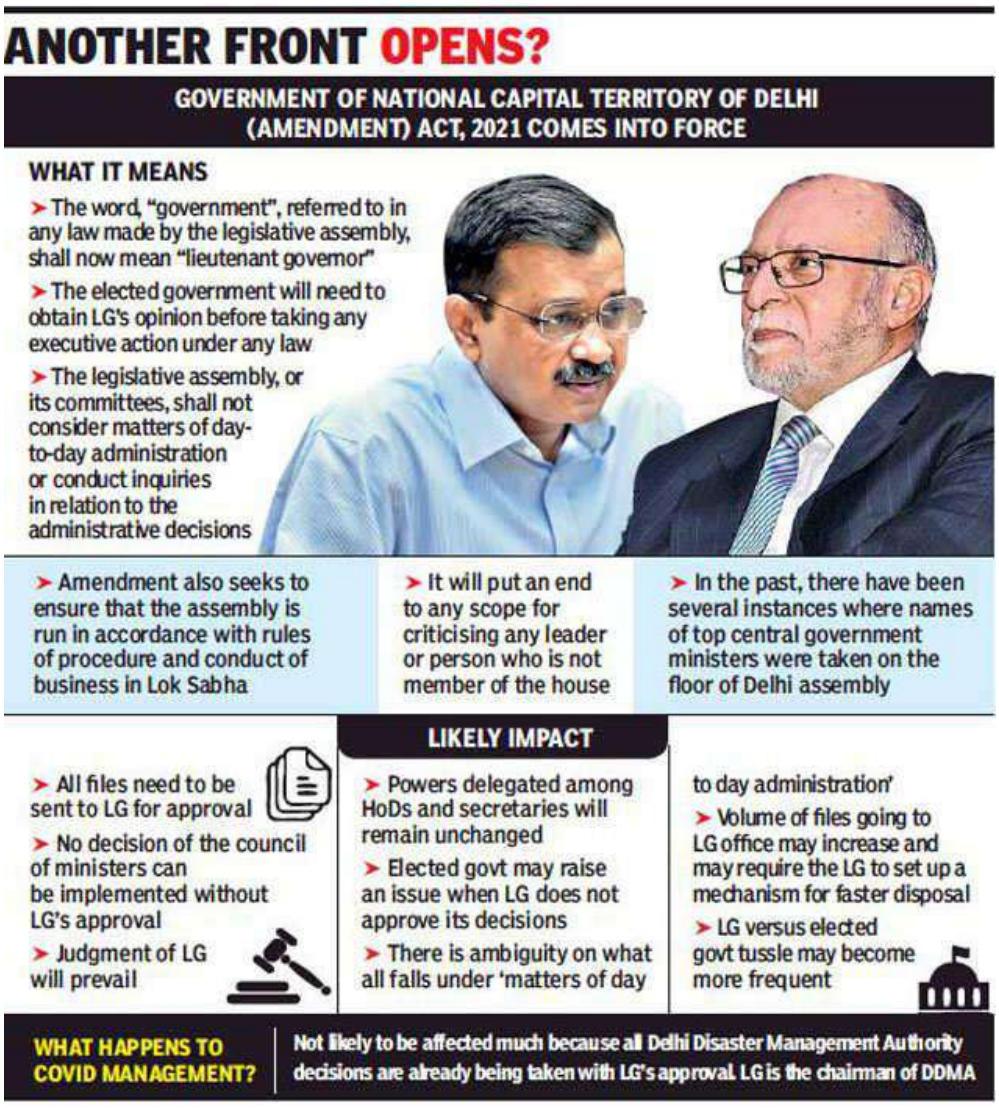

- यह कानून, दिल्ली के राज्यपाल को ज्यादा शक्ति और इसी तरह से काफी हद तक दोनों ही चुनी हुई सरकार और विधानसभा के अधिकारों को कम करता है। यह कानून "सरकार" अभिव्यक्ति का स्पष्टीकरण देगा और विधायिका और कार्यपालिका के बीच में सामंजस्यपूर्ण संबंधों को प्रोत्साहित करने के लिए वैधानिक प्रावधानों में अस्पष्टताओं को सुलझायेगा।
- यह कानून चुनी हुई सरकार साथ ही उपराज्यपाल और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शासन की संवैधानिक योजना की व्याख्या करता है, जिसकी व्याख्या हाल में सर्वोच्च न्यायालय ने दो संस्थाओं के बीच में शक्तियों के विभाजन के संबंध में अपने हाल के निर्णय में दिया है।
- यह इस बात को सुनिश्चित करने की भी कोशिश करेगा कि उपराज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 239AA के खंड (4) के प्रावधान के अंतर्गत दी गई शक्तियों की जिम्मेदारी को लागू करने के अवसर को जरूर दिया जाए।
- यह विशेष खंड राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद की बात करता है जो उपराज्यपाल को अपने कार्यों को करने में सहायता और सलाह देगी। यह उन मामलों के लिए है जिसमें विधानसभा के पास कानून बनाने की शक्ति है।

संशोधन की जरूरत

- विधेयक के उद्देश्यों और कारणों पर गृह मंत्रालय के कथन में कहा गया है कि 1991 का कानून अनुच्छेद 44 कार्य को करने से संबंधित है और इस अनुच्छेद के समयबद्ध प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कोई संरचनात्मक तंत्र नहीं है।
- साथ ही, इस आदेश को जारी करने के पूर्व उपराज्यपाल को सौंपे जाने वाले प्रस्तावों अथवा मामलों के विषय में कोई स्पष्टता नहीं है।
- 1991 के कानून का अनुच्छेद 44 कहता है कि उपराज्यपाल के सभी कार्यकारी कार्य, चाहे वों मंत्रियों की सलाह पर किये गए हों अथवा अन्य तरीके से, वे उपराज्यपाल के नाम में किये जाएंगे।

आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (SCRI)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

Why in the news?

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आपूर्ति ऋंखला में चीन के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के वाणिज्य मंत्रियों ने औपचारिक रूप से एक वर्चुअल त्रिपक्षीय मंत्रिस्तरीय बैठक में आपूर्ति ऋंखला लचीलेपन पहल (SCRI) की शुरुआत की है।

आपूर्ति ऋंखला लचीलापन पहल (SCRI) के बारे में

- SCRI का लक्ष्य क्षेत्र में मजबूत, सतत, संतुलित औऱ समावेशी वृद्धि को अंतोगत्वा प्राप्त करने के उद्देश्य से आपूर्ति ऋंखला लचीलेपन के चक्र का सृजन करना है।
- SCRI आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन पर श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा करने पर ध्यान देगा। साथ ही यह निवेश प्रोत्साहन समारोहों और क्रेता-विक्रेता सुमेलन समारोहों पर भी ध्यान देगा जिससे आपूर्ति ऋंखला के विविधीकरण की संभावना के अन्वेषण को हितधारकों के लिए अवसर उपलब्ध हो सकें।
- मंत्रियों ने प्रारंभिक परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं पहल को और भी विकसित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।
- मंत्रियों ने वर्ष में कम से कम एक बार बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है जिससे SCRI के क्रियान्वयन के दिशा-निर्देश को उपलब्ध कराया जा सके, साथ ही कैसे पहल को विकसित किया जाए इसपर सलाह भी दी जा सके।

पहल के लिए कारण

Covid-19 बोध

- वैश्विक रूप से कोविड-19 के प्रसार के साथ, यह बोध हुआ है कि एक देश पर निर्भरता वैश्विक अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए ठीक नहीं है।

USA-चीन व्यापार तनाव

- यह तनाव उस समय शुरू हुआ जब संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन दोनों ने एक दूसरे पर शुल्क प्रतिबंधों को लगाया।

भारत उभरते हुए आपूर्ति केंद्र के रूप में

- व्यवसायों ने भारत को "आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र" के रूप में देखना शुरू कर दिया है।

अध्ययनः वापस आने वाले प्रवासी मजदूरों को रुकने वालों से पांच गुना ज्यादा पैसा मिला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- सर्वेक्षण के अनुसार जिसे येल और KREA विश्वविद्यालय में समावेशी अर्थशास्त्र भारत केंद्र के शोधकर्ताओं द्वारा फोन पर किया गया, जिसमें बिहार और छत्तीसगढ़ को स्रोत राज्य माना गया है, ने अप्रैल 2020 से फरवरी 2021 के बीच में उत्तर और मध्य भारत में 5000 प्रवासी मजदूरों के आंकड़ों को जारी किया है।

सर्वेक्षण की खास प्रमुख बातें

- प्रवासी मजदूर जो पहले कोविड लॉकडाउन के बाद शहरों में काम करने के लिए वापस लौटे ने रुकने वालों से पांच गुना ज्यादा पैसा अर्जित किया, और पिछले वर्ष के निष्क्रमण ने पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को प्रभावित किया।
- पहले लॉकडाउन के बाद यह दर्शाता है कि केवल 45 महिला प्रवासी मजदूर ही अपने शहरी कार्यस्थलों में वापस लौटीं- इनमें से 40 प्रतिशत ने फरवरी 2021 में ट्रैक किये जाने के दौरान पूरे सप्ताह में कोई आय नहीं अर्जित की।
- इसकी तुलना में, 55 प्रतिशत पुरुष अपने कार्यस्थलों पर वापस लौटे और उनमें से केवल एक-चौथाई ने ही फरवरी 2021 में समान सप्ताह के दौरान कोई आय नहीं अर्जित की।
- इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण दर्शाता है, वे पुरुष प्रवासी मजदूर जो कार्य के लिए शहरी क्षेत्रों में वापस लौटे, ने अपनी महामारी पूर्व आयों का 90 प्रतिशत तक अर्जित करने में सफलता हासिल की।
- लेकिन महिलाएं जिन्होंने यह किया वे महामारी पूर्व आय का 72 प्रतिशत हासिल करने में ही सफल रहीं।
- औसत रूप से, यह एक सप्ताह में रु. 2,355 आया अथवा महामारी पूर्व आयों का 85 प्रतिशत रहा, सर्वेक्षण में यह पाया गया है।
- सर्वेक्षण ने पाया कि पुरुष प्रवासी मजदूर जो घर पर ही रहे महामारी पूर्व आय का मात्र 23 प्रतिशत ही अर्जित कर पाए, और महिला प्रवासी मजदूर केवल 13 प्रतिशत ही अर्जित कर पाईं।
- औसत रूप से, यह प्रति सप्ताह रु. 451 रहा, अथवा महामारी पूर्व आयों का 18 प्रतिशत, सर्वेक्षण में पाया गया।

सर्वेक्षण के निष्कर्ष

- ग्रामीण क्षेत्रों जो अपने घरों में रहे उनके बेरोजगार के रूप में, घटते खाद्य उपभोग, संपत्तियों के गिरवी रखने अथवा बेचने के, बचतों को खर्च करने, और अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऋण लेने के बारे में रिपोर्ट करने के ज्यादा अवसर थे।
- जहां तक शहरी क्षेत्रों को वापस आए लोगों को सहायता करने की बात है जो स्थानीय लॉकडाउन के दौरान शहरों में रहे, जैसे नियोक्ताओं और राशन के दौरान आर्थिक समर्थन देना, हम प्रवासी मजदूरों को ग्रामीण क्षेत्रों में एक अन्य महंगी वापसी से सुरक्षित रख सकते हैं और तेजी से आर्थिक बहाली को सक्षम बनाया जा सकता है।
- ये प्रवासी मजदूर आर्थिक रूप से संभल नहीं पाए हैं और अभी भी काफी कमजोर हैं।

अनुच्छेद 223- मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- राजनीतिशास्त्र, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- भारत के राष्ट्रपति ने हाल में भारत के संविधान के तहत अनुच्छेद 223 के द्वारा दी गई शक्तियों का हाल में प्रयोग करते हुए श्री न्यायमूर्ति राजेश बिंदल जो कलकत्ता उच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं, को उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय के कर्तव्यों के निर्वहन के लिए नियुक्त किया है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 223 के बारे में

- जब उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय खाली है अथवा इस तरह का कोई मुख्य न्यायाधीश, अनुपस्थित होने अथवा किसी अन्य कारण की वजह से, अपने कार्यालय के कर्तव्यों के निर्वहन में अक्षम है, कार्यालय के कर्तव्य न्यायालय के किसी अन्य न्यायाधीश द्वारा किये जाएंगे जिसे राष्ट्रपति इस कार्य के लिए नियुक्त करे।

संबंधित सूचना

- हाल में, सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 224A को सक्रिय किया है जो पिछले 58 वर्षों से निष्क्रिय पड़ा हुआ था। इसने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को दो से पांच वर्षों के लिए तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में सेवानिवृत्त उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को नियुक्त करने की अनुमति दी है।

अनुच्छेद 224A के बारे में

- संविधान का अनुच्छेद 224A उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को एक व्यक्ति जो पूर्व में न्यायाधीश रहा है, को न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देता है। इसके लिए राष्ट्रपति से पूर्व अनुमति जरूरी है।

मानवाधिकार वाच

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मानवाधिकार वाच ने कहा है कि इज़रायल फिलीस्तीनियों और अपनी अरब जनसंख्या पर यहूदी "वर्चस्व" को बनाए रखकर "रंगभेद" के अपराध को कर रहा है, यह एक विस्फोटक आरोप है जिसे इज़रायल ने सख्ती से नकारा है।
- वर्तमान में तथाकथित युद्ध अपराधों के लिए अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा जांच के दायरे में आने पर इज़रायल ने HRW के आरोपों पर निरर्थक और गलत कहकर गुस्सा जताया है और न्यूयॉर्क आधारित समूह पर दीर्घावधि के इज़रायल विरोधी एजेंडे का आरोप लगाया है।

मानवाधिकार वाच के बारे में

- यह एक अंतरराष्ट्रीय गैरसरकारी संगठन है जो मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच करके उनके दस्तावेज तैयार करता है और ऐसे दुरुपयोगों को रोकने की नीतियों की वकालत करता है।
- इसकी स्थापना 1978 में हेलसिंकी वाच के रूप में की गई थी जिसका लक्ष्य हेलसिंकी समझौते के सोवियत संघ के अनुपालन की निगरानी करना था। बाद में यह समूह आकार और दायरे में काफी बढ़ गया।
- इसका वर्तमान नामकरण 1988 में किया गया।
- **इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर में है।**

कार्य

- मानवाधिकार वाच मानवाधिकार उल्लंघनों के तथ्य जांच परिणामों का आयोजन करता है और विभिन्न देशों की यह सुनिश्चित करने के लिए निगरानी करता है कि वे मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा (1948) का उल्लंघन तो नहीं कर रहे हैं, जो मूलभूत नागरिक, सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों को रेखांकित करते हैं।

रूस अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को छोड़ेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- रूस ने हाल में घोषणा की है कि वह 2025 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से हट जाएगा, और अपनी तैरने वाली प्रयोगशाला का निर्माण करके उसका प्रबंधन करेगा जिसे कक्षा में 2030 तक प्रक्षेपित कर दिया जाएगा।

- छोड़ने का निर्णय ऐसे समय में आया है जब बहुत से मुद्दों पर रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंध लगातार खराब हो रहे हैं, जिसमे दोनों ही ताकतें एक दूसरे पर अंतरिक्ष का सैन्यीकरण करने के आरोप लगा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन छोड़ने के कारण

- रूस ने अपने स्वयं की तैरने वाली प्रयोगशाला के निर्माण और प्रबंधन का निर्णय लिया है जिसे कक्षा में 2020 में प्रक्षेपित किया जाएगा।
- ऐसा कहा जा रहा है कि यह स्टेशन ज्यादा ऊंचाई पर पृथ्वी के चक्कर लगाएगा, जिससे यह बेहतर तरीके से ध्रुवीय क्षेत्रों का पर्यवेक्षण कर सकेगा, विशेष रूप से क्योंकि रूस बर्फ के पिघलने के साथ ही आर्कटिक सागर के मार्ग को विकसित करना चाहता है।
- नये स्टेशन से रूसी अंतरिक्षयात्री उन चुनौतियों से उभर जाएंगे जिसका वे वर्तमान बूढ़े हो रहे ISS में सामना कर रहे हैं, जैसे कि परीक्षण करना और नवीनतम तकनीक से तदात्म्य स्थापित करना।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के बारे में

- पूर्व सोवियत संघ का मीर अंतरिक्ष स्टेशन जिसे बाद में रूस द्वारा संचालित किया गया, 1986 से 2001 तक कार्यरत था।
- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन निम्न पृथ्वी कक्षा में एक मॉड्यूलर अंतरिक्ष स्टेशन है जो 1988 से अंतरिक्ष में है।
- यह एक बहुराष्ट्रीय सहयोगात्मक परियोजना है जिसमें पांच भागीदारी अंतरिक्ष एजेंसियां शामिल हैं: NASA (संयुक्त राज्य अमेरिका), रॉस्कॉस्मॉस (रूस), JAXA (जापान), ESA (यूरोप) और CSA (कनाडा)।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन क्या करता है?

- एक अंतरिक्ष स्टेशन निश्चित रूप से एक बड़ा अंतरिक्षयान होता है जो लंबे समय तक निचली पृथ्वी कक्षा में रहता है।
- यह अंतरिक्ष में एक बड़ी प्रयोगशाला की तरह से है और यह अंतरिक्षयात्रियों को यहां पर आने और हफ्तों अथवा महीनों तक रहने की इजाजत देता है जिससे वे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में परीक्षण कर सकें।

'टीका मैत्री'

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत अपने पड़ोसियों के साथ जिसमें बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं, कम से कम जुलाई 2021 तक अपने टीका मैत्री कार्यक्रम की शुरुआत नहीं करेगा।
- भारत ने देशों जिसमें पड़ोस के देश शामिल हैं जिन्होंने पहले ही इसके लिए धन दे दिया था, दोनों ही व्यावसायिक और अनुदान आधारित टीके की खुराकों के निर्यात को स्थगित कर दिया है।

खबरों में और भी

- श्रीलंका ने कोविशील्ड के 1.5 मिलियन खुराकों के लिए व्यावसायिक ऑर्डर दे दिया था, जिसमें से अभी तक केवल 5 लाख खुराकें ही भेजी जा सकीं हैं।
- श्रीलंका और नेपाल को आखिरी बार यह टीका क्रमशः मार्च 6 और 28 को भेजा गया था, जबकि इसके व्यावसायिक लदान को फरवरी के अंत में ही रोक दिया गया था।
- इस बीच में, चीन ने पिछले कुछ हफ्तों के दौरान कई दक्षिण एशियाई देशों को टीके की आपूर्ति की है और साथ ही और टीके देने का वादा भी किया है।

टीका मैत्री कार्यक्रम

- अपने वृहद् टीका मैत्री कार्यक्रम के जरिए भारत ने दुनिया भर के 95 देशों को कोविड-19 टीके की 66 मिलियन खुराकें निर्यात की है। इनमें से लगभग 10 मिलियन सरकार से अनुदान के रूप में थीं, 20 मिलियन खुराकें वैश्विक कोवैक्स सुविधा के रूप में भेजी गईं, और बाकी 36 मिलियन व्यावसायिक निर्यात थीं।

अंतरराष्ट्रीय न्यायविद् आयोग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- अंतरराष्ट्रीय न्यायविद् आयोग (ICJ) ने हाल में केंद्र और राज्य सरकारों से कोविड-19 के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति, अस्पताल के बेड और दवाओं के संबंध में न्यायालय के आदेशों के अनुपालन का आह्वान किया। इसने आगे जोड़ा कि सरकारें महामारी की दूसरी लहर के लिए तैयारी में असफल रहीं हैं।
- इसने केंद्र और राज्य सरकारों से चिकित्सा देखभाल और टीकों के संबंध में न्यायिक आदेशों का पालन करना का आह्वान किया।

अंतरराष्ट्रीय न्यायविद् आयोग के बारे में जानकारी

- यह एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार गैर-सरकारी संगठन है।
- यह 60 जाने-माने न्यायविदों का एक स्थाई समूह है- जिसमें वरिष्ठ न्यायाधीश, वकील और अकादमिक शामिल हैं जो कानून के द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों को विकसित करते हैं।
- आयोग की संरचना का लक्ष्य विश्व की भौगोलिक विविधता और इसके कई कानूनी प्रणालियों को परिलक्षित करना है।

- इसका मुख्यालय जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड में है।

अर्थशास्त्र, विज्ञान एवं तकनीक, आतंरिक सुरक्षा & पर्यावरण

चीन ने अपने अंतरिक्ष स्टेशन के केंद्रीय मॉड्यूल को प्रक्षेपित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- चीन ने हाल में अपने अंतरिक्ष स्टेशन के **'तियानहे मॉड्यूल'** कहलाने वाले केंद्रीय मॉड्यूल को प्रक्षेपित किया है।

तियानहे मॉड्यूल के बारे में जानकारी

- इस मॉड्यूल को **"हारमोनी ऑफ द हेवेंस"** कहा जाता है। इसे चीन के सबसे बड़े प्रक्षेपण वाहन **लॉन्ग मार्च 5बी** के द्वारा हैनान के दक्षिणी द्वीप पर स्थित वेन्चांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था।
- तियानहे मॉड्यूल अंतरिक्ष स्टेशन तियानगॉन्ग के प्रबंधन और नियंत्रण केंद्र के रूप में कार्य करेगा।
- तियानहे चीनी अंतरिक्ष स्टेशन में दल के तीन सदस्यों के लिए मुख्य रहने का स्थान है, जिनका जीवनकाल कम से कम 10 वर्ष है।

2022 के अंत तक अंतरिक्ष स्टेशन को पूरा करने के लिए 11 मिशनों की योजना

- अन्य 10 प्रक्षेपणों के द्वारा दो और मॉड्यूल को भेजा जाएगा; जिसमें चार माल आपूर्ति लदान और दल के सदस्यों के साथ चार मिशन शामिल हैं।

पूर्व के प्रयास

- चीन ने स्थाई स्टेशन के लिए तैयारी में पिछले दशक के दौरान दो परीक्षणीय मॉड्यूलों को प्रक्षेपित किया है।
- एक, **तियानगॉन्ग-1**, जिसका अर्थ है **"हैवेनली पैलेस-1"** को बेकार छोड़ा दिया गया था और कक्षा के अनियंत्रित खोने के दौरान यह जल गया था।
- इसका उत्तराधिकारी, **तियानगॉन्ग-2**, को 2018 में सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया गया था।

महत्व

- चीन का लक्ष्य 2030 तक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति बनने का है।
- इसने चंद्रमा पर यात्रा, मंगल पर बिना दल के अंतरिक्षयान औऱ अपने अंतरिक्षयान के निर्माण के साथ अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम को मजबूत किया है
- यह स्वतंत्र रूप से ऐसा करने वाला तीसरा देश था। इसके पहले यह कार्य पूर्व सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका ने किया था।
- चीनी अंतरिक्ष स्टेशन के पुराने पड़ रहे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) का प्रतियोगी होने की संभावना थी जो निचली पृथ्वी कक्षा में एक मॉड्यूलर अंतरिक्ष स्टेशन है।

नोट:

- रूस ने हाल में घोषणा की है कि वह 2025 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकल आएगा, और अपने तैरने वाली प्रयोगशाला को स्वयं निर्मित और प्रबंधित करेगा जिसे 2030 में कक्षा में प्रक्षेपित किया जाएगा।

क्यूलेक्स अथवा सामान्य घर मच्छर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में मौसम में परिवर्तन और तापमान बढ़ने के साथ, क्यूलेक्स अथवा सामान्य घर वाला मच्छर पूरे राजधानी में फिर से दिखाई देने लगा है।

क्यूलेक्स मच्छरों के बारे में

- क्यूलेक्स मच्छरों को **जापानी इंसेफलाइटिस** का वाहक माना जाता है, जो एक संभावित जीवन के लिए खतरे वाली लेकिन विरल वायरल रोग है जिससे मस्तिष्क में गंभीर सूजन आ जाती है।
- वे गंदे, ठहरे हुए जल में प्रजनन करते हैं।
- वे अंड निक्षेपण वाले आवासों को वरीयता देते हैं जैसे वर्षाजल बैरल, हौज, तूफान वाले नाले, सेप्टिक टैंक जिसमें कार्बनिक पदार्थ भरा हुआ है।
- **इन मच्छरों के पुनः दिखने का मुख्य कारण** गर्म तापमान है।

संबंधित सूचना

जापानी इंसेफलाइटिस (JE) के बारे

- जापानी इंसेफलाइटिस एक रोग है जो **फ्लैवी वायरस** की वजह से होता है। यह मस्तिष्क के चारों ओर की झिल्ली को प्रभावित करते हैं।
- जापानी इंसेफलाइटिस वायरस (JEV) भारत में **गंभीर इंसेफलाइटिस सिंड्रोम (ASES)** का एक प्रमुख कारण है।

सरकार की पहल

- भारत में, JE टीके के साथ जन टीकाकरण 2005 में एक प्रमुख महामारी के पनपने के बाद एक चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया था।
- इसके टीकाकरण को भारत सरकार के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत भी शामिल किया गया है।

सरकार ने 2021-26 के लिए RBI के दर पैनल के लिए 4% का मुद्रास्फीति लक्ष्य कायम रखा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र ने हाल में 4% के मुद्रास्फीति के लक्ष्य को कायम रखने का निर्णय लिया है, जिससे आने वाले पांच वर्षों (2021-26) के लिए RBI की मौद्रिक नीति समिति के लिए +/-2 प्रतिशत बिंदुओं का सहनशीलता पट्टी रहेगी।
- RBI ने पूर्व में कोविड-19 से पैदा हुए आर्थिक झटके के साथ निपटने के लिए अपनी मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कई उपायों की घोषणा की थी।
- **1 अप्रैल, 2021 से मार्च 31, 2026 के बीच की अवधि के लिए मुद्रास्फीति का लक्ष्य**

मौद्रिक नीति के अन्य निर्णय

अपरिवर्तित नीति दरें

- RBI ने रेपो दर तरलता समायोजन सुविधा (LAF) के तहत 4% पर अपरिवर्तित रखी है।
- LAF के अंतर्गत रिवर्स रेपो दर 3.35% पर अपरिवर्तित है और सीमांत स्थाई सुविधा (MSF) दर और बैंक दर 4.25% पर हैं।

नकदी आरक्षित अनुपात (CRR)

- RBI ने मई 2021 तक दो चरणों में CRR को 3% से 4% तक गैर बाधित तरीके से पुनर्स्थापित करने का निर्णय लिया है।

संबंधित सूचना

भारत की मौद्रिक नीति समिति के अनुसार

- यह भारतीय रिजर्व बैंक की एक समिति है जो भारत में बेंचमार्क ऋण दरों को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है।
- संशोधित RBI कानून, 1934 का **अनुच्छेद 45ZB** सशक्त छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बात कहता है जिसे केंद्र सरकार द्वारा गठित किया जाएगा जिससे ऋण दरों का निर्धारण किया जा सके जो मुद्रास्फीति लक्ष्य को हासिल करने के लिए जरूरी है।
- MPC को एक वर्ष में कम से कम चार बार बैठक की जरूरत है।

सदस्य

- यह छह सदस्यीय निकाय है और इसका मुखिया RBI का गवर्नर होता है।
- तीन सदस्य RBI से और तीन नामांकित सदस्य होते हैं।

दक्षिण एशिया आर्थिक मंच रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में विश्व बैंक की दक्षिण एशिया आर्थिक केंद्रित दक्षिण एशिया टीकाकरण रिपोर्ट के अनुसार, 1 अप्रैल, 2021 को शुरू होने वाले वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था के 10.1% की दर से वृद्धि करने की संभावना है।
- लेकिन, दोनों ही महामारीविज्ञान और नीति विकास के बारे में काफी अस्थिरता होने की वजह से, वित्त वर्ष 21-22 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद दर 7.5 से 12.5 के मध्य रह सकती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि कैसे टीकाकरण कार्यक्रम चलता है, क्या गतिमयता को लेकर नई रोक की जरूरत है, और कैसे विश्व की अर्थव्यवस्था सुधरती है।

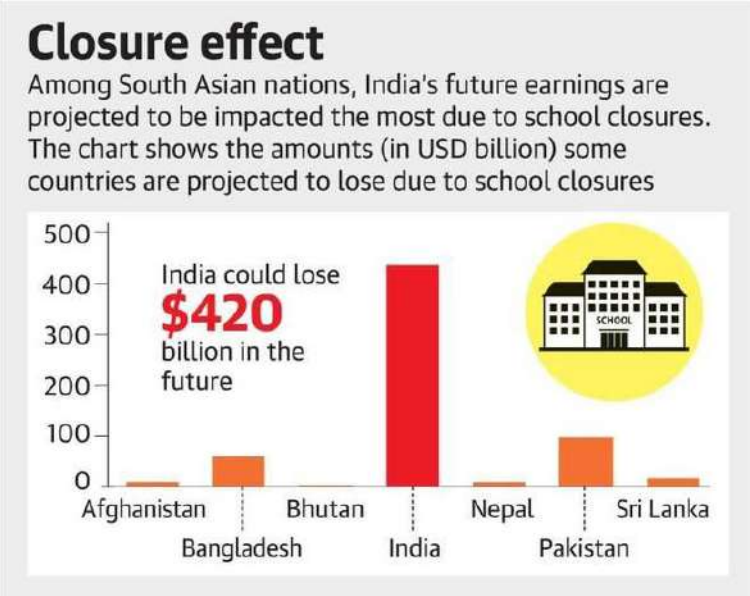

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

- अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 20-21 के दौरान विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार 8.5% संकुचित हुई है।
- बैंक आशा करता है कि सार्वजनिक उपभोग सकारात्मक योगदान देगा, लेकिन 2021 के अंत तक बढ़ी हुई निजी मांग समाप्त हो जाएगी, जब निवेश धीरे-धीरे बढ़ेगा जो सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर पूंजी खर्च को बढ़ावा देने की वजह से होगा।
- वित्तीय क्षेत्र तनाव से सकारात्मक प्रभाव (विशेष रूप से ऋण लेने वालों को छूट) वृद्धि परिदृश्य के लिए जोखिम है, रिपोर्ट ने इस बात की चेतावनी दी है।
- लेकिन, रिजर्व बैंक के वित्त वर्ष 22 के दौरान समायोजन वाले मौद्रिक नीति को बनाए रखने की संभावना है।
- ये नई तरंगें और वायरस के नए रूप परिदृश्य के लिए जोखिम के कारक के हिस्से थे।

संबंधित सूचना

- हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विश्व आर्थिक परिदृश्य में भी 2021 के लिए भारत की वृद्धि दर को 11.5 प्रतिशत दर्शाया गया।
- यह भारत को 2021 में विश्व की एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाती है जो दो अंकों की वृद्धि दर अर्जित करेगी।
- 2021 में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ चीन का दूसरा स्थान है जिसके बाद स्पेन (5.9 प्रतिशत) और फ्रांस (5.5 प्रतिशत) का स्थान है।

US की "2020 मानवाधिकार रिपोर्ट" ने भारतीय मीडिया पर प्रतिबंधों को चिन्हित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- आतंरिक सुरक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- US गृह विभाग ने "2020 मानवाधिकार रिपोर्ट" जारी की है जिसे "2020 मानवाधिकार प्रथाओं पर देशों की रिपोर्ट" भी कहा जाता है।

2020 मानवाधिकार रिपोर्ट के बारे में

- यह एक वार्षिक रिपोर्ट है जिसे प्रत्येक वर्ष US गृह मंत्रालय द्वारा US कांग्रेस को सौंपा जाता है।
- रिपोर्ट पिछली बातों पर आधारित होती है और मानवाधिकारों की स्थिति पर देश के आधार पर चर्चा इसमें दी जाती है।
- यह रिपोर्ट सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा और नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि के अंतर्गत अधिसूचित अधिकारों पर आधारित होती है।

भारत के संदर्भ में प्रमुख निष्कर्ष

- भारत के साथ कई मानवाधिकार मुद्दे हैं, जिसमें गैरकानूनी और निरंकुश हत्याएं शामिल हैं।
- प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक, जिसमें हिंसा, हिंसा की धमकी देना, अथवा अन्यायपूर्ण गिरफ्तारियां अथवा पत्रकारों के खिलाफ अभियोजन शामिल हैं;
- राजनीतिक भागीदारी पर रोक
- सरकार के सभी स्तरों पर व्यापक भ्रष्टाचार
- धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघनों के प्रति सहनशीलता
- हिंसा और भेदभाव वाले अपराध जिसमें धार्मिक जुड़ाव अथवा सामाजिक दर्जे पर आधारित महिलाओं सहित अल्पसंख्यक समूहों के सदस्यों को लक्षित करना शामिल है।
- रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम और निम्न जाति के दलित समूह सबसे ज्यादा कमजोर हैं।
- सरकार द्वारा इंटरनेट कंपनियों से अचानक यूजर डाटा मांगने की घटनाएं काफी नाटकीय रूप से बढ़ गई हैं।
- 2019 में, सरकार ने फेसबुक से यूजर डाटा हासिल करने के 49,382 निवेदन किये, जोकि 2018 की तुलना में 32% वृद्धि है।

- इसी कालावधि के दौरान, गूगल को किए गए निवेदन 69% बढ़ गए, जबकि ट्विटर को निवेदन में 68% की वृद्धि हुई।

बांधवगढ़ राष्ट्रीय पार्क

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक जंगली आग बांधवगढ़ राष्ट्रीय पार्क के कई क्षेत्रों में फैल गई जिसपर काबू पा लिया गया।

बांधवगढ़ राष्ट्रीय पार्क के बारे में

- बांधवगढ़ राष्ट्रीय पार्क मध्य प्रदेश के उमरिया जिले में स्थित है।
- बांधवगढ़ को 1968 में राष्ट्रीय पार्क घोषित किया गया और 1993 में यह बाघ रिजर्व बना।
- इस रिजर्व को बांधवगढ़ इसलिए दिया गया है क्योंकि यहां उमरिया के विंध्य चोटियों की पहाड़ी पर एक प्राचीन किला मौजूद है।
- ऐसा विश्वास किया जाता है कि भगवान राम ने इस शानदार किले को अपने छोटे भाई लक्ष्मण को उपहार में दिया था।

आपातकालीन ऋण रेखा गारंटी योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में सरकार ने आतिथ्य, यात्रा एवं पर्यटन, आराम एवं खेलकूद क्षेत्रों में कार्य कर रहे व्यवसाय उद्यमियों को कवर करने के लिए ECLGS 3.0 को लागू करके आपातकालीन ऋण रेखा गारंटी योजना (ECLGS) के दायरे का विस्तार कर दिया है।

ECLGS 3.0 के बारे में

- ECLGS 3.0 29.02.2020 तक सभी अग्रणी ऋणदाता संस्थानों में कुल बाकी ऋण के 40% तक के ऋण को बढ़ाने से संबंधित है।
- ECLGS 3.0 के अंतर्गत दिए गए ऋण की अवधि 6 वर्षों की होगी जिसमें 2 वर्षों की राहत अवधि शामिल है।

संबंधित सूचना

आपातकालीन ऋण रेखा गारंटी योजना के बारे में

- यह योजना वित्त मंत्री द्वारा घोषित किए गए आत्मनिर्भर भारत अभियान के रु. 20 लाख करोड़ का सबसे बड़ा राजकोषीय घटक है।

- योजना के अंतर्गत, पात्र MSMEs और MUDRA उधार लेने वालों को रु. 3 लाख करोड़ तक की अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए राष्ट्रीय ऋण गारंटी न्यास कंपनी लि. (NCGTC) के द्वारा 100 प्रतिशत गारंटी कवरेज प्रदान किया जाएगा।
- इस ऋण को एक गारंटीशुदा आपातकालीन ऋणरेखा (GECL) सुविधा के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा।
- यह योजना GECL सुविधा के अंतर्गत जारी किए गए सभी ऋणों के लिए लागू होगी जो 31.10.2020 से योजना की घोषणा की तिथि के दौरान की अवधि के लिए होगी।

लक्ष्य और उद्देश्य

- इस योजना का लक्ष्य MSMEs द्वारा झेले जा रहे आर्थिक संकट को कम करना है जिसके लिए उन्हें एक पूर्ण गारंटीशुदा आपातकालीन ऋण रेखा के रूप में अतिरिक्त वित्त पोषण उपलब्ध कराया जाएगा।
- इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य ऋणदाता संस्थानों (MLIs) को प्रोत्साहन उपलब्ध कराना है, अर्थात बैंकों, वित्तीय संस्थानों (FIs), और NBFCs तक पहुँच को बढ़ाना और MSMEs के उधार लेने वालों को अतिरिक्त वित्त पोषण सुविधा की उपलब्धता में सक्षम बनाना है।
- इसका लक्ष्य उनके द्वारा झेले गए किसी भी तरह की हानि के लिए 100 प्रतिशत गारंटी देना है जोकि उधार लेने वालों द्वारा GECL वित्त पोषण के गैर भुगतान की वजह से हो सकता है।

खास विशेषताएं

- GECL के अंतर्गत दिया जाने वाला पूरा वित्त पोषण ECLGS के अंतर्गत NCGTC के द्वारा MLIs को 100 प्रतिशत ऋण गारंटी के साथ दिया जाएगा।

ऋण की अवधि

- योजना के अंतर्गत ऋण की अवधि चार वर्षों की होगी जिसमें मूल राशि पर एक वर्ष की राहत अवधि होगी।
- योजना के अंतर्गत सदस्य ऋणदाता संस्थानों (MLIs) से NCGTC द्वारा कोई गारंटी शुल्क नहीं लिया जाएगा।
- योजना के अंतर्गत ऋण दर बैंकों और FIs के लिए 9.25 प्रतिशत अधिकतम रहेगी जबकि NBFCs के लिए 14% रहेगी।

MyNEP2020 प्लेटफॉर्म

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शिक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) वेब पोर्टल के "MyNEP2020" प्लेटफॉर्म की शुरुआत की।

MyNEP2020 प्लेटफॉर्म के बारे में

- प्लेटफॉर्म का उद्देश्य अध्यापकों के लिए राष्ट्रीय पेशेवर मानक (NPST) और राष्ट्रीय सलाह कार्यक्रम सदस्यता मिशन (NMM) के विकास के लिए प्रारूप को तैयार करने के लिए हितधारकों से सुझाव लेना है।

- NCTE, NPST और NMM पर दस्तावेजों की तैयारी के लिए व्यक्तियों/संगठनों के साथ करीबी सलाह के लिए कार्य करेगा।
- इसकी संकल्पना अध्यापक नीति पर दस्तावेजों को तैयार करने में अध्यापकों, शिक्षा पेशेवरों, अकादमिक, एवं अन्य हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है।
- यह प्लेटफॉर्म शिक्षकों के शिक्षा क्षेत्र में एक सतत और सकारात्मक परिवर्तन के सृजन में मदद देगा।

भारत कपास निगम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय कपास निगम के अनुसार, कपास का कुल निर्यात 47 लाख गांठों का है और इस मौसम की समाप्ति के अंत तक इसके 60-70 लाख गांठें छू जाने की संभावना है।

भारतीय कपास निगम

- भारतीय कपास निगम लि. अथवा CCI एक भारत सरकार की एजेंसी है, जो कपास के व्यापार, प्राप्ति और निर्यात से संबंधित विविध गतिविधियों में लगी हुई है।
- CCI सार्वजनिक क्षेत्र की एजेंसी है जो उद्योग के अलग-अलग घटकों के बीच में कपास के समान वितरण के लिए जिम्मेदार है और कपास के निर्यात में मदद करती है।
- इसे कंपनी कानून 1956 के तहत 31 जुलाई 1970 को निगमित किया गया था।
- CCI वस्त्र नीति 1985 के द्वारा प्रशासित होता है जिसे भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है।

संयुक्त लॉजिस्टिक्स नोड (JLN)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, रक्षा स्टाफ के मुखिया विपिन रावत ने मुंबई में तीसरे संयुक्त लॉजिस्टिक्स नोड (JLN) को सैन्य बलों को प्रचालित और समर्पित किया।

संयुक्त लॉजिस्टिक्स नोड (JLN) के बारे में

- यह सैन्य बलों को उनके छोटे हथियारों, खाने-पीने की सामग्री, ईंधन, सामान्य भंडार, नागरिकों से लिए गए परिवहन, उड्डयन वस्त्र, स्पेयर औऱ साथ ही इंजीनियरिंग समर्थन के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स कवर उपलब्ध कराएगी जिसके प्रचालनात्मक प्रयासों में संमिलन पैदा किया जा सके।
- JLN सेवाओं के मध्य संयुक्त अंतर-प्रचालनात्मकता को उन्नत करेगी।
- मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (HqIDS) के अंतर्गत संयुक्त ऑपरेशन प्रभाग (JOD) ने JLNs की स्थापना को संभव बनाया।

सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर 1.1% तक दरों को कम किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स)

खबरों में क्यों है?

- सरकार ने हाल में छोटी बचत योजनाओं पर जिसमें NSC और PPF शामिल हैं, 1.1 प्रतिशत तक ब्याज दरों को कम कर दिया है। यह 2021-22 की पहली तिमाही के लिए बैंकों के निश्चित जमा दरों के अनुरूप है।

खबरों में और भी

- सार्वजनिक भविष्य निधि पर ब्याज दर को 0.7 प्रतिशत कम करके 6.4 प्रतिशत कर दिया गया है जबकि अब राष्ट्रीय बचत पत्र (NSC) को 0.9 प्रतिशत कम ब्याज दर यानि 5.9 प्रतिशत ही मिलेगी।

1974 से न्यूनतम

- PPF पर नई ब्याज दरें 1974 के बाद सबसे कम होंगी।
- रिपोर्टों के अनुसार, अगस्त 1974 और मार्च 1975 के बीच में PPF ब्याज दर 7 प्रतिशत थी। इसके पूर्व, ब्याज दर 5.8 प्रतिशत थी।
- **छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को तिमाही आधार पर अधिसूचित किया जाता है।**

ब्याज दर में परिवर्तन

- पांच वर्षीय वृद्ध नागरिक बचत योजना के लिए ब्याज दर को भी कम दिया गया है जो 0.9 प्रतिशत कम होकर 6.5 प्रतिशत रह गई है।
- वृद्ध नागरिक योजनापर ब्याज दर तिमाही आधार पर दी जाती है।
- पहली बार है कि बचत जमाओं पर ब्याज दर को 0.5 प्रतिशत कम करके वर्तमान में वार्षिक 4 प्रतिशत से कम करके 3.5 प्रतिशत कर दिया गया है।
- 1.1 प्रतिशत की सबसे बड़ी गिरावट एक वर्षीय सावधि जमा में की गई है।
- नई दर 4.4 प्रतिशत होगी जबकि इस समय यह दर 5.5 प्रतिशत है।
- इसी तरह से, दो वर्षीय निश्चित जमा योजना 0.5 प्रतिशत कम होकर 5 प्रतिशत ही प्रदान करेगी, तीन वर्षीय निश्चित जमा योजना की दर 0.4 प्रतिशत कम होगी और पंचवर्षीय निश्चित जमा की दर 0.9 प्रतिशत कम होकर 5.8 प्रतिशत रहेगी।

सुकन्या समृद्धि योजना

- लड़कियों के लिए बचत योजना **सुकन्या समृद्धि योजना** खाता अब 0.7 कम ब्याज दर देगी और इसकी ब्याज दर 6.9 प्रतिशत होगी। यह अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए है।

किसान विकास पत्र (KVP)

- **किसान विकास पत्र (KVP)** पर वार्षिक ब्याज दर को 0.7 प्रतिशत कम करके 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया गया है।

नए उत्सर्जन नियमों को अपनाने के लिए कोयले से संचालित संयंत्रों के लिए भारत ने 2022 की समयसीमा को आगे बढ़ाया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत ने नए उत्सर्जन नियमों को अपनाने के लिए कोयले से चलने वाले संयंत्रों की समयसीमा को तीन वर्षों के लिए आगे बढ़ा दिया है। साथ ही नये लक्ष्य को न पूरा करने वाली सुविधाओं को अनुमति दे दी है जो दंड शुल्क भुगतान के बाद कार्य करती रहेंगी।
- 1 अप्रैल की तिथि वाला नया आदेश जिसे पर्यावरण मंत्रालय ने जारी किया है, कहता है कि जनसंख्या और राजधानी नई दिल्ली के पास वाले संयंत्र को 2022 की समयसीमा का पालन करना होगा जबकि कम प्रदूषित क्षेत्रों वाली सुविधाओं को 2025 तक की छूट दे दी गई है।

पृष्ठभूमि

- भारत ने प्रारंभिक तौर पर तापीय विद्युत संयंत्रों के लिए सल्फर डाईऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने के लिए ईंधन गैस बिसल्फरीकरण इकाईयों को स्थापित करने की समयसीमा 2017 तय की थी।
- बाद में इसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए बार-बार बदला गया, अंत में यह 2022 तय की गई थी।

विद्युत मंत्रालय में प्रस्ताव

- इसने एक **श्रेणीबद्ध कार्ययोजना** का प्रस्ताव रखा है, जिससे, वे क्षेत्र जहां संयंत्र मौजूद हैं, को प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार श्रेणीबद्ध किया जाएगा, जिसमें **क्षेत्र 1 को गंभीर रूप से प्रदूषित क्षेत्र के रूप में अभिहित किया जाएगा जबकि क्षेत्र 5 को न्यूनतम प्रदूषित माना जाएगा।**
- इससे भारत के विभिन्न रूप से सापेक्षिक रूप से स्वच्छ क्षेत्रों में विद्युत मूल्यों की तुरंत बढ़ोत्तरी को रोकने में मदद मिलेगी और विद्युत सुविधाओं और उपभोक्ताओं पर गैर जरूरी बोझ भी नहीं पड़ेगा।
- उत्सर्जनों पर कड़ा नियंत्रण **क्षेत्र 1** के अंतर्गत श्रेणीबद्ध किये गए तापीय विद्युत स्टेशनों के लिए ऐसे प्रमुख क्षेत्रों की जरूरत होगी।
- क्षेत्र 2 में संयंत्र क्षेत्र 1 में स्थित के एक वर्ष के बाद कार्रवाई शुरू कर सकते हैं।
- वर्तमान में उन विद्युत संयंत्रों के खिलाफ कोई कार्रवाई की जरूरत नहीं है जोकि क्षेत्र 3, 4 और 5 के अंतर्गत स्थित है।

सल्फर डाईऑक्साइड प्रदूषण

- वायुमंडल में सल्फर डाईऑक्साइड का सबसे बड़ा स्रोत विद्युत संयंत्रों और अन्य औद्योगिक सुविधाओं द्वारा जीवाश्म ईंधनों का जलना है।
- तापीय विद्युत कंपनियां देश की कुल विद्युत का तीन-चौथाई उत्पादित करती है और कणिका पदार्थ, सल्फर और नाइट्रस ऑक्साड्स के औद्योगिक उत्सर्जनों का लगभग 80% हिस्सा हैं।

सल्फर डाईऑक्साइड उत्सर्जनों के छोटे स्रोतों में शामिल हैं

- औद्योगिक प्रक्रियाएं जैसे अयस्क से धातुओं का निष्कर्षण; ज्वालामुखी जैसे प्राकृतिक स्रोत; और लोकोमोटिव, समुद्री जहाज और अन्य वाहन और भारी उपकरण जो उच्च सल्फर मात्रा के साथ ईंधन को जलाते हैं।
- यह स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों को ही प्रभावित कर सकता है।
-

ईंधन गैस विसल्फरीकरण के बारे में

- यह तकनीकों का समुच्चय है जिसका प्रयोग जीवाश्म ईंधन विद्युत संयंत्रों से एक्जास्ट ईंधन गैसों से सल्फर डाईऑक्साइड गैसों को हटाने के लिए किया जाता है, साथ ही इसका प्रयोग अन्य सल्फर डाईऑक्साइड के उत्सर्जनों से उत्सर्जित प्रक्रियाओं जैसे कि अपशिष्ट जलाने के लिए भी किया जाता है।

बैकेल-GVD (गीगाटन वॉल्यूम संसूचक)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

- हाल में रूसी वैज्ञानिकों ने दुनिया की सबसे बड़ी पानी के भीतर की न्यूट्रीनो दूरबीनों में से एक बैकल-GVD (गीगाटन वॉल्यूम संसूचक) को बैकल झील के जल में स्थापित किया है।

बैकल-GVD (गीगाटन वॉल्यूम संसूचक) के बारे में

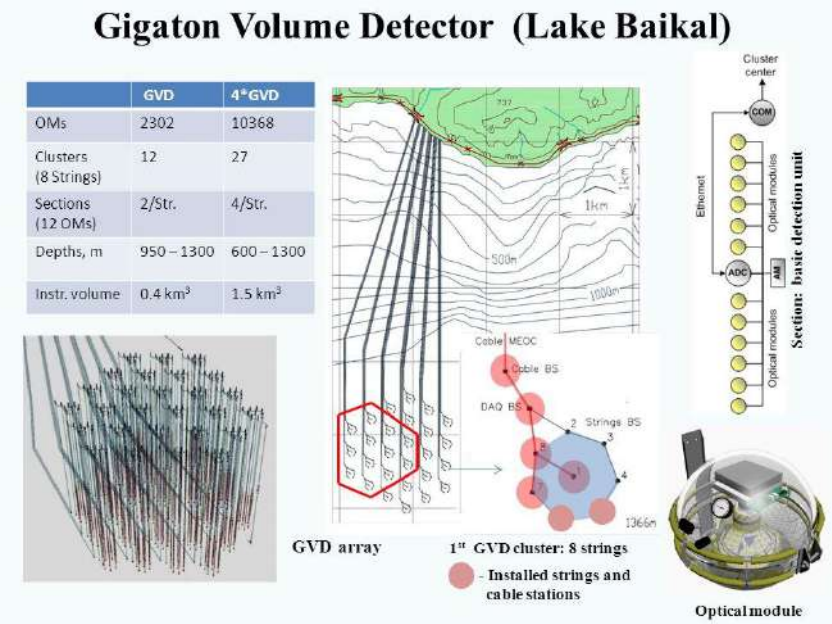

- बैकेल- GVD दूरबीन का निर्माण, जो 2016 में शुरू हुआ था, न्यूट्रीनो कहलाने वाले अज्ञात मूलभूत कण की विस्तृत जानकारी के अध्ययन के अभियान से प्रेरित है।

स्थान

- बैकेल-GVD दुनिया के तीन सबसे बड़े न्यूट्रीनो संसूचकों में से एक है। इसके अतिरिक्त दक्षिण ध्रुव में आइसक्यूब और भूमध्यसागर में ANTARES है।

मूलभूत कण क्या हैं?

- आरंभिक कण, जिन्हें मूलभूत कण भी कहते हैं, उप-परमाणु कण हैं जिन्हें और उप-कणों में नहीं तोड़ा जा सकता है।
- ये कण किसी अन्य कण से मिलकर नहीं बने होते हैं।

- इसलिए, आरंभिक कणों को सभी पदार्थ (द्रव्यमान और प्रति द्रव्यमान) के मूलभूत घटकों के रूप में परिकल्पित किया जा सकता है।

उदाहरण:

- मूलभूत फर्मियान (लेप्टॉन, क्वार्क, एंटीलेप्टॉन और एंटीक्वार्क) मूलभूत कणों के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।
- एक मूलभूत कण का अन्य महत्वपूर्ण उदाहरण बोसॉन है (जैसे कि गॉज बोसॉन और हिग्स बोसॉन)।

बैकैल झील के बारे में

Lake Baikal.
Image: Encyclopædia Britannica, Inc.

- बैकल झील को ओजेरो बजकल भी कहा जाता है जो रूस के बुरयातिया और इर्कुत्स्क ओब्लास्त (प्रांत) गणराज्य में पूर्वी साइबेरिया के दक्षिणी हिस्से में स्थित है।
- यह पृथ्वी पर स्थित सबसे पुरानी ताजाजल झील है (20 से 25 मिलियन वर्ष पुरानी),साथ ही यह जल का सबसे गहरा महाद्वीपीय निकाय भी है।
- यह आयतन के लिहाज से भी दुनिया की सबसे बड़ी ताजाजल झील है, जिसमें पृथ्वी की सतह का एक-पांचवां ताजाजल स्थित है।
- **UNESCO ने 1996 में बैकल झील को विश्व विरासत स्थल घोषित कर दिया था।**

डिजिटल भुगतानः भारत ने चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य को 2020 में पीछे छोड़ा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- फाइनेंसियल एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, यूनाईटेड किंगडम आधारित भुगतान प्रणाली कंपनी ACI वर्ल्डवाइड द्वारा विश्व में डिजिटल भुगतान के बारे में एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है।

प्रमुख खास बातें

- भारत में 2020 में सबसे ज्यादा संख्या में वास्तविक समय ऑनलाइन लेनदेन हुए जिसके लिए वह चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका से भी आगे है।
- तुरंत भुगतान भारत के लिए लेनदेन वॉल्यूम भागीदारी, वास्तविक समय लेनदेनों के मध्य में 15.6 प्रतिशत और 2020 में अन्य इलेक्ट्रानिक भुगतानों के लए 22.9 प्रतिशत रहा।
- लेकिन, इसके 2025 तक परिवर्तित होने की संभावना है क्योंकि तुरंत भुगतान का वॉल्यूम भागीदारी और अन्य इलेक्ट्रानिक भुगतानों के क्रमशः 37.1 प्रतिशत और 34.6 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है।
- इसके परिणामस्वरूप, कागज आधारित लेनदेनों की भागीदारी 28.3 तक संकुचित हो जाएगी।
- इसके अतिरिक्त, वास्तविक समय भुगतान की भागीदारी कुल इलेक्ट्रानिक लेनदेनों में 2024 तक 50 प्रतिशत के पार हो जाएगी।

भारत और रिपोर्ट

- भारत की डिजिटल वित्तीय अवसंरचना सृजित करने की यात्रा की विशेषता सरकार, विनिमायक, बैंकों और वित्तीयतकनीकों के बीच में गठबंधन है।
- पेटीएम, फोनपे, पाइन लैब्स, रेजरपे, भारतपे, और अन्य के नेतृत्व में भारत का डिजिटल भुगतान बाजार महामारी के दौरान काफी तेजी से आगे बढ़ा जबकि कैशबैक, पुरस्कार और ऑफरों ने व्यवसायों को ज्यादा ग्राहक आकर्षित करने में मदद दी।

पोंग बांध वन्यजीवन अभ्यारण्य

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- फाइनेंसियल एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एवियन एंफ्लूएंजा (H5N1) की वजह से पोंग बांध वन्यजीवन अभ्यारण्य में पांच संक्रमणीय पक्षी मरे हुए पाए गए।

पोंग बांध वन्यजीवन अभ्यारण्य के बारे में

- पोंग बांध वन्यजीवन अभ्यारण्य जिसे पोंग बांध जलाशय अथवा पोंग बांध झील भी कहा जाता है, हिमाचल प्रदेश में स्थित है।
- 1975 में, इसे ब्यास नदी में बांध का निर्माण करके बनाया गया था।
- **पोंग बांध अभ्यारण्य एक राष्ट्रीय नमभूमि भी है।**
- इसे 1983 में एक वन्यजीवन अभ्यारण्य घोषित कर दिया गया था, अब यह एक रामसर स्थल भी है।

संबंधित सूचना
बर्ड फ्लू अथवा एवियन इंफ्लूएंजा **के बारे में**

- एवियन इंफ्लूएंजा जिसे साधारण तौर पर बर्ड फ्लू कहते हैं, पक्षियों का एक संक्रामक वायरल रोग है।
- ये वायरस विश्व भर में पानी में पाये जाने वाले जंगली पक्षियों में पाये जाते हैं और ये घरेलू पोल्ट्री औऱ अन्य पक्षी और पशु प्रजातियों को संक्रमित कर सकते हैं।

H5N1 के बारे में

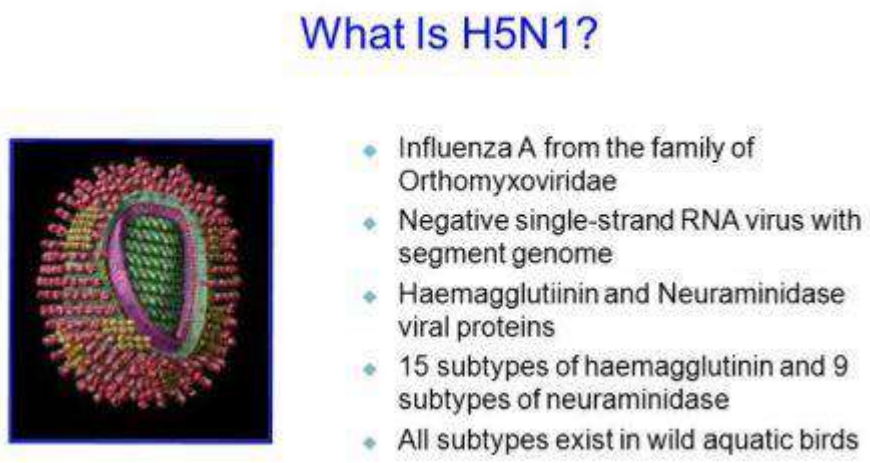

- H5N1 एक प्रकार का इंफ्लूएंजा वायरस है जो पक्षियों में उच्च संक्रामक, गंभीर सांस की बीमारी पैदा करती है जिसे एवियन इंफ्लूएंजा कहते हैं।
- अधिकांश एवियन इंफ्लूएंजा वायरस मानव को संक्रमित नहीं करते हैं।
- लेकिन, कुछ जैसे कि A (H5N1) और A (H7N9) लोगों में गंभीर संक्रमण पैदा कर सकते हैं।
- H5N1 एवियन इंफ्लूएंजा के मानव मामले कभी-कभी होते हैं, लेकिन लोगों से लोगों तक संक्रमण को फैलने काफी मुश्किल होता है।

H5N1 इंफ्लूएंजा कैसे लोगों तक फैलता है?

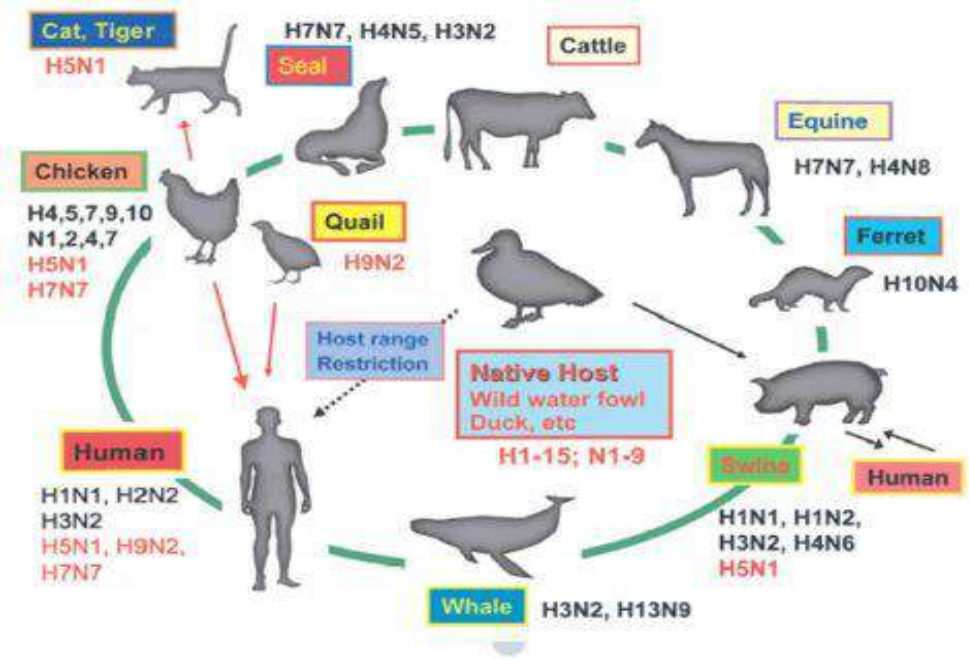

नाम पद्धति कोड की संगत प्रणाली

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- फाइनेंसियल एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में सरकार ने GST कर भुगतान करने वालों के लिए 6 अंकीय HSN (नाम पद्धति की संगत प्रणाली) को आवश्यक कर दिया है जिनका एक वित्त वर्ष में टर्नओवर रु. 5 करोड़ से अधिक है।

नाम पद्धति कोड की संगत प्रणाली के बारे में

- HSM कोड एक छह अंकीय पहचान कोड है जिसमें विश्व सीमाशुल्क संगठन ने 1988 में विकसित किया था।
- यह पूरे विश्व में वस्तुओं के सुव्यवस्थित वर्गीकरण में मदद करता है।
- **वस्तुओं के लिए 6 अंक के HSN कोड सार्वजनिक रूप से लागू हैं।**
- **संगत प्रणाली को 'संगत वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय संधि' द्वारा प्रशासित किया जाता है।**
- वे व्यापारी जिनका पूर्व वित्त वर्ष में **टर्नओवर रु. 5 करोड़ रहा है को व्यवसाय से व्यवसाय लेनदेन (B2B) इनवॉयसों पर व्यवसाय के लिए चार अंकीय HSN कोड आवश्यक रूप से देना होगा।**
- **पूर्व में, जरूरत क्रमशः चार अंकों और दो अंकों की थी।**
- **सामान्य HSN कोड सीमाशुल्क और GST पर लागू होता है।**
- वर्तमान में HSN कोड के अंतर्गत 5,000 वस्तु समूह हैं।

महत्व

- HSN कोड सीमाशुल्क और व्यापार प्रक्रियाओं के संगतीकरण में योगदान देता है, साथ ही ऐसी प्रक्रियाओं के साथ जुड़ाव में गैर-दस्तावेजीय व्यापार डाटा अदला-बदली में भी योगदान देता है। इस तरह से अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित लागतों को कम करता है।

- यह आंतरिक करों, व्यापार नीतियों, नियंत्रित वस्तुओं की निगरानी, राष्ट्रीय लेखा के संकलन और आर्थिक अनुसंधान और विश्लेषण जैसे कई अन्य उद्देश्यों के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और निजी क्षेत्र द्वारा व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है।
- यह प्रत्येक आपूर्ति की गई वस्तु के गहरे डाटा विश्लेषण में कर अधिकारियों को भी मदद देता है और गलत इनवॉयसों और अनियमित कर ऋण दावों से पैदा होने वाले कर चोरी को रोकने में मदद देता है।

संबंधित सूचना
विश्व सीमाशुल्क संगठन के बारे में

- इसकी स्थापना सीमाशुल्क सहयोग परिषद (CCC) के रूप में 1952 में की गई थी। यह एक स्वतंत्र अंतरसरकारी निकाय है जिसका उद्देश्य सीमाशुल्क प्रशासन के प्रभावीपन और सामर्थ्य को उन्नत करना है।
- वर्तमान में, पूरे विश्व में यह 183 सीमाशुल्क प्रशासनों का प्रतिनिधित्व करता है जो आपस में मिलकर लगभग विश्व व्यापार के 98% का प्रसंस्करण करता है।
- यह एकमात्र संगठन है जिसका सीमाशुल्क मामलों में सामर्थ्य है और वास्तव में अपने आप को अंतरराष्ट्रीय सीमाशुल्क समुदाय की आवाज कह सकता है।
- **इसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में है।**

WCO के अंतर्गत कुछ महत्वपूर्ण संधियां/तंत्र

- वैश्विक व्यापार को सुरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए मानकों का SAFE ढांचा।
- संगतीय वस्तु विवरण और कोडिंग प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय संधि (HS संधि)।
- सीमाशुल्क प्रक्रियाओं की सरलीकरण और सुसंगतीकरण पर अंतरराष्ट्रीय संधि (समीक्षित क्योटो संधि अथवा RKC)।

नोट:

- **भारत जून, 2020 में दो वर्षों की अवधि के लिए WCO के एशिया-प्रशांत का उपाध्यक्ष (क्षेत्रीय मुखिया) बन गया था।**

NASA के इनसाइट लैंडर ने मंगल पर दो भूकंपों को रिकॉर्ड किया
(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)
खबरों में क्यों है?

- NASA के इनसाइट लैंडर ने हाल में मंगल पर दो शक्तिशाली, स्पष्ट भूकंपों को रिकॉर्ड किया है। इसने नवंबर 2018 में लाल ग्रह पर उतरने के बाद से अब तक 500 भूकंपों की रिकॉर्डिंग की है।
- मिशन नियंत्रण के अनुसार, 3.3 और 3.1 शक्ति के दो भूकंप सेरबेरुस फोसे नामक क्षेत्र में उत्पन्न हुए, यह वहीं जगह है जहां मिशन ने पूर्व में दो अन्य शक्तिशाली भूकंपों की रिकॉर्डिंग की थी। पूर्व के शक्तिशाली भूकंप 3.6 और 3.5 शक्ति के थे।

इनसाइट मिशन लैंडर के बारे में

- NASA ने 2018 में NASA के इनसाइट मिशन के अंतर्गत लैंडर का प्रक्षेपण किया था।

उद्देश्य

- इनसाइट मंगल के आंतरिक अंतरिक्ष का विस्तृत अध्ययन करने वाला रोबोटिक एक्सप्लोरर है। इसमें इसकी भूपर्पटी, प्रवार और क्रोड शामिल हैं।

मिशन के लिए प्रयोग किये जाने वाले वैज्ञानिक उपकरण हैं:

a. भूकंपों की पहचान के लिए भूकंपलेखी;
b. पवन और वायु दाब को मापने के लिए संसूचक;
c. ग्रह के तापमान को लेने के लिए डिजाइन किये गये ऊष्णा प्रवाह खोजीयंत्र और चुंबकमापी।

सरकार ने MSME निपटान के लिए दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता को संशोधित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- CNBC न्यूज+ द हिंदू)

Why in the news?

- केंद्र सरकार ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) अध्यादेश 2021 को प्रख्यापित किया है जिससे MSMEsके लिए पूर्व से तैयार शोधन अक्षमता प्रक्रिया की अनुमति दी जा सके।
- यह अध्यादेश दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता 2016 को संशोधित करता है जिससे केंद्र सरकार को रु. एक करोड़ तक के दिवालियों के लिए पूर्व निर्धारित प्रक्रिया को अधिसूचित करने की अनुमति मिल गई है।

अध्यादेश का उद्देश्य

- यह संकट से गुजर रहे ऋण लेने वाले को- इस मामले में MSMEs और उसको ऋण देने वाले को जिससे वह तेजी से योजना तैयार कर सके दिवालिया प्रक्रिया के बाहर कंपनी को पुनर्जीवित करने की, जिसे बाद में न्यायालय द्वारा अनुमति दी जाएगी।
- दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के रूप में वर्गीकृत कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए सामर्थ्य वाली एक वैकल्पिक शोधन अक्षमता निपटान प्रक्रिया को उपलब्ध कराना एक बुद्धिमत्तापूर्ण बात मानी जाती है। इससे सभी हितधारकों के लए तीव्र, किफायती और मूल्य वर्धन करने वाले परिणाम को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

अनुप्रयोग्यता

- पूर्व में तैयार किये गए ढांचे केवल रु. 1 करोड़ की अधिकतम दिवालिया मूल्य के साथ MSMEs के लिए लागू होंगे।
- इस IBC के नए डाले गए अनुच्छेद 54C के अंतर्गत दायर किया जाएगा।
- रु. 1 करोड़ के दिवालिया वाले लोगों के लिए, IBC अथवा अन्य निपटान तंत्र का प्रयोग चालू रहेगा।
- पूर्व में तैयार किये गए शोधन अक्षमता निपटान प्रक्रिया अथवा PIRP अन्य कार्पोरेट शोधन अक्षमता निपटान प्रक्रिया (CIRP) के समानांतर नहीं चल सकेगी, और अधिसूचित नियमों के अनुसार, पूर्व में तैयार अथवा CIRP के बंद होने की तीन वर्ष की अवधि जरूर होनी चाहिए।
- यदि अनुच्छेद 7 अथवा अनुच्छेद 9 अथवा अनुच्छेद 10 के अंतर्गत 14 दिन के अंतर्गत दायर किए गए किसी आवेदन के अंदर कोई पूर्व में तैयार आवेदन दायर किया जाता है जो लंबित है, तो कार्रवाई करने वाला प्राधिकरण को पहले अनुच्छेद 54C के अंतर्गत आवेदन का निस्तारण करना होगा।
- यदि अनुच्छेद 7, 9 अथवा 10 के अंतर्गत दायर एक IBC याचिका के 14 से ज्यादा दिन बीत गए है, तो न्यायालय को इस याचिका को प्राथमिकता देनी होगी।
- अनुच्छेद 7, 9 और 10 वित्तीय ऋण देने वाले, ऑपरेशनल ऋण देने वाले और कार्पोरेट ऋणदाता द्वारा कार्पोरेट शोधन अक्षमता निपटान प्रक्रिया की शुरुआत के साथ निपटारा करने के लिए है।

समयरेखा

- पूर्व में तैयार किया गया पूरा शोधन अक्षमता निपटान प्रक्रिया तिथि के शुरुआत से 120 दिनों के अंदर समाप्त हो जानी चाहिए।
- निपटान पेशेवर से आशा की जाती है कि वह निपटान योजना को सौंपे, जैसे की ऋण देने वालों की समिति के द्वारा स्वीकृति किया गया है, यह अधिनिर्णयन प्राधिकरण द्वारा तिथि के शुरू होने के 90 दिनों के भीतर तय किया जाता है।
- यदि योजना को ऋणदाता की समिति के द्वारा स्वीकृति नहीं किया जाता है एक काल अवधि के दौरान, तो PIRP समाप्त हो जाएगा।

पूर्व निर्धारित शोधन अक्षमता निपटान ढांचा बनाम सामान्य IBC प्रक्रिया

पात्रता

- PIRP केवल MSMEs पर ही लागू होता है। दूसरी ओर, IBC सभी कार्पोरेट ऋण लेने वालों पर लागू होता है।

दिवालिया की सीमा

- PIRP की दिवालिया सीमा रु. 1 करोड़ है जबकि IBC रु. 1 करोड़ से ज्यादा की सीमा का निपटारा करता है।

समयरेखा

- PIRP निपटारा योजना को सौंपने की 90 दिन की समयरेखा उपलब्ध कराता है जबकि IBC 180 दिन देता है।

प्रबंधन नियंत्रण

- प्रबंधन नियंत्रण कार्पोरेट ऋण लेने वाले के साथ होता है जोकि ऋणदाता के अंतर्गत होता है, दूसरी ओर IBC में प्रबंधन नियंत्रण नियंत्रण वाले ऋणदाता के पास होता है।

चैफ तकनीकः मिसाइल हमलों से नौसैनिक जहाजों को बचाना
(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने मिसाइल हमलों से नौसैनिक जहाजों को बचाने के लिए उन्नत चैफ तकनीक का विकास किया है।

उन्नत चैफ तकनीक के बारे में

- इसे रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (DLJ), द्वारा विकसित किया गया है जो एक DRDO प्रयोगशाला है।
- प्रयोगशाला ने इस महत्वपूर्ण तकनीक के तीन स्वदेशी रूपों का विकास किया है जो हैं
    a. लघु मारक क्षमता चैफ रॉकेट (SRCR)
    b. मध्यम मारक क्षमता चैफ रॉकेट (MRCR)
    c. लंबी दूरी की चैफ तकनीक (LRCR)
- चैफ एक अक्रिय प्रसारणीय इलेक्ट्रानिक प्रतिउपाय तकनीक है जिसका प्रयोग पूरी दुनिया में दुश्मनों के रडार और रेडियो फ्रीक्वेंसी (RF) मिसाइल की तलाश करने वालों से नौसैनिक जहाजों को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है।
- इस विकास का महत्व इस बात में निहित है कि वायु में तैनात काफी कम मात्रा का चैफ पदार्थ समुद्री जहाजों की सुरक्षा के लिए दुश्मनों की मिसाइलों को भ्रमित करने के लिए कार्य करता है।

चिनाब चाप सेतु

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अवसंरचना, स्रोत- TOI)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चिनाब सेतु, जो विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे सेतु है, रेलवे द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

चिनाब चाप सेतु

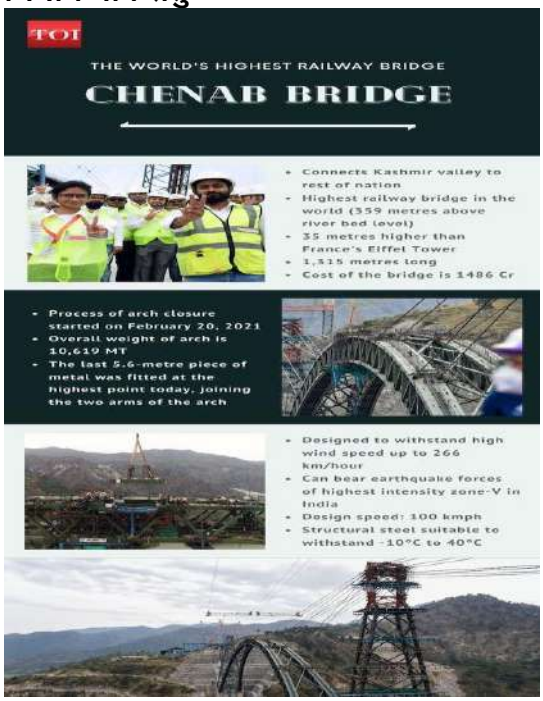

- यह उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक परियोजना (USBRL) का हिस्सा है।

प्रतिष्ठित चिनाब सेतु के चाप की प्रमुख विशेषताएं:

- भारतीय रेलवे चिनाब नदी पर प्रतिष्ठित चाप सेतु का निर्माण कर रही है। यह USBRL परियोजना का हिस्सा है जिससे कश्मीर घाटी को पूरे देश से जोड़ दिया जाएगा।

- यह सेतु 1315 मी. लंबा है।
- यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है जो नदी के स्तर से 359 मी. ऊपर स्थित है।
- **यह पेरिस (फ्रांस) में प्रतिष्ठित एफिल टावर से 35 मी. ज्यादा ऊंचा होगा।**

'शांतिर ओग्रोशेना-2021'

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय सेना ने बांग्लादेश में शांतिर ओग्रेशेना-2021 नामक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भागीदारी की।
- अभ्यास की थीम : **Robust Peace Keeping Operations**

शांतिर ओग्रेशेना -2021 के बारे में

- **इसे शांति अभ्यास की अग्रिम पंक्ति भी कहा जाता है।**
- यह नौ दिनों का सैन्य अभ्यास होगा जो बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी को मनाएगी और स्वतंत्रता के शानदार 50 वर्षों को भी मनाएगी।
- इस अभ्यास का लक्ष्य पड़ोसी देशों के मध्य प्रक्रियाओं को मजबूत करना और अंतर्संचालीयनता को उन्नत करना है जिससे क्षेत्र में मजबूत शांति बनाए रखने वाले ऑपरेशनों को सुनिश्चित किया जा सके।

सैन्य पर्यवेक्षक

- USA, UK, तुर्की, सऊदी अरब, कुवैत और सिंगापुर से सैन्य पर्यवेक्षक पूरे अभ्यास के दौरान उपस्थित रहेंगे।

E9 डिजिटल शिक्षण पहल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र (शिक्षाशास्त्र), स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- शिक्षा राज्य मंत्री ने हाल में **E9 पहलः SDG4 की ओर प्रगति को तीव्र करने के लिए डिजिटल शिक्षण को बढ़ाने** पर E9 देशों के शिक्षा मंत्रियों की सलाह बैठक शिरकत की।
- यह सलाह तीन चरणों की प्रक्रिया में से प्रथम है जिससे डिजिटल शिक्षण और कौशलों पर एक पहल को सह-सृजित किया जा सके, जिसमें वंचित तबके के बच्चों और युवाओं विशेष रूप से लड़कियों को लक्षित किया जाएगा।

E9 डिजिटल शिक्षण पहल के बारे में

- यह नौ देशों का मंच है, जिसकी स्थापना UNESCO के सभी के लिए शिक्षा पहल के लक्ष्यों को हासिल करने की लिए की गई थी।
- इसका संचालन नौ देशों जिसमें बांग्लादेश, ब्राजील, चीन, मिस्र, भारत, इंडोनेशिया, मैक्सिको, नाइजीरिया और पाकिस्तान शामिल है, के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र द्वारा किया जाता है। इसका लक्ष्य इस वैश्विक पहल से लाभ लेने का अवसर है और **सतत विकास लक्ष्य 4- गुणवत्ता वाली शिक्षा** को हासिल करने के लिए डिजिटल शिक्षण औऱ कौशल पर प्रगति को तीव्र करके हासिल करना है।
- इस पहल का उद्देश्य 2020 के वैश्विक शिक्षा लक्ष्य प्राथमिकताओं में से तीन में शिक्षा प्रणालियों में तीव्र परिवर्तन को करके सतत विकास लक्ष्य 4 एजेंडा में प्रगति और तेज पुनर्वापसी करना है।:

(i) शिक्षकों को समर्थन
(ii) कौशलों में निवेश
(iii)डिजिटल अंतराल को पाटना

पृष्ठभूमि

- इसे 1993 में UNESCO के नई दिल्ली, भारत में सभी के लिए शिक्षा (EFA) शिखर सम्मेलन में शुरू किया गया था।
- यह मंच दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और साथ ही दुनिया के 70 फीसदी अशिक्षित वयस्कों का।
- यह उन देशों के लिए एक मंच बन गया है जो शिक्षा से संबंधित अपने अनुभवों पर चर्चा करते हैं, सर्वश्रेष्ठ तरीकों का विनिमय करते हैं और EFA से संबंधित प्रगति की निगरानी करते हैं।

विवाद से विश्वास योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र की कर निपटारा योजना 'विवाद से विश्वास' ने हाल में प्रत्यक्ष कर विवादों में से एक-तिहाई को सुलझा लिया और इसे कर राजस्व के रूप में रु. 54,005 करोड़ प्राप्त हुए।

विवाद से विश्वास योजना के बारे में

- इस योजना की घोषणा केंद्रीय वित्त मंत्री ने 1 फरवरी, 2021 को अपने बजट भाषण में की थी।
- इस योजना का लक्ष्य बड़ी संख्या में **प्रत्यक्ष कर मामलों** के लंबित मामलों को सुलझाना है।
- यह ब्याज और अर्थदंड पर पूरी तरह से छूट देती है उन करदाताओं के लिए जो मार्च 31 तक अपने लंबित करों का भुगतान करते हैं।
- इस योजना का लक्ष्य उन लोगों को लाभ पहुँचाना है जो कई मंचों में कर मांगों के विवाद में घिरे हुए हैं।
- यदि करदाता 31 मार्च तक कर नहीं देता है तो उसे जून 30 तक और समय दिया जाएगा।
- लेकिन इस मामले में, उसे कर पर 10 प्रतिशत ज्यादा देना होगा।

IMF ने भारत के वित्त वर्ष 22 के वृद्धि अनुमान को 12.5% तक बढ़ाया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने हाल में 2021-22 के लिए भारत की वृद्धि अनुमानों को बढ़ा कर जनवरी के अनुमान 11.5% से 12.5% कर दिया है, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी।
- IMF से भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नवीनतम वृद्धि की रिपोर्ट कोविड-19 संक्रमण के बढ़ रहे मामलों में मध्य में आई है, जिसकी वजह से कुछ स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन हुए हैं और पूरी वृद्धि पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।

प्रमुख खास बातें

- IMF का विश्व आर्थिक परिदृश्य (WEO) दर्शाता है कि चीन के 2021 में 8.4% की दर से और अगले वर्ष 5.6% की दर से वृद्धि की संभावना है।
- 6.9% पर भारत के भी 2022-23 में चीन से ज्यादा तेज वृद्धि करने की संभावना है और यह देश दूसरी बार लगातार सबसे तेज वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था का तमगा अपने पास ही रखेगा।
- 2021-22 के लिए यदि IMF के अनुमान सही साबित होते हैं, भारत एकमात्र प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी जिसकी वृद्धि दर दो अंकों में होगी।

अन्य संगठन के विचार

- भारतीय रिजर्व बैंक ने 2021-22 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 10.5% का लगाया है।
- विश्व बैंक ने हाल में भविष्यवाणी की है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2021-22 के दौरान 7.5% से 12.5% के बीच में वृद्धि करेगी।

- इसने यह भी कहा था कि वह आशा करता है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2021-22 के दौरान 10.1% से ज्यादा वृद्धि करेगी- यह उसके जनवरी 2021 की भविष्यवाणी से लगभग 4.7% की जबर्दस्त वृद्धि है।

मेंढक की स्टेम कोशिकाओं से रोबोटों का निर्माण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

Why in the news?

- टफ्ट्स विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने मेंढकों की स्टेम कोशिकाओं से पहले जीवित रोबोटों का निर्माण किया है जिन्हें **जेनोबोट्स** का नाम दिया गया है।

About Xenobots

- इनका नामकरण जेनोपस लेविस मेंढक पर किया गया है जिसकी कोशिकाओं से रोबोट का निर्माण किया गया।
- इन रोबोटों का प्रयोग बीमारियों की पहचान और शरीर के विशिष्ट क्षेत्रों में औषधियों को पहुँचाने में किया जाएगा।
- ये 500-1000 जीवित कोशिकाओं से मिलकर बने हैं।
- ये जैविक रोबोट अपने चारों ओर की सूचना को रिकॉर्ड कर सकते हैं और सिलिया का प्रयोग करके गति कर सकते हैं- यह बाल की तरह का कण होता है जो उनकी सतह पर उपस्थित होते हैं।

अफ्रीकी पंजे वाला मेंढक (जेनोपस लेविस)

- अफ्रीकी पंजे वाला मेंढक को जेनोपस लेविस भी कहा जाता है।
- यह प्रजाति उप-सहारा अफ्रीका के अधिकांश हिस्सों में पाई जाती है (नाइजीरिया और सूडान से लेकर दक्षिण अफ्रीका) और साथ ही यह उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, यूरोप और एशिया जैसे स्थानों में छिटपुट रूप से पाया जाता है।

संरक्षण कि स्थिति

- IUCN स्थिति: इन्हें IUCN लाल सूची में **कम चिंता वाले** के रूप में अधिसूचित किया गया है।

RBI ने NABARD, NHB, SIDBI को रु. 50,000 करोड़ का नया समर्थन प्रदान किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल में NABARD, NHB और SIDBI जैसे भारतीय वित्तीय संस्थानों (AIFIs) को 2021 में नए ऋण देने के लिए रु. 50,000 करोड़ के अतिरिक्त तरलता समर्थन उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

खबरों में और भी

- इसी के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) को एक वर्ष के लिए कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों, ग्रामीण गैर खेती क्षेत्र और गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों- सूक्ष्म वित्त संस्थानों (NBFC-MFIs) को समर्थन देने के लिए रु. 25,000 करोड़ की एक विशेष तरलता सुविधा (SLF) उपलब्ध कराई जाएगी।
- रु. 10,000 करोड़ की SLF आवास क्षेत्र को समर्थन देने के लिए एक वर्ष के लिए राष्ट्रीय आवास बैंक (NHB) को दी जाएगी।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) की वित्तीयन जरूरतों को पूरा करने के लिए SIDBI को एक वर्ष के लिए इस सुविधा के अंतर्गत रु. 15,000 करोड़ उपलब्ध कराए जाएंगे।
- **यह सभी तीनों सुविधाएं चल रही नीति रेपो दरों पर उपलब्ध होंगी।**

संबंधित सूचना

परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी के बारे में

- यह एक विशेषीकृत वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां अथवा खराब परिसंपत्तियां खरीदता है जिससे ये संस्थान अपने बहीखाते को स्वच्छ कर सकें।
- इससे बैंकों को अपनी सामान्य गतिविधियों में ध्यान देने में मदद मिलती है।
- बैंक दिवाला के शिकार लोगों के पीछे न पड़कर अपना समय और प्रयास नष्ट नहीं करती है, बल्कि वे एक आपसी सहमति वाले मूल्य पर ARCs को खराब परिसंपत्तियां बेच सकती हैं।

पृष्ठभूमि

SARFAESI कानून 2002–ARCs का जन्म

- वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा ब्याज का प्रवर्तन (SARFAESI) कानून, 2002 जिसका निर्माण दिसंबर 2002 में किया गया था, भारत में ARCs की स्थापना के लिए कानूनी आधार प्रदान करता है।
- कानून का अनुच्छेद 2(1) परिसंपत्ति प्रतिभूतिकरण के अर्थ की व्याख्या करता है।
- इसी तरह से, ARCs को कानून के अनुच्छेद 3 के अंतर्गत भी बताया गया है।
- SARFAESI कानून बिना न्यायालयों के हस्तक्षेप के खराब परिसंपत्ति के पुनर्निर्माण में मदद देता है।
- तबसे, ARCs की बड़ी संख्या का निर्माण किया जा चुका है और वे RBI के साथ पंजीकृत हुए हैं जिसके पास ARCs को विनियमित करने का अधिकार है।

ARCs के लिए पूंजी जरूरतें

- 2016 में SARFAESI कानून पर किये गए संशोधन के अनुसार, एक ARC के पास न्यूनतम रु. 2 करोड़ के स्वामित्व वाला निवल कोष होना चाहिए।
- RBI मार्च 2019 के अंत तक इस राशि को रु. 100 करोड़ तक बढ़ाने की योजना बना रहा है।
- इसी तरह से, ARCs को अपने जोखिम भारित परिसंपत्तियों के 15% के पूंजी पर्याप्तता अनुपात को बनाये रखना होगा।

ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रा जेनेका कोविड-19 टीका: यूनाईटेड किंगडम में 7 मरे, 30 खून के थक्के जमने के मामले

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, यूनाईटेड किंगडम के चिकित्सा नियामक ने माना है कि ऑक्सफोर्ड-एस्ट्रा जेनेका कोरोनावायरस टीका लेने के बाद 30 लोग जिनके खून के थक्के जम गए थे, में से सात मर गए।

EU (यूरोपीय संघ) के औषधि नियामक से प्रतियुत्तर

- यूरोपीय संघ औषधि नियामक की EMA (यूरोपीय चिकित्सा एजेंसी) ने कहा है कि खून के थक्कों को एस्ट्रा जेनेका की कोविड-19 टीके का बहुत ही विरल साइड इफेक्ट के रूप में अधिसूचित करना चाहिए और लोगों को टीका लेते रहना चाहिए।
- WHO की कोविड-19 उप-समिति GACVS ने ब्रिटिश, EMA और अन्य नियामकों से हाल की सूचना की समीक्षा के लिए बैठक की।

संबंधित सूचना

टीका सुरक्षा पर वैश्विक परामर्शदात्री समिति के बारे में

- टीका सुरक्षा पर वैश्विक परामर्शदात्री समिति (GACVS) एक विशेषज्ञों का समूह है जो टीके सुरक्षित प्रयोग पर विश्व स्वास्थ्य संगठन को स्वतंत्र और आधिकारिक दिशा-निर्देश देता है।
- अपनी स्वतंत्रता को स्पष्ट करने के लिए, GACVS सदस्य किसी भी तरह से WHO का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते हैं।
- इस समिति की स्थापना WHO ने 1999 में की थी, और इसकी जिम्मेदारी के हिस्से के रूप में यह टीका सुरक्षा जाल की देखरेख करता है। यह समूह वर्ष में दो बार मिलता है और WHO की साप्ताहिक महामारीविज्ञान रिकॉर्ड में अपनी खोजों को प्रकाशित करती है।
- GACVS द्वारा किये गए कार्य और लिए गए विषय में चेचक, इंफ्लूएंजा, मानव पापिल्लोमा वायरस, जापानी इंसेफलाइटिस, रोटावायरस और हेपाटाइटिस बी के लिए टीकों की सुरक्षा शामिल है।
- मई 2020 में, SARS-CoV-2 के विरुद्ध परीक्षणों, उपचारों और टीकों पर वैश्विक अनुसंधान के समन्वय के WHO के लक्ष्य के हिस्से के रूप में, GACVS ने वैश्विक आपातकाल और बढ़ती गलत सूचनाओं और टीके पर हिचक के दौरान कोविड-19 टीके के तेजी से विकास के मुद्दे को सुलझाया।

पहियों पर प्रयोगशाला कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शिक्षा, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनीवर्सिटी के पहियों पर प्रयोगशाल कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

'पहियों पर प्रयोगशाला' की संकल्पना के बारे में

- इसका विचार उन छात्रों को गणित और विज्ञान के क्षेत्रों में शिक्षा देना है जो वंचित और गरीब पृष्ठभूमि से हैं, जिससे उच्च शिक्षा के दौरान उनमें इन विषयों के प्रति रुचि पैदा हो जाए।
- अंत में, यह आशा है कि एक बार स्कूलिंग समाप्त करने के बाद ये छात्र DTU में प्रवेश लेने का निर्णय लेंगे जो आपसी रूप से लाभदायक होगा।

बस में कौन से उपकरण उपस्थित होंगे?

- 'पहियों पर प्रयोगशाला' में 16 कंप्यूटर, 16 टेलीविजन, एक 3डी प्रिंटर, एक लैपटॉप, कैमरा और एक प्रिंटर होगा।

- यह वाई-फाई सक्षम होगा, जिसमें 100 प्रतिशत पावर बैकअप होगा औऱ साथ ही यह पूरी तरह से वातानुकूलित होगा।

कार्यक्रम में क्या-क्या पढ़ाया जाएगा?

- मुख्य ध्यान गणित और विज्ञान पर दिया जाएगा।
- कुछ चीजें जो कवर की जाएंगी उनमें शामिल हैं छात्रों को मूलभूत कंप्यूटर प्रशिक्षण, कक्षा 10 और 12 के छात्रों की नियमित कक्षाएं, और 3डी प्रिंटिंग प्रशिक्षण।

अपशिष्ट जल प्रबंधन का 'सीचेवाल मॉडल'

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- डाउन टू अर्थ)

खबरों में क्यों है?

- हाल में पंजाब के धिंगी गांव में अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र ने सीचेवाल विधि का प्रयोग सिंचाई के लिए उपचारित अपशिष्ट जल के लिए किया जिससे भूमिगत जल में और प्रदूषण होने से रोका जा सका।

सीचेवाल मॉडल के बारे में

- पटियाला के धिंगी गांव में संयंत्र का लक्ष्य अपशिष्ट जल प्रबंधन के सीचेवाल मॉडल का प्रयोग करके निम्नलिखित उद्देश्य हासिल करने का है:
    a. सिंचाई के लिए उपचारित अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रीकरण और फिर से प्रयोग
    b. भूमिगत जल को और संदूषण से रोकना
- यह मॉडल पाइप और पंप सूत्र है जिसके द्वारा जल से भारी ठोस कणों, तेल और अन्य पदार्थों को निकाला जाता है।
- इस परियोजना का लक्ष्य मानव उपभोग के लिए पुनर्प्रयोग के अतिरिक्त अपशिष्ट जल उपचार की चार कुआं प्रणालियों के द्वारा प्रक्रियाओं के संयोजन को क्रियान्वित करना है।
- जल के कुओं को नियमित तौर पर साफ करने की जरूरत है; नहीं तो वे उच्च निलंबित ठोसों के साथ चरण खराब प्रवाहों का उत्पादन करते हैं, जो निर्मित किए गए नमभूमि के लिए खतरनाक हैं और तल को जाम कर सकते हैं।
- यह परियोजना किसानों को उपचारित जल का विकल्प देकर ताजाजल के प्रयोग को घटाएगी।
- इस लक्ष्य जल पुनर्चक्रीकरण पुनर्प्रयोग संचय की उपयुक्त तकनीकों के साथ जल सततता होगा।

सीचेवाल मॉडल के लाभ

- इसको संस्थापित और संचालित करना काफी आसान है।
- यह पर्यावरण और प्राकृतिक जल संसाधनों को स्वच्छ और साफ रखने में काफी प्रभावशाली है।
- प्रदूषित जल के उपचार की विधि वायुवीय और पर्यावरण हितैषी है।
- इस तरह से उपचारित जल कृषि के प्रयोग के लिए पुनर्चक्रित किया जाता है, जो कार्बनिक खेती को प्रोत्साहित करता है।
- यह खादों पर कृषीय खर्च को बचाता है।
- खेतों तक उपचारित जल को ले जाने के लिए डाली गई भूमिगत पाइपलाइनें वर्षा से बची रहती हैं जिसमें मक्खियां और मच्छर पलते हैं।
- यह रोगों को रोकता है।
- यह भूमिगत जल के स्तर को बढ़ाता है।

BASIC राष्ट्रों की मौसम परिवर्तन की लड़ाई के लिए विकसित दुनिया से वित्त की मांग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+III- अंतरराष्ट्रीय संबंध+पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में BASIC देशों ने मौसम परिवर्तन पर मंत्रिस्तरीय समिति के 30वें सत्र में विकसित देशों से विकासशील देशों को मौसम वित्त उपलब्ध कराने के लिए कहा।
- मंत्रियों ने विकसित देशों से आग्रह भी किया कि वे 2021 से 2025 तक प्रति वर्ष $100 अरब को इकट्ठा करने के लिए COP26 में अपनी वर्तमान प्रतिबद्धताओं पर एक रोडमैप प्रस्तुत करें।

BASIC समूह के बारे में

- इसका निर्माण 28 नवंबर, 2009 को चार देशों ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन द्वारा हस्ताक्षरित एक समझौते के परिणामस्वरूप हुआ था।

- इन देशों की ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों और मौसम परिवर्तन से लड़ाई के लिए जरूरी बड़े कोष को उगाहने के लिए एक समान सोच है।
- BASIC देश कोपेनहेगन समझौते में एक पार्टी हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह के साथ हुआ था।

अन्य समूह मौसम परिवर्तन के लिए लड़ाई कर रहे हैं

- BASIC देश के कई समूहों में से एक है जो मौसम परिवर्तन और UNFCCC के अंदर वार्ताओं को करने के लिए एक साथ कार्य कर रहे हैं।
- BASIC के अतिरिक्त पेट्रोलियम निर्यातक संगठन के देश (OPEC), मध्य एशिया, कॉकेशस, अल्बानिया और मोल्डोवा के देशों के समूह (CACAM), कार्टेजेना वार्ता, लातीन अमेरिकी और कैरेबियाई का स्वतंत्र गठबंधन (AILAC), हमारे अमेरिका के लोगों के लिए बोलीवेरियन गठबंधन (स्पेनी में ALBA), इत्यादि शामिल हैं।
- 77 विकासशील देशों का समूह भी है, अफ्रीकी समूह, अरब देश, इनवॉयरमेंटल इंटीग्रिटी समूह, सबसे कम विकसित देश और छोटे द्वीपीय विकासशील देश इत्यादि।

कोपेनहेगन समझौते के बारे में

- कोपेनहेगन समझौता एक दस्तावेज है जिसको संयुक्त राष्ट्र ढांचा संधि पर पार्टियों के सम्मेलन (COP15) के 15वें सत्र में तैयार किया गया था। यह मौसम परिवर्तन पर था जिसमें 18 दिसंबर 2009 को अंतिम प्लेनरी में इसपर विचार करने पर सहमति हुई थी।
- यह समझौता **कानूनी रूप से बाध्यकारी** नहीं है।

पेमेंट्स बैंक शेष सीमा दुगुनी हुई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- RBI ने हाल में अधिकतम शेष की सीमा को दुगुना कर दिया है जिसे एक व्यक्तिगत ग्राहक पेमेंट बैंक्स (PBs) के साथ रख सकता है। यह पूर्व के रु. 1 लाख से बढ़कर रु. 2 लाख हो गया है, इसे तुरंत प्रभाव से लागू किया गया है जिससे ऋणदाता की MSMEs और अन्य व्यवसायों की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता में विस्तार हो सके।

पेमेंट्स बैंक्स के बारे में

- पेमेंट्स बैंक्स (एयरटेल पेमेंट्स बैंक, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक इत्यादि) किसी अन्य बैंक की ही तरह हैं लेकिन छोटे अथवा सीमित स्तर पर ही प्रचालित होते हैं।
- यह धन प्रेषण सेवाओं, मोबाइल भुगतान/हस्तांतरण/खरीददारी और अन्य बैंकिंग सेवाओं जैसे ATM/डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग और तीसरी पार्टी फंड हस्तांतरण को प्रदान कर सकता है।
- पेमेंट्स बैंक का मुख्य उद्देश्य छोटे व्यवसाय, निम्न आय वाले परिवारों, प्रवासी मजदूर श्रमशक्ति को सुरक्षित तकनीक प्रचालित पर्यावरण में भुगतान और वित्तीय सेवाओं के विस्तार को करना है।

- पेमेंट्स बैंक्स के साथ, RBI का लक्ष्य देश के दूरस्थ स्थानों को वित्तीय सेवाओं के भेदन स्तर को बढ़ाना है।
- पेमेंट बैंक का गठन **डॉ. नचिकेत मोर समिति** की अनुशंसा पर किया गया था।
- समिति का उद्देश्य वित्तीय समावेश को हासिल करने और वित्तीय सेवाओं की बढ़ी हुई पहुँच के लिए उपायों को प्रस्तावित करना है।

विनियमन

- पेमेंट्स बैंक को कंपनी कानून, 2013 के तहत एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जाएगा।
- यह बैंकिंग विनियमन कानून 1949; RBI कानून, 1934; विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन कानून, 1999, भुगतान एवं निपटान प्रणाली कानून, 2007, और अन्य प्रासंगिक विधियों और निर्देशों के प्रावधानों से संचालित होता है।
- उन्हें एक नकद आरक्षित अनुपात (CRR) बनाए रखने की जरूरत होती है।
- इसे वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) पात्र सरकारी प्रतिभूतियों/राजकोष में मांग जमा शेषों के न्यूनतम 75% के निवेश की आवश्यकता होती है जिसकी परिपक्वता एक वर्ष तक की होती है।
- इसे संचालन उद्देश्यों और तरलता प्रबंधन के लिए अन्य अनुसूचित व्यावसायिक बैंकों के साथ वर्तमान और समय/निश्चित अवधि में न्यूनतम 25% रखने की जरूरत होती है।

पेमेंट बैंक और छोटे बैंकों में अंतर

	PAYMENTS BANKS	SMALL BANKS
WHO CAN PROMOTE	➢ Prepaid card issuers, telecom companies, NBFCs, business correspondents, supermarket chains, corporates, realty sector co-ops & PSUs	➢ Individuals/professionals with 10 years experience in finance, NBFCs, microfinance cos, local area banks
WHAT THEY MUST DO	➢ Have a minimum capital of Rs 100cr ➢ Maintain 75% of deposits in govt bonds ➢ Maintain 25% of deposits in other banks ➢ Have at least 26% investment by Indians ➢ Get listed if net worth crosses Rs 500cr ➢ Have 25% of branches in unbanked areas ➢ Be fully networked and technology driven	➢ Have a minimum capital of Rs 200cr ➢ Extend 75% of loans to priority sector ➢ Have 25% of branches in unbanked areas ➢ Maintain reserve requirements ➢ Cap loans to individuals and groups at 10% and 15% of net worth
WHAT THEY CAN DO	➢ Offer internet banking ➢ Sell mutual funds, insurance, pensions ➢ Offer bill payment service for customers ➢ Have ATMs and business correspondents (BC) ➢ Can function as BC of another bank	➢ Sell forex to customers ➢ Sell mutual funds, insurance, pensions ➢ Can convert into a full-fledged bank ➢ Expand across the country
WHAT THEY CAN'T DO	➢ Offer credit cards ➢ Extend loans ➢ Handle cross-border remittances ➢ Accept NRI Deposits	➢ Extend large loans ➢ Float subsidiaries ➢ Cannot deal in sophisticated financial products

संबंधित सूचना

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (IPPB) के बारे में

- प्रधानमंत्री ने 1 सितंबर, 2018 को इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (IPPB) की शुरुआत की थी।
- यह डाक विभाग की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक है, जिसमें भारत सरकार की 100 प्रतिशत इक्विटी है।

IPPB's का स्वप्न

a. सामान्य व्यक्ति के लिए सबसे ज्यादा पहुँच वाले, वहनीय और विश्वसनीय बैंक का निर्माण करना।
b. बैंक तक नहीं पहुँच वाली जनसंख्या के लिए वित्तीय समावेशन को करना।

भारत में 180 AEFI मौतों की रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य मामले, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रीय AEFI समिति को दिये गए एक प्रस्तुतीकरण के अनुसार टीकाकरण के बाद (AEFI) 617 गंभीर (मौतों सहित) और गंभीर विपरीत घटनाओं वाले मामले मिले हैं।
- 29 मार्च तक, कुल 180 मौतें (29.2%) पूरे देश में टीकाकरण के बाद रिपोर्ट की गई हैं। पूर्ण दस्तावेजीकरण केवल 236 (38.3%) मामलों के लिए ही उपलब्ध है।

TIME SINCE LAST VACCINE DOSE

AEFI*	<3 days	4-7 days	8-28 days	>28 days	Total
Deaths	93	18	11	0	124
Hospitalisation	276	15	13	1	305
Severe AEFI	55	4	4	0	63

Data pertains to those AEFI for which such details were presented to the committee

टीकाकरण के बाद विपरीत घटनाओं (AEFI) के बारे में

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, कोई भी अप्रिय चिकित्सा घटना जो टीकाकरण के बाद होती है और टीके के प्रयोग के साथ किसी तरह से जरूरी नहीं कि संबंधित हो, को **टीकाकरण के बाद विपरीत घटनाएं कहते हैं।**

कॉपीराइट (संशोधन) नियम, 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- बिजीनेस टूडे)

खबरों में क्यों है?

- भारत सरकार ने हाल में कॉपीराइट (संशोधन) नियम, 2021 को अधिसूचित किया है।

कॉपीराइट के बारे में

- भारत में, कॉपीराइट प्रशासन कॉपीराइट कानून, 1957 और कॉपीराइट नियम, 2013 से संचालित होता है। कॉपीराइट नियम, 2013 को वर्ष 2016 में आखिरी बार संशोधित किया गया था।

संशोधन की प्रमुख खास बातें

- इन संशोधनों ने कॉपीराइट नियमों को वित्त कानून, 2017 के प्रावधानों के साथ संयोजित कर दिया है जिससे कॉपीराइट बोर्ड का अपीलीय बोर्ड के साथ विलय कर दिया गया है।
- इन संशोधनों को वर्तमान के नियमों को अन्य प्रासंगिक विधानों के बराबर लाने के उद्देश्य से लागू किया गया है।
- इसका लक्ष्य डिजिटल युग में तकनीकी उन्नति के प्रकाश में आसान और शुद्ध अनुपालन को सुनिश्चित करना है जिसके लिए संचार के प्राथमिक तरीके के रूप में इलेक्ट्रानिक तरीके को अपनाया जाएगा और कॉपीराइट कार्यालय में कार्य को अपनाया जाएगा।
- किसी कॉपीराइट जर्नल के प्रकाशन के संबंध में नए प्रावधानों को शामिल किया गया है, जिससे आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की जरूरत समाप्त हो जाएगी।
- उपर्युक्त जर्नल कॉपीराइट कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।
- नए प्रावधान रॉयल्टियों को एकत्रित और वितरित करते समय गैर वितरित रॉयल्टी और इलेक्ट्रानिक और पता लगाने योग्य भुगतान विधियों के प्रयोग के साथ भी निपटेंगे।
- कॉपीराइट समितियों के साथ कार्य करने में पारदर्शिता को लागू करने के लिए एक नए नियम को लागू किया गया है, जिससे कॉपीराइट समितियों को प्रत्येक वित्त वर्ष के लिए एक वार्षिक पारदर्शिता रिपोर्ट को बनाने और सार्वजनिक करने की जरूरत होगी।
- सॉफ्टवेयर कार्यों के पंजीकरण के लिए अनुपालन जरूरतों को अधिकांशतः कम कर दिया गया है, अब आवेदक को पहले 10 और आखिरी 10 पेजों के सोर्स कोड को ही फाइल करने की आजादी होगी, अथवा पूरा सोर्स कोड उस मामले में फाइल करना होगा जब 20 पेज से कम हों, जिसमें कोई भी हिस्सा ब्लॉक अथवा संशोधित न हो।
- पंजीकरण के लिए अपने सामने आए आवेदन पर जवाब देने के लिए केंद्र सरकार के लिए समय सीमा जोकि एक कॉपीराइट समिति के लिए है, को 180 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है, जिससे आवेदन को ज्यादा अच्छी तरह से जांचा जा सके।

RBI की G-SAP 1.0 के अंतर्गत पहली खरीद 15 अप्रैल के लिए निर्धारित

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने **सरकारी प्रतिभूति अधिग्रहण कार्यक्रम (G-SAP 1.0)** के अंतर्गत भारत सरकार की प्रतिभूतियों की खुले बाजार खरीद की घोषणा की।

- रिजर्व बैंक पहली तिमाही 2021-22 में **सरकारी प्रतिभूति अधिग्रहण कार्यक्रम** (G-SAP 1.0) के अंतर्गत रु. 1 लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियों की खुला बाजार खरीद का आयोजन करेगी। इसका उद्देश्य परिणाम वक्र का स्थाई और सुव्यवस्थित विकास करना होगा।
- G-SAP के अंतर्गत पहली नीलामी जो रू. 25,000 करोड़ की होगी, का आयोजन 15 अप्रैल, 2021 को किया जाएगा।

G-SAP 1.0 का महत्व

- यह बांड बाजार को ज्यादा सहूलियत देगा। क्योंकि इस वर्ष सरकार की उधारियां बढ़ गई हैं, RBI को सुनिश्चित करना है कि भारतीय बाजार में कोई बाधा न आए।
- इस कार्यक्रम की मदद से रेपो दर और 10 वर्षीय सरकारी बांड यील्ड के बीच में फैलाव को कम किया जा सकेगा।
- यह वित्त वर्ष 2022 में केंद्र और राज्यों के लिए उधारी की संचयी लागत को कम करने में मदद देगा।

संबंधित सूचना

खुला बाजार संचालन के बारे में

- यह देश के RBI अथवा केंद्रीय बैंक के द्वारा राजकोष और सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदना और बेचना है।
- यह मात्रात्मक मौद्रिक नीति उपकरणों में से एक है।
- OMO का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति का विनियमन करना है।
- RBI OMO को व्यावसायिक बैंकों के द्वारा करता है और सीधे लोगों से संबंध नहीं रखता है।

RBI दो प्रकार के OMO को लागू करता है

a. **सीधे तौर पर खरीद (PEMO)** – यह स्थाई होता है और सरकारी प्रतिभूतियों की सीधे तौर पर खरीद-फरोख्त को शामिल करता है।
b. **पुनर्खरीद समझौता (REPO)** – यह अल्प अवधि के होते हैं और पुनर्खरीद से संबंधित होते हैं।

अरुणाचल से नई प्रजाति भारत की पक्षी सूची में जुड़ी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में अरुणाचल प्रदेश में तीन पट्टियों वाली रोजफिंच पक्षी को देखा गया है। यह खोज साथ में लगे चीन के इसके बैठने की रिकॉर्ड की गई ऊंचाई से ज्यादा ऊंचाई पर की गई है।

तीन पट्टियों वाले रोजफिंच के बारे में

- तीन पट्टियों वाला रोजफिंच (कार्पोडेकस ट्राईफेसिएटस) फ्रिंगीलिडेई परिवार में फिंच की एक प्रजाति है।
- यह मध्य चीन और उत्तर-पूर्व भारत में पाई जाती है।
- इसका प्राकृतिक आवास सम शीतोष्ण वन हैं।

संरक्षण की स्थिति

- इन्हें IUCN लाल सूची में **सबसे कम चिंता** के रूप में अधिसूचित किया गया है।

स्वच्छ गंगा कोष

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जलशक्ति मंत्रालय ने सूचित किया है कि मार्च 2021 तक स्वच्छ गंगा कोष में रु. 453 करोड़ के कोष जमा हुए हैं।
- इसकी स्थापना देश के नागरिकों और गैर-निवासी भारतीयों (NRIs)/भारतीय मूल के लोगों और अन्य द्वारा स्वैच्छिक योगदान के साथ की गई है।

स्वच्छ गंगा कोष के बारे में

पृष्ठभूमि

- सितंबर 2014 में, केंद्रीय कैबिनेट ने गंगा की सफाई के लिए CGF के निर्माण की स्वीकृति दे दी थी।
- अंत में इसकी स्थापना जनवरी 2015 में की गई, जिसका उद्देश्य सामान्य जनता और साथ ही साथ निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, गैर निवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों से पैसे को एकत्रित करना है।
- इसे भारतीय न्यास कानून के अंतर्गत एक न्यास के रूप में गठित किया गया है।
- इसे एक न्यास द्वारा संचालित किया जाता है जिसके मुखिया वित्त मंत्री होते हैं।

- न्यास का सचिवालय मिशन निदेशक, स्वच्छ गंगा के अंतर्गत जलशक्ति मंत्रालय में गठित किया गया है।
- CGF को गठित करने का प्रस्ताव का आशय इस बड़े कार्य में लोगों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए वैश्विक रूप से निजी योगदानों को आकर्षित करना है।

स्वच्छ गंगा कोष की विशेषताएं

- कोष के घरेलू दानकर्ता कर लाभों के लिए पात्र होंगे जैसा कि स्वच्छ भारत कोष के मामले में लागू होता है।
- इसका संचालन न्यास द्वारा एक बैंक खाते से किया जाएगा।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाईटेड किंगडम, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात इत्यादि जैसे उच्च दानकर्ता रुचि वाले अन्य अधिकारक्षेत्रों/देशों में बेटी निधि की स्थापना की संभावना का अन्वेषण भी करेगा।

सिंधु और गंगा नदी डॉल्फिन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में दक्षिण एशियाई नदी की डॉल्फिनों के विस्तृत विश्लेषण से मालूम चला है कि सिंधु और गंगा डॉल्फिनें एक नहीं हैं, बल्कि दो प्रजातियां हैं।

सिंधु और गंगा नदी डॉल्फिनों के बारे में

- वर्तमान में, सिंधु और गंगा नदी डॉल्फिनों को **प्लाटानिस्टा गैंगेटिका** के अंतर्गत दो उपप्रजातियों में वर्गीकृत किया गया है।
- लेकिन नए अध्ययन के अनुसार, इस वर्गीकरण की पुनर्समीक्षा की जरूरत है।
- इस अध्ययन का अनुमान है कि सिंधु और गंगा नदी डॉल्फिनें लगभग 550,000 वर्ष पूर्व एक दूसरे से अलग हो गई होंगी।

गंगा नदी डॉल्फिन के बारे में

- इसका वैज्ञानिक नाम प्लाटानिस्टा गैंगेटिका है।

- गंगा नदी की डॉल्फिन भारत का राष्ट्रीय जल पशु है और इसे लोकप्रिय रूप से 'सुसु' कहा जाता है।

वितरण

- गंगा नदी की डॉल्फिन गंगा-मेघना-ब्रह्मपुत्र के हिस्सों में और भारत, नेपाल और बांग्लादेश में कर्णाफूली-सांगू नदी प्रणालियों में पाई जाती है।
- यह दुनिया की चार ताजाजल डॉल्फिनों में से एक है- अन्य तीन हैं:
  a. 'बैजी' जो चीन में यांग्त्जे नदी से लगभग लुप्तप्राय है,
  b. पाकिस्तान के सिंधु की 'भूलन', और
  c. लातीन अमेरिका में अमेजॉन नदी की 'बोतो'।

गंगा नदी डॉल्फिन की संरक्षण की स्थिति

- इन्हें IUCN लाल सूची में '**संकटग्रस्त**' के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- इसे CITES उपबंध I में अधिसूचित किया गया है।
- इसे अनुसूची I, वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1972 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। इसे पूर्णतया संरक्षण प्रदान किया गया है क्योंकि इसके खिलाफ अपराध पर उच्चतम दंड मिलता है।
- बिहार के भागलपुर जिले में विक्रमशिला गांगेय डॉल्फिन अभ्यारण्य (**VGDS)** भारत के राष्ट्रीय जल पशु के लिए एकमात्र अभ्यारण्य है।

सिंधु नदी डॉल्फिन के बारे में

- सिंधु नदी डॉल्फिन का वैज्ञानिक नाम "**प्लाटानिस्टा गैंगेटिका माइनर**" है।
- सिंधु नदी डॉल्फिन एक जलीय स्तनपायी है।

विशेषताएं

- वे ताजा जल हैं और कार्यात्मक रूप से डॉल्फिनों की अंधी प्रजाति है झींगामछली, कैट मछली और तालाब की मछली सहित शिकार के लिए और संचार के लिए प्रतिध्वनि निर्धारण का सहारा लेती है।
- पंजाब सरकार का कहना है कि सिंधु नदी डॉल्फिन ब्यास पारितंत्र प्रणाली के संरक्षण के लिए प्रमुख प्रजाति होगी।
- पंजाब सरकार ने सिंधु नदी डॉल्फिन को पंजाब का राजकीय जलीय पशु घोषित किया है।

सिंधु डॉल्फिन की संरक्षण की स्थिति

- इन्हें IUCN लाल सूची में '**संकटग्रस्त**' के रूप में अधिसूचित किया गया है।

मुस्लिम ब्रदरहुड

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- सुरक्षा, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में काहिरा के आपराधिक न्यायालय ने महमूद इज्जत को हत्या और आतंकवाद के आरोपों के लिए आजीवन कारावास की सजा दी है। महमूद मुस्लिम ब्रदरहुड का डिप्टी सुप्रीम गाइड था।

मुस्लिम ब्रदरहुड क्या है?

- यह एक नामांकित आतंकवादी समूह है।
- 2019 में व्हाइट हाउस में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फातेह एल सिसी के बीच में एक मुलाकात के दौरान, अल सिसी ने अमेरिका से उनकी सरकार का विरोध करने वाले ब्रदरहुड पर प्रतिबंध लगाने की गुजारिश की थी।

पृष्ठभूमि

- यह एक आंदोलन है जिसकी स्थापना 1928 में मिस्र में एक स्कूल अध्यापक जिसका नाम हसन अल बन्ना था, द्वारा की गई थी। उसने शिक्षा दी कि इस्लामी धार्मिक पुनरुत्थान से मुस्लिम देश की स्थिति को सुधारने में मदद मिलेगी और और उनके औपनिवेशिक आकाओं को शिकस्त मिलेगी।
- हालांकि हसन अल बन्ना इस बारे में स्पष्ट नहीं था कि वह किस तरह की मुस्लिम पुनरुत्थानवादी सरकार चाहता है, उसके विचार पूरी दुनिया में फैल गए और बड़ी संख्या में इस्लामी समूहों और आंदोलनों को प्रेरित किया- न केवल राजनीतिक आंदोलनों और पार्टियों को, बल्कि शक्तिशाली मिशनरी और दानकर्ता पहलों को भी।
- जॉर्डन, इराक, कुवैत, बहरीन, मोरक्को, तुर्की और ट्यूनीशिया उन देशों में शामिल थे जहां बड़ी पार्टियां अपने जन्म को ब्रदरहुड में तलाशती हैं।

रुपया क्यों अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिर रहा है?

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- लाइवमिंट)

खबरों में क्यों है?

- हाल में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तेजी से गिरा, यह 75 के आसपास पहुँच चुका है।
- इस वर्ष में अब तक रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 2.4% मूल्य खो चुका है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ महीने के निम्न स्तर तक रुपए के गिरने के पीछे संभावित कारण

- RBI द्वारा $1 अरब के बांड खरीद की घोषणा, वस्तुओं के परिवहन से संबंधित व्यापार, कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच फिर से पूरे लॉकडाउन की आशंका और आयातकों द्वारा जल्दबाजी में की जाने वाली खरीद के बाद रुपया दवाब में आ गया।
- निवेशकों का विश्वास है कि RBI की बांड खरीदने की योजना मुद्रा के लिए मुद्रास्फीतिय चिंताओं की वजह से नकारात्मक होगी।
- इसके अतिरिक्त यह डर की देश में बढ़ते कोरोना के मामले देश की आर्थिक पुनर्वापसी में बाधा डाल सकते हैं, ने भी रुपये पर प्रभाव डाला।
- साथ ही भारत और अमेरिका के बीच में घटते ऋणदर अंतर भारतीय बांड और इक्विटी बाजार से बाह्यप्रवाह को बढ़ा सकते हैं, ने भी रुपये को गिराया है।
- **डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की बास्केट के मुकाबले अमेरिका के नोट की ताकत को मापती है, 0.25% बढ़कर 92.305 हो गई है।**

RBI की हाल की पहलें

- RBI ने हाल में इस तिमाही में G-SAP कार्यक्रम में द्वितियक बाजारों से बांडों में रु. 1 ट्रिलियन खरीदने की मंशा की घोषणा की है।

गिरते रुपये का प्रभाव

- जब रुपया गिरता है तो आयात की लागत बढ़ जाती है, जिससे देश के परिवारों को नुकसान होता है।
- इसका भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जोकि आयात पर आधारित है।
- लेकिन, NRIs जिनमें भारतीयों की काफी संख्या है, को अवमूल्यित होती मुद्रा से फायदा होता है।

मुद्रा अवमूल्यन

- यह विनिमय दर बनाम अन्य मुद्राओं के संदर्भ में मुद्रा के मूल्य में गिरावट है।
- यह कारकों जैसे आर्थिक मूलभूतों, ऋणदर अंतरों, राजनीतिक अस्थिरता, अथवा निवेशकों के मध्य में जोखिम के प्रति अरुचि की वजह से हो सकता है।
- सुव्यवस्थित रूप से मुद्रा अवमूल्यन किसी देश की निर्यात गतिविधि को बढ़ा सकती है क्योंकि अब इसके उत्पादों और सेवाओं को खरीदना सस्ता हो जाता है।

जो बाइडेन का क्रांतिकारी कर प्रस्ताव

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- अमेरिकी कोष सचिव जानेट येल्लेन ने हाल में विश्व के 20 उन्नत देशों से आग्रह किया है कि वे एक न्यूनतम वैश्विक कार्पोरेट आयकर को अपनाने की ओर बढ़े।
- सरकार न्यूनतम वैश्विक कार्पोरेट कर के ऊपर चर्चा में शामिल होने के लिए पूर्णतया खुली है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा शुरू किया जा रहा है। इसमें करारोपण में बराबरी अथवा डिजिटल टैक्सों का मामला भी है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के कोष सचिव जानेट येल्लेन द्वारा प्रस्ताव

- अमेरिका योजना **21 प्रतिशत न्यूनतम कार्पोरेट कर दर** की संकल्पना करती है, इसके साथ ही उन देशों से आय पर छूटों को समाप्त करना शामिल है जो विदेशों में बहुराष्ट्रीय कार्पोरेशन संचालनों और लाभों के हस्तांतरण को हतोत्साहित करने के लिए न्यूनतम कर का नियम नहीं बना रहे हैं।
- बेंचमार्क न्यूनतम कार्पोरेट कर दर जिसे येल्लेन ने अन्य **जी20 देशों** के साथ संकल्पित किया है।
- इसका लक्ष्य किसी हानि की भरपाई करना है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के कार्पोरेट कर दर में बाइडेन प्रशासन की प्रस्तावित वृद्धि की वजह से पैदा होती हो।
- 21% से 28% की प्रस्तावित वृद्धि कंपनियों पर कर दरों में पूर्व ट्रंप प्रसासन के कटौती को आंशिक रूप से उलट देगी। यह 2017 के कर विधान के द्वारा 35% से 21% हो जाएगी।

भारत का कार्पोरेट कर

- सितंबर 2019 में, वित्त मंत्री ने घरेलू कंपनियों के लिए कार्पोरेट करों में बड़ी कटौती की घोषणा की जो **22 प्रतिशत हो गया और नई घरेलू विनिर्माण कंपनियों के लिए यह 15 प्रतिशत हो गया।**

करारोपण में बराबरी अथवा डिजिटल कर के बारे में

- करारोपण में बराबरी को भारत में 2016 में लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य डिजिटल लेनदेन पर करारोपण था अर्थात भारत से विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को होने वाली आय।
- यह **BEPS** की अनुशंसाओं में से एक है **(आधार क्षरण और लाभ हस्तांतरण) कार्य योजना।**
- इसका लक्ष्य व्यवसाय से व्यवसाय लेनदेन पर करारोपण करना है।
- करों का लक्ष्य डिजिटल सेवा प्लेटफार्मों जैसे कि फेसबुक, गूगल और अमेजॉन.कॉम पर देश के भीतर के राजस्व हैं।

हाल के संशोधन

- मार्च के अंत में वित्त कानून, 2020 में संशोधनों ने गैर निवासी ई-कॉमर्स ऑपरेटरों जो सेवाओं की आपूर्ति में शामिल हैं और जिनमें वस्तुओं की ऑनलाइन बिक्री और सेवाओं के प्रावधान शामिल हैं, के लिए करारोपण के बराबरी के दायरे का विस्तार किया।

करारोपण की बराबरी की प्रयोज्यता

- **यह एक प्रत्यक्ष कर है**, जिसे सेवा प्राप्तकर्ता द्वारा भुगतान के समय रोक लिया जाता है। करारोपण की बराबरी के लिए योग्य होने के लिए दो स्थितियों का पूरा किया जाना आवश्यक है:

- भुगतान एक गैर-निवासी सेवा प्रदाता को ही दिया जाना चाहिए;
- एक सेवा प्रदाता को किया जाने वाला वार्षिक भुगतान रु. 1,00,000 से एक वित्त वर्ष में ज्यादा है।

करारोपण में बराबरी के अंतर्गत शामिल सेवाएं

- ऑनलाइन विज्ञापन;
- डिजिटल विज्ञापन स्थान अथवा सुविधाओं के लिए कोई प्रावधान/ऑनलाइन विज्ञापन के उद्देश्य के लिए सेवा;
- जब भी जैसे भी अन्य सेवाओं को अधिसूचित किया जाता है वे उपर्युक्त सेवाओं के साथ शामिल कर ली जाएंगी।

कार्बन सीमा कर

(विषय- सामान्य अध्ययन III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में ऐसे समय में जब यूरोपीय संघ कार्बन सीमा कर पर विचार अपने हरित प्रयास के तहत कर रहा है, BASIC देश- ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन ने संयुक्त रूप से इस कदम का विरोध किया है।

कार्बन कर

- कार्बन सीमा कर कार्बन उत्सर्जनों पर कर है जिसे आयातित वस्तुओं पर लगाया जाता है जिनके स्रोत पर कार्बन कर नहीं लगाया गया होता है।
- कार्बन सीमा कर प्रस्ताव यूरोपीय आयोग के यूरोपीय हरित समझौते का हिस्सा है जो 2050 तक यूरोप को पहला मौसम निष्क्रिय महाद्वीप बनाना चाहता है।
- तार्किक रूप से कार्बन सीमा कर राष्ट्रीय कार्बन कर का सुधरा हुआ रूप है।

राष्ट्रीय कार्बन कर

- यह एक शुल्क है जो किसी देश के अंदर सरकार किसी कंपनी पर लगाती है जो जीवाश्म ईंधनों को जलाती है।
- लेकिन, इससे अक्सर घरों और उद्योगों में विद्युत लागत में वृद्धि हो जाती है, जिससे व्यवसायों और नागरिकों के लिए स्थानीय व्यवसाय बंदी और अन्य आर्थिक दुश्वारियों हो सकती हैं।

संबंधित सूचना

- हाल में यूरोपीय संघ (EU) के पर्यावरण मंत्रियों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किये है जिसका लक्ष्य यूरोपीय संघ के 2050 के निवल शून्य उत्सर्जनों के लक्ष्यों को देशों के लिए बाध्यकारी करना है।
- चीन ने भी घोषणा की है कि वह 2060 तक कार्बन निवल शून्य हो जाएगा, और उसने परोक्ष तौर पर उच्चतम उत्सर्जन तक पहुँचने की तिथि को पहले कर दिया है।

संबंधित शब्दावली

निवल शून्य उत्सर्जन

- इसका आशय उत्पादित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों और वायुमंडल से लिये गए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों के बीच में संपूर्ण संतुलन को हासिल करने से है।

शून्य कार्बन कानून

- इसे न्यूजीलैंड ने 2050 तक लगभग सभी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों के लिए एक निवल शून्य लक्ष्यों को निर्धारित करके मौसम परिवर्तन से निपटने के लक्ष्य के साथ पारित किया था।

कार्बन निष्क्रियता

- इससे आशय समान राशि की भरपाई करने के साथ छोड़ी गई कार्बन की मापित मात्रा को संतुलित करके अथवा अंतर को पूरा करने के लिए पर्याप्त कार्बन क्रेडिटों को खरीदकर निवल शून्य कार्बन उत्सर्जनों को हासिल करने से है।

भारत और उद्धिष्ट राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदान

- पेरिस समझौता सभी पक्षों के लिए यह आवश्यक करता है कि वे उद्धिष्ट राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदान के द्वारा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें और आने वाले वर्षों में इन प्रयासों को मजबूत करें।
- इसमें शामिल है यह जरूरत कि सभी पक्ष अपने उत्सर्जनों पर नियमित रूप से रिपोर्ट दें और साथ ही अपने क्रियान्वयन प्रयासों के बारे में भी।
- **यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।**
- भारत ने भी समझौते के तहत अपने **उद्धिष्ट राष्ट्रीकृत निर्धारित योगदानों** की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की बात कही है जिससे मौसम परिवर्तन से निपटा जा सके।

भारत का INDC प्राथमिक रूप से 2030 तक पूरा हो जाएगा

- भारत ने 2005 के स्तर से 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33-35 प्रतिशत तक कम करने का वादा किया है।
- यह गैर जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों (मुख्य रूप से पवन और सौर ऊर्जा) से 2030 तक लगभग 40% संचयी विद्युत ऊर्जा संस्थापित क्षमता को हासिल करेगा। इसके लिए तकनीक का हस्तांतरण और निम्न लागत अंतरराष्ट्रीय वित्त जिसमें हरित मौसम कोष शामिल होगा, की मदद ली जाएगी।
- भारत ने एक अतिरिक्त कार्बन सिंक (वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषण करने का तरीका) जो 2.5 से 3 अरब टन के कार्बन डाईऑक्साइड के समतुल्य होगा के निर्माण का भी वादा किया है। इसे वर्ष 2030 तक अतिरिक्त वनों और वृक्षों के आच्छादन के द्वारा तैयार किया जाएगा।

उन्नत प्राचीन वस्तु प्रबंधन प्रणाली

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- गोवा सरकार के पुरालेखागार और पुरातत्व निदेशालय (DAA) ने हाल में उन्नत प्राचीन वस्तु प्रबंधन प्रणाली का अनावरण किया।

उन्नत प्राचीन प्रबंधन प्रणाली के बारे में

- AAMS एक सॉफ्टवेयर द्वारा संचालित स्वचालित भंडारण है जिसका प्रयोग कई तरह की वस्तुओं के भंडारण के लिए किया जाता है।
- इसका प्रयोग औद्योगिक उपकरणों के भंडारण के लिए किया जाता है लेकिन अब यह देश में पहला बन गया है जो प्राचीन मूल्यवान वस्तुओं का भंडारण करता है।
- यह प्राचीन वस्तुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा, भंडारण स्थान को स्वच्छ करेगा, नियंत्रण और डाटा प्रबंधन तक पहुँच बनाएगा और स्थान के प्रयोग को भी उन्नत करेगा।
- प्रणाली में प्राचीन वस्तुओं के संरक्षण के साथ, यह एक स्क्रीन की मदद से एक स्थान में इनकी पहुँच को उपलब्ध कराएगा जिसपर संरक्षित की गई प्राचीन वस्तुओं को देखने के लिए प्रणाली के अंदर खोजा और पहुँचा जा सकता है।
- यह प्राचीन वस्तु की आयु के बारे में भी सूचना उपलब्ध कराएगी, किस पदार्थ का यह बना है और इसका क्या संक्षिप्त इतिहास है।

प्रणाली में भंडारित विभिन्न प्राचीन वस्तुएं क्या हैं?

- वर्तमान में प्रणाली में 83 प्राचीन वस्तुएं हैं जिसमें से सबसे पुरानी 10वीं शताब्दी की एक शिवलिंग है।
- इसमें उत्तरी गोवा के बिचोलिम में लैडफैम गांव में झरने के भीतर पाई गई 12 मूर्तियां भी शामिल हैं।
- यह जर्मनी और हॉलैंड में बने ग्लासों सहित एल्लोर्ना दुर्ग में पाए गए 18वीं शताब्दी की कलाकृतियां भी हैं।

शफारी योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र ने हाल में शफारी नामक योजना की शुरुआत की है जिससे अच्छी जल-कृषि प्रथाओं को अपनाने के लिए अंडा उत्पत्तिशालाओं और खेतों को प्रमाणीकृत किया जाएगा।

शफारी योजना के बारे में

- यह जल-कृषि उत्पादों के लिए **समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (MPEDA)** द्वारा विकसित की गई एक प्रमाणीकरण योजना है।
- **शफारी** संस्कृत का एक शब्द है जिसका अर्थ है मानव उपभोग के लिए उपयुक्त बेहतर गुणवत्ता का मत्स्यन उत्पाद।
- शफारी योजना जल-कृषि प्रमाणीकरण पर संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के तकनीकी दिशा-निर्देशों पर आधारित है।
- इसके दो घटक होंगे
    a. बीजों की गुणवत्ता के लिए अंडा उत्पत्तिशालाओं को प्रमाणीकृत करना

b. उचित और सही प्रथाओं को अपनाने वाले झींगा उत्पत्तिशालाओं को स्वीकृति देना।

पात्रता

- जो लोग अपने संचालनों के कई ऑडिटों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे, उन्हें दो वर्षों के काल के लिए एक प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।
- संपूर्ण प्रमाणीकरण प्रक्रिया ऑनलाइन होगी जिससे मानव गलती को न्यूनतम किया जा सके और उच्चतम विश्वसनीयता और पारदर्शिता को सुनिश्चित किया जा सके।
- उत्पत्तिशालाओं के प्रमाणीकरण के लिए दिशा-निर्देश हितधारकों के साथ बातचीत के बाद तैयार होने की प्रक्रिया में हैं।

प्रमाणीकरण का महत्व

- एंटीबायोटिक से मुक्त बीजों के उत्पादन के लिए अंडा उत्पत्तिशालाओं का प्रमाणीकरण एंटीबायोटिकों के प्रयोग से भारतीय जल कृषि को मुक्त कराने के सबसे मुख्य हस्तक्षेपों में से एक के रूप में उभरा है।
- इसे उपभोक्ता के आत्मविश्वास को बढ़ाने के एक उपकरण के रूप में भी देखा जा रहा है।
- अंतरराष्ट्रीय निकायों द्वारा जारी गुणवत्ता प्रमाणपत्र काफी महंगे हैं और छोटे और सीमांत उत्पादकों की पहुँच से बाहर हैं।

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के बारे में

- यह एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना भारत से समुद्री उत्पादों के निर्यात के लिए प्रोत्साहन के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत 1972 में की गई थी।

कार्य

- MPEDA को देश से निर्यात के विशेष संदर्भ के साथ समुद्री उत्पाद उद्योग को प्रोत्साहित करने का शासनादेश दिया गया है।
- यह भारत में समुद्री खाद्य उद्योग के संपूर्ण विकास के लिए नोडल एजेंसी है जिससे नोडल एजेंसी के रूप में इसके पूर्ण निर्यात संभावना का दोहन किया जा सके।
- यह संगठन झींगा, केंकड़ा, मछली, शेल मछली, अन्य जलीय जानवरों अथवा पौधों अथवा उनके हिस्सों और अन्य किसी उत्पाद के व्यावसायिक कहे जाने वाले मत्स्यन उत्पादों की सभी किस्मों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए जरूरी संसाधनों को विकसित और मजबूत करने लिए सभी कार्रवाई करेगा जिसे प्राधिकरण भारत के राजपत्र में अधिसूचना जारी करके, कानून के उद्देश्य के लिए समुद्री उत्पाद घोषित करती है।
- यह कानून MPEDA को समुद्री उत्पादों के निर्यातों को विनियमित करके और देश से सतत, गुणवत्ता वाले समुद्री खाद्य के निर्यातों को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सभी उपायों को करके सशक्त करेगा।

कोविड-19 टीका - स्पुतनिक V

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में रूस के कोविड-19 टीके- स्पुतनिक V की विषय विशेषज्ञ समिति (SEC) की एक बैठक के बाद भारत में आपातकालीन प्रयोग के लिए अनुशंसा की गई।
- इसे भारत के औषधि नियंत्रक जनरल (DCGI) द्वारा स्वीकृति दी गई है, स्पुतनिक V पांचवा ऐसा टीका होगा जिसे भारत में भारतीय सीरम संस्थान की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के बाद उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्पुतनिक V टीके के बारे में

- रूस ने नई स्वीकृति किए गए टीके को स्पुतनिक V को स्पुतनिक I के अनुसार नाम दिया है, यह दुनिया में अंतरिक्ष में होड़ के दौरान पहला कृत्रिम उपग्रह था जिसे 1957 में प्रक्षेपित किया गया था।
- यह एडीनोवायरस के दो स्ट्रेनों का प्रयोग करता है जो सामान्य तौर पर मानवों में साधारण जुकाम पैदा करते हैं।

द्वारा विकसित किया गया

- इस टीके को मास्को के गामालेया संस्थान ने रूस के रक्षा मंत्रालय के साथ सहयोग में तैयार किया है।

संबंधित सूचना

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) के बारे में

- यह अपने कार्यों को करने के लिए केंद्रीय औषधि प्राधिकरण है, जिसे औषधि और कॉस्मेटिक कानून, 1940 के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा कार्य प्रदान किये गए हैं।

प्रमुख कार्य:

- औषधियों के आयात पर विनियमन नियंत्रण, नई औषधियों की स्वीकृति और क्लीनिकल परीक्षण।
- केंद्रीय लाइसेंस स्वीकृति प्राधिकरण के रूप में कुछ लाइसेंसों की स्वीकृति।

भारतीय औषधि नियंत्रक जनरल के बारे में

- DCGI औषधियों की विशिष्ट श्रेणियों के लाइसेंसों की स्वीकृति के बारे में जिम्मेदार है जैसे कि रक्त और रक्त उत्पाद, IV तरल पदार्थ, टीके और भारत में सेरा।
- यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

AT-1 बांडों का मामला

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

Why in the news?

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने हाल में यस बैंक और उसके निजी संपत्ति प्रबंधन टीम के तीन सीनियर एक्जीक्यूटिवों पर रु. 25 करोड़ का अर्थदंड लगाया है जिसका कारण उनके द्वारा अपने ग्राहकों के साथ जालसाजी करना है। इसमें इन लोगों ने अपने ग्राहकों की निवेश स्थिति को निश्चित जमाओं (FD) से हटवा कर जोखिम वाले AT-1 (अतिरिक्त टियर 1) बांडों में करवा दी थी।

अतिरिक्त टियर 1 बांड के बारे में

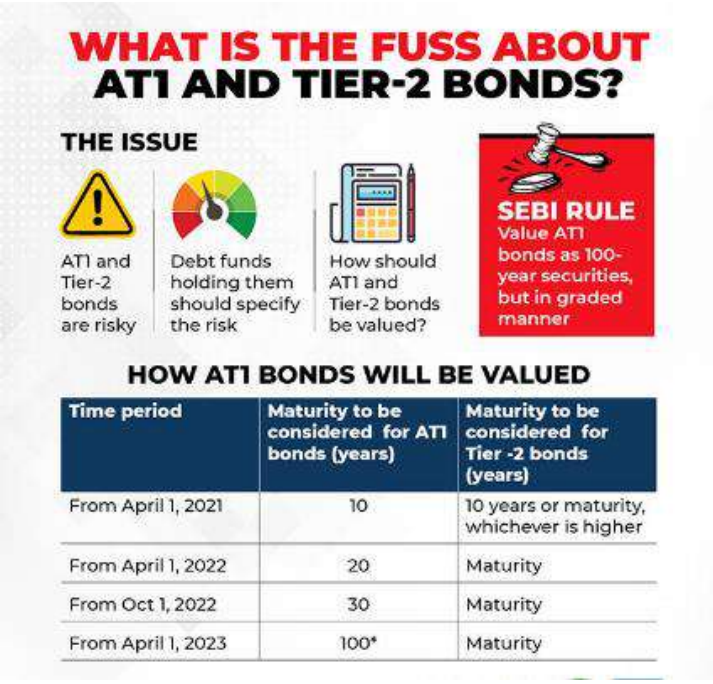

- AT-1, अतिरिक्त टियर 1 बांडों का संक्षिप्त रूप है, ये एक प्रकार के अनिश्चित, सतत बांड हैं जिसे बैंकें बासेल III नियमों को पूरा करने के लिए अपने केंद्रीय पूंजी आधार को बढ़ाने के वास्ते जारी करते हैं।

AT-1 बांड की प्रमुख विशेषताएं

- इनकी टियर II की तुलना में उच्च दर होती है।
- इन बांडों की कोई परिपक्वता तिथि नहीं होती है।
- जारी करने वाली बैंक के पास बांड को वापस लेने का अधिकार होता है अथवा किसी विशिष्ट अवधि के बाद मूल धन को वापस देने की सुविधा भी होती है।

- निवेशकों के लिए मुख्य आकर्षण उच्च दर होती है जो सुनिश्चित बांडों की अपेक्षा ज्यादा होती है जिसे समान संस्था ने जारी किया होता है।
- व्यक्तिगत निवेशक भी इन बांडों को रोक सकते हैं, लेकिन अधिकांशतः उच्च निवल संपत्ति वाले व्यक्ति (HNIs) ही इस तरह के ऊंचे जोखिम और उच्च दर देने वाले निवेश की ओर जाते हैं।
- उच्च जोखिम होने की वजह से, इन बांडों के लिए रेटिंग समान बैंक की सुनिश्चित बांड ऋंखला से चार स्थान नीचे होती है।

नैनोस्निफर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने हाल में नैनोस्निफर, दुनिया का पहला छोटा संसूचक आधारित विस्फोटक ढूंढने वाले संसूचक (ETD) का अनावरण किया है।

नैनोस्निफर के बारे में

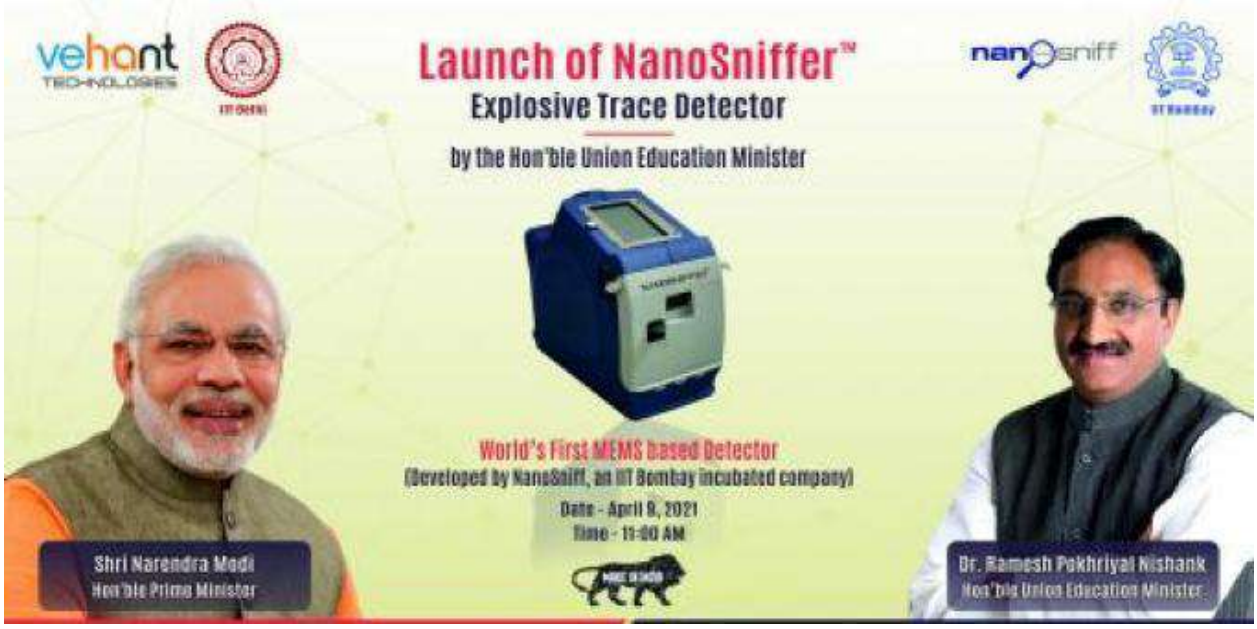

- नैनोस्निफर का निर्माण नैनोस्निफ टेक्नोलॉजीज द्वारा की गई है जोकि IIT बांबे द्वारा संचालित एक स्टार्टअप है।
- नैनोस्निफर 10 सेकेंड से कम समय में विस्फोटक को पहचान सकता है और यह विस्फोटकों को विभिन्न वर्गों में पहचान और श्रेणीबद्ध भी कर सकता है।
- यह सभी वर्गों के सैन्य, पारंपरिक और घरेलू बने हुए विस्फोटकों को पहचान सकता है।
- नैनोस्निफर सनलाइट रीडेबल कलर डिस्प्ले के साथ देखता और सुनता है।

महत्व

- यह एक वहनीय यंत्र है जो आयातित विस्फोटक ढूंढने वाले संसूचकों पर निर्भरता को कम करेगा।
- जहां तक शोध, विकास एवं विनिर्माण की बात है, नैनोस्निफर 100 प्रतिशत भारत में बना हुआ उत्पाद है ।

भारतीय गैंडा विज़न 2020 (IRV2020)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारतीय गैंडा विज़न 2020 (IRV2020) दो गैंडों को छोड़ने के साथ ही समाप्त हो गया- एक वयस्क नर और एक मादा- इन्हें पोबीतोरा वन्यजीवन अभ्यारण्य से असम के मानस राष्ट्रीय पार्क में लाया गया।

भारतीय गैंडा विज़न 2020 के बारे में

- इसकी शुरुआत 2005 में की गई थी जो कि एक महत्वाकांक्षी प्रयास है जिसके तहत कम से कम 3000 ग्रेटर एक सींग वाले गैंडों की जंगली जनसंख्या को जो भारतीय राज्य असम के सात संरक्षित क्षेत्र में फैले हुए है, 2020 तक बढ़ाना है।
- सात संरक्षित क्षेत्र काजीरंगा, पोबीतोरा, ओरंग राष्ट्रीय पार्क, मानस राष्ट्रीय पार्क, लाओखोवा वन्यजीवन अभ्यारण्य, बुराचापोरी वन्यजीवन अभ्यारण्य और दिब्रू साईखोवा वन्यजीवन अभ्यारण्य हैं।
- यह विभिन्न संगठनों के बीच में सहयोगात्मक प्रयास है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय गैंडा फाउंडेसन, असम के वन विभाग, बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद, विश्व वृहद कोष-भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका मत्स्य एवं वन्यजीवन सेवा शामिल हैं।

एशिया में गैंडों का वितरण

- ये भारत, नेपाल, भूटान, इंडोनेशिया और मलेशिया में फैले हुए हैं।
- इन देशों को एशियाई गैंडा रेंज देश भी कहा जाता है।
- ग्रेट एक सींग वाला गैंडा केवल भारत में ही पाया जाता है।
- वर्तमान में, भारत में लगभग 2600 भारतीय गैंडें हैं, जिनकी 90 प्रतिशत से ज्यादा जनसंख्या असम के काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क में केंद्रित है।

भारतीय गैंडों के लिए DNA डाटाबेस

- पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने 2019 में देश में सभी गैंडों की DNA प्रोफाइल के निर्माण के लिए एक परियोजना की शुरुआत की है।
- **भारतीय गैंडा भारत में ऐसी पहली जंगली जानवर की प्रजाति हो सकती है जिसके सभी सदस्यों के DNA के अनुक्रम तैयार हो सकते हैं।**
- यह परियोजना केंद्र के बड़, चल रहे गैंडा संरक्षण कार्यक्रम का उपसमुच्चय हो सकती है।
- **परियोजना की समयसीमा 2021 है।**
- यह परियोजना गैंडों से संबंधित वन्यजीवन अपराधों में अवैध शिकार को रोकने और साक्ष्य इकट्ठा करने में मदद कर सकती है।

- इस डाटाबेस को **भारतीय वन्यजीवन संस्थान (WII)** के **देहरादून स्थित मुख्यालय** में रखा जाएगा।

गैंडों की संरक्षण की स्थिति

- एशिया में गैंडों की तीन प्रजातियां हैं- ग्रेटर एक सींग वाला, जावान और सुमात्रन।
- **जावान और सुमात्रन** को IUCN लाल सूची में **गंभीर रूप से संकटग्रस्त** के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- ग्रेटर एक सींग वाला (अथवा भारतीय) गैंडा IUCN लाल सूची में कमजोर के रूप में शामिल है जो एशिया में एकमात्र बड़ा स्तनपायी प्रजाति है जिसे 2008 में IUCN की लाल सूची में संकटग्रस्त से हटाकर कमजोर की श्रेणी में डाल दिया गया था।

संबंधित सूचना

पोबीतोरा वन्यजीवन अभ्यारण्य

- यह भारत, असम के मोरीगांव जिले में ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी किनारे पर एक वन्यजीवन अभ्यारण्य है।
- यहां दुनिया में एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी संख्या है और काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क के बाद असम में दूसरी सबसे बड़ी संख्या है।
- समान परिदृश्य और वनस्पति की वजह से इसे अक्सर **'मिनी काजीरंगा'** कहा जाता है।

नवेगांव-नागजिरा बाघ रिजर्व (NNTR)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, नवेगांव-नागजिरा बाघ रिजर्व (NNTR) में वन आग को बुझाने के एक ऑपरेशन के दौरान तीन श्रमिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

नवेगांव-नागजिरा बाघ रिजर्व (NNTR) के बारे में

- यह महाराष्ट्र के उत्तर-पूर्वी किनारे में गोंदिया और भंडारा जिलों में स्थित है।
- गोंडिया जिले की क्रमशः उत्तर और पूर्वी किनारे पर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ समान सीमाएं हैं।
- **यह महाराष्ट्र का पांचवां बाघ रिजर्व है।**
- **इसे 12 दिसंबर, 2013 को भारत के 46वें बाघ रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया गया।**
- रणनीतिक रूप से बाघ रिजर्व भारतीय बाघ परिदृश्य के हृदय में स्थित है जिसमें देश के कुल बाघ जनसंख्या की 1/6 जनसंख्या निवास करती है।

भारत ऊर्जा डैशबोर्ड्स (IED) वर्जन 2.0.

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-पर्यावरण, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- नीति आयोग ने हाल में भारत ऊर्जा डैशबोर्ड्स (IED) वर्जन 2.0 की शुरुआत की है।
- पहले वर्जन को मई 2017 में शुरु किया गया था।

भारत ऊर्जा डैशबोर्ड्स के बारे में

- यह देश के केंद्रीय ऊर्जा डाटाबेस को स्थापित करने का प्रयास है।
- IED भारत के लिए एक समग्र, खुला, और मुक्त रूप से उपलब्ध ऊर्जा डाटा पोर्टल के निर्माण की ओर एक आरंभिक कदम है।

लक्ष्य

- इसका लक्ष्य देश के लिए ऊर्जा डाटा के वास्ते एकल खिड़की पहुँच उपलब्ध कराना है।

भारत ऊर्जा डैशबोर्ड्स (IED) वर्जन 2.0 की प्रमुख विशेषताएं

- यह वित्त वर्ष 2005-06 से लेकर वित्त वर्ष 2019-20 तक समय ऋंखला डाटा उपलब्ध कराता है और साथ में उप-वर्षीय आवृत्तियों पर भी डाटा उपलब्ध कराता है।
- इसमें शामिल है मासिक डाटा और API से जुड़ा हुआ डाटा कुछ पोर्टलों से जिसका सरकारी एजेंसियों द्वारा रखरखाव किया जाता है।
- मासिक डाटा को मासिक रिपोर्टों से लिया जाता है जिन्हें विद्युत, पेट्रोलियम और प्राकृति गैस क्षेत्रों के लिए नियमित रूप से प्रकाशित किया जाता है।
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, कोयला नियंत्रण संगठन और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा ऊर्जा डाटा प्रकाशित अथवा उपलब्ध कराया जाता है जिसे डैशबोर्ड्स में संकलित किया जाता है।
- इस लक्ष्य डाटा को सूचना में परिवर्तित करना है, और सूचना को अंतर्दृष्टि में जिससे उन लोगों को प्रेरणा दी जा सके जो परिवर्तन पैदा करने की स्थिति में हैं।
- एक **फीडबैक और सुझाव** मंच को ऊर्जा डाटा प्रयोगकर्ता समुदाय के साथ बातचीत के लिए शामिल किया गया है;
- **उन्नत डाटा डाउनलोड**
    - यह उपयुक्त स्प्रेडशीट प्रारूपों में डाटा की आसान डाउनलोडिंग को सक्षम बनाता है जो ज्यादा स्वच्छ और ज्यादा अंतर्दृष्टि वाला होता है।

जापान की महासागर में संदूषित फुकुशिमा जल को फेंकने की योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, जापान ने नष्ट किये गए फुकुशिमा नाभिकीय स्टेशन से एक मिलियन टन से ज्यादा रेडियोधर्मी जल को समुद्र में फेंकने की योजना बनाई है।

खबरों में और भी

- संयंत्र संचालक टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स इंक (Tepco) प्रक्रिया में उपचार के बाद लगभग दो वर्षों में जल को फेंकना चालू कर देगी जिसे पूरा होने में दशकों लग जाएंगे।

ट्राइटियम का हानिकारक प्रभाव

- टेप्को की योजना समस्थानिकों को फिर से हटाने के लिए संदूषित जल को छानने की है, जिसमें सिर्फ ट्राइटियम बचेगा, जो हाइड्रोजन का एक रेडियोधर्मी समस्थानिक है जिसे जल से अलग करना मुश्किल है।
- टेप्को उसके बाद जल को उस समय तक पतला करेगा जब तक ट्राइटियम स्तर विनियमन स्तरों से नीचे नहीं गिर जाता है, यह कार्य तटीय स्थानों से महासागर में जल को डालने से पहले किया जाएगा।
- पूरी दुनिया में ट्राइटियम वाले जल को नियमित तौर पर नाभिकीय संयंत्रों द्वारा निकाला जाता है और महासागर में फुकुशिमा जल को डालने को विनियामक प्राधिकरण समर्थन देते हैं।
- ट्राइटियम को सापेक्षिक रूप से कम हानिकारक माना जाता है क्योंकि यह मानव त्वचा के भेदन के लिए पर्याप्त ऊर्जा का उत्सर्जन नहीं करता है।

- लेकिन निगलने पर कैंसर का खतरा बढ़ सकता है, 2014 में एक वैज्ञानिक अमेरिकी लेख में कहा गया था।

फुकुशिमा नाभिकीय दुर्घटना, 2011 के बारे में

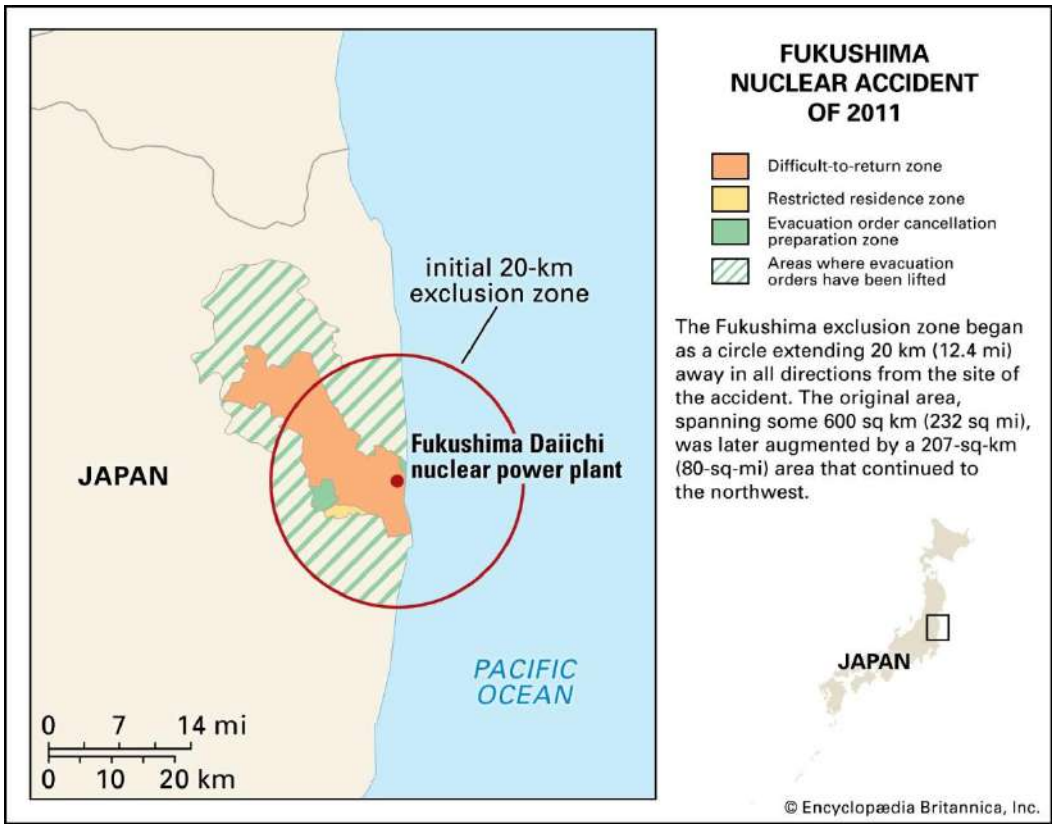

- फुकुशिमा दुर्घटना, जिसे फुकुशिमा नाभिकीय दुर्घटना अथवा फुकुशिमा डायची नाभिकीय दुर्घटना भी कहा जाता है, उत्तरी जापान में फुकुशिमा डायची (नंबर एक) संयंत्र में 2011 में हुई थी।
- यह स्थल जापान के प्रशांत तट पर है, उत्तरीपूर्वी फुकुशिमा में लगभग सेंडई के दक्षिण से 100 किमी. पर।
- यह सुविधा का संचालन टोक्यो इलेक्ट्रिक एंड पावर कंपनी (TEPCO) द्वारा किया जाता था और इसमें 1971 से 1979 के बीच में निर्मित छह क्वाथनांक जल रिएक्टर थे।
- दुर्घटना के समय, केवल 1-3 नंबर के रिएक्टर ही कार्यरत थे और रिएक्टर 4 खर्च हुई ईंधन रॉडों के लिए अस्थाई भंडारण का कार्य करता था।

9. स्काईमेट ने स्वस्थ और सामान्य मानसून की भविष्यवाणी की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में निजी मौसम भविष्यवाणी कंपनी, स्काईमेट वेदर ने कहा है कि इस वर्ष मानसून के दीर्घावधि औसत (LPA) के 103% होने की संभावना है।

- **एजेंसी ने भविष्यवाणी को 'स्वास्थ्यपूर्ण सामान्य' के रूप में वर्गीकृत किया है।**

दीर्घावधि औसत (LPA) के बारे में

- यह औसत वर्षा है जो 50 वर्ष की अवधि के लिए दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान संपूर्ण के रूप में देश प्राप्त करता है।
- यह बेंचमार्क के रूप में कार्य करती है उसके मुकाबले में जिससे किसी मानसून मौसम में वर्षा को मापा जाता है।
- **वर्तमान LPA 89 सेमी. है, जोकि वर्ष 1951 और 2000 के दरमियान औसत वर्षा पर आधारित है।**

कम वर्षा

- देश को कम वर्षा मिली उस समय कहा जाता है यदि वास्तविक वर्षा LPA के 90 प्रतिशत से नीचे होती है।

ज्यादा वर्षा

- देश को ज्यादा वर्षा मिल रही है उस समय कहा जाता है जब वर्षा LPA के 110 प्रतिशत से ज्यादा होती है।

सामान्य वर्षा

- जब वास्तविक वर्षा LPA के 96 और 104 प्रतिशत के बराबर होती है।

नोट:

- एक साथ लगातार तीन महीने तक 1 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की तापमान वृद्धि को मजबूत अल नीनो के रूप में देखा जाता है (और मानसून के लिए खतरनाक होता है)।
- 0.5 डिग्री सेल्सियस से लेकर 1 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़त को कमजोर अल नीनो स्थितियां कहा जाता है। वर्तमान में, अल नीनो 0.9 डिग्री सेल्सियस है।

10. गंगावरण बंदरगाह

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I+III- भूगोल, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने हाल में प्रतिस्पर्धा कानून 2002 के अनुच्छेद 31(1) के अंतर्गत अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लि. (APSEZ) द्वारा गंगावरम पोर्ट लि. में 89.6 प्रतिशत की इक्विटी शेयरहोल्डिंग अधिग्रहण को स्वीकृति प्रदान कर दी।

गंगावरम बंदरगाह के बारे में

- यह विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में स्थित है।
- यह भारत का सबसे गहरा बंदरगाह है।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के बारे में

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग भारत सरकार का एक वैधानिक निकाय है जिसकी जिम्मेदारी पूरे भारत में प्रतिस्पर्धा कानून, 2002 को लागू करना है।
- इसकी स्थापना 14 अक्टूबर 2003 को की गई थी।
- इसने मई 2009 में पूरी तरह से कार्य करना शुरू किया और धानेंद्र कुमार इसके पहले अध्यक्ष थे।

मंकीडेकटाइलः सबसे पुराने सम्मुख अंगूठे के साथ वाला उड़ने वाला सरीसृप

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में शोधकर्ताओं ने टेरोसोर प्रजाति जिसे मंकीडेकटाइल कहा जाता है, जिनके सम्मुख अंगूठे होते हैं, जोकि अंग का सबसे पहला ज्ञात उदाहरण हो सकता है।

मंकीडेकटाइल के बारे में

A newly discovered pterosaur (illustrated) from the Jurassic Period may have used its opposable thumbs to cling to tree branches and catch food such as cicadas.

- टेरोसोर प्रजातियां सरीसृप थे, जो डायनासोर के करीबी संबंधी थे और कीड़ों के बाद पहले जानवर थे जो उड़ सकते थे।
- इनका विकास विभिन्न प्रजातियों में हुआ; जहां कुछ एफ-16 लड़ाकू जेट के बराबर थे, दूसरे कागज वाले जहाज के बराबर छोटे थे।
- नए टेरोसोर जीवाश्म की खोज चीन के लिआओनिंग के तियाओजिशन फार्मेशन में की गई थी। ऐसा माना जाता है कि यह 160 मिलियन वर्ष पुराना है। इसे कुनपेनगोपटेरस, एंटीपॉलीकेटस, साथ ही मंकीडेकटाइल नाम दिया गया।

क्रायोड्रेकन बोरेस से ज्यादा पुराना

- हाल में पाया गया टेरोसोर जीवाश्म क्रायोड्रेकन **बोरेस** से ज्यादा पुराना है जिसकी पहचान 2019 में की गई थी। जीवाश्मविज्ञानी ने उस प्रजाति की टेरोसोर के रूप में पहचान की है जो पश्चिमी कनाडा में 77 मिलियन वर्ष पूर्व निवास करती थी।
- इसे सबसे बड़ा उड़ने वाला जानवर माना जाता है, जो डाइनासोर के सिर के ऊपर उड़ता था जिसके पंखों की परिधि 10 मीटर की थी।

HGCO19 टीका

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- विज्ञान और तकनीक मंत्रालय के अंतर्गत बायोतकनीक विभाग (DBT) ने हाल में घोषणा की है कि उसने भारत की पहली अपनी तरह की एमआरएनए आधारित कोविड-19 टीका- HGCO19 के क्लीनिकल अध्ययनों के प्रति अतिरिक्त वित्त पोषण की स्वीकृति दी है।

- इस वित्त पोषण को **'मिशन कोविड सुरक्षा- भारतीय कोविड 10 टीका विकास मिशन'** के अंतर्गत प्रदान किया गया है।

HGCO19 टीके के बारे में

- यह भारत का पहला अपने प्रकार का mRNA आधारित कोविड-19 टीका है।
- इसका विकास पूणे आधारित बायोतकनीक कंपनी जेन्नोवा बायोफार्मास्युटिकल्स लि. द्वारा किया जा रहा है।
- **जेन्नोवा ने HDT बायोटेक कार्पोरेशन संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ सहयोग में कोविड-19 ए mRNA टीका HGCO19 का विकास किया है।**

mRNA टीका क्या है?

- mRNA पर आधारित कोरोनावायरस टीका, जब शरीर में डाला जाता है, तो वह शरीर की कोशिकाओं को स्पाइक प्रोटीन की प्रतिकृति बनाने का निर्देश देता है।
- mRNA को कोशिकाओं को यह कहने के लिए कोडेड किया जाता है कि वह कोरोनावायरस SARS-CoV-2 (इससे कोविड-19 होता है) की स्पाइक प्रोटीन को प्रतिकृति बनाए।
- यह स्पाइक प्रोटीन है जो कोरोनावायरस की सतह पर कांटों के रूप में नजर आती है जो संक्रमण की प्रक्रिया की शुरुआत करती है और यह वायरस को कोशिकाओं के भेदन की अनुमति देता है जिससे बाद यह प्रतिकृतियां बनाता है।
- mRNA टीका mRNA अथवा मैसेंजर RNA का प्रयोग करके कार्य करता है, जोकि अणु है जो निश्चितरूप से DNA के निर्देशों पर कार्रवाई करता है।

यह कैसे कार्य करता है?

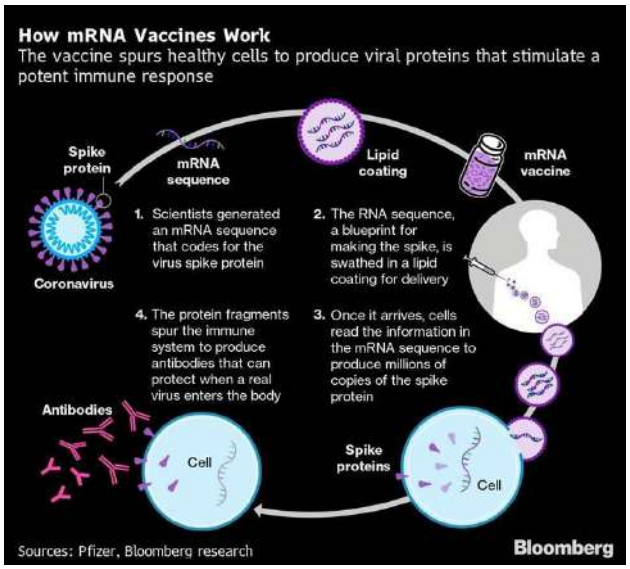

- mRNA पर आधारित कोरोनावायरस टीका, जब शरीर में डाला जाता है, तो वह शरीर की कोशिकाओं को स्पाइक प्रोटीन की प्रतिकृति बनाने का निर्देश देता है।
- अपनी तरफ से इसके प्रतिपिंड बनाने के लिए प्रतिरक्षा कोशिकाओं को संकेत देना होता है जिससे संक्रमण से लड़ाई हो सके।

- ये प्रतिपिंड रक्त में रहते हैं और वास्तविक वायरस से लड़ाई लड़ते हैं जब भी ये मानव शरीर को संक्रमित करते हैं।
- ये mRNA इस मामले में, कोशिकाओं को कहने के लिए कोडेड किये जाते हैं कि कोरोनावायरस SARS-CoV-2 (इससे कोविड-19 होता है) की स्पाइक प्रोटीन को जन्म दें।
- यह स्पाइक प्रोटीन है जो कोरोनावायरस की सतह पर कांटों के रूप में नजर आती है जो संक्रमण की प्रक्रिया की शुरुआत करती है और यह वायरस को कोशिकाओं के भेदन की अनुमति देता है जिससे बाद यह प्रतिकृतियां बनाता है।

नोट:

- अन्य प्रकार के टीके में शामिल हैं प्रतिकृति न बनाने वाली वायरस वैक्टर श्रेणी, इसका एक उदाहरण है ऑक्सफोर्ड और एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित किया गया टीका।

मिशन कोविड सुरक्षा- भारतीय कोविड-19 टीका विकास मिशन के बारे में

- केंद्र ने इस पैकेज की घोषणा तीसरे आर्थिक प्रोत्साहन के दौरान की थी।

उद्देश्य

- एंड टू एंड केंद्रण वाला मिशन जो क्लीनिकल पूर्व विकास से शुरू होकर बाजार में उतारे जाने के लिए क्लीनिकल विकास और विनिर्माण एवं विनियमन प्रोत्साहन के द्वारा तीव्र उत्पाद विकास की ओर सभी उपलब्ध और वित्त पोषित संसाधनों को मजबूत करेगा।

अनुदान

- मिशन के पहले चरण को 12 महीनों के काल के लिए रु. 900 आवंटित किये जा चुके हैं।
- इस अनुदान को भारतीय कोविड-19 टीकों के शोध एवं विकास (R&D) के लिए बायोतकनीक विभाग (DBT) को उपलब्ध कराया जाएगा।

मुद्रा पेटिका (करेंसी चेस्ट)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में एक्सिस बैंक की मुद्रा पेटिका से एक निजी सुरक्षा गार्ड द्वारा रु. 4.04 करोड़ की चोरी ने मुद्रा पेटिकाओं के मामलों को उजागर किया है।

मुद्रा पेटिका के बारे में

- मुद्रा पेटिका वह स्थान होता है जहां भारतीय रिजर्व बैंक बैंकों औऱ एटीएम के लिए मुद्रा का भंडारण करता है।
- ये पेटिकाएं सामान्य तौर पर अलग बैंकों के परिसरों में होते हैं लेकिन इनका प्रशासन RBI के हाथों में होता है।
- RBI के प्रतिनिधि समय समय पर मुद्रा पेटिकाओं का निरक्षण करते हैं, और इसके बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देते हैं।

- मुद्रा पेटिका में मौजूद धन RBI का होता है और मुद्रा पेटिका के बाहर स्ट्रांग रूम में रखी मुद्रा बैंक की होती है।

जून 1 से सोने की आवश्यक हालमार्किंग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स)

खबरों में क्यों है?

- सरकार ने हाल में जून 1, 2021 से स्वर्ण आभूषणों और कलाकृतियों की जरूरी हालमार्किंग को क्रियान्वित करने की घोषणा की।
- पूर्व में, केंद्र ने नवंबर 2019 में घोषणा की थी कि जनवरी 15, 2021 से पूरे देश में स्वर्ण आभूषणों औऱ कलाकृतियों की हालमार्किंग आवश्यक कर दी जाएगी।

सोने की हालमार्किंग के बारे में

- यह बहुमूल्य धातु का शुद्धता प्रमाणीकरण है। वर्तमान में, यह वैकल्पिक है।

भारत में सोने की हालमार्किंग

- 2019 में, सरकार की घोषणा के अनुसार, स्वर्ण आभूषणों और कलाकृतियों की हालमार्किंग पूरे देश में आवश्यक कर दी गई।
- सरकार ने जौहरियों को हालमार्किंग की ओऱ जाने के लिए 1 वर्ष से ज्यादा का समय दिया जिससे वे भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के साथ पंजीकरण करवा सकें।

प्रमुख विशेषताएं

- हालमार्क किए हुए स्वर्ण आभूषण केवल तीन श्रेणियों में उपलब्ध होंगे- 14 कैरेट, 18 कैरेट औऱ 22 कैरेट।
- वर्तमान में यह दस श्रेणियों में उपलब्ध है।
- हालमार्क किए गए स्वर्ण आभूषण में चार चिन्ह होंगे। जैसे कि BIS चिन्ह, कैरेट में शुद्धता, एसे केंद्र का नाम और जौहरी का पहचान चिन्ह।

स्वर्ण हालमार्किंग के लाभ

- यह लोगों को निम्न कैरेट के खिलाफ संरक्षण प्रदान करेगी।
- यह इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि स्वर्ण आभूषण खरीदते वक्त उपभोक्ताओं को ठगा न जाए।

भारतीय मानक ब्यूरो के बारे में

- भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करने वाले भारतीयों का राष्ट्रीय मानक निकाय है।
- इसकी स्थापना भारतीय मानक ब्यूरो कानून, 1986 द्वारा की गई थी जो 23 दिसंबर 1986 को प्रभाव में आया।

- मंत्रालय अथवा विभाग के पदस्थ मंत्री जिनका BIS पर प्रशासनिक नियंत्रण है BIS के गैर पदेन अध्यक्ष होते हैं।

नोट: भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है।

वायु प्रदूषण से मुकाबला करने और उपचारात्मक कदमों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय कार्यबल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (NGT) ने एक आठ सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यबल की स्थापना वायु प्रदूषण से मुकाबला करने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने के वास्ते उपचारात्मक कदमों की निगरानी के लिए की है।

राष्ट्रीय कार्यबल के बारे में

- इसमें पर्यावरण, वन एवं मौसम परिवर्तन मंत्रालयों, आवास एवं शहरी मामले, पेट्रोलियम , परिवहन, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य मंत्रालयों, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।
- NTF जहां वायु गुणवत्ता खराब है अथवा उससे ऊपर है, में अन्य पहचाने हुए वायु प्रदूषित क्षेत्रों में गैर पाए गए शहरों के बाहर वायु गुणवत्ता मानक जो दिये गए हैं, उनके प्रवर्तन की निगरानी भी कर सकता है।
- राज्यस्तर पर कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति की निगरानी को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव जारी रख सकते हैं। उनकी सहायता के लिए उनके कार्यालयों में निगरानी सेल और वायु गुणवत्ता निगरानी समिति होंगी।

वायु प्रदूषण के मुकाबले के लिए सरकारी पहल

- स्वच्छ गैसीय ईंधनों जैसे CNG, LPG इत्यादि को लागू करना और इथेनॉल का मिश्रण;
- राष्ट्रीय वायु सूचकांक (AQI) की शुरुआत करना;
- 1 अप्रैल 2020 तक वाहनों के लिए BS-IV से BS-VI तक पहुँचना;
- उद्योगों के लिए राष्ट्रीय वातावरणीय वायु गुणवत्ता मानकों और क्षेत्र विशिष्ट उत्सर्जन और रिसने वाले प्रवाह के मानक के लिए नोटिस जारी करना;
- परिवेशी वायु गुणवत्ता के आकलन के लिए निगरानी नेटवर्क की स्थापना करना;
- वायु प्रदूषण इत्यादि के विभिन्न स्तरों के लिए दिल्ली के वास्ते स्रोतवार कार्रवाईयों के लिए श्रेणीबद्ध प्रतियुत्तर कार्ययोजना की अधिसूचना।

राष्ट्रीय मौसम अतिसंवेदनशीलता आकलन रिपोर्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, रिपोर्ट जिसका शीर्षक **'समान ढांचे का प्रयोग करके भारत में तदात्म्य योजना के लिए मौसम अतिसंवेदनशीलता का आकलन'** को **विज्ञान एवं तकनीक विभाग** द्वारा जारी किया गया।

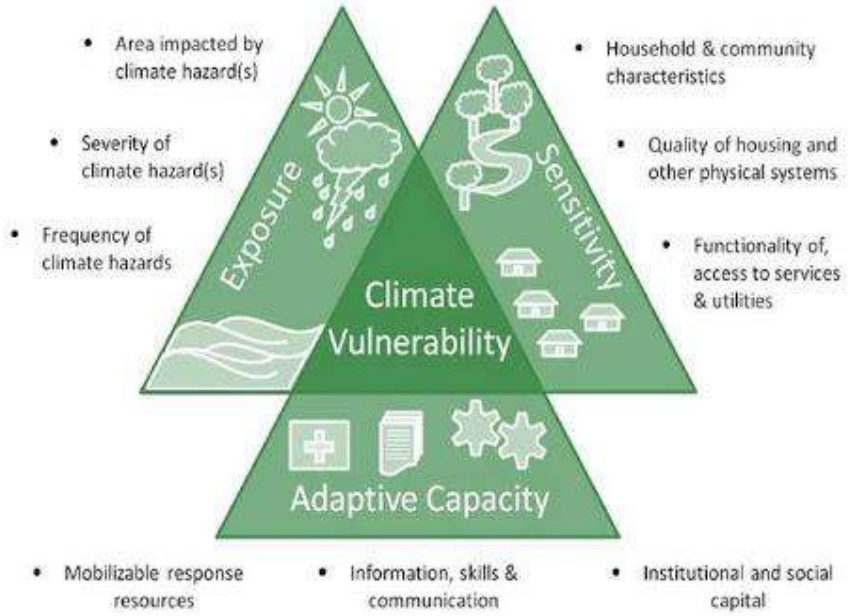

रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम

- राष्ट्रीय मौसम अतिसंवेदनशीलता आकलन ने **आठ पूर्वी राज्यों की मौसम परिवर्तन के प्रति अंतिसंवेदनशील के रूप में पहचान की है।**

राज्यस्तरीय अतिसंवेदनशीलता

उच्च अतिसंवेदनशील राज्य

- राज्यस्तरीय अतिसंवेदनशीलता सूचकांक जो इस रिपोर्ट में विकसित किए गए हैं 0.42-0.67 के छोटे परास में अलग हैं।
- सापेक्षिक रूप से ऊंची अतिसंवेदनशीलता के साथ राज्य झारखंड, मिजोरम, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, असम हैं।
- झारखंड ने 0.67 की सबसे ऊंची अतिसंवेदनशीलता हासिल की। महाराष्ट्र की अतिसंवेदनशीलता सबसे कम 0.42 रही।
- इसका अर्थ है झारखंड मौसम परिवर्तन के प्रति अतिसंवेदनशील है और महाराष्ट्र सबसे कम अतिसंवेदनशील है।
- बिहार, अरुणाचल प्रदेश, और पश्चिम बंगाल अधिकांशतः देश के पूर्वी हिस्से में हैं, जिनको तदात्म्य हस्तक्षेपों के प्राथमिकीकरण की जरूरत है।

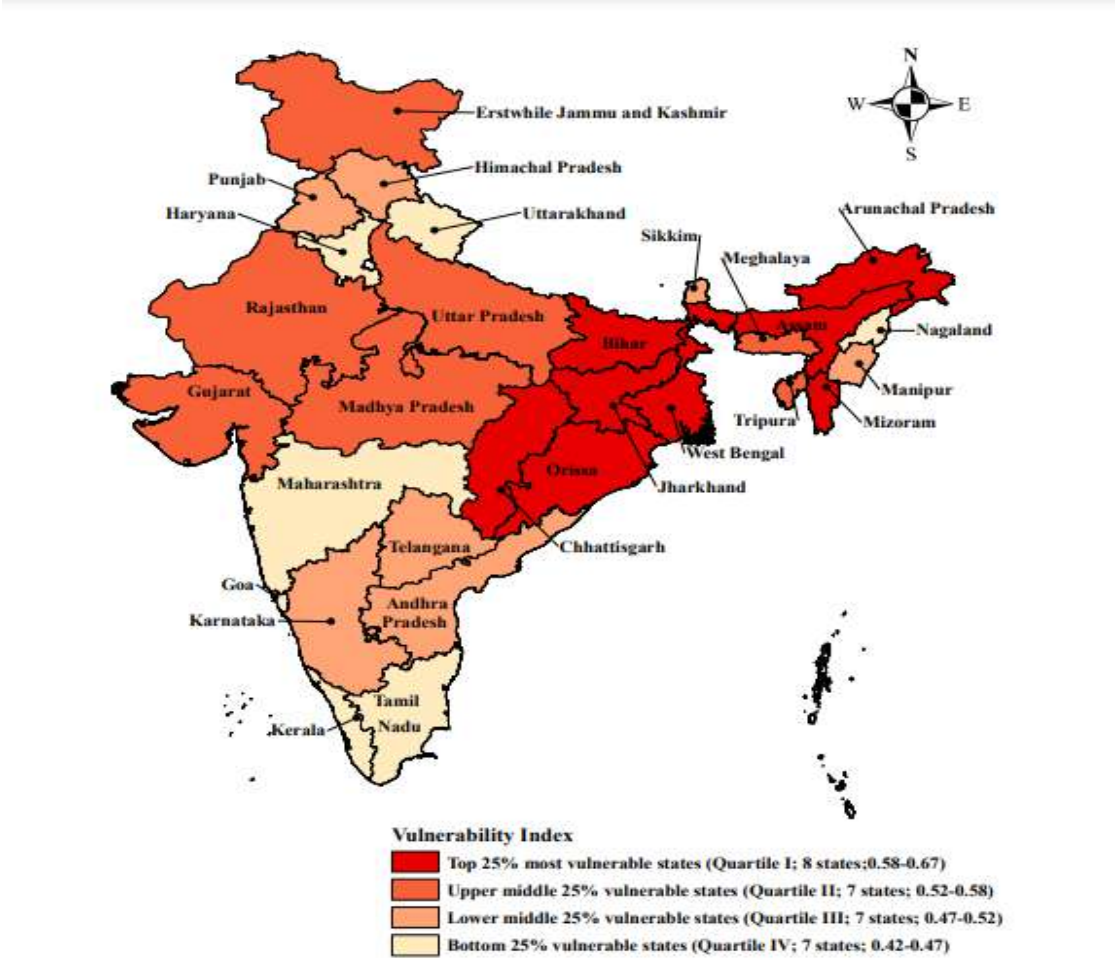

निम्न-मध्यम अतिसंवेदनशील राज्य

- हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, सिक्किम और पंजाब को निम्न-मध्यम अतिसंवेदनशील राज्य के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

निम्न अतिसंवेदनशील राज्य

- उत्तराखंड, हरियाणा, तमिलनाडु, केरल, नागालैंड, गोवा और महाराष्ट्र को निम्न अतिसंवेदनशील के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

सापेक्षिक रूप से मध्यम अतिसंवेदनशील राज्य

- उत्तर प्रदेश, गुजरात, त्रिपुरा, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, मध्य प्रदेश, राजस्थान, मेघालय सापेक्षिक रूप से मध्य अतिसंवेदनशील राज्यों में शामिल हैं।
- उनकी अतिसंवेदनशीलता सूचकांक 0.42 और 0.50 के बीच में था।

जिलास्तरीय अतिसंवेदनशीलता

- जिलास्तरीय अतिसंवदेनशीलता सूचकांक भी छोटे परास 0.34-0.75 के मध्य में हैं।

- असम, बिहार और झारखंड के 60% जिले उच्च अतिसंवेदनशील जिलों की श्रेणी में हैं।

अतिसंवेदनशीलता के मुख्य संचालक

राज्यों को उनकी अतिसंवेदनशीलता के विभिन्न संचालकों के आधार पर स्थान दिया गया है।

ये हैं:

a. अनाजों की उच्च उपज- परिवर्तनशीलता
b. फसल बीमा की अत्यंत कम कवरेज
c. वर्षा सिंचित कृषि की उपस्थिति
d. प्रति 1000 ग्रामीण जनसंख्या पर वन क्षेत्र की कमी
e. निम्न सड़क घनत्व और रेलवे नेटवर्क की कमी
f. स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं की कम संख्या
g. वेक्टर वहित रोगों की उच्च संख्या
h. गरीबी रेखा से नीचे जनसंख्या का ऊंचा अनुपात
i. सीमांत और छोटी भूमि का प्रचलन
j. प्राकृतिक संसाधन आधारित आय का ऊंचा समानुपात
k. MGNREGA के क्रियान्वयन की कमी
l. निम्न सड़क घनत्व
m. रेल नेटवर्क की कमी
n. बागवानी पेड़ों पर कम निर्भरता

अतिसंवेदनशीलता आकलन का अनुप्रयोग

- अतिसंवेदनशीलता आकलन अधिकांश अतिसंवेदनशील राज्यों और जिलों की पहचान और रैंकिंग में सहायता कर सकता है और राज्यों को तदात्म्य और निवेश योजना के प्राथमिकीकरण में सहायता कर सकती है।
- यह हरित मौसम कोष, तदात्म्य कोष, और बहुपक्षीय और द्विपक्षीय एजेंसियों के लिए कोषों के लिए तदात्म्य परियोजनाओं को विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है।
- अतिसंवेदनशीलता आकलन जो राज्यों द्वारा किये गए हैं, मौसम परिवर्तन पर पुनर्समीक्षित राज्य कार्ययोजना में एक अध्याय बन सकते हैं, जैसा कि पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय द्वारा रूपरेखा उपलब्ध कराई गई है।
- यह राष्ट्रीयकृत निर्धारित योगदानों को भी बढ़ावा देगा, जो कृषि, जल संसाधनों, स्वास्थ्य क्षेत्र और हिमालियाई क्षेत्र, तटीय क्षेत्र इत्यादि में मौसम परिवर्तन के प्रति अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों में निवेश को बढ़ाकर मौसम परिवर्तन से बेहतर तदात्म्य बैठा सकता है।
- यह आपदा प्रबंधन की योजना में भी मदद दे सकता है।
- अतिसंवेदनशीलता आकलन मौसम परिवर्तन प्रभावों और अतिसंवेदनशीलता के आकलन के द्वारा पेरिस समझौते, अनुच्छेद 9 के अंतर्गत रिपोर्टिंग में योगदान देता है; साथ ही यह एक राष्ट्रीय तदात्म्य योजना के निर्माण और क्रियान्वयन, तदात्म्य योजनाओं की निगरानी और मूल्यांकन, नीतियों और कार्यक्रमों; और सामाजार्थिक और पारिस्थितिकीय प्रणालियों के लोचनीयता के विकास और क्रियान्वयन में भी सहायता करता है।

द्वि उत्परिवर्ती (डबल म्यूटेंट): कोरोनावायरस का B.1.617 रूप

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, द्वि उत्परिवर्तन की उपस्थिति जिसे 'B.1.617' रूप कहा जा रहा है, 220 लोगों- जो महाराष्ट्र में राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान द्वारा इकट्ठा किये गए नमूनों का 61 प्रतिशत है, में पाया गया।

B.1.617 क्या है?

- **SARS-CoV-2** का **B.1.617** रूप दो उत्परिवर्तनों को लेकर चलता है, **E484Q** और **L452R**।
- दोनों ही अलग रूप में कोरोनावायरस रूपों में पाए जाते हैं, लेकिन उन्हें पहली बार भारत में रिपोर्ट किया गया है।
- दोनों उत्परिवर्तनों को वायरस की स्पाइक प्रोटीन में पाया गया है।
- स्पाइक प्रोटीन वायरस को अपने आप को मानव कोशिका के ग्राहियों से बांधने में मदद करता है और अतिथि कोशिका में प्रवेश करने में भी मदद देती है।
- E484Q उत्परिवर्तन E484K के ही समान होता है, ऐसा उत्परिवर्तन यूनाईटेड किंगडम (लीनिएज B.1.7) और दक्षिण अफ्रीका (B.1.351) में पाया जाता है।
- L452R उत्परिवर्तन कैलीफोर्निया के तेजी से फैलने वाले रूपों (B.1.427 and B.1.429) में पाया गया है।
- यह मानव कोशिकाओं पर ACE2 ग्राहिकाओं के साथ स्पाइक प्रोटीन की बंधन शक्ति को बढ़ा सकता है।
- L452R संभावित रूप से वायरल प्रतिकृतिकरण को भी उन्नत कर सकते हैं।
- **साथ में, E484Q और L452R ज्यादा संक्रामक हैं और प्रतिपिंडों को धोखा दे सकते हैं।**

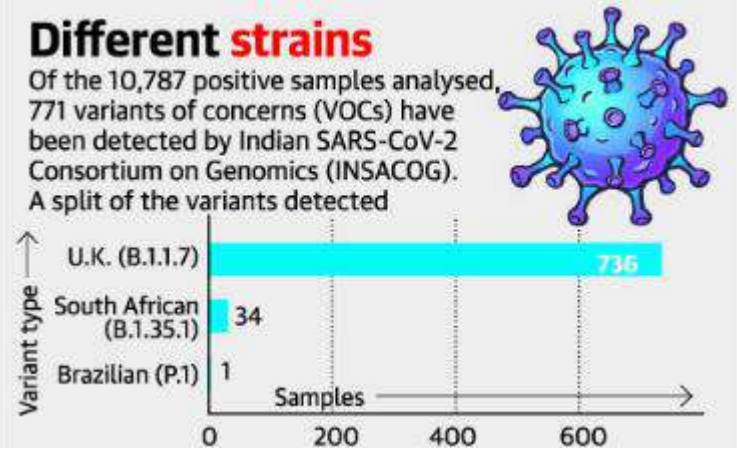

द्वि उत्परिवर्ती वायरस के बारे में

- द्वि उत्परिवर्तन जब होता है जब एक वायरस के दो उत्परिवर्तित स्ट्रेन एक साथ आकर एक तीसरे स्ट्रेन का निर्माण करते हैं।
- एक जिसकी रिपोर्ट भारत में की गई है, E484Q और L452R स्ट्रेनों के संयोजन का परिणाम है।

- **T L452R को संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलीफोर्निया में पाया गया जबकि E484Q स्ट्रेन स्वदेशी है।**
- द्वि उत्परिवर्तन संभावित रूप से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली से बच निकलने की अनुमति देता है और अपने आप को प्रतिपिंडों के प्रति ज्यादा प्रतिरोधी बना लेता है।
- कुछ मामलों में वायरस अपने को टीके से बचाव भी कर सकता है।

जीनोमिक्स (INSACOG) पर भारतीय SARS-CoV-2 संघ के बारे में

- यह 10 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं का समूह है जिसकी स्थापना भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने की है।

कार्य

- यह जीनोम का अनुक्रमीकरण और कोविड-19 वायरसों की चक्रीकरण का विश्लेषण करता है, और जीनोमिक रूपों के साथ महामारी विज्ञान प्रवृत्तियों को संबंधित करता है।
- विभिन्न वायरसों के जीनोमिक रूप एक प्राकृतिक परिघटना है औऱ लगभग सभी देशों में पाए जाते हैं।

PNB धोखाधड़ी मामले में UK ने नीरव मोदी के प्रत्यार्पण को स्वीकृति दी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- UK के गृह मंत्रालय ने रु. 13,758 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक (PNB) धोखाधड़ी मामले के संबंध में भारत में हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यार्पण को स्वीकृति दे दी है।

प्रत्यार्पण के संबंध में

- सर्वोच्च न्यायालय ने **प्रत्यार्पण को एक देश से दूसरे देश को देने के रूप में परिभाषित किया है जिसके अपराध से वह देश निपटना चाहता है जिनके वे दोषी हैं अथवा दोष सिद्ध हो चुका है और अन्य देश के न्यायालय ने भी इसे न्यायोचित ठहराया है।**
- भारत से विदेश को एक भगोड़े का प्रत्यार्पण अथवा ठीक इसका उल्टा भारतीय प्रत्यार्पण कानून, 1962 के प्रावधानों के तहत प्रशासित होता है।

भारत में प्रत्यार्पण का मुख्य प्राधिकरण

- **विदेश विभाग मंत्रालय का काउंसलर, पासपोर्ट और वीज़ा प्रभाग, प्रत्यार्पण कानून को प्रशासित करता है और यह आने वाली और जाने वाली प्रत्यार्पण अनुरोधों को प्रसंस्कृत करता है।**

इसका क्रियान्वयन कैसे होता है?

- प्रत्यार्पण की प्रक्रिया की शुरुआत जांच के अंतर्गत, चल रहे मुकदमों और दोषी अपराधियों के मामले में होती है। जांच के अंतर्गत वाले मामलों में कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा काफी ज्यादा

सावधानी बरतने की जरूरत होती है जिससे विदेश में न्यायालय के सामने आरोपों को साबित करने के लिए प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के होने को सुनिश्चित किया जा सके।

प्रत्यार्पण संधि के बारे में

- भारतीय प्रत्यार्पण कानून 1962 का अनुच्छेद 2(**d)** प्रत्यार्पण संधि की व्याख्या ऐसी संधि, समझौते अथवा व्यवस्था के रूप में करता है जिसे भारत ने विदेशी देश से किया है, जो एक भगोड़े अपराधी के प्रत्यार्पण से संबंधित है जो कि भारत पर बाध्यकारी है।
- ये संधियां **पारंपरिक रूप से अपनी प्रकृति में द्विपक्षीय होती है।**

सामान्यतया पांच सिद्धांत हैं जिनका संधि के अंतर्गत अनुपालन किया जाता है :

a. प्रत्यार्पण केवल उन्हीं अपराधों पर लागू होता है जिनका जिक्र संधि में किया गया है,
b. यह द्वि आपराधिकता के सिद्धांत पर लागू होता है जिसका अर्थ है आवेदन करने वाले देश औऱ जिस देश में आवेदन किया गया है, दोनों ही देशों के राष्ट्रीय कानूनों में यह अपराध है,
c. जिस देश से अनुरोध किया गया है उसे संतुष्ट होना चाहिए कि आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला है,
d. प्रत्यार्पण केवल उसी अपराध के लिए होना जिसके लिए प्रत्यार्पण का अनुरोध किया गया है,
e. आरोपी को उचित मुकदमे का अवसर मिलना चाहिए।

UN खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्या है?

- हाल में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने **सितंबर 2021** में होनी वाली पहली UN खाद्य प्रणाली शिखर सम्मेलन का आह्वान किया जिससे कृषि-खाद्य प्रणालियों में सकारात्मक परिवर्तन के लिए कार्यों का रणनीतिकरण किया जा सके।

शिखर सम्मेलन के बारे में

- शिखर सम्मेलन 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को हासिल करने की कार्रवाई के दशक के हिस्से के रूप में होगा।
- यह शिखर सम्मेलन SDGs में प्रगति को तीव्र करने के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक रूप से खाद्य प्रणालियों को बनाने के लीवर्स और पाथवे पर ध्यान देगा।
- **कार्रवाई के मार्ग:** शिखर सम्मेलन के कार्रवाई के मार्ग हितधारकों को नई कार्य, साझेदारी और वर्तमान की पहलों को बढ़ाने को सीखने और साझा करने में मदद देंगे।

पांच कार्य मार्ग हैं:

1. **मार्ग 1**: सभी के लिए सुरक्षित और पोषक खाद्य तक पहुँच सुनिश्चित करना।

2. **मार्ग 2:** सतत उपभोग अनुक्रमों की बढ़ना।
3. **मार्ग 3:** प्राकृतिक रूप से सकारात्मक उत्पादन को बढ़ावा देना।
4. **मार्ग 4:** उन्नत समानता वाले जीवनयापन।
5. **मार्ग 5**: अतिसंवेदनशीलता, धक्कों और तनाव के लिए लोचनीयता का निर्माण करना।

संबंधित सूचना

रमेश चंद समिति के बारे में

- हाल में, सरकार ने कृषि और किसान कल्याण (MoAFW), ग्रामीण विकास मंत्रालयों और अन्य प्रतिनिधियों के साथ **रमेश चंद** की अध्यक्षता के अंतर्गत एक समूह का गठन किया है।

कार्य

- इस समूह को दिया गया मुख्य कार्य वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए वैश्विक खाद्य प्रणालियों में हस्तांतरण में उपयुक्त रूप से योगदान देने के लिए भारत में सतत और समानता वाली खाद्य प्रणालियों के सृजन की ओर राष्ट्रीय पाथवे के अन्वेषण के लिए कृषि खाद्य प्रणालियों के सभी हितधारकों के साथ राष्ट्रीय बातचीत करना है।

राष्ट्रीय स्टार्टअप परामर्शदात्री परिषद

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में रेलवे, वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री ने राष्ट्रीय स्टार्टअप परामर्शदात्री परिषद (NSAC) की पहली बैठक की अध्यक्षता की।

राष्ट्रीय स्टार्टअप परामर्शदात्री परिषद के बारे में

- इसका गठन उद्योग और आंतरिक व्यापार के प्रोत्साहन विभाग द्वारा किया गया।

उद्देश्य

- परिषद का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार को देश में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए शक्तिशाली पारितंत्र प्रणाली के निर्माण की जरूरत के लिए उपायों की सलाह देना है।
- इसका उद्देश्य देश में सतत आर्थिक वृद्धि को संचालित करना है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोजगार संभावनाओं को उत्पन्न करना भी है।

सदस्य

- परिषद का गठन पदेन और गैर आधिकारिक सदस्यों के साथ किया गया है।
- इन सदस्यों का नामांकन भारत सरकार द्वारा किया गया है।

- इनमें केंद्रीय मंत्रालयों से और सफल स्टार्टअप्स के संस्थापकों से सदस्य शामिल हैं।

चकती जैसे पैरों वाला चिमगादड़

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, चिमगादड़ की एक नई प्रजाति जिसके अंगूठे में चकती जैसे गद्दे हैं को पहली बार भारत में खोज गया है। इसकी खोज मेघालय में नांगखील्लेम वन्यजीवन अभ्यारण्य के पास के एक बांस के पैच के अंदर की गई है।

चकती जैसे पैर वाला चिमगादड़

- यह बांस में रहने वाली प्रजाति है।

वितरण

- यह चकती जैसे पैरों वाला चिमगादड़ दक्षिणी चीन, वियतनाम, थाईलैंड और म्यांमार में विशिष्ट स्थानों पर पाए जाते हैं।

संरक्षण का दर्जा

- IUCN के अनुसार, लगभग 5% चिमगादड़ों को संकटग्रस्त के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है और अन्य 11 प्रतिशत के बारे में आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।
- आगे, कुछ फल चिमगादड़ों की प्रजातियों को **वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1973 की अनुसूची 5** के अंतर्गत श्रेणीबद्ध किया गया है, इसके साथ ही चूहों जैसी प्रजातियां भी है जिसकी वजह से इन्हें कानूनी रूप से संरक्षित करना मुश्किल है।

संबंधित सूचना

नांगखील्लेम वन्यजीवन अभ्यारण्य के बारे में

- यह मेघालय के री भोई जिला में लैलाद गांव के पास स्थित है और लगभग 20 वर्ग किमी. के क्षेत्रफल को आच्छादित करता है।
- यहां के जानवरों में बंगाल का बाघ, काला भालू, तेंदुआ और ऐसे कई प्रजातियां शामिल हैं जो लुप्तप्राय होने की कगार पर है जैसे कि गर्दन वाला हार्नबिल और भूरा हार्नबिल पक्षी।

U.S. ट्रेजरी ने भारत को मुद्रा सतर्कता सूची में रखा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- **US ट्रेजरी की अप्रैल 2021 की अर्ध वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत US ट्रेजरी निगरानी सूची के 11 देशों में शामिल है, जो कि उसके मुद्रा प्रथाओं के संबंध में है।**

मुख्य बिंदु

- संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझीदारों की समिष्ट अर्थशास्त्र और विदेश विनिमय नीतियों पर रिपोर्ट, जिसे US कांग्रेस को सौंप गया, US के 20 सबसे बड़े व्यापारिक सहयोगियों की मुद्रा प्रथाओं की समीक्षा करती है।

समीक्षा साझीदारों के लिए तीन मानदंडों का प्रयोग किया जाता है:

    - बड़ी मात्रा में द्विपक्षीय व्यापार आधिक्य (कम से कम $20 अरब),
    - वर्तमान खाता आधिक्य, और
    - फोरेक्स बाजार में लगातार एकपक्षीय हस्तक्षेप।
- भारत के साथ सूची में अन्य दस देश चीन, जापान, कोरिया, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और मैक्सिको हैं।
- इनमें से आयरलैंड और मैक्सिको को छोड़कर दिसंबर 2020 की सूची में भी थे।

भारत ने तीन में से दो मानदंडों को पूरा किया -

a. व्यापार आधिक्य मानदंड और

b. लगातार एकपक्षीय मानदंड

भारत के लिए परिणाम

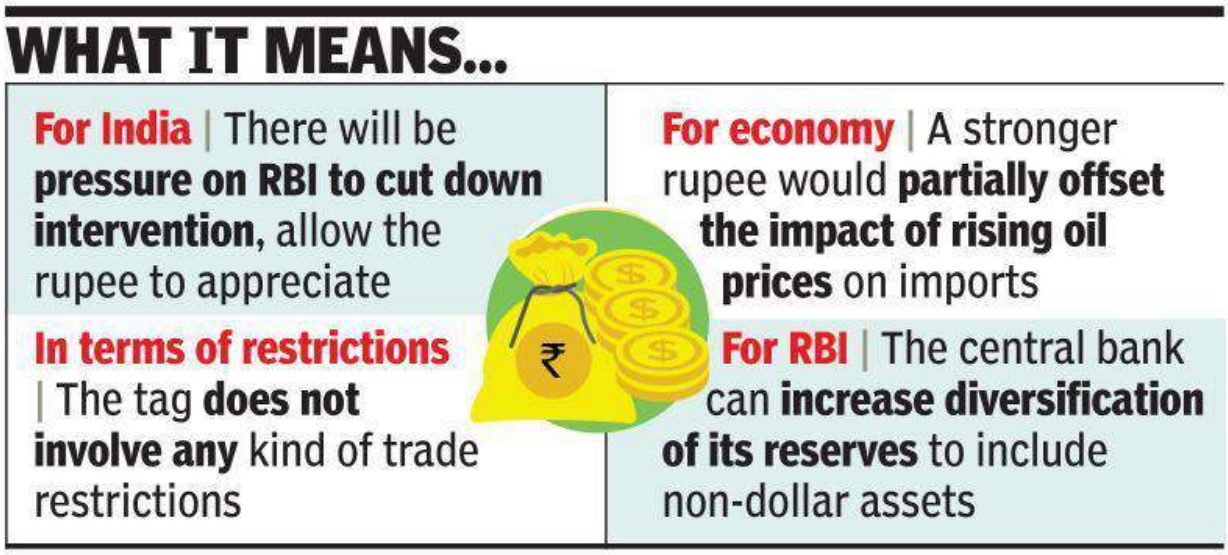

- भारत ने पारंपरिक रूप से एक तरफ मुद्रा अधिमूल्यन के आधिक्य को रोकने के बीच में संतुलन और दूसरी ओर घरेलू वित्तीय स्थिरता को संरक्षित करने का प्रयास किया है।
- सतर्कता सूची में भारत के होने की वजह से यह RBI को विदेश विनिमय प्रचालनों में रोक लगा सकता है जिससे वित्तीय स्थिरता को संरक्षित किया जा सकता है।
- दो स्पष्ट परिणाम रुपये का अधिमूल्यन हो सकता है साथ ही ज्यादा तरलता भी हो सकती है जो RBI की ऋण दर नीति से बिगड़ती है।

RBI ने ARC नियमों की समीक्षा के लिए समिति का गठन किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्या है?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल में तनावपूर्ण ऋण निपटान और उनके व्यवसाय मॉडल की समीक्षा में **परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (ARCs)** की भूमिका के मूल्यांकन के लिए एक समिति का गठन किया है।

समिति के बारे में

- यह एक छह सदस्यीय पैनल है जिसके मुखिया पूर्व RBI के कार्यकारी निदेशक सुदर्शन सेन हैं।

समिति के अधिकार क्षेत्र

- पैनल ARCs पर लगने वाले कानूनी और विनियमन ढांचे की समीक्षा करेगा और ARCs की सामर्थ्य में सुधार के उपायों की अनुशंसा करेगा।
- यह दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (IBC) के अंतर्गत शामिल तनावपूर्ण परिसंपत्ति के निपटान में ARCs की भूमिका की समीक्षा करेगा और तरलता सुधार में और प्रतिभूति प्राप्तियों के व्यापार में अनुशंसाओं को देगा।
- इसके अतिरिक्त, इसे ARCs के व्यवसाय मॉडलों की समीक्षा के लिए भी कहा गया है।

- **यह समिति अपनी पहली बैठक की तिथि के तीन महीनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंप देगी।**

संबंधित सूचना

परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (ARCs) के बारे में

- यह एक विशेषीकृत वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से NPAs अथवा खराब परिसंपत्तियों की खरीद करता है जिससे वे अपने बैलेंस शीट को साफ कर सकें।
- ARCs उस समय बैंकों की बैलेंस शीट को साफ करता है जब वे ARCs को इन्हें बेच देते हैं।
- इससे बैंकों को सामान्य बैंकिंग गतिविधियों में लगने में आसानी होती है।
- बैंक दिवालिया लोगों के पीछे जाकर अपने समय और प्रयास को व्यर्थ करने की बजाय, आपसी में तय किये गये मूल्य पर ARCs को खराब परिसंपत्तियां बेच सकते हैं।
- इसे खराब **बैंक के सरकारी वर्जन के रूप** में माना जा सकता है।

पृष्ठभूमि

- **नरसिम्हन समिति (1998)** ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से विशेष रूप से **NPAs** खरीदने के लिए एक **ARC** के गठन की अनुशंसा की थी।
- बाद में, SARFAESI कानून, 2002 ने बहु निजी ARCs की स्थापना के लिए कानूनी ढांचे का सृजन किया।

SARFAESI कानून 2002- ARCs का जन्म

- वित्तीय परिसंपत्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति ऋण का प्रवर्तन (SARFAESI) कानून, 2002, जिसे दिसंबर 2002 में बनाया गया था, भारत में ARCs के गठन के लिए कानूनी आधार प्रदान करता है। कानून का अनुच्छेद 2(1) परिसंपत्ति के प्रतिभूतिकरण का अर्थ समझाता है।
- SARFAESI कानून बिना न्यायालयों के हस्तक्षेप के खराब परिसंपत्ति के पुनर्निर्माण में मदद करता है।
- तबसे, बड़ी संख्या में ARCs का निर्माण किया गया और उन्हें RBI के साथ पंजीकृत किया गया जिसे ARCs के विनियमन की शक्ति मिल गई।

ARCs के लिए पूंजीगत जरूरतें

- 2016 में SARFAESI कानून में संशोधन के अनुसार, एक ARC के पास न्यूनतम रु. 2 करोड़ का निवल स्वामित्व वाला कोष होना चाहिए।
- RBI की योजना मार्च 2019 तक इसके रु. 100 करोड़ तक करने की है। इसी तरह से, ARCs को अपने जोखिम भारांश परिसंपत्तियों का 15% पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाये रखना होता है।
- SARFAESI कानून परिसंपत्ति पुनर्निर्माण के लिए ARCs द्वारा उठाये गए विभिन्न उपायों का निर्धारण करता है।

इनमें शामिल हैं:

a) उधार लेने वाले के व्यवसाय के प्रबंधन को अधिग्रहण करना अथवा परिवर्तित करना,

b) उधार लेने वाले के व्यवसाय की बिक्री अथवा पट्टे पर लेना

c) निपटारे में शामिल होना और

d) ऋण का पुनर्निर्माण अथवा पुनर्निर्धारण।

e) सुरक्षा ऋण का प्रवर्तन

नोट:

- **बजट 2021-22 में, परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (ARC)** के गठन का प्रस्ताव राज्य स्वामित्व और निजी क्षेत्र की बैंकों के द्वारा रखा गया था, और इसमें सरकार से किसी भी तरह का इक्विटी योगदान नहीं होगा।

NASA मंगल हेलिकॉप्टर ने अन्य ग्रह पर पहली उड़ान भरी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- NASA ने हाल में सफलतापूर्वक मंगल पर अपने छोटे हेलिकॉप्टर इनजेन्यूटी की उड़ान कराई।
- यह किसी अन्य ग्रह पर पहली पावर्ड उड़ान है और ऐसी कार्य है जिसे एक सर्वश्रेष्ठ इंजीनियर ने **'अपना राइट बंधु क्षण'** कहा है।

इनजेन्यूटी मंगल हेलिकॉप्टर के बारे में

- यह NASA के मंगल 2020 मिशन का हिस्सा है।
- यह एक छोटा समाक्षीय, ड्रोन रोटरक्राफ्ट है जो अन्य दुनिया में उड़ने वाले खोजी यंत्रों के संभावित प्रयोग के लिए तकनीकी प्रदर्शन का कार्य करेगा, जिसके अंदर रुचि वाले स्थानों को खोजने की संभावना है और मार्स रोवरों के लिए संचालन मार्गों की भविष्य की योजना को समर्थन देगा।

संबंधित सूचना

पर्जेवेरेंस मिशन के बारे में

- इसे जुलाई 2020 में प्रक्षेपित किया गया।

उद्देश्य

- मंगल पर पर्जेवेरेंस मिशन के लिए प्रमुख उद्देश्य खगोलजीवविज्ञान है, जिसमें प्राचीन सूक्ष्मजीवीय जीवन के चिन्हों के लिए खोज शामिल है।
- यह रोवर ग्रह के भूगर्भशास्त्र और पूर्व के मौसम की विशेषताएं बतायेगा, लाल ग्रह के मानव अन्वेषण का रास्ता प्रशस्त करेगा, और पहला मिशन होगा जो मंगल के टूटे पत्थरों और धूल और शैलों को इकट्ठा करेगा।
- NASA ने हाल में अपने मंगल 2020 पर्जेवेरेंस में चौथी पीढ़ी के रोवर को प्रक्षेपित किया है।

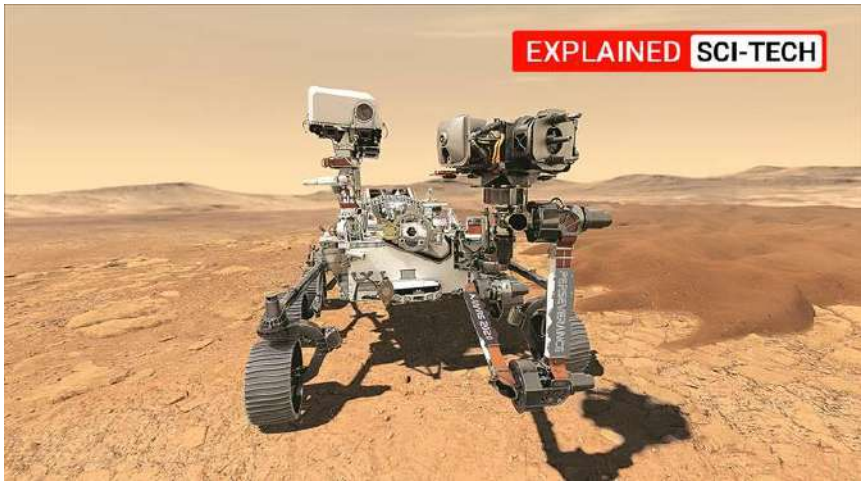

रोवर की विशेषताएं

- यह पर्जेवेरेंस रोवर एक अनूठे उपकरण MOXIE अथवा मंगल ऑक्सीजन ISRU परीक्षण को लेकर जाएगा।
- यह पहली बार है कि मंगल पर आणविक ऑक्सीजन का निर्माण किया जाएगा जिसके लिए कार्बन डाईऑक्साइड का प्रयोग कार्बन डाईऑक्साइड समृद्ध वातावरण से किया जाएगा।

MOXIE के लाभ

- यदि काफी मात्रा में मंगल पर ऑक्सीजन को सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सकता है, इसके दो प्रत्यक्ष लाभ हो सकते हैं:
  a. पहला, ऑक्सीजन का प्रयोग मंगल को जाने वाले मानव यात्रियों के लिए किया जा सकता है।
  b. दूसरा, वापसी यात्रा के लिए ऑक्सीजन का प्रयोग रॉकेट ईंधन के निर्माण में किया जा सकता है।
- NASA आसानी से MOXIE के लिए प्रतिदिन ऑक्सीजन उत्पादन की दर को बढ़ा सकता है। यह 100 गुना तक हो सकता है। यह भविष्य के मंगल जाने वाले मिशनों के लिए काफी लाभदायक होगा यदि यह तकनीक प्रदर्शन सफल रहता है।

NASA के पिछले पीढ़ी के मंगल रोवर

NASA की मंगल की यात्रा 23 वर्ष पूर्व 1997 में शुरू हुई थी, जब मार्स पाथफाइंडर मिशन ने रोजर्नर रोवर के साथ मंगल की धरती पर उतरा था।

- बाद में 2003 में NASA ने दो रोवर भेजे, मंगल को स्पिरिट और अपॉर्चुनिटी रोवर।
- इसके बाद 2012 में क्यूरियोसिटी रोवर भेजा गया।

भारत के मार्स ऑर्बिटर मिशन (MOM) अथवा मंगलयान के बारे में

- इसे नवंबर 2013 में भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन द्वारा आंध्र प्रदेश में सतीश धवन केंद्र से प्रक्षेपित किया गया।

- इसे PSLV C-25 रॉकेट के द्वारा प्रक्षेपित किया गया जिसका लक्ष्य मंगल की सतह और खनिज संरचना साथ ही मीथेन (मंगल पर जीवन का संसूचक) के लिए इसके वातावरण को स्कैन करके उसका अध्ययन करना था।

दबाव दोलन अवशोषण (PSA) ऑक्सीजन संयंत्र

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्या है?

- हाल में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने हाल में सूचित किया है कि सभी राज्यों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्थापित करने के लिए केंद्र द्वारा 162 दबाव दोलन अवशोषण (PSA) ऑक्सीजन संयंत्रों को मंजूरी दी गई है।
- ये 162 दबाव दोलन अवशोषण संयंत्र PM-CARES कोष के अंतर्गत स्थापित किये जाएंगे।

दबाव दोलन अवशोषण (PSA) ऑक्सीजन संयंत्रों के बारे में

- यह एक ऑक्सीजन उत्पादक है जो इस ऑक्सीजन को संघनित वायु से एक अनूठी प्रक्रिया जिसे दबाव दोलन अवशोषण कहते हैं, के द्वारा अलग करता है।
- वातावरण की वायु से समृद्ध ऑक्सीजन गैस के उत्पादन के लिए दबाव दोलन अवशोषण प्रक्रिया मुख्य रूप से नाइट्रोजन का अवशोषण करने के लिए एक सिंथेटिक जियोलाइट आणविक छन्नी की क्षमता का उपयोग करती है।
- जबकि नाइट्रोजन जियोलाइट की छिद्र प्रणाली में इकट्ठा हो जाता है, ऑक्सीजन गैस का उत्पादन एक उत्पाद के रूप में होता है।

संबंधित सूचना

- हाल में DRDO ने भी सैनिकों, कोविड-19 रोगियों के लिए **संपूरक ऑक्सीजन डिलीवरी प्रणाली** का विकास किया है।

संपूरक ऑक्सीजन डिलीवरी प्रणाली के बारे में

- यह एक स्वचालित प्रणाली है जो SpO2 स्तरों (रक्त ऑक्सीजन संतृप्तता) पर आधारित संपूरक ऑक्सीजन देता है और अल्प आक्सीयता की स्थिति में जाने से व्यक्ति को रोकता है, जो कि अधिकांश मामलों में मारक होता है।
- यह प्रणाली ऊंचे स्थानों पर कार्य करने वाले सैनिकों और कोविड-19 रोगियों की मदद करती है।
- **सैनिक अल्प आक्सीयता जैसी स्थितियों से जूझते हैं।**

अल्प आक्सीयता

- अल्प आक्सीयता ऐसी स्थिति होती है जिसमें ऊतकों तक पहुँचने वाली ऑक्सीजन शरीर की सभी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अपर्याप्त होती है।

लाभ

- यह नया ऑक्सीजन डिलीवरी प्रणाली न केवल भारतीय सैनिकों के लिए बड़े मूल्य की है जो ऊंचे स्थानों पर लड़ाई लड़ते हैं बल्कि पूरे देश के लिए कोविड-19 महामारी जैसे गंभीर संकट में भी लाभदायक है।
- यह प्रणाली फील्ड परिस्थितियों में ऑपरेशन के लिए स्वदेशी तौर पर विकसित की गई है जिसमें सस्ती और मजबूती के दो गुण होते हैं और अभी से उद्योग ने इसका बड़े पैमाने पर उत्पादन आरंभ कर दिया है।

RESPOND कार्यक्रम

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (ISRO) ने हाल में घोषणा की है कि वह 1-3 वर्ष के विभिन्न कालों के साथ RESPOND कार्यक्रम के अंतर्गत अंतरिक्ष तकनीक एकक (STC), IIT- दिल्ली द्वारा संकल्पित किये गए आठ संयुक्त शोध परियोजनाओं का समर्थन करेगा।

RESPOND कार्यक्रम के बारे में

- RESPOND कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के प्रमुख अकादमिक संस्थानों के साथ मजबूत संबंधों की स्थापना करना है जिससे शोध और वैकासिक परियोजनाएं की जा सकें जो अंतरिक्ष के लिए उपयोगी और ISRO कार्यक्रमों को समर्थन देने में ऐसे शोध एवं विकास के उपयोगी परिणामों को दे सकती हैं।
- RESPOND कार्यक्रम का लक्ष्य अकादमिक आधार को उन्नत करना, गुणवत्तापूर्ण मानव स्रोतों और अवसंरचना का अकादमिक संस्थानों में सृजन करना जिससे भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को समर्थन दिया जा सके।
- RESPOND के अंतर्गत, अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रासंगिकता के उन्नत क्षेत्रों में परियोजनाओं को प्रमुख विश्वविद्यालयों/अकादमिक संस्थानों द्वारा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- ISRO इन संस्थानों की मदद जरूरी तकनीकी सुविधाओं की स्थापना में करता है और नई शोध विषयों पर कार्य करने के लिए शोधकर्ताओं को छात्रवृत्ति भी उपलब्ध कराता है।
- STC/अकादमिक द्वारा किए गए अनुसंधान अध्ययनों के भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों की ओर उन्मुख होने की संभावना है, जो ISRO द्वारा किये जा रहे विभिन्न अभियानों के अच्छे संपूरक हो सकते हैं।

- **कुछ परियोजनाओं में शामिल हैं सूखा और बाढ़ भविष्यवाणी के लिए एक प्रणाली का विकास और भूमि-वायुमंडल अन्योन्यक्रिया को समझने की कोशिश करना।**

वैश्विक ऊर्जा समीक्षा 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू बिजीनेस लाइन्स)

खबरों में क्यों है?

- अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने हाल में एक रिपोर्ट **'वैश्विक ऊर्जा समीक्षा 2021'** का प्रकाशन किया है।

रिपोर्ट की प्रमुख खास बातें

- IEA की वैश्विक ऊर्जा समीक्षा-2021 का अनुमान है 2021 में वैश्विक आर्थिक उत्पादन 6% तक बढ़ेगा।
- पूरे विश्व में ऊर्जा मांग वर्ष में 4.6% तक बढ़ने की संभावना है, जोकि 2020 के 4% के संकुचन को पूरा कर देगा और 2019 के स्तरों से मांग को 0.5% ज्यादा बढ़ाएगा।
- वैश्विक ऊर्जा मांग में अनुमानित 70% की वृद्धि उभरते हुए बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में है, जहां मांग के 2019 के स्तरों से 3.4% तक बढ़ने की संभावना है।
- उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में ऊर्जा का प्रयोग कोविड पूर्व के स्तरों से 3% कम रहने की संभावना है।

CO2 उत्सर्जन

- रिपोर्ट का अनुमान है कि कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन इस वर्ष 5% बढ़कर 33 अरब टन हो जाएंगे, यह पूरी दुनिया में नवीनतम राष्ट्रीय आंकड़ों के अनुसार है। साथ ही यह आर्थिक वृद्धि प्रवृत्तियों के वास्तविक समय विश्लेषण और नये ऊर्जा परियोजनाओं पर आधारित हैं जो ऑनलाइन आने ही वाले हैं।
- मुख्य संचालक कोयले की मांग है, जिसके 5.4% तक बढ़ने की संभावना है जो 2019 के अपने स्तर को पार कर जाएगा। यह 2014 से अपने सबसे ऊपरी स्तर की ओर बढ़ रहा है, जबकि इस वृद्धि में बिजली क्षेत्र का तीन-चौथाई योगदान है।

विद्युत मांग

- विद्युत मांग के 2021 में 4.5% तक बढ़ने की भविष्यवाणी है, अथवा लगभग 1000 टेरावाट घंटा के ऊपर।
- यह 2020 में गिरावट के पांच गुने से ज्यादा है, ऐसा IEA का कहना है, "20% से ऊपर अंतिम ऊर्जा मांग में विद्युत के साझे को मजबूत करना"।
- 2021 में मांग में संभावित वृद्धि का लगभग 80% उभरते हुए बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में है, जिसमें चीन का अकेले ही वैश्विक वृद्धि के आधे में योगदान है।
- उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में मांग 2019 के स्तरों से नीचे है।

जीवाश्म ईंधन की मांग में वृद्धि

- सभी जीवाश्म ईंधनों के लिए मांग 2021 में तेजी से बढ़ेगी, जिसमें दोनों ही कोयला और गैस 2019 स्तरों से ऊपर जाने के लिए तैयार हैं।
- 2021 में कोयला मांग में संभावित वृद्धि का 80% से ज्यादा चीन के नेतृत्व में एशिया से होगा।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ में कोयले का प्रयोग भी बढ़ने की ओर अग्रसर है लेकिन फिर भी यह संकट पूर्व के स्तरों से नीचे ही रहेगा।
- तेल भी तेज से वापसी कर रहा है लेकिन इसके 2019 के सर्वोच्च स्तर से नीचे रहने की ही संभावना है, क्योंकि उड्डयन क्षेत्र दबाव के अंतर्गत है।

संबंधित सूचना

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के बारे में

- अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी एक स्वायत्त अंतरसरकारी संगठन है जिसकी स्थापना 1974 में पेरिस, फ्रांस में की गई थी।
- यह मुख्य रूप से ऊर्जा नीतियों पर केंद्रित है जिसमें शामिल हैं आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण। यह नीतियां IEA की 3 E भी कही जाती हैं।
- भारत मार्च 2017 में IEA का संबद्ध सदस्य बन गया था लेकिन संगठन के साथ जुड़ने के काफी पहले से ही इसका IEA से संबंध था।

कोवैक्सीन चरण 3 के परीक्षणों ने 78% की सामर्थ्य दर्शाई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान और तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, कोवैक्सीन की सामर्थ्य मार्च 2021 में रिपोर्ट की गई 81% से गिरकर 78% तक पहुँच गई।
- यह विश्लेषण 127 कोविड-19 पॉजिटिव स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के आंकड़ों पर आधारित है।

सामर्थ्यता के बारे में

- यह टीके से घटे हुए जोखिम का मापन है, व्यावसायिक रूप से उपलब्ध टीकों के बीच में बदलता है।
- लैंसेट प्रोब में एक समीक्षा लेख के अनुसार विभिन्न टीकों की सामर्थ्य की प्रतिशतता निम्न है
  - **फाइजर-बायोनटेक टीका- 95%**
  - **मॉडेर्ना टीका- 94%**
  - **स्पुतनिक V- 90%**
  - **J&J और एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड टीका - 67%**
- सफलता मानदंडों की उपलब्धियों पर आधारित, प्लेसबो प्राप्तकर्ता अब कोवैक्सीन की दो खुराकों को लेने के हकदार हो गए हैं।

डोगेक्वाइन: $34 अरब की क्रिप्टोकरेंसी

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, डोगेक्वाइन का मूल्य काफी तेजी से बढ़ा है- इसने पिछले 24 घंटों में $19.9 अरब जोड़ लिए हैं और अब इसका मूल्य $34 अरब है।

डोगेक्वाइन क्या है?

- CNBC के अनुसार, इस डिजिटल टोकन को 2013 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बिली मार्कस और जैकसन पाल्मर द्वारा बिटक्वाइन के तेज लेकिन मजाकिया विकल्प के रूप में सृजित किया गया था।
- इसे तमाम जालसाज क्रिप्टो क्वाइन पर व्यंग्य के रूप में शुरू किया गया था जो उस समय तेजी से उग आये थे, यह अपना नाम और लोगो शिबा ईनू मीम से ग्रहण करता है जो कुछ वर्ष पूर्व वायरल हुआ था।
- बिटक्वाइन के विपरीत, जिसका अधिकतम संभावित संख्या 21 मिलियन पर निर्धारित की गई है (इस संख्या के 2040 तक पहुँचने की संभावना है), डोगेक्वाइन संख्या की कोई ऊपरी सीमा नहीं है, और अभी से इनकी संख्या 100 अरब से ज्यादा है।

डोगेक्वाइन के उभार के पीछे क्या है?

- डोगेक्वाइन के चमत्कारिक उभार के पीछे मुख्य कारण वहीं हैं जिसकी वजह से बिटक्वाइन और इथेरियन के मूल्य बढ़े थे। क्वाइनबेस की लिस्टिंग हाल में हुई है, यह संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्चुअल मुद्रा एक्सचेंज पर सबसे लोकप्रिय हैं।

खंजर अभ्यास का 8वां संस्करण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्या है?

- हाल में, भारत और किर्गिजिस्तान के विशेष बलों ने बिश्केक, किर्गिजिस्तान में "खंजर अभ्यास" नामक सैन्य अभ्यास को शुरू किया।
- यह इस अभ्यास का आठवां संस्करण है।

खंजर अभ्यास के बारे में

- यह भारत और किर्गिजिस्तान के बीचे में एक संयुक्त विशेष बल सैन्य अभ्यास है।
- इस अभ्यास को वर्ष 2011 में शुरू किया गया था।
- इस अभ्यास का लक्ष्य भारत और किर्जिस्तान के बीच में रणनीतिक साझेदारी को प्रोत्साहित करना है। यह ऊंचे स्थानों, पहाड़ों और आतंकवाद निरोधी अभ्यास पर जोर देती है।

किर्जिस्तान के बारे में

- यह मध्य एशिया में एक चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ देश है जिसके सीमावर्ती देश कजाखस्तान, चीन, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान हैं।
- **इसे अक्सर मध्य एशिया का एकमात्र लोकतंत्र कहा जाता है।**
- इसकी राजधानी **बिश्केक** है।

पृथ्वी दिवस 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।
- पृथ्वी दिवस 2021 की थीम '**अपनी पृथ्वी को बहाल करो**' है।
- यह प्राकृतिक प्रक्रियाओं और उभरती हुई पर्यावरण हितैषी तकनीकों को अपनाने पर ध्यान देता है जो पारितंत्र प्रणालियों को बहाल कर सकते हैं।
- पिछले वर्ष विश्व पृथ्वी दिवस 2020 को **'मौसम कार्रवाई'** की थीम के अंतर्गत मनाया गया था।

पृथ्वी दिवस के बारे में

- इसे प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है।
- इसे दुनिया के सबसे बड़े नागरिक समारोह के रूप में मान्यता प्राप्त है।

इतिहास

- इसका पहली बार 1970 में मनाया गया था। 22 अप्रैल, 1970 को लाखों लोग सड़कों पर उतर आए और पिछले 150 वर्षों के औद्योगिक विकास के नकारात्मक प्रभावों के खिलाफ प्रदर्शन किया।
- यह दिन 1970 में आधुनिक पर्यावरणीय आंदोलन के जन्म की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है।

उद्देश्य

- सामान्य लोगों विशेष रूप से युवा लोगों में पर्यावरणीय सुरक्षा के अभियान के पूरे प्रभाव को प्राप्त करने के लिए जागरुकता बढ़ाना।

संगठन

- पृथ्वी दिवस नेटवर्क (EDN) एक गैरलाभकारी संगठन है जो पृथ्वी दिवस का नेतृत्व करता है।

पृथ्वी दिवस नेटवर्क के बारे में

- पृथ्वी दिवस नेटवर्क एक गैर लाभकारी संगठन है जिसका उद्देश्य पूरी दुनिया में पर्यावरणीय आंदोलन का फैलाना, शिक्षित करना और सक्रिय करना है।
- इसका मुख्य कार्यालय वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका में है।

COVIRAP नैदानिक तकनीक

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्या है?

- हाल में IIT, खड़गपुर ने सफलतापूर्वक अपने फ्लैगशिप स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद COVIRAP का व्यावसायीकरण किया है। यह एक अनोखी नैदानिक तकनीक है जो कोविड19 सहित संक्रामक रोगों की पहचान करती है।
- यह एक जेनेरिक मशीन है, जिसका अर्थ है कि यह कोविड-19 के आगे भी परीक्षण कर सकती है- इंफ्लूएंजा, मलेरिया, डेंगू, जापानी इंसेफलाइटिस, टीबी इत्यादि के लिए। यह समशीतोष्ण न्यूक्लिक अम्ल आधारित परीक्षणों की श्रेणी के अंतर्गत है।

COVIRAP का कार्य

- इसमें एक स्वचालित प्री-प्रोग्रेमेबल तापमान नियंत्रण इकाई, जीन के समूहों के विश्लेषण पर एक विशेष पहचान इकाई, और परिणामों के लिए एक कस्टमाइज्ड स्मार्टफोन एप होते हैं।
- तीन मास्टर मिक्सेज़ विभिन्न जींस के मार्कर के रूप में काम करते हैं जिससे SARS-CoV-2 की उपस्थिति की पुष्टि की जाती है।
- इकट्ठा किए गए नमूने इन मिक्सेज़ के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।
- जब कागज की पट्टियों को इन प्रतिक्रिया उत्पादों में डुबोया जाता है, रंगीन रेखाएं वायरस की उपस्थिति को इंगित करती हैं।
- रंगीन रेखाएं कोविड-10 वायरस की उपस्थिति को इंगित करती हैं।

यह इतना विशेष क्यों है?

- वर्तमान के परीक्षणों में शामिल हैं RT-PCR, जो काफी सटीक है लेकिन इसके लिए उन्नत प्रयोगशाला अवसंरचना की जरूरत होती है, और एंटीजेन परीक्षण जो मिनटों में परिणाम दे सकते हैं लेकिन इनकी सटीकता कम होती है।
- इसका मूल्य रु. 500 के आसपास है।

45 मिनट में परिणाम

- रोगी के नमूने को प्राप्त करने के 45 मिनट के भीतर परिणाम उपलब्ध हो जाते हैं।

बंदर के भ्रूण में उगाने गई पहली मानव कोशिका से नैतिकतावादी विवाद

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III+IV- विज्ञान एवं तकनीक+ नैतिकता, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के साल्क जैविक अध्ययन संस्थान के शोधकर्ताओं ने पहली बंदर के भ्रूण में मानव कोशिकाओं का उत्पादन किया है।

- इस शोध को 'चिमेरा शोध' भी कहा जाता है।

शोधकर्ताओं ने क्या किया?

- मैकाक बंदर के भ्रूणों में मानव कोशिकाओं का एकीकरण करके, शोधकर्ताओं ने **चिमेरिक उपकरण** का सृजन किया है।
- **चिमेरा** वे जीव होते हैं जो दो अलग-अलग प्रजातियों की कोशिकाओं से बने होते हैं, इस मामले में यह मानव और बंदर हैं।
- उदाहरण के लिए, यदि यह संकर भ्रूण किसी बंदर के गर्भ में रख दिया जाता तो, तो यह एक नए प्रकार के जानवर के रूप में संवर्धित होता (हालांकि इस अध्ययन का यह लक्ष्य नहीं था)।
- इस अध्ययन में, बंदर के भ्रूण जिसमें मानव स्टेम कोशिकाएं थीं, जिंदा रहे और 19 दिनों तक शरीर के बाहर वृद्धि करते रहे।

चिमेरिक शोध का उद्देश्य

- शोधकर्ताओं का विश्वास है कि एक साथ दो विभिन्न प्रजातियों की कोशिकाओं की वृद्धि कराना शोध और चिकित्सा के लिए वैज्ञानिकों को एक शक्तिशाली उपकरण उपलब्ध कराएगा। इससे प्रारंभिक मानव विकास, रोग की शुरुआत और प्रगति औऱ बुढ़ापे के बारे में वर्तमान ज्ञान में उन्नति होगी।
- इसके आगे, इस तरह का शोध औषधि मूल्यांकन में मदद कर सकता है और अंग प्रत्यारोपण की गंभीर जरूरत को निपटा सकता है।

इसके बारे में नैतिकतावादी चिंताएं क्या हैं?

- कुछ विरल संकर जानवर प्राकृतिक रूप से अस्तित्व में हैं और शायद वे विभिन्न प्रजातियों के जानवरों के बीच में बिना चाहे संकरण का परिणाम हैं।
- 2014 में, एक विरल संकर जानवर जिसका नाम ''जीप' है, एक आयरिश फार्म में पैदा हुआ।
- **जीप एक बकरी और एक भेड़ के बीच का संकर था, जो दो बार के संसर्ग के बाद पैदा हुआ।**
- लेकिन, इस जीप का जन्म कृत्रिम रूप से नहीं किया गया था और यह संकरण अंजाने में हो गया।
- सामान्यतया, अलग-अलग प्रजातियों संकरण नहीं करते हैं औऱ यदि वे करते हैं, उनके बच्चे ज्यादा समय तक जीवित नहीं रहते हैं।
- आनुवंशिक बदलाव जैसे चिमेरा अध्ययन आज भी प्रमुख वाद-विवाद का विषय है।
- **भारत जैसे विकासशील देश में, आनुवंशिक रूप से पैदा की गई फसलें भी विवादस्पद विषय हैं।**
- मानव के आनुवंशिक कूट के साथ छेड़छाड़ करना ज्यादा विवादास्पद है, क्योंकि इस तरह के कोई भी परिवर्तन भविष्य की पीढ़ियों तक पहुँच सकते हैं।

विशेष कार्य बल (STF)

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- आंतरिक सुरक्षा, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में जम्मू और कश्मीर प्रशासन ने राज्य की सुरक्षा के खिलाफ गतिविधियों के लिए संदिग्ध सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के लिए एक विशेष कार्यबल (STF) का गठन किया है।
- **इस आदेश को अनुच्छेद 311(2) (C) के प्रावधानों के तहत पारित किया गया है।**

संविधान के अनुच्छेद 311 के प्रावधान

- यह राज्य की सुरक्षा के आधार पर बिना जांच का गठन किए एक कर्मचारी को हटाने का प्रशासन को शक्ति प्रदान करता है।
- अनुच्छेद 311 लोक सेवकों को अपने पद से मनमाने बर्खास्तगी के विरुद्ध दो सुरक्षा प्रदान करता है:
  a. एक लोक सेवक को किसी ऐसे प्राधिकरण द्वारा नहीं हटाया जा सकता है जो उसकी नियुक्त करने वाले प्राधिकरण के अधीनस्थ हो।
  b. एक लोक सेवक को न तो बर्खास्त किया जा सकता है अथवा हटाया जा सकता है अथवा उसके पद को घटाया जा सकता है, इसके अपवाद हैं जब उसके खिलाफ जांच बैठाई जाए जिसमें उसे उसके खिलाफ लगे आरोपों को बताया जाए और उन आरोपों के सापेक्ष उसे अपना पक्ष रखने का सही अवसर दिया जाए।
- ऊपर दिये गए दोनों ही सुरक्षा कवच केवल केंद्र की लोक सेवा के सदस्यों, अखिल भारतीय सेवा, राज्य की लोक सेवा अथवा केंद्र अथवा राज्य के अंतर्गत लोक पदों को धारण करने वाले व्यक्तियों को ही उपलब्ध हैं।
- यह रक्षा सेवा के सदस्यों अथवा सैन्य पद धारण करने वाले लोगों को उपलब्ध नहीं है।

विशेष कार्य बल का उद्देश्य

- विशेष कार्य बल (STF) का गठन **राज्य की सुरक्षा** के खिलाफ गतिविधियों में लिप्त संभावित सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई को शुरू करने के लिए किया गया।
- विशेष कार्य बल के गठन की मंजूरी सरकारी कर्मचारियों के मामलों की जांच औऱ पहचान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 311(2) के प्रावधानों के संदर्भ में कार्रवाई के लिए सरकारी आदेश के अंतर्गत प्रक्रिया को शुरू करने के लिए दी गई।

विश्व मलेरिया दिवस 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य (सरकारी नीतियां), स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने 25 देशों की पहचान की है, जिसमें तीन देश अफ्रीका के शामिल हैं, इसमें विश्व मलेरिया दिवस 2021 के पूर्व **'E-2025 पहल'** के अंतर्गत मलेरिया उन्मूलन की संभावना है।
- रिपोर्ट जिसका शीर्षक मलेरिया उन्मूलन पर ध्यान देना है, को हाल में WHO द्वारा जारी किया गया है, E-2020 पहल के द्वारा की गई तरक्की को बतलाती है।

विश्व मलेरिया दिवस के बारे में

- विश्व मलेरिया दिवस प्रत्येक वर्ष 25 अप्रैल को मनाया जाता है।
- विश्व मलेरिया दिवस 2021 की थीम **"शून्य मलेरिया लक्ष्य तक पहुँचना"** है।
- यह दिवस मलेरिया रोग और उसे रोकने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए है।

पृष्ठभूमि

- विश्व मलेरिया दिवस का विचार अफ्रीका मलेरिया दिवस से जन्मा है।
- अफ्रीका मलेरिया दिवस मूल रूप से एक समारोह है जिसे अफ्रीकी सरकारें 2001 से मना रही हैं, यह पहली बार 2008 में हुआ था।
- 2007 में, विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा प्रायोजित की गई एक बैठक ने प्रस्तावित किया कि अफ्रीका मलेरिया दिवस को विश्व मलेरिया दिवस में बदल देना चाहिए।
- यह पूरी दुनिया के देशों में मलेरिया के अस्तित्व की पहचान करने में मदद करेगा और मलेरिया से वैश्विक रूप से लड़ने के लिए लोगों के मध्य जागरुकता पैदा करने में मदद देगा।

मलेरिया के बारे में

- यह प्लासमोडियम परजीवी की वजह से होता है।
- ये परजीवी लोगों में मलेरिया वेक्टर कहे जाने वाले मादा एनोफेलेस मच्छरों की संक्रामक काट के द्वारा लोगों में फैलता है।

संबंधित सूचना

E-2025 पहल के बारे में

- इसे 2017 में WHO द्वारा लागू किया गया था जिसका उद्देश्य 2020 तक मलेरिया के स्थानीय मामलों को शून्य तक ले जाने के लिए देशों के समूह को समर्थन देना था।
- पांच क्षेत्रों में कुछ 21 देशों को मलेरिया के उन्मूलन के मील के पत्थर तक पहुँचने वाले संभावित देशों के रूप में पहचाना गया है।
- 21 देशों में, आठ ने अप्रैल 2021 तक मलेरिया के शून्य मामलों को दर्शाया है। इनमें शामिल देश हैं अल्जीरिया, बेलिज, काबो वर्डे, चीन, अल सल्वाडोर, ईरान, मलेशिया और पैराग्वे।
- फरवरी 2021 में, अल सल्वाडोर पहला मध्य अमेरिकी देश बन गया जिसने मलेरिया मुक्त के रूप में वर्गीकृत होने के मील के पत्थर को हासिल कर लिया।
- **मामलों की संख्या 2009 के 9,000 से गिरकर 2010 में 30 ही रह गई।**
- रिपोर्ट **"मलेरिया उन्मूलन पर ध्यान देना" ने WHO की E-2025 पहल के द्वारा की गई तरक्की को दर्शाया है।**
- E-2025 देश WHO और उसके साझीदारों से तकनीकी और जमीन के समर्थन को हासिल करेंगे। इसके प्रतियुत्तर में, उनके वार्षिक रूप से उन्मूलन कार्यक्रमों को ऑडिट करने की संभावना है, वे उन्मूलन मंचों में भागीदारी करेंगे, निगरानी आकलनों का आयोजन करेंगे और नियमित रूप से मलेरिया मामले आंकड़ों को साझा करेंगे।

नये देशों का चयन चार मानदंडों के आधार पर किया गया:

a. एक सरकार समर्थित उन्मूलन योजना की स्थापना;
b. हाल के वर्षों में मलेरिया के मामलों में कटौती की सीमा को पूरा करना;

c. मलेरिया निगरानी की क्षमता होना और मलेरिया उन्मूलन के लिए एक जिम्मेदार नामांकित सरकारी एजेंसी;
d. और WHO के मलेरिया उन्मूलन निगरानी समिति के द्वारा चुना जाना।

रिपोर्ट के प्रमुख परिणाम

- रिपोर्ट ने 25 देशों की पहचान की है, जिसमें तीन अफ्रीका के देश है जिनके द्वारा 2025 तक मलेरिया उन्मूलन की संभावना है।
- इनमें से तीन देश अफ्रीका से हैं जिनके नाम बोत्स्वाना, इस्वातिनी और दक्षिण अफ्रीका हैं।
- 25 देशों को WHO के E-2025 पहल में भी शामिल किया गया था, लेकिन कोविड-19 महामारी की वजह से मलेरिया उन्मूलन के प्रयास बाधित हो गए।
- अफ्रीकी महाद्वीप 94 प्रतिशत से ज्यादा वैश्विक मलेरिया मृत्यु बोझों का वहन करता है। हाल के साक्ष्य दर्शाते हैं कि मलेरिया के परजीवी प्लासमोडियम फाल्सीपेरम में औषधि प्रतिरोधी उत्परिवर्तन दिखाई दिए हैं।
- कुछ 39 देश 25 फरवरी, 2021 तक मलेरिया मुक्त हो चुके हैं, यह WHO के अनुसार है।

भारतीय सरकार द्वारा की गई पहलें

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन ढांचा (NFME) 2016-2030

यह 2030 तक रोग के उन्मूलन की भारत की रणनीति को रेखांकित करता है।

राष्ट्रीय ढांचे का उद्देश्य है:

- 2022 तक सभी निम्न (श्रेणी 1) और मध्यम (श्रेणी 2) स्थानिकमारी वाले राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों से मलेरिया का उन्मूलन;
- 2024 तक सभी राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों और जिलों में मलेरिया के मामलों को प्रति 1000 जनसंख्या पर 1 मामले तक लाना और 31 राज्यों/ केंद्र शासित क्षे6 में मलेरिया उन्मूलन करना;
- 2027 तक सभी राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों में मलेरिया के स्थानीय संप्रेषण को बाधित करना;
- उन क्षेत्रों में मलेरिया के स्थानीय संप्रेषण को पुनर्स्थापित होने से रोकना जहां इसका उन्मूलन किया जा चुका है जिससे 2030 तक देश को पूरी तरह से मलेरिया मुक्त बनाया जा सके।

मलेरिया उन्मूलन शोध गठबंधन-भारत (MERA-India)

- भारत चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने हाल में **'मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन- भारत' (MERA-India)** की स्थापना की है जो मलेरिया नियंत्रण पर कार्य कर रहे साझीदारों का एक गठबंधन है।

मलेरिया मुक्त अभियान

- छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में मलेरिया मुक्त अभियान सफलतापूर्वक किया गया जिसके द्वारा मलेरिया के लिए 3.78 मिलियन लोगों की जांच की गई।

कोरोनावायरस से लड़ाई में नाइट्रिक ऑक्साइड की भूमिका

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक बहुराष्ट्रीय गठबंधन ने चरण 2 क्लीनिकल परीक्षणों के परिणामों की घोषणा की जिसमें इंगित किया गया कि नाइट्रिक एसिड का नाक का स्प्रे एक प्रभावी वायरल उपचार हो सकता है।

नाइट्रिक एसिड थेरेपी के बारे में

- नाइट्रिक एसिड का बैक्टीरिया, फंफूद, पेट के कीड़ों, प्रोजोजुआ और वायरस के खिलाफ एक वृहद् अतिसूक्ष्मजीवी प्रतिरोधी प्रभाव देखा जाता है।
- NO का SARS-CoV-2 संक्रमण के उपचार के रूप में संभावना के आकलन के लिए, शोधकर्ताओं ने विट्रो एंटीवायरल प्रभाव का SARS-CoV-2 प्रतिकृतिकरण पर आकलन किया और सितंबर 2020 के परिणामों में प्रकाशन किया। ('Mitigation of the replication of SARS-CoV-2 by nitric oxide in vitro', Redox Biology)

नाइट्रिक एसिड नाक का स्प्रे क्या है?

- इसे वैंकावूर आधारित बायोटेक फर्म, SaNOtize रिसर्च और डेवलपमेंट कार्पोरेशनों ने विकसित किया है।
- अन्य साझीदार हैं सेंट पीटर्स अस्पताल, सरे में NHS फाउंडेशन ट्रस्ट, और बर्कशायर और सरे पैथोलॉजी सर्विसेज़।
- यह स्प्रे एक छोटी, नाइट्रिक एसिड की टॉपिकल मात्रा निकालती है जो SARS-CoV-2 सहित वायरसों को मारने के लिए जाना जाता है।
- यह गैर विशिष्ट है इसलिए किसी भी वायरस को मारता है।
- स्प्रे से उपचारित रोगी ने पहले 24 घंटों के दौरान ही वायरल भार में लगभग 95% की औसत कटौती देखी, और 72 घंटे में 99% से ज्यादा।
- स्वयं से डाला गया नाक का स्प्रे नाइट्रिक एसिड की छोटी टॉपिकल मात्रा को जारी करती है और इसका लक्ष्य ऊपरी वायुमार्गों में ही वायरस को मारने का होता है, जिससे इनका पालन नहीं हो पाता है और वे फेंफड़ों तक नहीं पहुँच पाते हैं।

नोट:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अभी तक इसके आपातकालीन प्रयोग की अनुमति (EUA) नहीं दी है।
- इज़रायल और बहरीन ने स्प्रे को EUA एक चिकित्सा उपकरण के रूप में दे दिया है।

'साइबर योजना के अंतर्गत कोई स्वैच्छिक कार्यकर्ता नहीं सूची'

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- आंतरिक सुरक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, सूचना के अधिकार के दौरान जवाब देते हुए केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि वह साइबर अपराध स्वैच्छिक कार्यकर्ता कार्यक्रम के अंतर्गत नामांकित स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं की केंद्रीकृत सूची का रखरखाव नहीं करते हैं, क्योंकि संविधान की सातवीं अनुसूची के तहत पुलिस राज्य का विषय है।

साइबर अपराध स्वैच्छिक ढांचा

- साइबर अपराध स्वैच्छिक ढांचा साइबर स्वच्छता प्रोत्साहन के तहत जारी किया गया है जिससे देश में साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में नागरिक अपना योगदान दे सकें और साइबर अपराधों को रोकने के प्रयासों में राज्य/केंद्र शासित क्षेत्रों को सहायता प्रदान कर सकें।
- स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को पंजीकृत किया गया है औऱ उनकी सेवाओं का उपयोग विभिन्न राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र LEAs के द्वारा जरूरत के अनुसार किया जा रहा है।
- इस कार्यक्रम में 500 स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं, 200 साइबर जागरुकता प्रोत्साहकों और 50 साइबर विशेषज्ञों के शामिल होने की संभावना है।

राष्ट्रीय साइबर अपराध पारितंत्र प्रणाली प्रबंधन इकाई

- राष्ट्रीय साइबर अपराध पारितंत्र प्रणाली प्रबंधन इकाई, जिसका साइबर अपराध स्वैच्छिक कार्यक्रम एक घटक है, भारतीय साइबर अपराध समन्वयन केंद्र (14C) योजना का हिस्सा है जिसे जनवरी 2020 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुरू किया था।
- इस परियोजना को अक्टूबर 2018 में स्वीकृति दी गई थी।
- 14C योजना जिसमें अन्य घटक भी शामिल हैं, को 2021-22 के बजट में रु. 69.80 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

संबंधित सूचना

भारतीय साइबर अपराध समन्वयन केंद्र

- इसे गृह मामले के मंत्रालय के अंतर्गत साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रीय स्तर पर एक नोडल बिंदु के रूप में कार्य करने के लिए स्थापित किया गया है।
- 14C को गठित करने वाली योजना को अक्टूबर 2018 में स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसका उद्देश्य समग्र और समन्वित तरीके से सभी प्रकार के साइबर अपराधों से निपटना था।
- यह अत्याधुनिक केंद्र नई दिल्ली में स्थित है। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों ने क्षेत्रीय साइबर अपराध समन्वयन केंद्रों की स्थापना की सहमति दी है।

उद्देश्य

- साइबर अपराध से समग्र और समन्वित तरीके से निपटने के लिए एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना।

इसके सात घटक हैं:

- केंद्रीय साइबर अपराध जोखिम विश्लेषण इकाई
- केंद्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल
- राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केंद्र

- साइबर अपराध पारितंत्र प्रणाली प्रबंधन इकाई
- राष्ट्रीय साइबर अपराध शोध और नवाचार केंद्र
- राष्ट्रीय साइबर अपराध फोरेंसिक प्रयोगशाला पारितंत्र प्रणाली
- संयुक्त साइबर अपराध जांच टीम के लिए प्लेटफॉर्म
- यह अत्याधुनिक केंद्र नई दिल्ली में स्थित है।

RBI ने राज्यों के तरीकों और साधन ऋण को सितंबर तक विस्तारित किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सभी राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों के लिए रु. 51,560 करोड़ की वर्तमान अंतरिम तरीका और साधन अग्रिमों (WMA) योजना सीमा को बनाए रखने का निर्णय लिया है। यह छह महीनों अर्थात सितंबर 30 तक जारी रहेगी। इसके बढ़ाये जाने का कारण कोविड-19 महामारी है।
- यह राज्यों को WMA पर सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व वाली परामर्शदात्री समिति की अनुशंसाओं पर आधारित है। RBI ने राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों की WMA की समीक्षा की है।
- WMA सीमा जिसे समिति ने निर्धारित किया है, राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों के कुल खर्च पर आधारित है जो रु. 47,010 करोड़ है।

तरीका और साधन अग्रिम (WMA) योजना के बारे में

- ये अस्थाई ऋण सुविधाएं हैं जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्रीय और राज्य सरकारों को उपलब्ध कराया है।
- इसे 1997 में लागू किया गया था।
- इसके अंतर्गत, सरकार RBI से तुरंत नकदी ले सकती है, लेकिन इसे यह राशि 90 दिनों के भीतर वापस देना होता है।
- ब्याज वर्तमान रेपो दर के आधार पर लगता है।
- तरीका और साधन अग्रिम (WMA) के लिए सीमाएं का निर्णय सरकार और RBI द्वारा आपसी सामंजस्य से होता है और इसे नियमित तौर पर समीक्षित किया जाता है।

तरीका और साधन अग्रिम के प्रकार

विशेष WMA

- इसे सरकार की प्रतिभूतियों के आनुषांगिक के विरुद्ध दिया जाता है जिसे राज्य सरकारें अपने पास रखती हैं।

सामान्य **WMA**

- यह राज्य के वास्तविक राजस्व और पूंजी खर्च के तीन वर्षों के औसत पर आधारित होता है।
- यह आनुषांगिक आधारित नहीं है।

क्रू-2 मिशन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में क्रू-2 मिशन के अंतर्गत फ्लोरिडा से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के द्वारा चार अंतरिक्षयात्रियों को प्रक्षेपित किया गया।
- चार अंतरिक्षयात्रियों में से, दो NASA से थे और दो जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) से थे।

क्रू-2 मिशन के बारे में

- यह व्यावसायिक दल कार्यक्रम के अंतर्गत NASA और स्पेसएक्स के बीच में गठबंधन का हिस्सा है।
- यह स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन का दूसरा दल चक्रण है और अंतरराष्ट्रीय साझीदारों के साथ पहला है।

क्रू-2 मिशन का महत्व

- क्रू-2 अंतरिक्षयात्री एक्सपीडिशन 65 के सदस्यों से मिलेंगे।
- वे ISS पर छह महीनों तक के लिए रहेंगे जिस दौरान वे निम्न पृथ्वी कक्षा में वैज्ञानिक परीक्षणों का आयोजन करेंगे।
- इस काल के दौरान केंद्रीय ध्यान अंतरिक्ष अध्ययनों में टिश्यू चिप्स की ऋंखला पर ही रहेगा।
- टिश्यू चिप्स मानव अंगों के छोटे मॉडल होते हैं जिसमें बहुकोशकीय प्रकार होते हैं जो मानव शरीर की भांति ही व्यवहार करते हैं।

चीन के पहले मंगल रोवर का नाम 'झूरॉन्ग'

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन ने हाल में घोषणा की कि चीन के पहले मंगल रोवर का नाम **झूरॉन्ग** होगा।

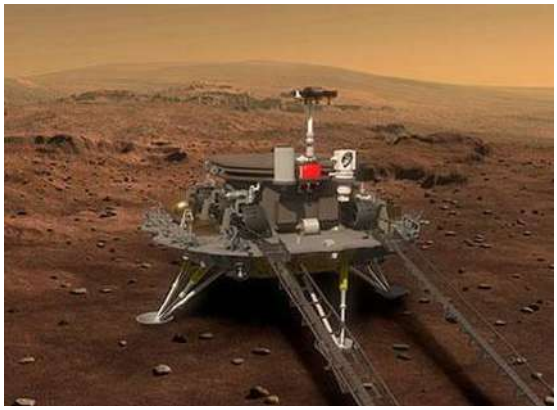

पृष्ठभूमि

- 2019 में चीन चंद्रमा के दूसरी तरफ कम अन्वेषित हिस्से पर अंतरिक्षयान उतारने वाला पहला देश बन गया था।
- चीन, पूर्व सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद तीसरा देश बन जाएगा जिसने मंगल पर रोबोट रोवर उतारा है।

झूरॉन्ग के बारे में

- इसका नामकरण झूरॉन्ग पारंपरिक अग्नि देवता के नाम पर किया गया है।
- यह तियानवेन-1 अंतरिक्षयान पर है जो 24 फरवरी को मंगल की कक्षा में पहुँचा और जीवन के साक्ष्य की खोज में मई में इसपर उतरेगा।
- यह अंतरिक्ष योजनाओं का हिस्सा है जिसमें एक दल वाले कक्षीय स्टेशन का प्रक्षेपण और चंद्रमा पर एक मानव को उतारना शामिल हैं।
- चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, रोवर का शीर्षक मंगल के लिए चीनी नाम के साथ सटीक ठीक बैठता है- "हुओ जिंग" अथवा अग्नि तारा।
- उतरने वाले स्थल के लिए सबसे ऊपरी उम्मीदवार यूटोरिया प्लेनीटिआ है, जो एक पत्थरों से भरा हुआ मैदान है जहां पर संयुक्त राज्य अमेरिका के लैंडर वाइकिंग2 ने 1976 में चंद्रमा की धरती को छुआ था।

तियानवेन-1 (TW-1) के बारे में

- यह चीन राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (CNSA) द्वारा मंगल के लिए अंतरग्रहीय मिशन है जिसका लक्ष्य रोबोटिक अंतरिक्षयान को भेजना है, जिसमें एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर शामिल हैं।
- इसका नामकरण प्राचीन चीनी कविता 'स्वर्ग से प्रश्न' पर किया गया है।

उद्देश्य

- यह भूमिगत जल के साक्ष्य के लिए खोज में मदद देता है, यदि यह उपस्थित है, साथ ही यह संभावित प्राचीन जीवन की खोज भी करता है।
- यह ग्रह के पर्यावरण का भी आकलन करता है।

संबंधित सूचना

चंद्रयान 2 मिशन

- ISRO ने जुलाई में चंद्रमा के लिए चंद्रयान-2 मिशन का प्रक्षेपण किया था, लेकिन इसका लैंडर चंद्रमा की सतह तक पहुँचने में असफल रहा था।

- यह पूर्णतया स्वदेशी मिशन है, जो भारत का दूसरा चंद्रमा अन्वेषण मिशन है जिसके निम्नलिखित मूलभूत घटक हैं।

ये हैं

- **ऑर्बिटर**
  - यह चंद्रमा की सतह का पर्यवेक्षण करेगा और पृथ्वी और चंद्रयान-2 के लैंडर के बीच में संचार का प्रसारण करेगा।
- **लैंडर (विक्रम)**
  - इसे चंद्रमा पर भारत की पहली सॉफ्ट लैंडिंग को करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- **रोवर (प्रज्ञान)**
  - यह एक छह पहियों वाला, कृत्रिम बुद्धिमत्ता चालित वाहन है, जो चंद्रमा की सतह पर गतिमान होगा और स्थल पर ही रासायनिक विश्लेषण करेगा।

लांचर

- इसे भूतुल्यकालिक उपग्रह प्रक्षेपण वाहन GSLV MkIII-M1 द्वारा प्रक्षेपित किया गया था।
- यह अभी तक भारत का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपणयान है, औऱ इसे पूरी तरह से देश के अंदर ही डिजाइन और फैब्रीकेट किया गया है।

"मसालों और पाक कला की जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति" का 5वां सत्र

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में भारत ने मसालों और पाक-कला जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति (CCSCH) के पांचवें सत्र का आयोजन किया।

मसालों और पाक-कला जड़ी-बूटियों पर कोडेक्स समिति के बारे में

- इसकी स्थापना 201 में एक सौ से ज्यादा देशों के समर्थन से और कोडेक्स एलीमेंटेरियस आयोग (CAC) के अंतर्गत हुई थी।

उद्देश्य

- मसालों और पाक-कला जड़ी-बूटियों के लिए विश्वव्यापी मानकों का प्रसार और विकास।
- मानक विकास प्रक्रिया में अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सलाह करना।

कोडेक्स एलीमेंटेरियस आयोग के बारे में

- कोडेक्स एलीमेंटेरियस आयोग अथवा CAC एक निकाय है जो संयुक्त FAO/WHO खाद्य मानक कार्यक्रम के क्रियान्वयन के संबंध में सभी मामलों के लिए जिम्मेदार है।
- इसकी स्थापना 1963 में संयुक्त खाद्य मानक कार्यक्रम के ढांचे के भीतर की गई थी।

उद्देश्य

- उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों की स्थापना करना।

- खाद्य व्यापार में सही प्रथाओं को सुनिश्चित करना।
- विशेषरूप से अंतरराष्ट्रीय सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा किये गए खाद्य मानक कार्य के समन्वय को प्रोत्साहित करते समय।
- यह आयोग एक वर्ष में नियमित सत्र में बैठक करता है जो जिनेवा और रोम के बीच में होता है।

मुख्यालय

- इसका मुख्यालय रोम, इटली में है।

सदस्यता

- आयोग की सदस्यता FAO और WHO के सभी सदस्यों देशों और सहयोगी सदस्यों के लिए खुली हुई है।
- अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानकों में रुचि रखने वाले देश CAC के सदस्य बन सकते हैं।
- यह आयोग छह संयुक्त राष्ट्र आधिकारिक भाषाओं में काम करता है।

वित्तीयन

- आयोग के काम के कार्यक्रमों का WHO और FAO के नियमित बजटों के द्वारा वित्त पोषण किया जाता है जिसके लिए पितृ संगठनों के दो शासकीय निकायों की स्वीकृति की जरूरत होती है।

भारत 2020 में तीसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्चकर्ता

(विशेष- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में स्टाकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति शोध संस्थान ने 2020 के लिए विश्व के नवीनतम सैन्य खर्च डाटाबेस का प्रकाशन किया है।

रिपोर्ट के खास परिणाम

- भारत 2020 में तीसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्चकर्ता था, इस मामले वह केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से पीछे था।
- संयुक्त राज्य अमेरिका पूरे विश्व के कुल सैन्य खर्च का 39 प्रतिशत खर्च किया, चीन का प्रतिशत 13, और भारत का कुल वैश्विक शेयर 3.7 प्रतिशत रहा।
- संयुक्त राज्य अमेरिका ने 2020 में कुल $778 अरब खर्च किये, चीन ने $252 खर्च किए जबकि भारत का सैनिक खर्च $72.9 अरब रहा।
- इन तीनों देशों का सैनिक खर्च 2019 की तुलना में बढ़ा, यहां तक कि महामारी वर्ष होने के बावजूद।
- अन्य बड़े खर्चकर्ताओं में शामिल हैं रूस $61.7 अरब, यूनाईटेड किंगडम $59.2 अरब, सऊदी अरब $57.5 अरब, जिसके बाद प्रत्येक $53 अरब के साथ जर्मनी और फ्रांस का स्थान है।

सकल घरेलू उत्पाद का प्रतिशत

- संयुक्त राज्य अमेरिका का सैन्य खर्च उसके सकल घरेलू उत्पाद का 3.7 प्रतिशत था जबकि यही संख्या चीन और भारत के लिए क्रमशः 1.7 प्रतिशत और 2.9 प्रतिशत थी।
- एशिया और ओसेनिया में सैन्य खर्च 2019 की तुलना में 2020 में 2.5 प्रतिशत ज्यादा था।

स्टाकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति शोध संस्थान के बारे में

- यह एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान है जो स्वीडन आधारित है।
- यह संघर्ष, शस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण और निशस्त्रीकरण में शोध के लिए समर्पित है जिसकी स्थापना 1966 में की गई।
- यह नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और रुचि रखने वाले लोगों को खुले स्रोतों पर आधारित आंकड़े, विश्लेषण और अनुशंसाएं उपलब्ध कराता है।

केंद्र ने गैर-चिकित्सकीय उद्देश्यों के लिए द्रव ऑक्सीजन के प्रयोग पर रोक लगाई

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- आपदा प्रबंधन, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्र ने आपदा प्रबंधन कानून 2005 को लगाकर राज्यों को आदेश दिया है कि सभी द्रव ऑक्सीजन जिसमें निजी संयंत्रों के साथ वर्तमान स्टॉक भी शामिल है, सरकार को उपलब्ध कराया जाएगा और केवल इसे चिकित्सा उद्देश्यों के लिए ही प्रयोग किया जाएगा।

खबरों में और भी

- केंद्रीय गृह सचिव का आदेश, जो DM कानून, 2005 के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के अध्यक्ष भी हैं।
- **आदेश कहता है कि DM कानून के अनुच्छेद 10(2) और अनुच्छेद 65 के अंतर्गत**, राज्यों को यह सुनिश्चित कराना है कि द्रव ऑक्सीजन की अनुमति किसी गैर चिकित्सकीय उद्देश्य के लिए न दी जाए और द्रव ऑक्सीजन को प्रयोग करने के लिए सरकार को उद्योग के अपवाद के बिना सभी स्टाक को उपलब्ध कराना होगा।

DM कानून 2005 के अंतर्गत पूर्व के आदेश

- पूर्व में 18 अप्रैल को, केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने राज्यों को लिखकर औद्योगिक उद्देश्यों के लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति का निषेध किया। इसमें नौ उद्योगों को अपवादस्वरूप रखा गया जिसमें फार्मास्युटिकल्स, पेट्रोलियम, नाभिकीय ऊर्जा और इस्पात क्षेत्र शामिल हैं।
- 22 अप्रैल को, केंद्र ने **DM** कानून के अंतर्गत आदेश जारी किया जिसमें जिला मजिस्ट्रेटों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को व्यक्तिगत रूप से चिकित्सा ऑक्सीजन को ले जाने वाले वाहनों के अंतर-राज्य आवागमन को गैर-बाधित तरीके से संचालन की जिम्मेदारी दी गई। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना था कि आपूर्ति किसी विशेष राज्य तक ही सीमित न रहे जहां पर ऑक्सीजन संयंत्र स्थित है।

DRDO ने एयरो इंजनों के लिए महत्वपूर्ण क्रिस्टल ब्लेड तकनीक का विकास किया

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

हाल में, रक्षा शोध और विकास संगठन (DRDO) ने एकल क्रिस्टल ब्लेड तकनीक का विकास किया है।

एकल क्रिस्टल ब्लेड तकनीक के बारे में

Single Crystal Blades for Helicopter Engine Application

- इस तकनीक का विकास हेलिकॉप्टर इंजन अनुप्रयोग के लिए स्वदेशी हेलिकॉप्टर विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में किया गया है।
- यह कार्यक्रम का एक हिस्सा है जिसे रक्षा धातुकर्म शोध प्रयोगशाला (DMRL) ने अपने जिम्मे लिया है।

पदार्थ का प्रयोग

- इसका निर्माण एक निकिल आधारित सुपर मिश्र धातु से किया गया है।

विशेषताएं

- ब्लेडों की विशेषता एक जटिल ज्यामितीय डिजाइन है और यह ऊंचे तापमानों को सहन कर सकता है।
- ब्लेडों का प्रयोग इंजनों के विकास में किया गया है जिससे जटिल परिस्थितियों में विश्वसनीय रूप से हेलिकॉप्टरों के संचालन की अनुमति दी जा सके।

नोट:

- बहुत ही कम देशों जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाईटेड किंगडम, फ्रांस और रूस के पास ऐसे एकल क्रिस्टल घटकों के डिजाइन करने और निर्माण की क्षमताएं हैं।

ब्रेकथ्रू संक्रमण

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्स्प्रेस)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल में कहा है कि ब्रेकथ्रू संक्रमण दर भारत में स्वीकृति की गई कोविड-19 टीकों के पहली और दूसरी खुराक लेने के बाद दोनों ही कोवैक्सीन और कोवीशील्ड टीके के लिए कम रही है।

ब्रेकथ्रू संक्रमण क्या है?

- यह एक संक्रमण है जो टीकाकरण के बाद होता है जिसे ब्रेकथ्रू संक्रमण कहते हैं।

ब्रेकथ्रू संक्रमण पर आंकड़े

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) देश में पुनः संक्रमण की दर 4.5% पर रखता है और ब्रेकथ्रू संक्रमणों को प्रति 10,000 में दो से चार संक्रमणों पर रखता है।

कोवीशील्ड के आंकड़े

- पहली खुराक के बाद प्रति 10,000 लोगों में 2 लोगों को पुनः संक्रमण होता है और दूसरी खुराक के बाद, प्रति 10,000 लोगों में 3 लोग पुनः संक्रमित होते हैं।

कोवैक्सीन के आंकड़े

- पहली खुराक के बाद प्रति 10,000 लोगों में से 4 लोग पुनः संक्रमित होते हैं और दूसरी खुराक के लिए भी यही संख्या है।
- इस तरह के संक्रमण मुख्य रूप से हल्के या बिना लक्षणों के हैं क्योंकि व्यक्ति अभी भी आंशिक प्रतिरोधक क्षमता है।

ब्रेकथ्रू संक्रमणों के संभावित कारण

- भारत के स्वास्थ्य देखभाल और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारी पहले चरण में टीकाकरण के लिए प्राथमिकता सूची में थे।
- उनको कोरोनावायरस रोग के लिए ज्यादा पेशागत संपर्क की वजह से ज्यादा खतरा रहा है।
- कोविड-19 की दूसरी लहर काफी ज्यादा संप्रेषणीय है; इसने ब्रेकथ्रू संक्रमण दरों में भी योगदान दिया होगा।

संयुक्त राज्य अमेरिका का अध्ययन

- बिना लक्षणों वाले लोग आधे से ज्यादा मामलों के लिए जिम्मेदार हैं, यह संयुक्त राज्य अमेरिका रोग नियंत्रण और निवारण केंद्र द्वारा विकसित हाल के मॉडल के अनुसार है।
- इसका मूल रूप से मतलब है कि बिना लक्षणों वाले लोगों से शांत संप्रेषण पर पकड़ होना महामारी को नियंत्रण करने में काफी महत्वपूर्ण है।
- यूरोपीय रोग नियंत्रण और निवारण केंद्र के अनुसार, टीकों को केवल लक्षण वाले मामलों के खिलाफ ही उनकी सामर्थ्य के लिए ही आकलित किया गया है।
- लेकिन कोई भी टीका परीक्षण इस तरह से डिजाइन नहीं किया गया है कि वह संक्रमित टीकाकृत व्यक्तियों से संप्रेषण जोखिम में कटौती का मापन करे।

ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, एक स्वैच्छिक कार्यकर्ता ने सर्वोदय बाल विद्यालय के अंदर एक कोविड देखभाल केंद्र में ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटरों के साथ बेड को तैयार किया है।

ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटरों के बारे में

- ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर एक चिकित्सा उपकरण है जो वायुमंडलीय वायु से ऑक्सीजन का सांद्रण करता है। वायुमंडलीय वायु में लगभग 78 प्रतिशत नाइट्रोजन और 21 प्रतिशत ऑक्सीजन होती है, जिसके अतिरिक्त अन्य गैसों का प्रतिशत 1 होता है।
- ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर इस वायु को लेता है, एक चलनी के द्वारा इसको छानता है, नाइट्रोजन को वापस वायु में भेज देता है और और बची हुई ऑक्सीजन पर कार्य करता है।
- यह ऑक्सीजन एक कैन्नूला के द्वारा संघनित और निकाली जाती है। यह 90-95 प्रतिशत तक शुद्ध होती है।
- कंसेन्ट्रटरो में लगा हुआ दवाब वाल्व आपूर्ति को नियमित करने में मदद देता है, जो प्रति मिनट 1-10 ली. तक होता है।
- WHO की 2015 की एक रिपोर्ट के अनुसार, कंसेन्ट्रेटरों को लगातार संचालन के लिए डिजाइन किया जाता है और यह एक दिन में 24 घंटे, एक हफ्ते में 7 दिन और 5 वर्ष या उससे ज्यादा तक ऑक्जीन का उत्पादन कर सकता है।

कंसेन्ट्रेटर कैसे ऑक्सीजन सिलेंडरों और द्रव चिकित्सा ऑक्सीजन (LMO) से भिन्न हैं?

- ऑक्सीजन कंसेन्ट्रेटर सिलेंडरों के सबसे आसान विकल्प हैं लेकिन प्रति मिनट 5-10 ली. ऑक्सीजन की ही आपूर्ति कर सकते हैं (गंभीर रोगियों को प्रति मिनट 40-50 ली. तक के ऑक्सीजन की जरूरत हो सकती है) औऱ यह केवल मध्यम रूप से बीमार रोगियों के लिए ही मुफीद है।
- कंसेन्ट्रेटर वहनीय हैं LMO की अपेक्षा जिसे क्रायोजेनिक टैंकरों में भंडारित और परिवहित करने की जरूरत होती है, इसे कोई विशेष तापमान की जरूरत नहीं होती है।
- सिलेंडरों के विपरीत जिसके पुनः भरने की जरूरत होती है, कंसेन्ट्रेटरों को वायुमंडलीय वायु को खींचने के लिए केवल एक ऊर्जा स्रोत की ही जरूरत होती है।

वृहद् क्षेत्र प्रमाणीकरण योजना

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, भारत सरकार ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में कार निकोबार और नानकाउरी समूह के द्वीपसमूहों के अंतर्गत 14,491 हेक्टेयर के ऐसे क्षेत्र को प्रमाणीकृत किया है।

- यह क्षेत्र पहला वृहद् निकटस्थ क्षेत्र बना गया है जिसे PSG-भारत (भागीदारी गारंटी प्रणाली) प्रमाणीकरण कार्यक्रम की वृहद क्षेत्र प्रमाणीकरण (LAC) योजना के अंतर्गत आर्गेनिक प्रमाणीकरण प्रदान किया गया है।

वृहद क्षेत्र प्रमाणीकरण योजना के बारे में

- LAC के अंतर्गत, क्षेत्र में प्रत्येक गांव को एक समूह माना जाएगा। इसके दस्तावेज काफी सरल हैं और गांव के अनुसार इनका रख-रखाव है।
- अपने खेतों और मवेशियों के साथ सभी किसानों को मानक जरूरतों के अनुपालन की जरूरत है और सत्यापित करने पर एक साथ प्रमाणीकृत किया जाएगा। इसके लिए परिवर्तन काल के अंतर्गत जाने की जरूरत नहीं है।
- प्रमाणीकरण का वार्षिक आधार पर नवीनीकरण किया जाता है जिसके लिए PGS-भारत की प्रक्रिया के अनुसार सहकर्मी मूल्यांकनों के द्वारा वार्षिक प्रमाणीकरण किया जाएगा।

संबंधित सूचना

भागीदारी गारंटी योजना के बारे में

- यह आर्गेनिक उत्पादों के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया है जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि तय किये गए गुणवत्ता मानकों के अनुसार उत्पादन किया जाता है।
- यह प्रमाणीकरण एक दस्तावेजी लोगो अथवा एक कथन के रूप में है।
- यह एक गुणवत्ता आश्वासन पहल है, जो तीसरे पक्ष के ढांचे के बाहर संचालित होता है।
- भारत में PGS के स्तंभ इसका भागीदारी दृष्टिकोण है जिसमें सहकर्मी समूह तीसरे पक्ष जांच के स्थान पर उत्पादों का मूल्यांकन करेंगे।
- यह हितधारकों के सक्रिय भागीदारी पर आधारित उत्पादकों का प्रमाणीकरण करता है और विश्वास, सामाजिक नेटवर्कों और ज्ञान विनिमय की आधारशिला पर निर्मित है।
- क्षेत्रीय PGS समूहों के बीच में आपसी मान्यता और समर्थन प्रसंस्करण और विपणन के लिए बेहतर नेटवर्किंग सुनिश्चित करता है।

अन्य आर्गेनिक खेती योजनाएं

परंपरागत कृषि विकास योजना के बारे में

- यह आर्गेनिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए है और उत्पादों को बाजार से जोड़ा जाएगा।
- इसका क्रियान्वयन समूह आधारित दृष्टिकोण में किया जाएगा और किसानों का वित्त पोषण खेत से बाजार को खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा।
- प्रमाणीकरण पर खर्च के लिए किसानों के वास्ते कोई दायित्व नहीं है।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए मिशन आर्गेनिक मूल्य ऋंखला विकास

- यह **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है जिसका उद्देश्य उत्तर-पूर्व भारत के आर्गेनिक खेती संभावना का फायदा लेना है।

कवर किए गए राज्य

- यह अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा राज्यों को कवर करता है।

- इस योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ किसानों को जोड़ने के लिए मूल्य ऋंखला तरीके से प्रमाणीकृत आर्गेनिक उत्पादन का विकास करना है।

हवा से हवा में मार करने वाली पाइथन-5 मिसाइल

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- भारत के स्वदेशी निर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने पांचवीं पीढ़ी की पाइथन-5 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (AAM) को अपने हवा से हवा की हथियार क्षमता में शामिल कर लिया है।

पाइथन-5 के बारे में

- यह पांचवीं पीढ़ी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (AAM) है जिसका निर्माण इज़रायली राफेल उन्नत रक्षा प्रणाली ने किया है।
- इसका पहली बार प्रयोग 2006 के लेबनान युद्ध में किया गया था।

प्रमुख विशेषताएं

- इस मिसाइल को काफी छोटे से लेकर न दिखाई देने वाली रेंज से प्रक्षेपित किया जा सकता है जिसमें ज्यादा मारने की संभावना और उत्कृष्ट प्रतिरोध है।
- प्रक्षेपण के बाद यह लॉक ऑन में सक्षम है (LOAL)। इस मिसाइल में पूर्ण क्षेत्र/संपूर्ण दिशा (पिछली दिशा में भी) आक्रमण क्षमता है।
- इस मिसाइल में एक उन्नत खोजी यंत्र भी लगा है, जिसमें एक वैद्युत-प्रकाशीय और प्रतिबंबन अवरक्त होमिंग खोजी यंत्र लगा हुआ है।
- यह खोजी यंत्र किसी दुश्मन के विमान के लिए लक्ष्य के क्षेत्र को स्कैन करता है, और इसे समाप्त करने के लिए पीछा करने के वास्ते लॉक ऑन करता है।

कुकरे (Trachoma) रोग

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- गांबिया अफ्रीका में दूसरा देश हो गया है जिसने कुकरे रोग का उन्मूलन किया है, यह अंधता के सबसे प्रमुख कारणों में से एक है।
- **अफ्रीका में घाना 2018 में इस रोग का उन्मूलन करने वाला पहला देश था।**

कुकरे के बारे में जानकारी

- कुकरे WHO के 20 **उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों** में से एक है, जो मुख्य रूप से निम्न आय वाले देशों को प्रभावित करता है औऱ उन देशों को जो ऐतिहासिक तौर पर इसके उपचार के लिए अनुसंधान के वास्ते कम वित्तीयन प्राप्त करते हैं।
- यह रोग बैक्टीरिया **क्लामीडिया ट्रैकोमाटिस** की वजह से होता है।

आंखों पर असर

- इसके संक्रमण के प्रभाव से आंखों की पलकों की आंतरिक सतह खुरदुरी हो जाती है।
- इस खुरदुरेपन की वजह से आंखों में दर्द हो सकता है, बाहरी सतह अथवा आंखों का क्षरण हो सकता है जिसके फलस्वरूप अंधता हो सकती है।
- उपचार न होने पर, लगातार कुकरे संक्रमण से स्थाई अंधता हो सकती है जब आंखों की पलकें अंदर की जाती हैं।

गांबिया के बारे में जानकारी

- गांबिया जो आधिकारिक तौर पर गांबिया गणराज्य है, पश्चिम अफ्रीका में एक देश है।
- यह मुख्य भूमि अफ्रीका में सबसे छोटा देश है।
- यह सेनेगल से घिरा है, इसका केवल अटलांटिक महासागर पर पश्चिमी तट ही खुला है।

संबंधित सूचना

- भारत ने हाल में **कुतुब मीनार को प्रकाशित करने** के लिए विश्व के साथ जुड़ा। यह एकता का चिंह था जिसका लक्ष्य दूसरे वार्षिक विश्व उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (NTD) दिवस पर उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों को रोकना है।
- **विश्व NTD दिवस प्रत्येक वर्ष 30 जनवरी को मनाया जाता है।**

क्यों कुछ उष्णकटिबंधीय रोगों को "उपेक्षित" कहा जाता है?

- इन रोगों से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले लोग अक्सर गरीब जनसंख्या होती है, जो दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों, शहरी मलिन बस्तियों अथवा संघर्ष क्षेत्रों में निवास करती है।
- उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग गरीबी की परिस्थितियों के अंतर्गत पलते हैं और निश्चित रूप से विकासशील देशों में गरीब जनसंख्याओं में ही पाए जाते हैं।
- मजबूत राजनीतिक आवाज की कमी की वजह से, इन उष्णकटिबंधीय रोगों से प्रभावित लोग का सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं में स्तर और दर्जा निचला होता है।
- विश्वसनीय सांख्यिकीय की कमी और रोगों के न उच्चारण हो सकने वाले नाम ने इन्हें कुहासे से बाहर निकालने के सभी प्रयासों को बाधित कर दिया है।
- इन रोगों में शामिल हैं डेंगू, रेबीज़, अंधता कुकरे, बुरुली अल्सर, स्थानिक निद्रा रोग, कोढ़ (हेन्सन रोग), चागास रोग, मानव अफ्रीकी निद्रा रोग, कालजार, सिस्टरकोसिस, गिनीकृमि रोग, एकिनोकोकोसिस, भोजन से होने वाला टर्माटोड संक्रमण, लिम्फेटिक फाइलेरिया, नदी अंधता, स्चीस्टोसोमियासिस, मिट्टी से संप्रेषित होने वाला हेल्मिनथियासिस (आंतों के कृमि)।

लाखों लोगों को मारते हैं

- उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग 1 अरब से ज्यादा लोगों को प्रभावित करते हैं, प्राथमिक रूप से गरीब जनसंख्या जो उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय मौसमों में निवास करती है।
- वे भौगोलिक रूप से एक जगह निवास करते हैं और व्यक्ति अक्सर एक से ज्यादा परजीवी अथवा संक्रमण से प्रभावित होते हैं।
- 70% से ज्यादा देश और क्षेत्र जो उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों की उपस्थिति की रिपोर्ट देते हैं निम्न आय अथवा निचले मध्यम आय अर्थव्यवस्थाओं वाले देश हैं।

कारण

- ये संक्रमण गैर सुरक्षित जल, खराब आवास स्थितियों औऱ खराब स्वच्छता की वजह से होते हैं।

भारत और उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग

- भारत में इन प्रमुख उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के 11 का दुनिया का सबसे बड़ा संपूर्ण भार है, जिसमें डेंगू, हुककृमि रोग और रेबीज़ शामिल हैं।
- यह रोग अशक्त कुरूप और प्रभावित करने वालों के लिए घातक भी हैं।
- भारत ने हाल के वर्षों में सफलतापूर्वक कुछ संक्रामक रोगों का उन्मूलन किया है- जैसे कि गिनीकृमि, कुकरे और निद्रा रोग।

भारत में उपेक्षित रोग अनुसंधान पर हाल की नीतियां

- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (2017)** स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए नवाचार को प्रोत्साहित करने के वास्ते एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य का निर्धारण करता है। यह भी सुनिश्चित करता है कि नई औषधियां उन लोगों के लिए वहनयोग्य हों जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है, लेकिन यह विशेष रूप से उपेक्षित रोगों से नहीं निपटती है।
- **विरल रोगों के उपचार पर राष्ट्रीय नीति (2018)** में शामिल हैं संक्रामक उष्णकटिबंधीय रोग और यह विरल रोगों के लिए उपचार पर अनुसंधान को समर्थन देने की जरूरत की पहचान करती है।
- इसने अभी तक रोगों का और अनुसंधान वित्तीयन के क्षेत्रों का प्राथमिकीकरण नहीं किया है कि कैसे नवाचार को समर्थित किया जाएगा।
- **ड्राफ्ट राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल्स नीति (2017)** कहती है कि इसका एक उद्देश्य नवाचारीय औषधियों का विकास और उत्पादन करना है, लेकिन यह नीति उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोगों के लिए औषधियों का उल्लेख नहीं करती है।
- राष्ट्रीय बायोतकनीक विकास योजना (**2015-2020)** का उद्देश्य रोटावायरस, हैजा, टाइफाइड, रेबीज़ (मानव डीएनए आधारित), मलेरिया, डेंगू, क्षय रोग और जापानी इंसेफलाइटिस के लिए टीकों के परीक्षण पूर्व और परीक्षण विकास को प्रोत्साहित करना है।

ऑपरेशन ट्विस्ट

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- बिज़ीनेस स्टैंडर्ड)

खबरों में क्यों है?

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने हाल में कहा है कि वह अपने विशेष खुले बाजार ऑपरेशन कार्यक्रम के अंतर्गत एक साथ द्वितीयक बांडों के रु. 10,000 करोड़ को खरीदेगा और बेचेगा।
- यह इस वित्त वर्ष में अपने प्रकार का पहला ऑपरेशन ट्विस्ट है जिसमें RBI दीर्घावधि बांडों को इस वर्ष खरीदेगा और लघु अवधि बांडों को बेचेगा।

ऑपरेशन ट्विस्ट के बारे में जानकारी

- 'ऑपरेशन ट्विस्ट' तब है जब केंद्रीय बैंक लघु अवधि की प्रतिभूतियों को बेचने से प्राप्त आयों का उपयोग दीर्घावधि सरकारी ऋण पत्रों को खरीदने के लिए करती है, जिससे दीर्घावधि के पत्रों पर ऋण दरों में कमी आती है।
- ऑपरेशन ट्विस्ट पहली बार 1961 में नजर आया था जिसका कार्य संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉलर को मजबूत करना और अर्थव्यवस्था में नकदी प्रवाह को बढ़ाना है।
- जून 2012 में, ऑपरेशन ट्विस्ट इतना ज्यादा प्रभावी था कि दस वर्षीय संयुक्त राज्य अमेरिकी ट्रेजरी पर परिणाम 200 वर्ष के निचले स्तर पर आ गया।

खुला बाजार ऑपरेशन के बारे में जानकारी

- यह मात्रात्मक मौद्रिक नीति उपकरणों (धन के कुल आयतन का विनिमयन अथवा नियंत्रण) में से एक है जो एक देश के केंद्रीय बैंक द्वारा लगाया जाता है जिससे अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति को नियंत्रित किया जाता है।
- इसे RBI द्वारा आयोजित किया जाता है जिसके लिए सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदा या बेचा जाता है जिससे धन आपूर्ति स्थितियों का समायोजन किया जा सके।
- केंद्रीय बैंक प्रणाली से तरलता को हटाने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों को बेचता है और प्रणाली में तरलता डालने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदता है।
- ये ऑपरेशन अक्सर दिन प्रतिदिन के आधार पर किये जाते हैं। ये इस तरह से किये जाते हैं कि मुद्रास्फीति को संतुलित करते हैं जबकि बैंकों को ऋण देने के लिए मदद करता है।
- RBI, OMO को अन्य मौद्रिक नीति उपकरणों के साथ प्रयोग करता है जैसे कि रेपो दर, नकदी रिजर्व अनुपात और वैधानिक तरलता अनुपात, जिससे प्रणाली में धन की मात्रा और मूल्य को समायोजित किया जा सके।